BIHAR GOVERNMENT

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान

शिक्षक संदर्शिका

कक्षा 1 से 3 में शिक्षण कार्य हेतु

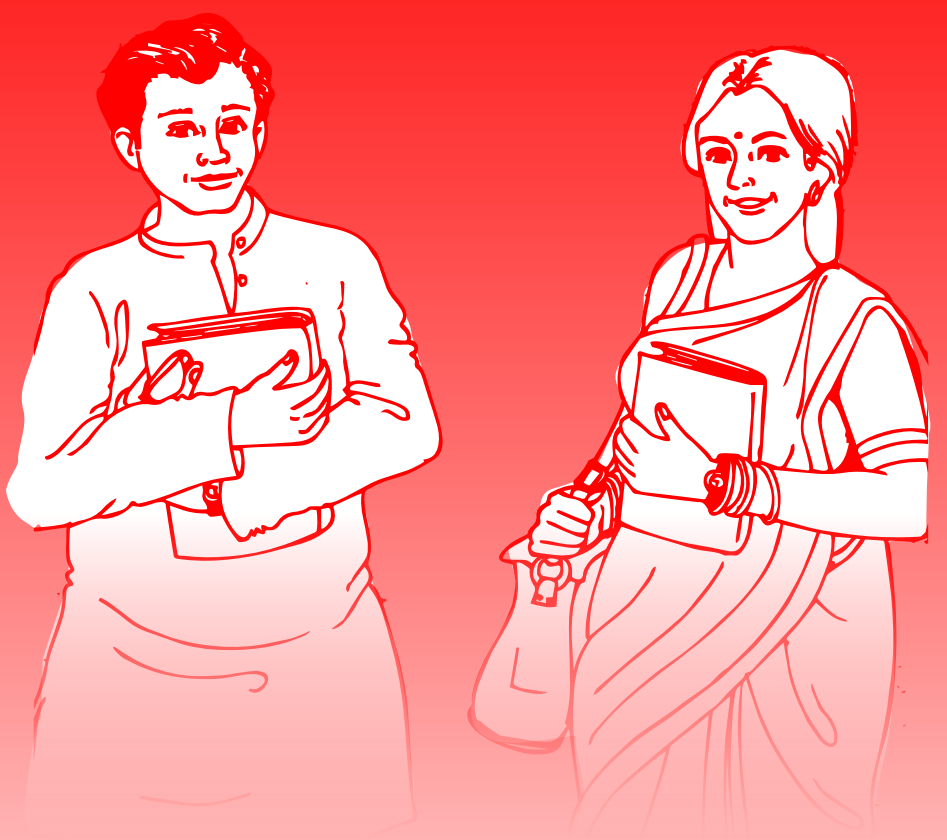

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान

शिक्षक संदर्शिका

कक्षा 1 से 3 में शिक्षण कार्य हेतु

USAID FROM THE AMERICAN PEOPLE

Room to Read

CENTRAL SQUARE FOUNDATION

KPMG

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 एवं बुनियादी स्तर पर बच्चों की शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022 (NCF-FS) के आलोक में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निपुण भारत मिशन के तहत निपुण मिशन बिहार की शुरूआत की गई है। आयु वर्ग 3 से 9 वर्ष तक के बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान की समझ और संबंधित कौशलों को विकसित करने के लक्ष्य को वर्ष 2026–27 तक प्राप्त कर लेना है। इसी परिप्रेक्ष्य में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् एवं एस॰ सी॰ ई॰ आर॰ टी॰ बिहार द्वारा विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं ताकि उक्त लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

ज्ञातव्य है कि कक्षा–1 में नामांकित होने वाले बच्चों के लिए 'चहक' माड्यूल का संचालन राज्य के सभी प्रारंभिक विद्यालयों में किया जा रहा है। इसके क्रियान्वयन में आप शिक्षकों की भूमिका अत्यन्त सराहनीय है। इसी क्रम में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के लक्ष्यों को समय पर प्राप्त करने के लिए अधिगम लक्ष्यों व खेल एवं गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति अपनाना आवश्यक प्रतीत हो रहा है।

प्रस्तुत संदर्शिका कक्षा–1 से 3 तक में पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए तैयार की गई है। इस संदर्शिका में बेहद सरल और सहज ढंग से शिक्षण विधियों व शिक्षक के लिए आवश्यक संदर्भ सामग्रियों को संयोजित करने का प्रयास किया गया है। शिक्षकों की सैद्धांतिक समझ बढ़े व वे इसके व्यावहारिक पक्ष को समझें इस हेतु इस संदर्शिका में निम्न शिक्षण सिद्धांतों को बेहद सरल तरीके से उदाहरणों सहित समझाया गया है।

भाशा शिक्षण के लिए संतुलित शिक्षण पद्धति।

गणित शिक्षण के लिए ई. एल. पी. एस. एवं 5 'पी' शिक्षण पद्धति।

बच्चों के साथ भाषा शिक्षण के लिए प्रतिदिन 90 मिनट (1 घंटा 30 मिनट) व गणित शिक्षण के लिए प्रतिदिन 60 मिनट (1 घंटा) कार्य करने हेतु कालांश संरचना व कार्य विभाजन की ब्लॉक पद्धति।

साथ ही इसमें कक्षावार (कक्षा 1 से 3 तक) सीखने के प्रतिफलों को आधार बनाते हुए सीखने–सिखाने की कुछ नमूना (सैंपल) पाठ योजनाएं भी सम्मिलित की गई हैं। इन पाठ योजनाओं के आधार पर शिक्षक स्वयं सीखने–सिखाने की योजना तैयार कर सकते हैं। इस संदर्शिका में बच्चों के साथ सामाजिक–भावनात्मक कौशलों पर कार्य करने की जरूरत, समुदाय एवं अभिभावकों की भूमिका एवं विद्यालय में समावेशी वातावरण निर्माण हेतु जरूरी दिशा–निर्देशों को भी समाहित किया गया है।

मिशन निपुण बिहार का सफल क्रियान्वयन तभी संभव हो सकता है जब आप शिक्षकगण इसके लिए दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करेंगे। मुझे उम्मीद है कि यह संदर्शिका आपके लिए उपयोगी साबित होगी।

दीपक कुमार सिंह, भा॰प्र॰से॰
अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग

संदेश

सम्मानित शिक्षकगण,

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के लक्ष्यों को हासिल करने एवं निपुण भारत मिशन के ध्येय को पूरा करने के लिए शिक्षा विभाग लगातार अपनी पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत है। इस कड़ी में कक्षा–1 के नवनामांकित बच्चों के लिए चहक मॉड्यूल का प्रशिक्षण एवं उसके क्रियान्वयन की शुरूआत पूर्व में ही की जा चुकी है। चहक मॉड्यूल पर कार्य करने के बेहद उत्साहवर्द्धक परिणाम भी दृष्टिगोचर हो रहे हैं। इसी कड़ी में हम यह शिक्षक संदर्शिका प्रस्तुत कर रहे हैं। यह शिक्षक संदर्शिका हमारे विद्यालयों के बुनियादी कक्षाओं में सीखने–सिखाने में संलग्न शिक्षकों के लिए तैयार की गयी है।

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा अपने राज्य के संदर्भ में साक्षरता एवं संख्या ज्ञान और कक्षा–3 तक के अधिगम प्रतिफलों को ध्यान में रखकर इस शिक्षक संदर्शिका को विकसित किया गया है। इस संदर्शिका में कक्षावार (कक्षा 1 से 3 तक) सीखने के प्रतिफल आधारित सीखने–सिखाने की पाठ योजनाओं का समावेशन किया गया है। साथ ही शिक्षकों के संदर्भ के लिए कक्षावार दोनों विषयों हिन्दी एवं गणित के सीखने के प्रतिफलों का राज्य की पाठ्य पुस्तकों से मिलान भी किया गया है। इस संदर्शिका में दी गई नमूना पाठ योजनाओं के अनुसार शिक्षक स्वयं भी पाठ योजना बना सकते हैं। शिक्षकों से अनुरोध है कि इन पाठ योजनाओं के क्रियान्वयन के दौरान शिक्षण सामग्रियों का उपयोग अवश्य करें साथ ही विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गए थ्स्छ किट का भी उपयोग किया जाना श्रेयस्कर होगा।

इस संदर्शिका में शिक्षकों द्वारा कक्षा में एवं कक्षा के बाहर आयोजित की जानेवाली गतिविधियों को संकलित किया गया है। साथ ही इसमें बच्चों के सीखने–सिखाने एवं बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के लक्ष्यों को प्राप्त करने में माता–पिता/अभिभावकों एवं समुदाय की भूमिका को भी रेखांकित किया गया है। अभिभावकों के लिए कुछ रोचक एवं व्यावहारिक गतिविधियाँ भी सुझाई गई हैं। आशा है कि एस. ई. आर. टी. एवं राज्य के विद्यालयों में कार्यरत साधन सेवी शिक्षकों व विषय विशेषज्ञों के योगदान से बनी यह संदर्शिका प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए उपयोगी साबित होगी।

बैद्यनाथ यादव, भा॰प्र॰से॰
राज्य परियोजना निदेशक,
बिहार शिक्षा परियोजना परिषद

शिक्षकों के लिए

हम सभी जानते हैं कि बच्चों में सीखने की क्षमता जन्मजात होती है। जन्मजात क्षमता के साथ–साथ सीखने के लिए अनुकूल एवं उत्साहवर्धक परिवेश का होना भी आवश्यक है। बच्चे अपने आस–पास उपलब्ध सन्दर्भ और परिवेश से भाषाई अनुभव लेते रहते हैं, परन्तु बहुत सी भाषाई कौशलों का विकास केवल परिवेशीय अनुभव से नहीं हो पाता है। इन कौशलों का विकास व्यवस्थित और योजनाबद्ध तरीके से करना होता है। विद्यालय वो जगह है जहाँ बच्चे न केवल अपनी मौखिक भाषा को समृद्ध करते हैं बल्कि जरुरी पठन और लेखन सम्बन्धी कौशलों को भी विकसित करते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बच्चों में भाषाई एवं गणितीय बुनियादी कौशलों के विकास के लिए विशेष बल दिया गया है। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षा विभाग बिहार, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् तथा राज्य शिक्षा, शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना के नेतृत्व में निपुण बिहार मिशन चल रहा है। बच्चों के बुनियादी भाषा एवं गणितीय कौशल विकास में कक्षा 1, 2 व 3 के शिक्षकों की मदद के लिए शिक्षक संदर्शिका बनाई गई है। इस शिक्षक संदर्शिका में शिक्षकों के लिए वे सभी दिशा–निर्देश विस्तार–पूर्वक दिए गए हैं, जो उन्हें सामग्री के उपयोग और गतिविधियों के संचालन में मदद करेंगे। संदर्शिका में भाषा एवं गणित शिक्षण की रूपरेखा, साप्ताहिक/दिवसवार शिक्षण कार्य–योजना, पाठ योजनाएँ और सीखने के आकलन योजना को भी शामिल किया गया है, जो शिक्षक को व्यवस्थित शिक्षण कार्य संचालन में मदद करेंगी। साथ ही बच्चों के माता–पिता/अभिभावकों के जुड़ाव, सामाजिक–भावनात्मक विकास और सामुदायिक जुड़ाव के उपायों के बारे में भी बात की गई है।

सभी शिक्षक साथियों को मेरा सुझाव है कि इस शिक्षक संदर्शिका को ठीक से पढ़कर समझ लें और कक्षा शिक्षण की योजना बनाने में इसकी नियमित मदद लें। मेरा विश्वास है कि यह संदर्शिका आपके लिए एक शिक्षक सहयोगी की भूमिका निभाएगी। मुझे आशा है, आप इस शिक्षक संदर्शिका की मदद से बच्चों के साथ शिक्षण सामग्री का गुणवत्तापूर्ण उपयोग करेंगे, जिससे हम बच्चों के बुनियादी कौशल विकास के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर सकेंगे।

संदर्शिका पर शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों की हमें सदैव प्रतीक्षा रहेगी जिससे इसे और बेहतर बनाया जा सके।

धन्यवाद

सज्जन आर., भा॰प्र॰से॰
राज्य शिक्षा, शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्–बिहार
महेन्द्रू, पटना

संदेश

प्रिय शिक्षकगण,

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में बुनियादी कक्षाओं में (कक्षा 3 तक) बच्चों के लिए साक्षरता एवं संख्याज्ञान के लक्ष्य तय किए हैं, ताकि हम सभी बच्चों में समझ के साथ पढ़ने–लिखने और तीन अंकीय गणितीय संक्रियाओं को हल करने की दक्षता विकसित करवाने में सफल हो सकें। बच्चे सामान्य लेख को समझ के साथ पढ सकें और अंकों के साथ बुनियादी जोड़ और घटाव करने की क्षमता हासिल कर सहजता से अपनी आगे की शिक्षा अबाध रूप से पूरी करने के लिए स्वतः तैयार हो पायें।

अतः बच्चों में मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार के द्वारा मिशन निपुण बिहार के माध्यम से विद्यालय एवं सभी बच्चों के परिवार के स्तर तक एक व्यापक वातावरण तैयार करने का सतत प्रयास किया जा रहा है, जिससे कक्षा–तीन के अंत तक बच्चे पढ़ने–लिखने एवं गणितीय समस्याओं को हल करने की बुनियादी दक्षता विकसित कर सकें।

मिशन निपुण बिहार के अंतर्गत वर्ष 3 से 9 आयु वर्ग के बच्चों के पढ़ने–लिखने और संख्याज्ञान से जुड़ी जरूरतों को पूर्ण कर एक सक्षम परिवेश का निर्माण करना है। जिससे वर्ष 2026–27 तक प्राथमिक स्तर पर बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान की सार्वभौमिक प्राप्ति की जा सके। इसी परिप्रेक्ष्य में आई॰ पी॰ ई॰ एल॰ प्रोजेक्ट की सहयोगी संस्थाओं के तकनीकी सहयोग से राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार एवं बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना के द्वारा यह शिक्षक संदर्शिका विकसित की गई है। इस संदर्शिका में सरल और सहज ढंग से सामग्रियों को संयोजित किया गया है। कक्षा 3 तक के विषयवार सीखने के प्रतिफल को आधार बनाते हुए सीखने की योजना को भी शामिल किया गया है। इन पाठ योजनाओं से प्रेरणा लेकर शिक्षक स्वयं भी सीखने की योजना तैयार कर सकते हैं। बच्चों में सामाजिक–भावनात्मक कौशलों के विकास हेतु भी गतिविधियाँ दी गई है। बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के लक्ष्यों को प्राप्त करने में समुदाय एवं अभिभावकों की भूमिका एवं समावेशी सीखने का वातावरण निर्माण हेतु जरूरी दिशा–निर्देशों को विशेष रूप से समाहित किया गया है।

संदर्शिका में दी गई सामग्रियों, दिशा–निर्देशों एवं सुझावों के आधार पर अपने विद्यालय में कक्षा–1 से 3 तक के बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के लक्ष्यों को हासिल करने में आप शिक्षकों की भूमिका अत्यन्त निर्णायक साबित हो सकती है। अतः इस शिक्षक संदर्शिका का पूरे मनोयोग से अध्ययन करते हुए बच्चों के लिए इसे क्रियान्वित करने का प्रयास करेंगे।

रवि प्रकाश, भा॰प्र॰से॰
निदेशक प्राथमिक शिक्षा
–सह–निदेशक
मिशन निपुण बिहार

1. **श्री दीपक कुमार सिंह,** भा. प्र. से., अपर मुख्य सचिव (शिक्षा विभाग), बिहार सरकार
2. **श्री बैद्यनाथ यादव,** भा. प्र. से., निदेशक, बी. ई. पी. सी., पटना, बिहार
3. **श्री सज्जन राजसेकर,** भा. प्र. से., निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी., महेन्द्रू, पटना, बिहार
4. **श्री रवि प्रकाश,** भा. प्र. से., निदेशक, प्राथमिक शिक्षा–सह–निदेशक, मिशन निपुण बिहार, पटना
5. **डॉ. रश्मि प्रभा,** संयुक्त निदेशक (अकादमिक–डायट), एस. सी. ई. आर. टी., महेन्द्रू, पटना, बिहार
6. **श्री राम सिंह हापावत,** तकनीकी निदेशक–अकादमिक, आई. पी. ई. एल. (केयर इंडिया), दिल्ली

विषय विशेषज्ञः

1. **डॉ. विभा रानी,** विभागाध्यक्ष, एस. सी. ई. आर. टी., पटना
2. **डॉ. बबली रॉय,** व्याख्याता, DIET दिग्घी, वैशाली
3. **श्रीमती रूपम कुमारी,** व्याख्याता, BNR ट्रेनिंग कॉलेज, पटना
4. **श्रीमती मयूराक्षी मृणाल,** व्याख्याता, PTEC पूसा, समस्तीपुर
5. **श्री नवनीत सिंह,** व्याख्याता, डुमराँव, बक्सर

1. **श्री गोविन्द प्रसाद,** शिक्षक, मध्य विद्यालय जैतिया, चनपटिया, प॰ चंपारण
2. **श्री सूर्य प्रकाश,** शिक्षक, मध्य विद्यालय भलुआ–II, बेलागंज, गया
3. **श्री साकेत कमल,** शिक्षक, मध्य विद्यालय करपी, अरवल
4. **श्रीमती वर्षा,** शिक्षक, राजकीय मध्य विद्यालय रामपुर–31, शेरपुर, मनेर
5. **श्री उमाशंकर ओझा,** शिक्षक, उ॰ मध्य विद्यालय पीपरपांती, बड़हरा, भोजपुर
6. **श्री सुजीत कुमार सिंह,** शिक्षक, मध्य विद्यालय बिरमपुर, भोजपुर
7. **श्रीमती आरजू सिंह,** शिक्षक, परदा कन्या मध्य विद्यालय, भोजपुर
8. **श्रीमती एकता सिंह,** प्रा॰ वि॰ देवधी, गड़हनी, भोजपुर
9. **श्री तनुज रंजन,** उच्च मा॰ विद्यालय चिंतावनपुर, चकिया, पूर्वी चंपारण
10. **श्री कुंदन कुमार आर्य,** शिक्षक, मध्य विद्यालय कटकुइयां, मोतिहारी, पूर्वी चंपारण
11. **श्रीमती शिखा कुमारी,** शिक्षक, NPS मधुबनी घाट, मोतिहारी, पूर्वी चंपारण
12. **डॉ अंकिता कुमारी,** शिक्षक, महादेव उ॰ मा॰ विद्यालय, खुसरूपुर, पटना
13. **श्री मनोज प्रभाकर,** शिक्षक, मध्य विद्यालय रहमत नगर, पूर्णिया
14. **श्रीमती प्रतिमा कुमारी,** शिक्षक, मध्य विद्यालय पोखराम उत्तरी विरौल, दरभंगा
15. **श्री रवि रौशन कुमार,** शिक्षक, राजकीय उ॰ मा॰ विद्यालय माधोपट्टी, दरभंगा
16. **श्रीमती प्रियंका कुमारी,** शिक्षक, मध्य विद्यालय मलाह टोल, परिहार, सीतामढ़ी
17. **श्रीमती शालिनी कुमारी,** शिक्षक, मध्य विद्यालय शंकरपुर, चैवनीया, नाथनगर, भागलपुर करपी, अरवल
18. **सुश्री श्वेता साक्षी,** शिक्षक, मध्य विद्यालय हनुमान नगर, बेलदौर, खगड़िया
19. **श्रीमती श्रेया भारती उपाध्याय,** शिक्षक, मध्य विद्यालय खिरौली, डुमराँव, बक्सर
20. **सुश्री प्रिया श्रीवास्तव,** शिक्षक, प्रा॰ विद्यालय अकलुपुर, डुमराँव, बक्सर

समीक्षक

1. श्रीमती आरती कुमारी, व्याख्याता, सोनपुर, डायट
2. श्रीमती रूपम कुमारी, व्याख्याता, बी. एन. आर. टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, पटना
3. श्री आदित्य नाथ ठाकुर, माउन्ट एवरेस्ट मध्य विद्याालय, कंकड़बाग, पटना
4. श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, उर्दू मध्य विद्यालय, सिकन्दरपुर, चैनपुर, कैमूर

आभार

अकादमिक और तकनीकी सहयोग, IPEL

1. केयर इंडिया
2. रूम टू रीड
3. सेन्ट्रल स्क्वायर फाउन्डेशन
4. के. पी. एम. जी.

विषय सूची

क्र.सं	विषय सूची	पृष्ठ संख्या
1	**शिक्षक संदर्शिका का परिचय**	**11–12**
2	**मिशन निपुण बिहार**	**13–14**
3	**शिक्षक की भूमिका**	
	3.1 कक्षा–कक्ष में शिक्षक की भूमिका	15–17
	3.2 विद्यालय की प्रक्रियाओं में शिक्षक की भूमिका	17
	3.3 समुदाय में शिक्षक की भूमिका	18
	3.4 प्रधान शिक्षक की भूमिका	18–19
4	**बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञानः लक्ष्यों की प्राप्ति में अभिभावकों की सहभागिता**	
	4.1 शिक्षकों हेतु संदर्भ व दिशा–निर्देश	20–23
	4.2 बच्चों में विभिन्न कौशलों के विकास हेतु गतिविधियों के सुझाव	24–30
	4.3 विद्यालय प्रबंधन समिति/विद्यालय शिक्षा समिति की भूमिका	31
	4.4 विद्यालय, माता–पिता/अभिभावकों एवं समुदाय की भूमिका : एक नजर	32
5	**सामाजिक भावनात्मक कौशल**	
	5.1 सामाजिक भावनात्मक कौशल क्या हैं?	33
	5.2 सामाजिक भावनात्मक कौशल के घटक (क्षेत्र)	34–36
	5.3 शिक्षकों के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण बिंदु	36
6	**आकलन**	
	6.1 आकलन क्या है?	37
	6.2 विद्यालय आधारित आकलन	38–39
	6.3 आकलन की रिपोर्टिंग	39
	6.4 प्रगति रिकॉर्ड पत्रक	40

क्र.सं	विषय सूची		पृष्ठ संख्या
7	**बुनियादी संख्या ज्ञान**		
	7.1	बुनियादी संख्या ज्ञान की अवधारणाएँ	41–44
	7.2	बुनियादी गणित सीखना–सिखाना	45–46
	7.3	बच्चों के सीखने की समझ–आरंभिक स्तर पर	46
	7.4	गणित सीखने–सिखाने के तरीके	46–47
	7.5	5 'पी' संरचनाः पाठ योजना में क्या है?	48
	7.6	साप्ताहिक दृश्यः एक सप्ताह में क्या करना है?	49
	7.7	आखिर कैसी दिखनी चाहिए गणित की कक्षा?	50
8	**गणित के सीखने के प्रतिफल एवं पाठ योजना**		
	8.1	गणित के सीखने के प्रतिफल और उसके साथ पाठ्यपुस्तक का मिलान (कक्षा–1)	52–60
		पाठ योजना गणित, कक्षा – 1	61–85
	8.2	गणित के सीखने के प्रतिफल और उसके साथ पाठ्यपुस्तक का मिलान (कक्षा–2)	86–94
		पाठ योजना गणित, कक्षा – 2	95–119
	8.3	गणित के सीखने के प्रतिफल और उसके साथ पाठ्यपुस्तक का मिलान (कक्षा–3)	120–134
		पाठ योजना गणित, कक्षा – 3	135–157
9	**बुनियादी भाषा और साक्षरता**		
	9.1	भूमिका	158
	9.2	भाषायी कौशलों का अंतर्संबंध	158–159
	9.3	बुनियादी भाषा और साक्षरता के घटकों का सीखने के प्रतिफलों के साथ मिलान	159–160
	9.4	बुनियादी भाषा और साक्षरता विकास के मुख्य सिद्धांत	160
	9.5	बुनियादी भाषा और साक्षरता विकास के लिए संतुलित पद्धतिः क्या और कैसे?	161
	9.6	कक्षा में बुनियादी साक्षरता के घटकों का स्वरूप	162–172
	9.7	मातृभाषा का कक्षा में उपयोग	172
	9.8	बुनियादी भाषा एवं साक्षरता विकास में पुस्तकालय एवं बाल साहित्य की भूमिका	173–178

क्र.सं	विषय सूची	पृष्ठ संख्या
10.	**बुनियादी भाषा और साक्षरता के लिए घटकवार कार्य योजना एवं शिक्षण योजना का प्रारूप**	
	10.1 दैनिक कार्य योजना की रूपरेखा	179
	10.2 कक्षा 1: निपुण लक्ष्य और सीखने के प्रतिफल	185–187
	पाठ योजनाः कक्षा 1	188–196
	10.3 कक्षा 2: निपुण लक्ष्य और सीखने के प्रतिफल	197–201
	पाठ योजनाः कक्षा 2	202–210
	10.4 कक्षा 3: निपुण लक्ष्य और सीखने के प्रतिफल	211–215
	पाठ योजनाः कक्षा 3	216–222
	10.5 साप्ताहिक कार्य योजना – बुनियादी साक्षरता	223
11	**बैगलेस सुरक्षित शनिवार**	**224**
12	**पारिभाषिक शब्दावली**	**225–227**
	परिशिष्ट–1 टेक्स्टबुक मैपिंग हिन्दी (कक्षा – 1, 2, 3)	**228–258**
	परिशिष्ट–2 प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा	**259–261**
	परिशिष्ट–3 समग्र प्रगति पत्रक (Holistic Progress Card)	**262–263**
	परिशिष्ट–4 शिक्षण अधिगम सामग्री (TLM)	**264–266**
	परिशिष्ट–5 सतत विकास लक्ष्य (SDGs)	**267**

1.शिक्षक संदर्शिका का परिचय

बुनियादी स्तर पर बच्चों की शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा 2022 (NCF-FS) के अनुसार ''शिक्षण कर्म बौद्धिकता व नैतिकता की मांग करता है।'' इस स्तर पर बच्चों के साथ शिक्षण के लिए शिक्षकों में उन गुणों का होना जरूरी है, जिनसे वे छोटे बच्चों की उचित देखभाल व उनसे प्रेमपूर्ण एवं मित्रवत संबंध रखते हुए ऊर्जा, धैर्य व निश्चितता के साथ आनन्ददायी शिक्षण करा सकें।

इसके लिए शिक्षकों हेतु संसाधनों से समृद्ध व प्रेरणादायी वातावरण के निर्माण के साथ–साथ उनकी व्यावसायिक दक्षताओं के निरंतर विकास हेतु अवसर सृजित करने होंगे तथा उन्हें आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध कराने होंगे।

प्रस्तुत शिक्षक संदर्शिका बुनियादी स्तर पर शिक्षण कराने वाले शिक्षकों के लिए तैयार की गई है। यह संदर्शिका शिक्षकों के लिए बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान हेतु एक स्रोत व संदर्भ पुस्तिका का काम करेगी। इसकी मदद से शिक्षक बुनियादी कक्षाओं में बेहतर शिक्षण योजना बना कर उसे कक्षा–कक्ष में लागू कर पाएंगे एवं कक्षानुसार बच्चों में अपेक्षित अधिगम लक्ष्यों को हासिल कर पाएंगे। पिछले दो वर्षों में कोविड महामारी ने बच्चों की शिक्षा, विशेष कर प्राथमिक शिक्षा के समक्ष अनेक चुनौतियाँ खड़ी की हैं, जिसके कारण अधिगम की क्षति हुई है। बच्चों की अधिगम क्षति को दूर कर कक्षानुसार निर्धारित अधिगम लक्ष्यों को हासिल करना एक बड़ी चुनौती है। इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बिहार शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 1 से 3 तक के अधिगम स्तरों के अनुसार यह शिक्षक संदर्शिका तैयार की गई है। आगामी वर्षों में बच्चों को सामाजिक भावनात्मक रूप से मजबूत बनाते हुए उनकी अधिगम क्षति को भी पूरा करना है।

शिक्षक संदर्शिका के उपयोग हेतु संदर्भ एवं सुझावः

शिक्षक संदर्शिका बच्चों को केन्द्र में रखकर तैयार की गई है। कक्षा–कक्ष में बच्चों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के शिक्षक के प्रयासों में यह संदर्शिका मददगार साबित होगी। इसमें विषय वस्तु को समझाने के लिए बच्चों की मातृभाषा का उपयोग, विषय की अवधारणाओं को स्पष्ट करने के लिए स्थानीय संदर्भों व संसाधनों के उपयोग करने पर बल दिया गया है। बच्चों के भाारीरिक एवं मानसिक विकास में माता–पिता एवं अभिभावकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। जो अभिभावक बच्चों के साथ सकारात्मक रूप से जुड़े होते हैं और उन्हें गुणवत्तापूर्ण समय देते हैं उनके बच्चों का शैक्षणिक प्रर्दशन भी बेहतर होता है। इस संदर्शिका में ऐसी गतिविधियाँ व तरीके बताये गए हैं जिनकी सहायता से शिक्षक माता–पिता एवं अभिभावकों को प्रेरित कर सकते हैं और उनका विद्यालय व घर पर बच्चों से सकारात्मक जुड़ाव सुनिश्चित कर सकते हैं। बच्चों में सामाजिक–भावनात्मक विकास की आवश्यकता को महसूस करते हुए इस विशय को भी इस संदर्शिका में शामिल किया गया है। उम्मीद है कि इस संदर्शिका में सुझाई गई विधियों व सामग्री के माध्यम से शिक्षक कक्षा में बच्चों के साथ काम करने के उचित तरीकों को अपनाएंगे।

शिक्षक संदर्शिका में भाषा शिक्षण के लिए संतुलित भाषा पद्धति और गणित शिक्षण के लिए अनुभव, भाषा, चित्र, संकेत (ELPS) पद्धति को सरल भाषा में उदाहरणों सहित विस्तार से समझाया गया है। मिशन निपुण भारत एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-FS) 2022 में भी बुनियादी स्तर पर शिक्षण हेतु इन शिक्षण पद्धतियों की अनुशंसा की गई है। बच्चे सतत् रूप से सीखते हुए

वांछित कौशलों को प्राप्त कर पाएं, इसके लिए गतिविधियों और अभ्यास कार्य को सरल से कठिन के क्रम में रखा गया है। शिक्षक बच्चे के सीखने की प्रगति को जान पायें, इसके लिए आकलन को भी शामिल किया गया है। संदर्शिका के सहयोग से शिक्षक आवश्यकतानुसार अपनी शिक्षण प्रक्रियाओं में गुणात्मक बदलाव कर पाएंगे।

इस शिक्षक संदर्शिका को मुख्य रूप से पाँच भागों में बाँटा गया है:–

- मिशन निपुण, बुनियादी साक्षरता, संख्या ज्ञान व शिक्षक की भूमिका।
- बच्चों के सीखने–सिखाने में माता–पिता/ अभिभावकों की भागीदारी व सामाजिक–भावनात्मक विकास।
- विद्यालय आधारित सतत् आकलन।
- बुनियादी संख्या ज्ञान के सीखने–सिखाने के सिद्धांत, अभ्यास और अधिगम लक्ष्य आधारित पाठ योजनाएं।
- बुनियादी साक्षरता ज्ञान के सीखने–सिखाने के सिद्धांत, अभ्यास और अधिगम लक्ष्य आधारित पाठ योजनाएं।

यह शिक्षक संदर्शिका राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं निपुण भारत मिशन में उल्लिखित बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के लक्ष्यों को समय पर प्राप्त करने तथा शिक्षकों द्वारा कक्षा–कक्ष में नवाचार अर्थात खेल एवं गतिविधि आधारित शिक्षण करा पाने में शिक्षकों की मदद कर पाएगी। इसे भाषा व गणित शिक्षण की बुनियादी आवश्यकताओं और कक्षा 3 तक के सीखने के प्रतिफलों (Learning Outcomes) को ध्यान में रख कर विकसित किया गया है। यह संदर्शिका सिर्फ पाठ्य पुस्तक केन्द्रित नहीं है अपितु इसमें शिक्षण सिद्धांतों, व्यवहार एवं कक्षागत प्रक्रियाओं का उचित समन्वय है। अर्थात् पाठ्य पुस्तक परिवर्तन होने के बाद भी इसकी सार्थकता बनी रहेगी। शिक्षकों की सुविधा के लिए बिहार में बुनियादी स्तर की कक्षाओं की पाठ्य पुस्तकों की निपुण मिशन के अंतर्गत कक्षा 1 से 3 तक हिन्दी एवं गणित के लिए वांछित अधिगम लक्ष्यों के अनुसार मैपिंग की गई है तथा वांछित अधिगम लक्ष्यों के अनुसार पाठ्य पुस्तकों में संबंधित पाठों को चिह्नित किया गया है। इस संदर्शिका में शिक्षकों द्वारा कक्षा में एवं कक्षा के बाहर आयोजित की जानेवाली गतिविधियों के संचालन हेतु मार्गदर्शन दिया गया है। इसमें निम्नलिखित प्रमुख बिन्दुओं–विषयों को समाहित किया गया है।

निपुण भारत मिशन – निपुण भारत मिशन क्या है और उसे कैसे लागू किया जाना है। इस संबंध में एक संक्षिप्त विवरण दिया गया है। ताकि शिक्षक इस मिशन की प्रमुख बातों से अवगत हो पाएं।

शिक्षकों एवं प्रधान शिक्षकों की भूमिका–प्रारंभिक कक्षाओं में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के संदर्भ में शिक्षकों एवं प्रधान शिक्षकों की भूमिका और जिम्मेदारियों के विषय में इस पुस्तिका में मार्गदर्शन प्रदान किया गया है।

सामाजिक–भावनात्मक विकास–इसके अंतर्गत शिक्षक द्वारा बच्चों में सामाजिक–भावनात्मक विकास हेतु कक्षा–कक्ष संचालन के दौरान किस तरह का माहौल निर्माण किया जाएगा एवं क्या गतिविधियाँ की जानी चाहिए, इसके बारे में विस्तार से बताया गया है।

प्रारंभिक शिक्षा के लिए बच्चों के साथ माता–पिता/ अभिभावकों का जुड़ाव–शिक्षक और अभिभावक मिलकर बच्चों के सीखने–सिखाने और बच्चों के अनुरूप वातावरण निर्माण में कैसे एक–दूसरे का सहयोग कर सकते हैं, इस संबंध में जानकारी दी गई है।

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान से संबंधित सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों को उदाहरणों सहित इस संदर्शिका में विस्तार से समझाया गया है। इसमें कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों के लिए हिन्दी व गणित शिक्षण के लिए अधिगम लक्ष्य आधारित नमूना (सैंपल) पाठ योजनाएं दी गई हैं।

आकलन के तरीके व बच्चों की शैक्षणिक प्रगति का लेखा–जोखा रखने के तरीकों को विस्तार से बताया गया है।

इस मार्गदर्शिका में साक्षरता व संख्या ज्ञान के कालांशो की अवधि व संरचना तथा साप्ताहिक शैक्षणिक नियोजन के बारे में आवश्यक सुझाव दिए गए हैं ताकि शिक्षक आवश्यकता अनुरूप समय नियोजन व शिक्षण प्रबंधन कर पाएं।

2. मिशन निपुण बिहार

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान का महत्व – तंत्रिका विज्ञान (Neuroscience) के अनुसार बच्चों के मस्तिष्क का 85 से 90 प्रतिशत विकास 6 वर्ष की आयु तक हो जाता है। यह वह अवस्था होती है जिसके दौरान बच्चों को जो माहौल मिलता है उसका प्रभाव उनके आगे के शारीरिक, बौद्धिक व भावनात्मक विकास पर पड़ता है। क्योंकि इस अवस्था में बच्चों के मस्तिष्क का विकास तेजी से होता है, अतः जरूरी है कि शिक्षक एवं माता–पिता बच्चों को सीखने के विविध अवसर दें तथा उन्हें लगातार उत्साहित करें। बच्चों के विकास के बुनियादी वर्षों में उन्हें सीखने–सिखाने का उपयुक्त माहौल प्रदान करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का विशेष जोर बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान पर है।

1. **बुनियादी साक्षरता की समझ** – भाषा की समझ का अर्थ बोलने, सुनने, पढ़ने तथा लिखने के साथ–साथ व्यक्ति के सामाजिक रीति–रिवाज़ो का हस्तांतरण तथा दुनिया की समझ को विकसित करने से है। भाषा का पूर्व ज्ञान साक्षरता कौशल के निर्माण में सहायता करता है। जिन बच्चों की अपनी मातृभाषा पर मजबूत पकड़ होती है वे हिन्दी या दूसरी भाषा को और अधिक सरलता से सीख सकते हैं। इसके अलावा बुनियादी साक्षरता कौशलों को स्कूल में पोषित किया जाता है और अधिकतर यह उस भाषा के प्रति शिक्षकों की समझ एवं दृष्टिकोण पर निर्भर करता है जिस भाषा को बच्चे स्कूल में लेकर आते हैं अर्थात् जो बच्चों की मातृभाषा होती है।

   बच्चों में बुनियादी साक्षरता की समझ भाषा के विभिन्न आयामों यथा पढ़ने, लिखने की समझ तथा उभरती साक्षरता (Emergent Literacy), अर्थात पढ़ना–लिखना सीखने के पूर्व के कौशलों की बुनियाद पर आधारित होती है। अतः बुनियादी साक्षरता के लिए इससे संबंधित कौशलों पर बच्चों के साथ काम करने की विशेष आवश्यकता है।

2. **बुनियादी संख्या ज्ञान की समझ** – बुनियादी साक्षरता के साथ साथ बच्चों में दैनिक जीवन की समस्याओं का समाधान, तर्क करने और संख्या ज्ञान की अवधारणा विकसित करने के लिए बुनियादी संख्या ज्ञान पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। बच्चों में संख्या ज्ञान के पूर्व के कौशल (Emergent Numeracy) की समझ, जैसे कम या अधिक, छोटा या बड़ा, भारी या हल्का, संख्याओं की समझ, संख्याओं की तुलना, मापन एवं स्थानिक समझ इत्यादि कौशल विकसित करना महत्वपूर्ण है।

मिशन निपुण बिहार की पृष्ठभूमि – शिक्षा के क्षेत्र में विकास, राष्ट्र के लिए सबसे अहम विकास होता है। बच्चों के सीखने के अनुभवों को समृद्ध करने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का निर्माण किया गया है। यह

शिक्षा नीति 2020 हमारे देश की तीसरी शिक्षा नीति है। पूर्व में 1968 एवं 1986 में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण किया गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कई मायनों में पूर्व की शिक्षा नीतियों से भिन्न है। इसके अंतर्गत 2026 – 27 तक कक्षा तीन तक के प्रत्येक बच्चे को समझ के साथ पढ़ने, लिखने, व्याख्या करने तथा संख्या ज्ञान के अपेक्षित बुनियादी कौशलों को हासिल करने का लक्ष्य है। बुनियादी साक्षरता तथा बुनियादी संख्या ज्ञान के कौशलों पर दक्षता बच्चों के उच्च कक्षाओं में अकादमिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। NCERT द्वारा कराये गए सर्वे NAS 2021 के अनुसार बिहार के 33 प्रतिशत बच्चे भाषा में तथा 25 प्रतिशत बच्चे गणित में अपनी कक्षा के निर्धारित अधिगम प्रतिफलों में बुनियादी (Basic) स्तर से भी नीचे हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक मुख्य लक्ष्य बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को विकसित करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु शिक्षा मंत्रालय द्वारा 5 जुलाई 2021 को "निपुण भारत मिशन" की शुरुआत की गयी जिसका पूरा नाम ''राष्ट्रीय साक्षरता एवं संख्या ज्ञान दक्षता पहल'' (National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy) है। यह मिशन समग्र शिक्षा का ही एक हिस्सा है। इसी के अंतर्गत बिहार राज्य में भी पिछले वर्ष से ही बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर कार्य हो रहा है तथा 5 सितम्बर, 2022 को औपचारिक रूप से **मिशन निपुण बिहार** की शुरुआत की गयी।

मिशन निपुण बिहार में शिक्षकों की भूमिका – मिशन निपुण बिहार की व्यापक सफलता हेतु शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षकों द्वारा विभिन्न प्रकार के खिलौने, खेल तथा अन्य शिक्षण सामग्री का उपयोग कर दैनिक, साप्ताहिक एवं मासिक शिक्षण योजना का निर्माण किया जाना है। बच्चों के अधिगम एवं कौशल विकास का आकलन निरंतर कक्षा में विद्यालय आधारित आकलन की विभिन्न तकनीकों से किया जाना है।

मिशन निपुण बिहार के अंतर्गत राज्य शिक्षा, शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास किया जाएगा तथा शिक्षकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। समूचे देश में विद्या प्रवेश (कक्षा 1 में नव नामांकित बच्चों के लिए विद्यालय तत्परता कार्यक्रम) तथा हमारे राज्य में उसी का प्रारूप **"चहक मॉड्यूल"** के प्रशिक्षण को मूर्त रूप दिया जा चुका है।

मिशन निपुण बिहार का सफल क्रियान्वयन तभी हो सकता है जब शिक्षक इसके लिए दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करें तथा प्रशिक्षणों से नयी तकनीक तथा नवाचारी अवधारणाओं की समझ से खुद को अद्यतन करें।

मिशन निपुण बिहार के अंतर्गत अधिगम के निम्नलिखित पाँच क्षेत्रों पर ध्यान देने की आवश्यकता है:

1. बच्चों को उनकी स्कूली शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों में विद्यालयों में बनाए रखना
2. शिक्षक क्षमता निर्माण
3. उच्च गुणवत्ता एवं विविधतापूर्ण शिक्षण संसाधनों/अधिगम सामग्री का विकास
4. सीखने के प्रतिफल की उपलब्धि में प्रत्येक बच्चे की प्रगति को ट्रैक करना
5. बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य (मानसिक स्वास्थ्य सहित) स्तर को ट्रैक करना

3. शिक्षक की भूमिका

शिक्षक की भूमिका एक पथ प्रदर्शक व सुगमकर्ता के तौर पर होती है, जिसमें उन्हें बच्चों के साथ सीखने–सिखाने के विभिन्न आनंददायी व रोचक तरीकों का प्रयोग करते हुए उनमें कक्षा अनुरूप वांछित क्षमताओं के विकास के साथ ही संवैधानिक मूल्यों को पोषित करना होता है। इन क्षमताओं को विकसित करने के लिए शिक्षक को बच्चों के साथ संयम एवं भावनात्मक जुड़ाव के साथ कार्य करना होता है।

निपुण भारत का लक्ष्य है कि बच्चे स्वस्थ हों और उनकी उचित देखभाल हो, बच्चों का सम्प्रेषण प्रभावी हो तथा बच्चे अपने निकटतम परिवेश से जुड़ कर सीखें। बच्चों में शारीरिक, सामाजिक व भावनात्मक विकास के साथ–साथ बुनियादी भाषायी एवं संख्यात्मक समझ भी विकसित हो। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एक शिक्षक को स्वयं बहुत सारे स्तरों पर तैयार होने की आवश्यकता है। शिक्षक को अपनी भूमिका को अच्छे से समझना होगा। इस हेतु नीचे कुछ बिन्दु विचार एवं मार्गदर्शन के लिए दिए जा रहे हैं। शिक्षक एवं प्रधान शिक्षक की भूमिका को अलग से दिया गया है चूँकि प्राथमिक विद्यालयों में प्रधान शिक्षक की जिम्मेदारी में शिक्षक होने के साथ–साथ अन्य कार्य भी शामिल होते हैं।

3.1 कक्षा–कक्ष में शिक्षक की भूमिका

1. कक्षा–कक्ष को भयमुक्त तथा भेद–भाव रहित बनाएं जहाँ बच्चे बेझिझक अपनी बात रख सकें।
    - बच्चों को कक्षा–कक्ष में एक साथ बैठाएं जिसमें विशेष आवश्यकता वाले, लिंग, जाति, धर्म आदि का समावेशन हो।
    - कक्षा–कक्ष में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के प्रति संवेदनशीलता व सम्मान का भाव बढ़ाएं।
    - सभी धर्मों से संबंधित त्योहारों पर बच्चों से बात करें व उनमें सर्वधर्म समभाव की भावना को विकसित करें।
2. बच्चों के साथ मिलकर कार्य करें जिससे बच्चों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बढ़े।
    - कक्षा में ऐसा माहौल तैयार करें जिससे बच्चे अपनी हर प्रकार की बात शिक्षक से बेझिझक कह सकें।
    - शिक्षक बच्चों की बातों का सम्मान करते हुए गंभीरतापूर्वक सुनें और आवश्यकतानुसार उनकी उपयुक्त मदद करें।
    - कक्षा–कक्ष के नियम शिक्षक व बच्चे मिलकर बनाएं व अनुपालन न होने की स्थिति में एक दूसरे को बिना भय के बताएं।
    - शिक्षक व बच्चे साथ मिलकर भोजन ग्रहण करें।
3. बच्चों की मातृभाषा में उनसे बातचीत करें।
    - बच्चों की भाषा का सम्मान करें।
    - शिक्षण में बच्चों की भाषा को शामिल करें।
    - बच्चों को सहज रूप से उनकी अपनी मातृभाषा से विद्यालयी भाषा (स्थानीय से मानक) की ओर ले जाएं।
4. बच्चों को विभिन्न माध्यमों द्वारा अपने आपको अभिव्यक्त करने के पर्याप्त अवसर दें।

- कहानी सुनाने की प्रक्रिया में चित्रों, हाव–भाव या अभिनय के जरिए कहानी सुनाने से पूर्व, कहानी सुनाने के दौरान व बाद में बच्चों के साथ बातचीत करें।

5. सीखने के प्रतिफलों पर आधारित योजना–निर्माण व शिक्षण कार्य करें।

   - अधिगम उद्देश्यों (Learning Objectives) को समझें और उसके अनुरूप योजना तैयार करें।
   - अधिगम उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विभिन्न सहायक सामग्रियों जैसे पाठ्यपुस्तकों, अभ्यास पुस्तिका, सहायक शिक्षण सामग्री, पुस्तकालय का साहित्य व इस संदर्शिका का उपयोग करें।
   - अधिगम उद्देश्य व बच्चों के सीखने की गति को ध्यान रख कर योजना तैयार करें।

6. सीखने की प्रक्रिया रुचिपूर्ण, आनंददायक एवं मनोरंजक बनाएं।

   - खेल विधि, खोज विधि, खिलौनों, नाटक, प्रोजेक्ट कार्य, आदि को अपनी शिक्षण प्रक्रियाओं में शामिल करें।
   - बच्चों को आपस में मिलकर खेल के नए तरीके, नियम बनाने और उन्हें निभाने के लिए प्रेरित करें।
   - बच्चों को समूह में प्रोजेक्ट बनाने व उसको समुदाय में प्रस्तुत करने के अवसर दें।

7. सिर्फ सीखे जाने वाली विषय–वस्तु का आकलन करने के बजाय सीखने की उपलब्धि व सीखने की प्रक्रिया का आकलन करें इससे शिक्षक बच्चे की वास्तविक समस्या पहचानेंगे और उसके अनुसार अपनी योजना का निर्माण कर पाएंगे।

   - पेपर पेन के साथ साथ अन्य तरीकों का भी आकलन हेतु प्रयोग करें।
   - प्रत्येक बच्चे के सीखने को अंकित करने हेतु उनका पोर्टफोलियो बनाएं।
   - आकलन में निरन्तरता रखें व आकलन के लिए विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल करें जैसे बच्चों का अवलोकन, उनसे बातचीत, गृहकार्य, साथियों से बातचीत, अभिभावकों से विमर्श व पोर्टफोलियो का निरीक्षण इत्यादि।
   - आकलन को संपूर्णता में देखें जैसे बच्चे की टीम भावना, स्वयं को अभिव्यक्त करना, खुद के प्रति सजग होना, दूसरों के प्रति संवेदनशील होना इत्यादि।

8. बच्चों के साथ सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को उनके परिवेश व उनके पूर्व के अनुभवों से जोड़ें।

   - गणितीय कौशलों और अवधारणाओं को आम जीवन से जोड़कर समझाएं।
   - बच्चों को समुदाय की लोक कथाओं को इकट्ठा करने और उन्हें सुनाने हेतु प्रेरित करें।

9. कम रूचि लेने वाले बच्चों एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों पर अतिरिक्त ध्यान दें।

   - बच्चों के पोर्टफोलियो के आधार पर अधिगम प्राप्ति में अपेक्षा से कम प्रदर्शन करने वाले बच्चों को चिह्नित करें।
   - बच्चों के अपेक्षा से कम प्रदर्शन करने के कारण का पता लगाने का प्रयास करें।
   - चिह्नित बच्चों के स्तर व सीखने के तरीकों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए अलग से शिक्षण योजना बनाएं।
   - विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए संसाधनों व उपयुक्त संदर्भदाताओं को चिह्नित करें एवं उन्हें सहयोग हेतु आमंत्रित करें।

10. कक्षा में प्रिन्ट समृद्ध वातावरण का निर्माण करें एवं शिक्षण अधिगम सामग्री को प्रदर्शित करें।

- बच्चों को विभिन्न तरह की सामग्री निर्माण के लिए प्रेरित करें व उन्हें कक्षा में प्रदर्शित करें।
- लर्निंग कॉर्नर की व्यवस्था करें जिसमें बच्चे अवलोकन तथा गतिविधि द्वारा स्वयं सीखने के लिए प्रेरित हो सकें।
- कम खर्च एवं आसानी से मिलने वाले सामान से टी.एल.एम. बनवा कर उसका उपयोग करें।
- बच्चों को दीवार/भित्ती पत्रिका व बाल पत्रिका के निर्माण तथा प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करें।

3.2 विद्यालय की प्रक्रियाओं में शिक्षक की भूमिका –

1. खेल के मैदान में सामूहिकता और समानता को सुनिश्चित करें।

- बच्चे व शिक्षक, खेल व विद्यालय के कार्यों को संपादित करने में समानता का ध्यान रखें। लड़कियाँ रस्सी कूद और लड़के फुटबॉल, लड़कियाँ साफ–सफाई और लड़के सामान उठाएं जैसी पारम्परिक धारणाओं को तोड़ें।
- बच्चों की जिस खेल में रुचि हो उसकी पहचान करते हुए उन्हें आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित करें।
- खेल के समय बच्चों में मित्रवत व्यवहार के साथ खेलने की भावना का विकास करें।
- स्थानीय खेलों को प्रोत्साहित करें। स्थानीय खेल वहाँ के भौगोलिक और सांस्कृतिक परिवेश से जुड़े होते हैं, इससे बच्चों में अपने क्षेत्र विशेष की समझ के साथ–साथ उनका शारीरिक विकास भी होगा।
- आवश्यकता अनुसार फर्स्ट ऐड बॉक्स रखें जिससे चोट लगने पर प्राथमिक उपचार के लिए उसका उपयोग किया जा सके।
- शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु बच्चों को योग एवं व्यायाम कराएँ एवं उन्हें अपनाने हेतु प्रोत्साहित करें।

2. विद्यालय के कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से आयोजित करने के यथोचित प्रयास करें।

- राष्ट्रीय त्योहार तथा जयंती को आयोजित करें जिससे बच्चों में राष्ट्रीयता की भावना का विकास हो।
- सुबह की सभा/चेतना सत्र के लिए धर्म निरपेक्ष प्रार्थना का चुनाव करें।
- चेतना सत्र का संचालन करें व इसमें विभिन्न रोचक गतिविधियों जैसे गीत, कविता, कहानी, नाटक, खेल व समाचार वाचन इत्यादि गतिविधियों को शामिल करें।
- बाल संसद एवं मीना मंच के सदस्यों में आपदा प्रबंधन इत्यादि में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए कार्य करें। इससे बच्चों में नेतृत्व क्षमता का विकास और सभी के हित में सोचकर फैसला लेने के गुण को बल मिलता है।
- समय समय पर बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षणों में प्रतिभाग एवं योगदान दें। बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दें।
- विशेष दिवसों जैसे महिला दिवस, बालिका दिवस, बाल दिवस, गणित दिवस, हिन्दी पखवाड़ा, साक्षरता दिवस एवं शिक्षक दिवस को नवाचारी तरीकों से मनाएं।

3.3 समुदाय में शिक्षक की भूमिका –

1. शिक्षक विद्यालय में अभिभावकों व समुदाय की सहभागिता बढ़ाने हेतु प्रयास करें।
   - अभिभावकों को उनकी सुविधा व उपलब्धता के अनुसार शिक्षक–अभिभावक बैठक हेतु आमंत्रित करें।
   - अभिभावकों की बैठक में बच्चों के सीखने से संबंधित विद्यालय के प्रयासों व बच्चों के अधिगम संबंधित पूरी जानकारी दें।
   - अभिभावकों से की जाने वाली अपेक्षाओं को उनके संदर्भों के अनुरूप साझा करें व उनकी समस्याओं को सम्मान व धैर्यपूर्वक सुनें व समझें।
   - समुदाय को विद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में आमंत्रित करें व उन्हें प्रतिभाग हेतु प्रोत्साहित करें जैसे विद्यालय प्रवेश पर्व, वार्षिक खेलकूद व बच्चों के कार्यों की प्रदर्शनी आदि।
   - बच्चों के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने के लिए समुदाय को संवेदनशील बनाने के लिए कार्य करें। जैसे प्रभात फेरी निकालना, नुक्कड़ नाटक व सामुदायिक बैठकें जिससे अंधविश्वास, बाल विवाह, दहेज प्रथा, बाल मजदूरी सहित अनेक कुरीतियों की रोकथाम हो सके।

3.4 प्रधान शिक्षक की भूमिका –

1. प्रधान शिक्षक–सभी शिक्षकों को साथ लेकर चलें और साथ ही उन्हें समय–समय पर आवश्यक सहयोग दें।
   - नियमित अंतराल पर शिक्षकों के क्रियाकलाप का अनुश्रवण करें व उनकी क्षमता संवर्धन के मुद्दों को पहचानें व साझा करें। इससे शिक्षक की कार्यक्षमता में विकास होता है और उनमें निरंतर सुधार होगा।
   - शिक्षकों को यथोचित सहयोग प्रदान करें ताकि विद्यालय के क्रियाकलाप सुचारु रूप से चलते रहें।
   - सभी शिक्षकों के साथ विद्यालयोपरांत बैठक आयोजित करें और बच्चों के सीखने की प्रगति और सीखने के प्रतिफलों को केंद्र में रखते हुए बातचीत करें।
   - किसी भी प्रकार के प्रशिक्षण को ग्रहण करने के पश्चात सभी शिक्षकों के साथ उसको साझा करें।
   - शिक्षकों को भी विद्यालय की अन्य प्रशासनिक व अकादमिक जिम्मेदारियों का हिस्सेदार बनाएं ताकि वे भी विद्यालय नेतृत्व के लिए तैयार हो सकें।
   - विद्यालय प्रगति योजना को सभी के साथ मिलकर बनाएं।
   - विद्यालय से संबंधित निर्णयों में शिक्षकों के विचारों को आमंत्रित करें व उनको ध्यानपूर्वक समझें।

2. अभिभावक एवं समुदाय के साथ समय–समय पर संपर्क स्थापित करें।

- विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन तथा समिति की नियमित बैठकों का आयोजन करें एवं समुदाय की भागीदारी को सुनिश्चित करें।
- विद्यालयों में सरकार द्वारा चल रही योजनाओं को विद्यालय प्रबंधन समिति के साथ मिलकर लागू करें तथा उसकी निगरानी करें ताकि समाज का विद्यालय पर भरोसा कायम हो।
- समुदाय से विभिन्न हुनरमंद व्यक्तियों को चिह्नित करें व उन्हें विद्यालय में आमंत्रित कर उनके हुनर को प्रदर्शित करवाएं जैसे समुदाय के बड़े – बुजुर्गों (महिला–पुरूष) को आमंत्रित कर कहानी वाचन करवाएं।
- स्थानीय कलाकार व विभिन्न व्यवसायों में लगे व्यक्तियों को बुलाकर उनसे बच्चों की परिचर्चा करवाएं।
- अभिभावकों को शिक्षक अभिभावक बैठकों के माध्यम से विद्यालय के नवाचार और गतिविधियों से अवगत कराएं।
- FLN के अंतर्गत आवश्यक सामग्री मुहैया करवाएं। इससे प्राथमिक कक्षाओं के महत्व को समझते हुए उसे संचालन में मदद मिलेगी।
- विद्यालय स्तर पर अभिभावकों के लिए वर्ष में कम से कम दो बार कार्यक्रम रखें जिसमें अभिभावक बढ़ चढ़कर हिस्सा लें जैसे वर्ष में एक बार अभिभावकों के लिए खेल कूद का कार्यक्रम रखें या अभिभावकों की बैठक की जाए, जिसमें वे अपने हुनर का प्रदर्शन करें।
- बच्चे और शिक्षक मिलकर विद्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों की तैयारी करें व इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करें।
- विद्यालय की निर्णय प्रक्रियाओं में बच्चों को भागीदार बनाएं।

4. बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञानःलक्ष्यों की प्राप्ति में अभिभावकों की सहभागिता

4.1 शिक्षकों हेतु संदर्भ व दिशा निर्देश

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत कक्षा तीन तक के बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान की समझ व कौशल विकसित करने में शिक्षकों के साथ–साथ अभिभावकों की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण है। माता–पिता बच्चों के प्रथम शिक्षक होते हैं तथा घर का माहौल एवं अभिभावकों का बच्चों से जुड़ाव उनके अकादमिक प्रदर्शन एवं सम्पूर्ण विकास पर महत्वपूर्ण असर डालता है। खासकर इस आयु वर्ग (6 से 9 वर्ष) के बच्चे अपनी अधिकांश आवश्यकताओं के लिए अपने अभिभावकों पर निर्भर होते हैं। ऐसे में सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में अभिभावक एवं पूरे परिवार की भूमिका व जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण एवं निर्णायक हो जाती है जितनी की विद्यालय में शिक्षक की।

निपुण भारत मिशन और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-FS) 2020 समुदाय, माता–पिता, शिक्षकों और बच्चों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में काम करने पर जोर देता है। इसके लिए बहुत जरूरी है कि बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए जिम्मेदार सभी हितधारक, समुदाय, परिवार, शिक्षक आदि एकजुट होकर शिक्षण प्रक्रिया में सकारात्मक सहयोग दें। अतः आवश्यक है कि बच्चों के सीखने के लिए विद्यालय स्तर पर ही नहीं वरन घर पर भी बच्चों को प्रेरणादायी उत्साहजनक वातावरण दिया जाए और माता–पिता, घर के अन्य बड़े–बुजुर्ग बच्चों के सीखने की प्रक्रिया में शामिल हों और उन्हें उचित अवसर दें।

इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए विद्यालय स्तर पर शिक्षकों को पहल करनी होगी। प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक माता–पिता/अभिभावकों के साथ नियमित अन्तराल पर उनकी भागीदारी तथा जुड़ाव को बनाए रखने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाएं। जैसे, बच्चों के लिए खेल या क्विज आदि प्रतियोगिता का आयोजन करें तथा विद्यालय में आयोजित समारोहों में अभिभावकों की भागीदारी सुनिश्चित करें। शिक्षकों का अभिभावकों के साथ स्थानीय भाषा में वार्तालाप उनको सहज करता है। स्थानीय भाषा का अधिकाधिक प्रयोग तथा मित्रतापूर्ण सम्मानजनक भाव/व्यवहार शिक्षक–अभिभावक संवाद को सुदृढ़ और उपयोगी बनाता है। शिक्षक, बच्चे तथा अभिभावक एक शैक्षणिक कड़ी हैं जिसे सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता है। इससे अभिभावकों, बच्चों और शिक्षकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित होगा। बच्चे अपने परिवार और विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने में सुरक्षित एवं सीखने के लिए प्रेरित महसूस करेंगे। साथ ही शिक्षकों को भी बच्चों को बेहतर ढंग से समझने और उनके बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे। शिक्षकों और अभिभावकों के बीच की साझेदारी बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि ऐसा होने पर अभिभावकों को नियमित रूप से सूचना मिलती रहेगी कि बच्चे स्कूल में कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं। शिक्षक अभिभावकों को ऐसे कई तरीके सुझा सकते हैं जिससे कि अभिभावक सीधे तौर पर बच्चों की अधिगम प्रक्रिया को बेहतर बनाने में अपना योगदान दे सकें।

शिक्षकों द्वारा अभिभावकों को दिए जाने वाले सामान्य दिशा–निर्देश/सुझाव

- माता–पिता/अभिभावक बच्चों के साथ समय बिताना अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल करें।
- माता–पिता/अभिभावक से यह जानकारी प्राप्त करें कि उनका बच्चा घर पर नियमित रूप से शैक्षणिक

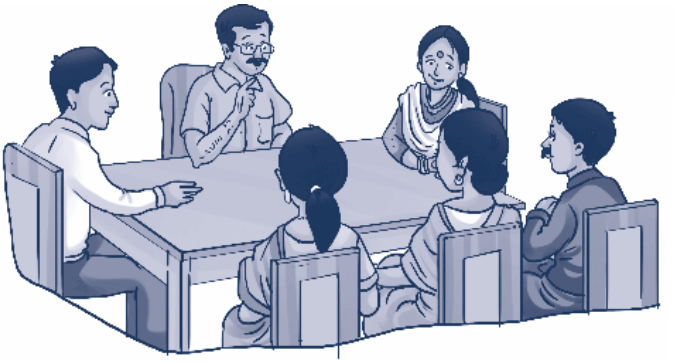

कार्य करने हेतु समय निकालता है या नहीं। यदि नहीं तो, माता–पिता नियमित रूप से बच्चों में एक निर्धारित समय पर पढ़ने बैठने की आदत विकसित करें एवं घर पर बच्चों के लिए सकारात्मक माहौल बनाएं व उन्हें आवश्यक सुविधाएं प्रदान करें।

- प्रतिदिन कम से कम 1 घंटा और अधिकतम जितना संभव हो सके अपने बच्चों के साथ शैक्षिक/सह–शैक्षिक गतिविधियाँ जरूर करवाएं जैसे खेल, गीत, कहानी सुनना–सुनाना एवं बातचीत इत्यादि।
- सुझावात्मक गतिविधि कैलेण्डर के अनुसार गतिविधियों का संचालन करें।
- घरेलू वातावरण को स्वस्थ, सकारात्मक एवं हिंसामुक्त रखें।
- बच्चों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनें एवं उन्हें अधिक–से–अधिक बोलने का अवसर प्रदान करें।
- विद्यालय द्वारा समय–समय पर आयोजित होने वाली अभिभावक–शिक्षक गोष्ठी में निश्चित रूप से भाग लें।
- घर पर बच्चों को बोल–बोल कर पढ़ने के लिए कहें।
- अभिभावकों के लिए बने विशेष व्हाट्सएप समूह में अपनी सुविधानुसार घर पर की जाने वाली गतिविधियों से संबंधित फोटो/विडियो साझा करें।

अभिभावक–शिक्षक संगोष्ठी (PTM) आयोजन हेतु सामान्य दिशा–निर्देश

इस सन्दर्भ में राज्य स्तर पर सभी विद्यालयों में माता – पिता/अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी (PTM) आयोजित करने हेतु निर्देश/सुझाव शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा दिए गए हैं। उन सुझावों के आधार पर सभी विद्यालयों के प्रधान शिक्षकों को अपने शिक्षकों के साथ नियमित PTM आयोजन की योजना बनानी है। जिनमें से कुछ बिन्दुओं को प्रधान शिक्षकों एवं शिक्षकों के सन्दर्भ के लिए नीचे लिखा गया है:–

अभिभावक–शिक्षक संगोष्ठी (PTM) आयोजन करने की पूर्व तैयारी:

- PTM के निर्धारित तिथि के पूर्व विद्यालय के प्रधान शिक्षक, शिक्षकों एवं SMC/VSS सदस्यों के साथ पूर्व तैयारी कर लेंगे। जैसे, बैठक पूर्व विद्यालय भवन एवं परिसर की साफ–सफाई करा लेंगे तथा विद्यालय के सभी संसाधनों को सुव्यवस्थित कर लेंगे।
- प्रधान शिक्षक द्वारा प्रत्येक बच्चे के माता–पिता/अभिभावकों को आमंत्रण हेतु आमंत्रण–पत्र प्रेषित किया जाएगा। इस आमंत्रण–पत्र को बनाने में शिक्षक तथा बाल–संसद व मीना मंच के सदस्यों की मदद ले सकते हैं। आमंत्रण पत्र पर बच्चे का नाम एवं माता–पिता/अभिभावक का नाम अंकित किया जाएगा। यदि संभव हो तो शिक्षक बच्चों के घर जाकर उनके माता–पिता/अभिभावकों को कार्यक्रम के लिए आमंत्रित करें। अन्यथा शिक्षक बच्चों के माध्यम से उनके माता–पिता/अभिभावक को आमंत्रित करवा सकते हैं।
- PTM के पूर्व यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बच्चों को दी गई अभ्यास पुस्तिकाओं (वर्ग एक के बच्चों के लिए शुरू के तीन महीनों में चहक अभ्यास पुस्तिका) तथा TLM Kit, School Kit तथा शिक्षक द्वारा तैयार किए गए TLM का उपयोग सुनिश्चित कराया जाए।

PTM के लिए विद्यालयों में निम्नलिखित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जानी चाहिए:–

a. बैठक के लिए बेंच–डेस्क, दरी, चादर आदि की व्यवस्था।

b. विद्यालय की सभी कक्षाओं में विद्यालयों को प्रदान की गई School Kit, Children Kit तथा बच्चों व शिक्षकों द्वारा बनाई गई TLM एवं अन्य सामग्री को रखा जाए। जिसके माध्यम से शिक्षक द्वारा शैक्षिक गतिविधियाँ प्रदर्शित की जाए।

c. विद्यालयों को उपलब्ध करवाई गई पुस्तकों व अभ्यास पुस्तिकाओं को बच्चों के उपयोग के लिए रखा जाए।

d. IEC सामग्री (अभिभावक से संबंधित पोस्टर, अधिगम प्रतिफल पोस्टर, कहानी पोस्टर) से विद्यालय कक्षा–कक्ष को सजाना एवं निपुण अभियान गीत, चहक गीत इत्यादि लाउडस्पीकर के माध्यम से सुनाया जाए। बच्चों के किए गए काम, उनका पोर्टफोलियो, गृहकार्य एवं उनकी बनाई गई कलाकृतियों को प्रदर्शित किया जाए।

e. अकादमिक सत्र के (कक्षा एक के नवनामांकित बच्चों के साथ) शुरुआत के तीन महीनों में "चहक" गतिविधियों की तैयारी करें। शिक्षक "चहक" गतिविधियों को स्व–विवेक से अन्य कक्षा के बच्चों के साथ भी आवश्यकतानुसार करवाएं।

PTM के दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ माता–पिता/अभिभावकों के साथ संचालित की जाएगी:

a. "चहक" गतिविधियों/बच्चों द्वारा तैयार गतिविधियों का प्रदर्शन एवं अभिभावकों को इन गतिविधियों को करवाने का उद्देश्य बताया जाए।

b. प्रधानाध्यापक, शिक्षक–अभिभावक संगोष्ठी में निम्नलिखित बिन्दुओं पर बातचीत करें:–

i. कक्षावार अधिगम लक्ष्यों के बारे में बातचीत करें।

ii. बच्चों के साथ विद्यालयों में हो रही गतिविधियों के बारे में बातचीत करें।

iii. विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध किताबों के बारे में अभिभावकों को जानकारी दें।

iv. बच्चों के शैक्षणिक प्रगति पत्रक को बैठक में अभिभावक के साथ साझा करें।

- अभिभावकों को विद्यालय भ्रमण करवाएं, भौतिक सुविधाओं एवं संसाधनों को दिखाएं एवं उसके बाद अभिभावकों के विचार लें।
- अभ्यास पुस्तिका पर बच्चों द्वारा किए गए कार्यों को दिखाएं तथा विद्यालय में की गई गतिविधियों को घर पर दोहराने/पुनः कराने के लिए अभिभावकों को प्रेरित करें।
- बच्चों के द्वारा बनाये गए कला एवं शिल्प, मॉडल्स, चित्र इत्यादि को प्रदर्शित करें।
- गतिविधि निर्देशिका में दिए गए गतिविधि कैलैण्डर पर चर्चा करें।
- खिलौनों/गतिविधियों/पुस्तकों के संग्रह को बढ़ाएं। इस प्रकार के लर्निंग कॉर्नर का निर्माण करें जहाँ अभिभावक खिलौने, खेल, पुस्तकें इत्यादि वस्तुएं एवं सीखने से संबंधित सामग्रियों को देख सकें।
- माता पिता एवं अभिभावकों के प्रश्नों व बच्चों के सीखने संबंधी जिज्ञासाओं को ध्यानपूर्वक सुनें व उनकी शंकाओं का समाधान करें।

नोटः उपरोक्त सुझाई गई गतिविधियों के अतिरिक्त शिक्षक अपने स्थानीय बोली, परिवेश एवं प्रथाओं के अनुसार अन्य गतिविधियाँ संचालित कर सकते हैं।

4.2 बच्चों में विभिन्न कौशलों के विकास हेतु गतिविधियों के सुझाव

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षक बच्चों के माता–पिता/अभिभावकों को निम्नलिखित गतिविधियाँ सुझा सकते हैं:–

भाषा संबंधी कौशल

बच्चों को नियमित रूप से कहानी सुनाना

घर में माता–पिता अथवा बड़े–बुजुर्ग (दादा–दादी, नाना–नानी) प्रतिदिन सोने से पहले अथवा अपनी सुविधानुसार किसी भी समय बच्चों को कहानी सुनाएँ एवं बच्चों से कहानी में आए पात्रों, घटनाओं इत्यादि के बारे में बात करें।

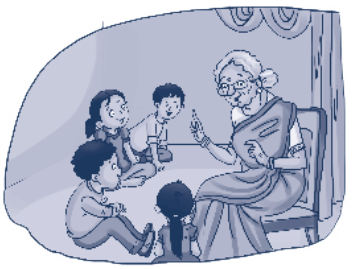

अंत्याक्षरी का खेल

- बच्चों को अंत्याक्षरी का खेल बहुत पसंद होता है। इसलिए माता–पिता अपने बच्चों को अंत्याक्षरी खेलने के लिए प्रेरित करें एवं इस दौरान उन्हें नए–नए शब्दों से भी परिचित कराएँ।
- अंत्याक्षरी में पाठ्यपुस्तक की कविताएं, बालगीत, लोकगीत इत्यादि को भी शामिल किया जाना चाहिए।

मोबाईल का शैक्षिक उपयोग

- आमतौर पर बच्चों को मोबाईल पर गेम खेलना अच्छा लगता है। यूट्यूब एवं अन्य मोबाईल एप पर उपलब्ध कहानी, कविताएं, बाल गीत इत्यादि सुनाएँ अथवा दिखाएँ।
- मोबाईल में बच्चों को उनकी आवाज में कहानी, कविता, गीत, चुटकुले रिकॉर्ड करने के लिए प्रेरित करें। बच्चे इस गतिविधि को रोचक ढंग से करेंगे एवं इससे उनका भाषायी कौशल विकसित होगा।

गपशप

कार्यस्थल से लौटने के बाद शाम को बच्चों से उनके स्कूल के अनुभव अथवा दिन भर में की गई गतिविधियाँ जैसे बच्चे ने दिन भर कौन–कौन से खेल खेले, कक्षा में क्या–क्या सीखा, दोस्तों से क्या बात की, शिक्षक का स्वभाव कैसा है? इत्यादि के बारे में बातचीत करें।

इस गतिविधि से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा तथा वे निःसंकोच होकर अपने अभिभावकों से बात करेंगे।

घर में प्रिंट समृद्ध वातावरण

घर के अलग–अलग कोनों में कुछ पोस्टर एवं पर्ची चिपकाकर वर्णमाला एवं शब्द की पहचाना करवाने के लिए निम्न गतिविधि करवाएँ।

- किचन में उपयोग आने वाली सामग्रियों के डिब्बों पर नाम की पर्ची चिपकाएँ।
- किताब रखने वाली अलमारी के आस–पास वर्णमाला एवं शब्दों के पोस्टर लगाएँ।
- समाचार पत्र, पैकेटबंद सामग्रियों के रैपर, पॉलिथीन, पन्नियों पर छपे अक्षरों/शब्दों को पढ़ने की आदत विकसित करने हेतु बच्चों को प्रेरित करें।

रचनात्मक कौशल

(कहानी लेखन, कविता लेखन, चित्रकला, संगीत, नाटक, हस्तकला इत्यादि)

कहानी सुनाना

पाठ्यपुस्तक में वर्णित कहानी के आधार पर बच्चों को उनकी भाषा में कहानी सुनाने के लिए प्रेरित करें।

कविता लिखना

- बच्चों को कविता लिखने के लिए माहौल बनाना जरूरी है। इसके लिए अभिभावक अपने बच्चों को नियमित तौर पर रेडियो, मोबाईल एप, यूट्यूब आदि के माध्यम से कविता सुनने का अवसर प्रदान करें।
- बच्चों को छोटे तुकांत शब्द का प्रयोग कर तुकबंदी करते हुए कविता लिखने को कहें।
- बच्चों की कविता को धैर्यपूर्वक सुनकर उनकी तारीफ करें।

आओ चित्र बनाएँ

- चित्र बनाना बच्चों को बहुत अच्छा लगता है। उन्हें रंगों से खेलने दीजिए। नियमित तौर पर उन्हें चित्र बनाने के लिए अवसर दें।
- कागज पर चित्र बनाना, फर्श पर चित्र बनाना, मिट्टी के बर्तनों पर चित्र बनाना, हाथ पर रंग लगाकर उसके छाप लेकर नई–नई आकृतियां बनाना।
- बच्चों से अंगूठे के छाप से अलग–अलग आकृतियां बनवाना।

गीत एवं नाटक में रूचि जगाना

- बच्चों को नियमित रूप से टीवी एवं रेडियो पर बच्चों के लिए प्रसारित होने वाले गीत एवं नाटक को सुनाना।
- कार्यक्रम के आधार पर बच्चों को भी उन गतिविधियों को घर पर करने के लिए मौके देना।

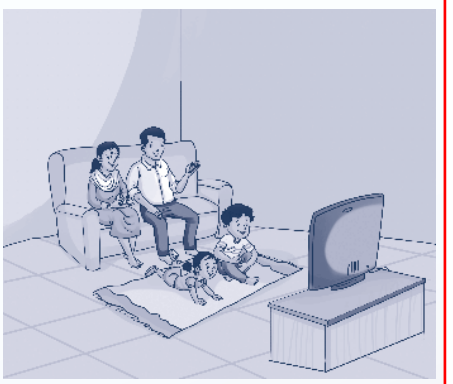

खेल कूद / शारीरिक गतिविधियाँ

नियमित रूप से योग एवं व्यायाम	बच्चों के साथ खेलना	नृत्य करना
घरेलू कार्यों में बच्चों की मदद लेना	**चम्मच–नींबू दौड़: संतुलन का खेल**	**बच्चों के साथ सुबह की सैर एवं दौड़ लगवाना**
घर में बच्चों से छोटे–मोटे कार्यों में सहयोग लेने से उनकी शारीरिक क्षमता में विकास होता है। 		

गणितीय कौशल से जुड़ी घरेलू गतिविधियाँ

आकृतियों की पहचान कराना

घर में मौजूद विभिन्न आकृतियों की वस्तुओं को दिखाकर उनमें गणितीय आकृतियां यथा–गोल, तिकोने, चौकोर आदि की समझ विकसित करवाना।

यथाः–

रोटी, सिक्का, पराठा, खिड़कियों के ग्रिल, टीवी, मेज, घड़ी, किताबें, बिजली का बोर्ड, चूड़ी इत्यादि में उपरोक्त आकृतियां ढूंढने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

गिनती का अभ्यास

घर में मौजूद वस्तुओं का प्रयोग करते हुए निम्न गतिविधियां करवाएँ।

- बच्चों को कॉपी/किताब के पन्ने गिनने के लिए कहें।
- अनाज के दानों को गिनने के लिए कहें।
- घर में रखे फर्नीचर (कुर्सी, टेबल, चारपाई आदि) को गिनने के लिए प्रेरित करें।
- आस–पास मौजूद गिट्टी, कंकड़, पत्थर आदि की मदद से गिनती सिखाएँ।
- पौधों में लगे फूलों एवं फलों को गिनें।

इकाई–दहाई की अवधारणा

माचिस की तिलियों से दस–दस के बण्डल बनाकर दहाई के बारे में बताएँ।

माचिस की तिलियों के अलावा कंकड़, सिक्के, लकड़ी के गुटके, मोतियां, लूडो की गोटियां इत्यादि का प्रयोग करके इकाई, दहाई एवं सैकड़ा के बारे में बताया जा सकता है।

माप तौल संबंधी गतिविधि

बच्चों को रसोई घर में ले जाकर उन्हें विभिन्न खाद्य पदार्थों जैसे–चीनी, चावल, दूध, तेल, सब्जियों के वजन की माप तराजू (सामान्य तराजू, कमानीदार तराजू, डिजिटल तराजू जो भी उपलब्ध हो) एवं अन्य मापक की मदद से मापन कराएँ।

मापन सें संबंधित निम्न गतिविधियाँ भी माता–पिता बच्चों के साथ करवा सकते हैं।

- अंदाजा लगाने के लिए कहना कि एक कप में कितने चम्मच पानी आएगा?
- एक मग या जग में कितने कप पानी आयेगा?
- माता–पिता बच्चों से अंदाजा लगवाने के बाद वास्तव में मापन करवाएँ एवं फर्क पर बात करें।

माता–पिता पहले खुद करके दिखाएँ फिर अपने बच्चों को करने के लिए प्रेरित करें।

नोटों एवं सिक्कों की पहचान

नोट एवं सिक्कों की पहचान करवाने के लिए अभिभावक अपने बच्चों को प्रतिदिन एक गतिविधि करवा सकते हैं:–

1. बच्चे को रंग और आकार के आधार पर नोट का वर्गीकरण करके उसके मूल्य से परिचित करवाएँ।
2. सिक्कों पर अंकित संख्या को पहचान कर उसके मूल्य को बताने के लिए कहें।

बच्चों को अपने साथ बाजार घुमाईये

शिक्षक माता–पिता से कहें कि कभी–कभी आप अपने बच्चों को भी बाजार ले जाइए। वहां उन्हें चीजों की खरीदारी का अनुभव लेने दीजिए। बच्चे इस क्रम में वस्तुओं का मूल्य, वजन, रंग, आकार आदि से परिचित होंगे।

पर्यावरणीय जागरूकता

अपने गाँव/मुहल्ले/टोले में स्थित सार्वजनिक स्थानों का भ्रमण

अभिभावक अपने बच्चों को साथ लेकर आस–पास के सार्वजनिक स्थलों यथा–पुस्तकालय, खेल का मैदान, तालाब, सामुदायिक भवन, ऐतिहासिक इमारत, हाट–बाजार इत्यादि का भ्रमण करवा सकते हैं।

भ्रमण के दौरान इन बच्चों को देखी गई वस्तुओं, स्थानों तथा भवनों के बारे में विस्तार से बताएँ ताकि बच्चों की समझ विकसित हो सके।

पौधारोपण के लिए प्रेरित करना

बच्चों को पर्यावरण की रक्षा के लिए पौधारोपण के महत्व को बताने के लिए उनसे समय–समय पर अपने आस–पास खाली जगहों में पौधारोपण करवाया जा सकता है।

आस–पास मौजूद जानवरों की सूची तैयार करवाना

- माता–पिता अपने बच्चों को आस–पास रहने वाले जानवरों की सूची बनाने के लिए प्रेरित करें।
- इस गतिविधि में बच्चों को अपने आस–पास देखे गए जानवरों का चित्र बनाने के लिए कहें।

पत्तों की पहचान

- माता–पिता अथवा अभिभावक अपने बच्चों को विभिन्न पेड़–पौधों की पत्तियों को एकत्र करने में उनकी मदद करेंगे।
- एकत्र किए गए पत्तों के आधार पर उस पेड़ अथवा पौधे की पहचान करवाएँ।
- पत्तियों की बनावट पर चर्चा करें।
- इसके अतिरिक्त पत्तियों के औषधीय गुणों की भी पहचान कराई जा सकती है।

परिवहन एवं संचार साधनों की समझ

- बच्चों को आस–पास दिखाई देने वाले परिवहन एवं संचार साधनों के बारे में समझ विकसित करने में अभिभावकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।
- अभिभावक बच्चों को अलग–अलग यातायात के साधन के बीच अंतर समझाने के लिए उन्हें वाहनों के चित्र अथवा सीधे तौर पर वाहनों को ही दिखा सकते हैं।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति सजगता

समय से उठना–समय से सोना

- माता–पिता अपने बच्चों को समय पर उठने एवं सोने की आदत डालने के लिए प्रेरित करें।
- उन्हें समय से उठने एवं समय से सोने के महत्त्व के बारे में बताएँ।

नोट– इसके लिए कविता, कहानी अथवा प्रेरक प्रसंग का प्रयोग किया जा सकता है।

स्वच्छ भोजन–स्वस्थ जीवन

- आस–पास उपलब्ध अनाज, फल, दलहन, तिलहन एवं अन्य खाद्य पदार्थों के पोषक गुणों के बारे में बच्चों को बताएँ।
- फल को खाने से पहले अच्छी तरह धो लें।
- बच्चों को फास्ट फूड अथवा जंक फूड से होने वाली हानि के बारे में बताएँ।

डस्टबिन का प्रयोग सिखाना

- कचरे को इधर–उधर न फेंके इसे निर्धारित स्थान पर ही फेंकने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।
- घर एवं विद्यालय में मौजूद डस्टबिन का प्रयोग करने के लिए कहें।
- साफ–सफाई के प्रति बच्चों को संवेदनशील बनाने के लिए किसी विशेष दिन सफाई अभियान चलाया जा सकता है, उसमें बच्चों की सक्रिय भागीदारी हो।

बच्चे को स्वयं कपड़े पहनने के लिए प्रेरित करना।

- माता–पिता अथवा अभिभावक अपने बच्चों को स्वयं कपड़े पहनने और उन्हें समेट कर रखने हेतु प्रेरित करें।
- विद्यालय जाते समय बच्चे अपनी पोशाक स्वयं पहनें इसके लिए उन्हें प्रतिदिन थोड़ा–थोड़ा सिखाया जा सकता है।

व्यक्तिगत साफ–सफाई पर जोर

- भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद नियमित तौर पर हाथ साबुन से धोएं।
- बाल सँवारना, नाखून काटना एवं प्रतिदिन स्नान करना।

उपर्युक्त कार्यों को बच्चे स्वयं करने के लिए प्रेरित हों, इसके लिए घर में माता–पिता सहयोग करें।

बच्चों का घर पर सीखना

Parental Engagement

सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार	रविवार
1 चलो हाट–बाजार घूमने चलें।	2 अपनी पसंद के चित्र बनाएं।	3 वर्णमाला के अक्षरों से शब्द बनाएं	4 रसोई घर की चीजों की पहचान	5 मिट्टी के खिलौने बनाएं।	6 अपना स्कूल बैग तैयार करें।	7 Pradigi मोबाईल एप से सीखें।
8 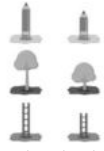 कौन बड़ा है? कौन है छोटा?	9 कागज से नई–नई चीजें बनाएं।	10 चलो बगीचे/खेत की सैर करें।	11 आज हम कहानी सुनेंगे	12 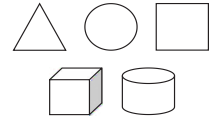 गोल, चौकोर और तिकोने आकृति वाली वस्तुओं की पहचान करें।	13 नींबू दौड़ : संतुलन का खेल	14 Read Along में खेल खेलो।
कितने का सिक्का, कितने का नोट?	16 सूंघ कर बताएं कौन–सी वस्तु है।	17 आओ रंगोली बनाएं।	18 जादूई थैला...अंदर क्या–क्या है?	19 चलो योग करें।	20 बच्चों को शारीरिक अंगों की पहचान कराएं।	21 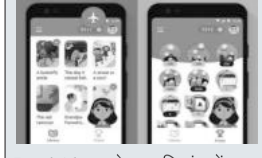 Read Along से कहानियां पढ़ें।
22 कपड़े को तह लगाना	23 चलो अंत्याक्षरी खेलें	24 घर के सदस्यों का नाम लिखें।	25 आज अपनी किताब से कहानी पढ़ेंगे।	26 चलो पेड़ लगाएं।	27 रस्सी की मदद से आंगन की लम्बाई–चौड़ाई मापें।	28 Pradigi एप से गणित का अभ्यास
29 अपने कमरे की साफ–सफाई	30 पशु–पक्षियों की आवाज को पहचानना	31 कॉपी/किताब के पन्ने गिनना			Read Along App https://bit.ly/2TXV3vT	PraDigi App https://bit.ly/2HuI3ox

उपरोक्त मोबाईल एप्स को डाउनलोड करने के लिए ऊपर दिए गए क्यू आर कोड को स्कैन करें।

4.3 विद्यालय प्रबंधन समिति/विद्यालय शिक्षा समिति की भूमिका

एस. एम. सी/वी. एस. एस. के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर बच्चों के सीखने–सिखाने में अभिभावकों की सहायता ली जा सकती है।

- प्रायोगिक तौर पर पैरेंटल इंगेजमेंट अभी भी समुदाय के लिए एक नया विषय है, क्योंकि अभी तक यह मानसिकता बनी हुई है कि बच्चों को पढ़ाने या सीखने–सिखाने की जिम्मेदारी सिर्फ शिक्षक की ही है। माता–पिता और समुदाय को जागरुक करने में एस. एम. सी/वी. एस. एस. महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विद्यालय शिक्षा समिति के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर माता–पिता/अभिभावकों की सहभागिता बच्चों के सीखने–सिखाने में निम्न प्रकार से सुनिश्चित की जा सकती है:
- एस. एम. सी/वी. एस. एस. बैठक के दौरान इसके सदस्यों को अभिभावकों की भागीदारी के बारे में उन्मुखीकरण करना आवश्यक है। शिक्षक, एस. एम. सी/वी. एस. एस. सदस्यों को अभिभावकों की सहभागिता के संबंध में जानकारी दें कि यह क्यों आवश्यक है और इसके क्या लाभ हो सकते हैं। एस. एम. सी/वी. एस. एस. सदस्य गांव की चौपाल, खेतों पर काम कर रहे माता–पिता/अभिभावकों या सैर के दौरान भी अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा पर उनकी भागीदारी की चर्चा कर सकते हैं।
- चूँकि आज भी विद्यालयों की बैठकों में महिलाओं की सहभागिता काफी कम रहती हैं। अतः एस. एम. सी/वी. एस. एस. की महिला सदस्य अन्य संबंधित कक्षाओं की माताओं को शिक्षक–अभिभावक बैठक में भाग लेने तथा बच्चों की शिक्षा में उनके योगदान के लिए प्रोत्साहित कर सकती हैं ।
- एस. एम. सी/वी. एस. एस. सदस्यों द्वारा शिक्षक–अभिभावक के लिए बने व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से शैक्षिक गतिविधियों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।

  प्रधान शिक्षक, एस. एम. सी/वी. एस. एस. के सदस्यों के माध्यम से विद्यालय एवं शिक्षकों के प्रति समुदाय में एक सकारात्मक और सहयोगात्मक छवि का निर्माण कर सकते हैं।

एस. एम. सी/वी. एस. एस. सदस्यों एवं शिक्षकों द्वारा गृह भ्रमण

प्रत्येक माह एस. एम. सी/वी. एस. एस., शिक्षक अपने क्षेत्र के अतंर्गत कम से कम 10 घरों का भ्रमण करें। भ्रमण के दौरान शिक्षक अभिभावकों के साथ निम्नलिखित संभावित बिन्दुओं पर चर्चा कर सकते हैं–

- एस. एम. सी/वी. एस. एस., शिक्षक कक्षा में अनियमित रहने वाले बच्चों के घर को गृह भ्रमण के लिए प्राथमिकता दें।
- गतिविधि कैलेण्डर में दी गई गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने के बारे में अभिभावकों से चर्चा करें।
- बच्चों को सीखने में आने वाली कठिनाइयों के बारे में अभिभावकों से बातचीत करें, साथ ही इन कठिनाइयों को दूर करने में उनकी भागीदारी पर भी चर्चा करें।
- गृह भ्रमण के दौरान शिक्षक कम पढ़े–लिखे अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सहयोग प्रदान करें।

4.4 विद्यालय, माता–पिता/अभिभावकों एवं समुदाय की भूमिकाः एक नज़र

बच्चों का विद्यालय से जुड़ाव एवं सीखने हेतु विद्यालय, घर एवं समुदाय स्तर पर ध्यान देने योग्य महत्त्वपूर्ण बिन्दुः

बच्चों का उम्र सापेक्ष वर्ग में नामांकन करवाना।

विद्यालय से नियमित अन्तराल पर आने वाले संदेशों (व्हाट्स एप, SMS) को देखें और उसमें दिए गए सुझाव के अनुसार बच्चों के साथ घर पर काम करवाने में सहयोग करें।

विद्यालय में आयोजित होने वाले PTM में नियमित रुप से शामिल हों और बच्चों की प्रगति को जानें।

SMC अपने गाँव के PRI सदस्यों से मिलकर कक्षावार सभी बच्चों के सीखने की प्रगति की समीक्षा करें एवं आवश्यकतानुसार बच्चों के ठहराव, बच्चों के घर पर सहयोगपूर्ण वातावरण निर्माण तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के सहयोग के लिए योजना पर बातचीत करें।

स्थानीय स्तर पर शिक्षक, बच्चों के अभिभावकों के साथ व्हाट्स एप्प ग्रुप का निर्माण कर इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु अभिभावकों को वांछित अनुसर्मथन उपलब्ध करवा सकते हैं।

विद्यालय द्वारा प्रत्येक कक्षा के लिए बने व्हाट्स एप ग्रुप से जुड़ें और उस पर आने वाली डिजिटल सामग्री को खोल कर देखें, इसमें बच्चों की प्रगति और घर के स्तर पर की जाने वाली गतिविधियाँ होती हैं। विभिन्न विषयों के लिए दीक्षा एप का उपयोग किया जा सकता है।

घर पर बच्चों को एक निर्धारित समय पर पढ़ने बैठने की आदत डलवाना।

किताबें पढ़ना, खेल खेलना/गतिविधियाँ

एक साथ गाना गाना, गप्पे करना

कहानियां सुनाना बच्चों के साथ बातचीत

स्थानीय कला, चित्र बनाना–रंगना

रद्दी या पुराने कागजों से विभिन्न आकृतियाँ आदि बनाना

गाँवों में विद्यालय के प्रधान षिक्षक/SMC सदस्यों और PRI के सहयोग से सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें।

शिक्षकों, माताओं और आंगनबाड़ी सेविका के सहयोग से विद्यालय तत्परता मेला समारोह/कार्यक्रम का आयोजन करें, जहाँ बच्चे अपनी गतिविधियों, प्रदर्शनी और प्रोजेक्ट्स आदि के माध्यम से अपनी उपलब्धि/प्रगति दिखा सकें। चौपाल जैसे सार्वजनिक स्थान पर कहानी वाचन एवं पठन की गतिविधि का आयोजन करें।

परिशिष्ट–2 प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (NCF-FS 2022 में बाल्यावस्था विकास से संबंधित पंचकोश विकास–Five Fold Development से जुड़ी पठन सामग्री संलग्न है)

5. सामाजिक–भावनात्मक कौशल

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सामाजिक – भावनात्मक कौशलों को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। शिक्षा नीति के अनुसार शैक्षिक प्रणालियों का उद्देश्य अकादमिक दक्षता हासिल करने के साथ–साथ अच्छे इंसानों का निर्माण करना है जिनमें करुणा, सहानुभूति, साहस, लचीलापन, वैज्ञानिक चिंतन और रचनात्मक कल्पनाशक्ति और नैतिक मूल्य हों। सामाजिक–भावनात्मक विकास, भाषा, गणित या अन्य विषयों की भांति ही महत्वपूर्ण है, इससे संबंधित कौशलों के अभाव में न सिर्फ बच्चों का शारीरिक विकास बाधित होता है बल्कि उनके सामाजिक व व्यावहारिक कौशल व उनकी रचनात्मकता भी प्रभावित होती है। सामाजिक व भावनात्मक स्वास्थ्य बच्चों के शुरुआती वर्षों (बुनियादी शैक्षणिक वर्षों) में बहुत महत्वपूर्ण है एवं इसे प्रभावित करने वाले तत्व उनके आगामी जीवन पर दूरगामी प्रभाव डालते हैं ।

5.1 सामाजिक–भावनात्मक कौशल क्या हैं ?

हम जब किसी के विचार, अनुभव, भावनाओं को सुनते हैं तो इस दौरान उसे समझने व उसकी बातों को स्वीकारने की कोशिश कर रहे होते हैं। विचारों, अनुभवों, भावनाओं को स्वीकारने के दौरान कई बार हम अभिव्यक्त करने वाले की सराहना कर उसको प्रोत्साहन प्रदान करते हैं। इस दौरान हम अन्य लोगों के साथ बेहतर संबंध बना पाने में सक्षम हो रहे होते हैं। इसके परिणामस्वरूप स्वतः दूसरों के प्रति हमारे अंदर सहानुभूति एवं संवेदनशीलता जैसे कौशल विकसित होते हैं, जिसकी सहायता से हमारे अंदर दूसरों के प्रति विश्वास का भाव और सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा होता है। यह सकारात्मक दृष्टिकोण हमें विषम परिस्थितियों में स्वयं को समायोजित करने में एवं अपने व्यवहार व भावनाओं का बेहतर प्रबन्धन करने में मदद करता है। जिससे हम समस्या समाधान के साथ बेहतर निर्णय कर पाने में सक्षम होते हैं और इसके साथ ही हम भविष्य में स्वयं व दूसरों के लिए अपनी सार्थक व जिम्मेदारी पूर्ण भूमिका को देख पाते हैं। ये सभी कौशल सामाजिक–भावनात्मक कौशल हैं और ये कौशल मिलजुल कर रहने, एक दूसरे को समझने एवं परस्पर सहयोग करने व समाज में गरिमा पूर्ण जीवन जीने में मदद करते हैं।

सामाजिक–भावनात्मक कौशल बच्चों के लिए उस नींव के समान है जिसकी शुरुआत प्रारंभिक बाल्यकाल से ही करने से बच्चे –

- स्वयं को समझते हुए, आत्मविश्वासी बनते हैं।
- अपनी आदतों व व्यवहार में स्वयं नियंत्रण कर पाने में सक्षम हो पाते हैं।
- दूसरों को धैर्य व संयम के साथ सुनने व समझने में सक्षम हो पाते हैं।
- दूसरों के साथ परस्पर सम्बन्ध बना पाने में सक्षम हो पाते हैं।
- दूसरों के प्रति सहानुभूति व संवेदनशीलता का भाव विकसित कर पाते हैं।
- स्वयं व दूसरों के प्रति सकरात्मक नजरिया रख पाते हैं।
- अपने लिए निर्णय ले पाते हैं।

सामाजिक भावनात्मक कौशल	स्वयं व दूसरों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखना, समस्या समाधान के साथ निर्णय लेना	• अनुभव ग्रहण करना • सुनना / समझना / स्वीकार करना • सराहना करना / प्रोत्साहन देना • सहानुभूति व संवेदनशीलता

मिशन निपुण के अंतर्गत सामाजिक भावनात्मक कौशलों को लेकर निम्न पाँच घटकों से अवगत कराया गया है, यह घटक हैं –

स्वयं को समझना (अपनी भावनाओं को समझना व अभिव्यक्त करना), एक–दूसरे की भावनाओं को समझना व उनका आदर, रिश्ते बनाना व मिलकर काम कर पाना, रचनात्मकता संबंधी विकास और शारीरिक विकास।

5.2 सामाजिक–भावनात्मक विकास के घटक (क्षेत्र), विषय वस्तु व गतिविधियाँ

- **स्वयं को समझना:** अपने शरीर को एवं अपने शरीर के अंगों को और उनके कार्यों को जानना तथा उनकी देखभाल करना सीखना। साफ–सफाई व स्वास्थ्य के महत्त्व को समझना एवं अपने शरीर के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा करना। पौष्टिक खाना, स्वच्छ पानी, शुद्ध हवा व अपनी सुरक्षा की जरूरतों तथा इनके महत्त्व को समझना और जरुरत पड़ने पर इनकी आवश्यकता को अभिव्यक्त करना। अपनी एवं दूसरों की शारीरिक बनावट व भिन्नता को समझना, भिन्नता का आदर व सम्मान करना। शिक्षक इन सभी विषयों पर चित्रों, ड्रॉईंग, पेंटिंग, खेल व चर्चा के माध्यम से काम करवा सकते हैं।

- **एक दूसरे की भावनाओं को समझना:** इससे आशय बच्चों का अपनी भावनाओं को समझना, उनको सकारात्मक ढंग से अभिव्यक्त करना एवं उनका प्रबंधन करने से है। बच्चों की बहुत सी जिज्ञासाएं होती हैं, विभिन्न अनुभव व उनके पीछे भावनाएं होती हैं, उनकी व्यक्तिगत पसंद–नापसंद होती हैं। बच्चों के साथ यह चर्चा करने की जरुरत है कि उन्हें क्या अच्छा लगता है क्या बुरा लगता है? उन्हें कौन पसंद है और कौन नापसंद हैं? किन परिस्थितियों में वे सहज महसूस करते हैं और वे कौनसी परिस्थितियाँ हैं, जिनमें वे असहज महसूस करते हैं? शिक्षक यह प्रयास करें कि बच्चे बिना डरे और झिझके खुले मन से अपनी भावनाओं को अपने विचारों को अभिव्यक्त कर पाएं, इसके लिए भावनाओं को अभिव्यक्त करने वाली शब्दावलियों से भी शिक्षक बच्चों का परिचय करवाएं (जैसे दुखी, निराश, उदास, हताश, खुश, प्रसन्न, डर, आनंद, चिड़चिड़ापन व अन्य)। भावनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए अभिनय एवं चित्र इत्यादि की मदद ली जा सकती है। हमें बच्चों से इस सन्दर्भ में भी बात करने, उनसे विचार करने, उनको उदाहरण देने की आवश्यकता है कि उन्हें कब, कहाँ और कैसे अपनी भावनाओं को व्यक्त करना चाहिए। उदाहरणों की मदद से बच्चों को उन भावों व उनकी प्रस्तुति का सिर्फ बोध ही नहीं कराना है बल्कि उससे भी महत्वपूर्ण है उन भावों के उत्पन्न होने के पीछे के कारणों से भी अवगत कराना।

- **रिश्ते बनाना एवं मिलकर काम कर पाना:** रिश्तों को समझ पाना, नए रिश्ते बना पाना तथा उन्हें स्वस्थ ढंग से निभा पाना जरुरी कौशल है, जिन्हें सीखने की शुरुआत बच्चों के बुनियादी वर्षों में ही प्रारम्भ हो जाती है। इन कौशलों को सीखने से बच्चों में समाज में रहने की कला आती है एवं वे परस्पर मिल–जुलकर रहने और एक–दूसरे की मदद तथा देखभाल करना सीखते हैं। शिक्षक बच्चों से अपने परिवार, परिवार के सदस्यों व मित्रों के बारे में और उनसे बच्चों के रिश्तों के बारे में चर्चा कर सकते हैं। शिक्षक विद्यालय एवं कक्षा–कक्ष में ऐसा परिवेश

बच्चों को पर्याप्त समय देना।

बच्चों के शुरूआती दिनों में आवश्यक है कि उन्हें अधिक से अधिक बोलने का और उन्हें सुनने का समय दिया जाना चाहिए। अपने आस–पास की दुनिया को लेकर बच्चों के पास बहुत जिज्ञासाएं होती हैं, जिन्हें वे समझना चाहते हैं। हमारे विद्यालयों की प्रारंभिक कक्षाओं में किए जाने वाले कामों में इस प्रकार की गतिविधियों की अधिकता हो जिनके माध्यम से बच्चे अपने आप को मौखिक रूप से अभिव्यक्त करने के अधिक से अधिक अवसर हासिल कर सकें।

सृजित करें जिससे बच्चों में आपस में मिलजुल कर काम करने और एक दूसरे का सहयोग करने तथा मदद मांगने और मदद देने के अवसर हों। इन गतिविधियों से बच्चों में आपस में स्वस्थ एवं मित्रवत संबंध विकसित होंगे तथा वे परस्पर निर्भरता एवं समाज में मिलजुल कर रह पाने की आवश्यकता एवं महत्त्व को समझ पाएंगे। रोल प्ले, नाटक, खेल– कूद व उप–समूहों में काम, रिश्तों को समझने व विकसित होने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

- **रचनात्मकता संबंधी विकासः** गणित और विज्ञान की तरह ही रचनात्मकता का विकास शिक्षा का एक बहुत ही आवश्यक हिस्सा है। रचनात्मकता हमें समस्याओं को खुले दिमाग से देखने के लिए प्रेरित करती है और समस्याओं के कई समाधान हम सोच पाते हैं। कुछ सरल रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में आसानी से इस रचनात्मक दृष्टिकोण को विकसित किया जा सकता है। बच्चे नाटक, शिल्प, संगीत और नृत्य जैसी रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से प्रेरित होते हैं, इनसे सीखते और विकसित होते हैं। बच्चों के लिए इन रचनात्मक गतिविधियों का अनुभव, खोज और प्रयोग का सबसे महत्वपूर्ण भाग है। शिक्षक बच्चों को रचनात्मक गतिविधियों का नेतृत्व करने, उन्हें समय और स्थान देने का प्रयास करें और बच्चे की रचनात्मक अभिव्यक्ति की प्रशंसा करें। शिक्षक बच्चों के लिए चित्रांकन, ड्राइंग और पेंटिंग, अभिनय, गीत–कविता, नृत्य इत्यादि गतिविधियाँ भी आयोजित करें।

- **शारीरिक विकासः** बच्चों में शारीरिक विकास के लिए जरूरी है पौष्टिक आहार, स्वच्छता, खेलकूद व व्यायाम। इसके लिए शिक्षक का बच्चे के परिवार, उसके माता–पिता, अभिभावकों से जुड़ाव, उनसे बातचीत एवं उनका उपयुक्त मार्गदर्शन जरूरी है। शिक्षक विद्यालय में बच्चों की नियमित तौर पर स्वास्थ्य जाँच करवाएं व जरूरतमंद बच्चों को चिकित्सा सुविधा दिलवाने में मदद करें। साफ–सफाई, शारीरिक स्वच्छता व अच्छी आदतों के विकास हेतु बच्चों के लिए विद्यालय में विशेष सत्रों का आयोजन किया जाना चाहिए। शिक्षक इन आदतों को बच्चों को सिखाने के लिए प्रदर्शनात्मक विधि अपनाएं व अच्छी आदतों को अपनाने के लिए बच्चों को प्रेरित करें। मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता व पर्याप्तता को सुनिश्चित करना होगा। बच्चे खेल–गतिविधियों को बहुत पसंद करते हैं, विद्यालय में बच्चों के लिए पर्याप्त खेल सामग्री तथा प्रत्येक कक्षा के लिए प्रतिदिन एक खेल कालांश की व्यवस्था होनी चाहिए, इसके अलावा विषयगत शिक्षण भी खेल गतिविधियों के माध्यम से होना चाहिए। इन सब गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के शारीरिक विकास में मदद मिलेगी।

बच्चों को अवलोकन के अवसर देना

बच्चे अपने नैसर्गिक कौशल के साथ आगे बढ़ना व नया सीखना चाहते हैं। यह नैसर्गिक कौशल है, अवलोकन करना। बच्चों को अधिक से अधिक अपने आस–पास के परिवेश का अवलोकन करने का अवसर देना चाहिए, उन्हें एक–दूसरे के साथ अपने अवलोकन के बारे में बात करने का समय देना चाहिए, वह अपने परिवेश के बारे में क्या समझ रहे हैं, क्या अनुभव ले रहे हैं, उन्हें क्या समझने में असहजता हो रही है? यह सब जानने का प्रयास करना चाहिए तथा प्रश्न पूछने व प्रश्न बनाने के अवसर देने चाहिए।

बुनियादी स्तर पर विद्यालयों में सामाजिक–भावनात्मक कौशल एवं जेंडर संवेदी वातावरण

5.3 शिक्षकों के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण बिंदु

- बच्चों को प्यार, उनकी देखभाल, बढ़ती उम्र के सापेक्ष पर्याप्त पोषण व उनको प्रोत्साहन देना।
- अकादमिक दक्षता, पठन–लेखन व संख्या ज्ञान के साथ–साथ ऊपर बताए गए सामाजिक–भावनात्मक क्षेत्रों से संबंधित कौशलों एवं घटकों पर भी बच्चों के साथ काम करें।
- यह जरुरी नहीं है कि इनको लेकर अलग से कोई एक कालांश हो या इसे अलग से एक विषय के तौर पर पढ़ाया जाए। विद्यालय के नियमित क्रियाकलाप, काम व विषय शिक्षण के दौरान ऊपर वर्णित घटकों को लेकर काम किया जा सकता है।
- इसके अलावा इनके प्रति शिक्षक को हमेशा सतर्क व जागरूक रहने की आवश्यकता है. शिक्षक को जब भी आवश्यकता लगे बच्चों से उनकी सामाजिक–भावनात्मक मनःस्थिति व जागरूकता को लेकर उनसे बातचीत की जानी चाहिए।
- शिक्षक विभिन्न खेल–गतिविधियाँ इत्यादि आयोजित कर बच्चों को संबल प्रदान करें।
- शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि बच्चों के साथ उनकी जाति, धर्म, भाषा, रंग, लिंग, बनावट, उनकी बौद्धिकता का स्तर इत्यादि को लेकर किसी भी तरह का भेदभाव न हो।
- सभी बच्चों के प्रति मित्रवत संबंध रखें व उनको को प्यार–आदर व उचित देखरेख प्रदान करें।
- शिक्षक ध्यान रखें, पढ़ाई जाने वाली विषयवस्तु व शिक्षण विधियाँ, कक्षा–कक्ष और विद्यालय का माहौल जेंडर संवेदी हो। यदि पढ़ाई जाने वाली विषयवस्तु में लैंगिक पक्षपात दिखता हो या वह लैंगिक रूढ़ियों को मजबूत करने वाला हो तो उसमें पढ़ाते समय आवश्यक संशोधन करें।
- साथ ही शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि उसके अपने व्यवहार, दृष्टिकोण, शिक्षण विधियों, कक्षा व्यवस्था व विषय वस्तु में कोई लैंगिक पक्षपात न हो।
- लड़के–लड़कियों को मिलकर खेलने व समान स्तर पर परस्पर गतिविधियों में शामिल होने के अवसर प्रदान करें।
- शिक्षक इस तरह की खेल–गतिविधियाँ व शिक्षण विधियाँ अपनाएं जिनसे पारम्परिक लैंगिक रूढ़ियाँ टूटें, व बच्चों के साथ इन रूढ़ियों व मान्यताओं पर चर्चा करें ताकि बच्चे इन्हें समझ पाएं–जैसे कि लड़कियाँ क्रिकेट क्यों नहीं खेल सकती व लड़के गुड़िया से क्यों नहीं खेल सकते या रस्सी कूद का खेल अधिकतर लड़कियाँ ही क्यों खेलती हैं ?

6. आकलन (Assessment)

6.1 आकलन क्या है?

आइए जानें आकलन क्या है और क्यों महत्वपूर्ण है?

आकलन एक **प्रक्रिया** है, जिसमें **विभिन्न तरीकों** से बच्चों के **ज्ञान, कौशल, क्षमता और धारणाओं** के बारे में **जानकारी एकत्रित** कर उसका **दस्तावेजीकरण** किया जाता है। इस जानकारी का उपयोग कक्षा में **शिक्षण प्रणाली को बेहतर** बनाने के लिए किया जाता है, जिससे बच्चों के **सीखने की प्रक्रिया** में निर्धारित **सीखने के प्रतिफल और लक्ष्यों** की प्राप्ति हो सके।

प्रत्येक बच्चे की अधिगम की गति अलग–अलग होती है और यह सांस्कृतिक, सामाजिक, भाषायी इत्यादि कारकों पर निर्भर करती है। इसलिए शुरूआती वर्षों में आकलन की **विभिन्न तकनीकों का उपयोग** करते हुए निरंतर और व्यापक रूप से बच्चों की **प्रगति को ट्रैक** करना महत्वपूर्ण है।

इस शिक्षक संदर्शिका में निपुण मिशन के दिशा–निर्देश के अनुसार, कक्षा 1 से 3 के लिए निर्धारित अधिगम प्रतिफलों को प्राप्त करने के लिए आकलन प्रारूप को तैयार किया गया है। इसमें आकलन के विभिन्न प्रकार को समझते हुए शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षक द्वारा किस प्रकार आकलन का उपयोग किया जा सकता है, यह दर्शाया गया है।

आकलन कितने प्रकार के होते हैं ?

आकलन मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं:

1. विद्यालय आधारित आकलन–
   (a) फॉर्मेटिव आकलन (b) समेटिव आकलन
2. मानकीकृत आकलन

नीचे दिए गए चित्र में आकलन के दो प्रकार को दर्शाया गया है–

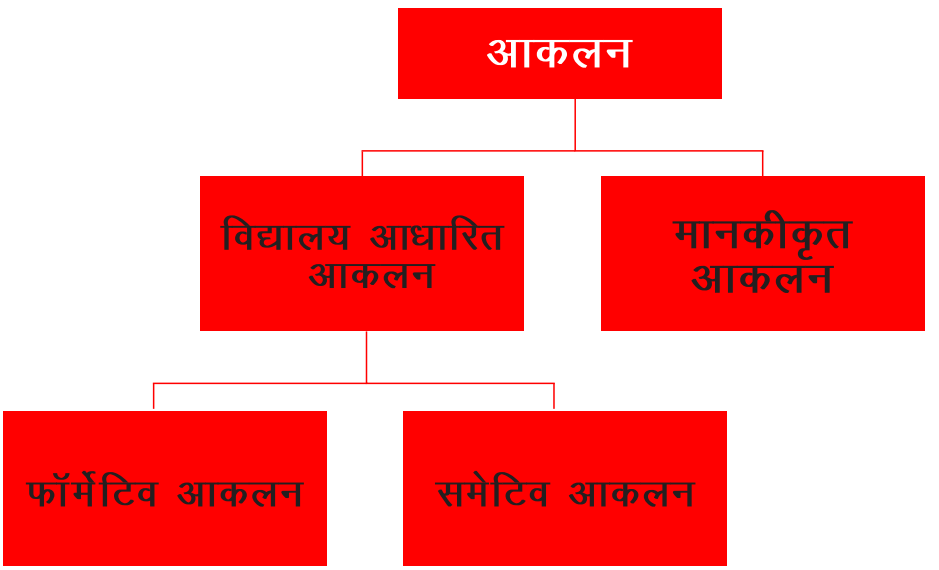

6.2 विद्यालय आधारित आकलन

वैसी आकलन प्रक्रिया जिसका **शिक्षण–अधिगम** के साथ सामंजस्य हो और जो **समग्र रूप** से निर्धारित **सीखने के प्रतिफलों को प्राप्त** करने में मदद करे, उसे विद्यालय आधारित आकलन कहते हैं। इसमें शिक्षक स्वयं बच्चों का आकलन निरंतर एवं व्यापक रूप से शिक्षण प्रक्रिया के साथ–साथ एक निश्चित अंतराल पर भी करते हैं। जिसका मुख्य उद्देश्य, बच्चों द्वारा अधिगम प्रतिफल की प्राप्ति है। यह आकलन बच्चों को भी सीखने के प्रतिफलों की प्राप्ति में सहायता प्रदान करता है। बच्चों से संबंधित विभिन्न हितधारकों (प्रधान–शिक्षक/शिक्षक, अभिभावक, सहपाठी एवं स्वयं बच्चा) द्वारा भी बच्चों का आकलन किया जाता है जिससे बच्चों का समग्र विकास संभव हो सके।

विद्यालय आधारित आकलन दो प्रकार के होते हैं–

1. **फॉर्मेटिव आकलन**–'सीखने के लिए आकलन' को फॉर्मेटिव आकलन (FA) कहते हैं। कक्षा में शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया के गुणवत्तापूर्ण संचालन हेतु फॉर्मेटिव आकलन का उपयोग किया जाता है। फॉर्मेटिव आकलन को शिक्षक अपनी शिक्षण प्रक्रिया में लगातार अवलोकन एवं अन्य उपकरण (कार्यपत्रक, आइटम (प्रश्न) बैंक, पोर्टफोलियो, रुब्रिक्स) के माध्यम से कर सकते है।
2. **समेटिव आकलन**–'सीखने का आकलन' समेटिव आकलन (SA) कहलाता है। यह आकलन निर्धारित अवधि के अंत में सीखने और शैक्षणिक उपलब्धि का आकलन करने के लिए किया जाता है। (उदाहरण के लिए – मासिक, अर्धवार्षिक और वार्षिक आकलन)। इसका उद्देश्य सीखने के प्रतिफलों के बारे में एक निर्धारित अवधि के अंत में बच्चों की समझ को जाँचना है और अक्सर यह ग्रेड या प्रतिशत के आधार पर प्रस्तुत किया जाता है।

अब यह समझते हैं कि कक्षा में बच्चों का फॉर्मेटिव आकलन हम किस प्रकार से कर सकते हैं? नीचे दिए गए चित्र में फॉमेटिव आकलन के तीन चरण बताए गए हैं।

1. बच्चों के अधिगम प्रक्रिया से संबंधित जानकारी उनकी मातृभाषा का प्रयोग करते हुए प्राप्त करना

उपकरण – अवलोकन, आइटम बैंक, कार्यपत्रक।

उदाहरण – हर एक सीखने के प्रतिफल पर कम से कम 10 प्रश्न बनाकर बच्चों के अधिगम संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। ये प्रश्न मौखिक तथा लिखित दोनों तरह के हो सकते हैं।

2. प्राप्त जानकारी का संधारण एवं विश्लेषण करना

उपकरण – पोर्टफोलियो, चेकलिस्ट, Anecdotal रिकॉर्ड (बच्चों के बारे में शैक्षणिक तथा अन्य जानकारी से संबंधित रिकॉर्ड, शिक्षक, माता–पिता एवं सहपाठियों से बातचीत और बच्चे के परिवेश के बारे में जानकारी का रिकॉर्ड), शिक्षक डायरी।

बच्चे के पोर्टफोलियो में विश्लेषण कर संधारित कर सकते हैं।

3. संधारित जानकारी का शिक्षण अधिगम–प्रक्रिया में उपयोग करना

उपकरण – पाठ योजना, शिक्षण प्रक्रिया।

उदाहरण – बच्चों द्वारा दिए गए उत्तर के विश्लेषण को शिक्षक कक्षा में उपयोग कर सकते हैं, जैसे बच्चे अगर गिनती में गलती कर रहे हैं, तो शिक्षक पाठ–योजना को परिवर्तित कर गिनती फिर से सीखा सकते हैं।

नोट– बच्चों के अधिगम प्रक्रिया से संबंधित जानकारी को प्राप्त करने के लिए रुब्रिक का उपयोग किया जा सकता है। इसके माध्यम से आकलन हेतु सीखने के अपेक्षित उद्देश्य की आवश्यकता के अनुसार तीन–चार सीखने के स्तरों के लिए विकसित किया जा सकता है। रुब्रिक बनाने के लिए निम्नलिखित उदाहरण का सहयोग लिया जा सकता है।

सीखने के प्रतिफल (विषय–गणित, कक्षा 1) – 99 तक की संख्या की पहचान करते हैं।

I) *(प्रयास की आवश्यकता है) – दिए गए 20 संख्यायों की सूची में से, बच्चा एक भी संख्या नहीं पहचान पाता है।

ii) **(सीख रहा/रही है) – दिए गए 20 संख्यायों की सूची में से, बच्चा 7–10 संख्याओं पर उंगली रखकर बता पाता है।

iii) ***(सीख चुका/चुकी है) – दिए गए 20 संख्यायों की सूची में से, बच्चा सभी 20 संख्याओं पर उंगली रखकर बता पाता है।

6.3 आकलन की रिपोर्टिंग

बच्चों की समझ को सुनिश्चित करने के लिए, शिक्षक की जिम्मेदारी विद्यालय और कक्षा में सिर्फ आकलन करना और उसका उपयोग कर पाने तक ही सीमित नहीं है, साथ ही आकलन को हितधारकों से साझा करना भी महत्वपूर्ण है। रिपोर्टिंग की प्रक्रिया के जरिए शिक्षक न सिर्फ आकलन का ब्यौरा देते हैं बल्कि सीखने में सभी की सहभागिता को भी सुनिश्चित करते हैं। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि आकलन को निष्पक्ष रूप से रिपोर्ट किया जाए ताकि हम अपनी कक्षा के सभी बच्चों द्वारा अधिगम प्रतिफल की प्राप्ति के लक्ष्य को पूरा कर सकें। समग्र प्रगति पत्रक (Holistic Progress Card) एक उपकरण हो सकता है जिसे आकलन को रिपोर्ट करने के लिए उपयोग किया जा सकता है।

पोर्टफोलियो– पोर्टफोलियो बच्चों के सह–शैक्षणिक गतिविधियों तथा विषयों से संबंधित उपलब्धियों तथा कार्यों का एक संग्रह है। इसकी सहायता से बच्चे का शैक्षणिक तथा स्व–मूल्यांकन हो जाता है। इसमें बच्चों द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों तथा प्राप्त उपलब्धियों का संग्रह होता है। जिसका विश्लेषण कर आकलन किया जा सकता है। प्रत्येक बच्चे के लिए एक निश्चित फोल्डर में उनके प्रयासों और उपलब्धियों को संग्रहित किया जाना चाहिए।

समग्र प्रगति पत्रक (Holistic Progress Card) – बच्चों की वृद्धि और विकास के सभी आवश्यक पहलुओं के आकलन को समग्र प्रगति पत्रक के रूप में संकलित किया जा सकता है। यह न केवल शिक्षकों के लिए बल्कि माता–पिता और स्वयं बच्चों के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह प्रगति पत्रक एक निर्धारित समय पर निरंतर आकलन करते हुए बच्चों की प्रगति की एक तस्वीर प्रस्तुत करता है। यह न केवल अकादमिक दक्षताओं को दर्शाता है बल्कि अन्य दक्षताएं जैसे कि साइकोमोटर कौशल, पर्यावरण जागरूकता, व्यक्तिगत स्वच्छता, आदि को भी दर्शाता है। 360–डिग्री व्यापक प्रगति को दर्शाने के लिए माता–पिता, साथियों और स्व–आकलन का उपयोग भी किया जाता है। SCERT बिहार द्वारा विकसित समग्र प्रगति पत्रक (Holistic Progress Card) क्यूआर कोड के माध्यम से इस संदर्शिका में जोड़ा गया है)।

मानकीकृत आकलन– इस आकलन प्रक्रिया को बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तर पर शैक्षिणिक वातावरण को समझने और उसे बेहतर करने के लिए नीतिगत निर्णय लेने हेतु किया जाता है। इस प्रकार का आकलन NCERT, SCERT, DIET इत्यादि शैक्षणिक संस्थानों द्वारा कराया जाता है। बड़े पैमाने पर आकलन के लिए मानकीकृत उपकरणों और तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इस आकलन के लिए विद्यालयों एवं बच्चों का चयन सैम्पलिंग (Sampling) के माध्यम से किया जाता है, जिसमें सभी वर्गों, क्षेत्रों आदि का प्रतिनिधित्व हो।

उदाहरण– NCERT द्वारा कराया गया National Achievement Survey (NAS) एवं Foundational Literacy Study (FLS) और SCERT बिहार द्वारा कक्षा 2 के बच्चों के लिए कराया गया राज्य स्तरीय बेस लाइन सर्वे।

6.4 प्रगति पत्रक

माह का नाम.....................................

इस फॉर्मेट का उपयोग शिक्षक प्रत्येक माह निर्धारित सीखने के प्रतिफल पर बच्चों की प्रगति रिकॉर्ड करने के लिए कर सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल

बच्चे का नाम

भाषा

1. ____________ 4. ____________ 7. ____________
2. ____________ 5. ____________ 8. ____________
3. ____________ 6. ____________ 9. ____________

गणित

1. ____________
2. ____________
3.

बच्चे का नाम	भाषा			गणित		
	1	2	3	1	2	3
बच्चा 1						
बच्चा 2						
बच्चा 3						
बच्चा 4						
बच्चा 5						
बच्चा 6						
बच्चा 7						
बच्चा 8						
बच्चा 9						
बच्चा 10						
बच्चा 11						
बच्चा 12						
बच्चा 13						
बच्चा 14						

उपलब्धि संकेतक : सीख चुका/चुकी है (***) सीख रहा/रही (**) प्रयास की आवश्यकता है (*)

परिशिष्ट-3 समग्र प्रगति पत्रक की संदर्भ सामग्री संलग्न है

7. बुनियादी संख्या ज्ञान

7.1 बुनियादी संख्या ज्ञान की अवधारणाएँ

बुनियादी संख्या ज्ञान का अभिप्राय है दैनिक जीवन की समस्याओं के समाधान में संख्यात्मक अवधारणाओं का समुचित उपयोग करने की क्षमता का विकास। आरंभिक स्तर पर बुनियादी संख्या ज्ञान का विकास बच्चों में सोचने और तर्क करने की क्षमताओं को बढ़ाता है जिससे वे समस्या समाधान के लिए बेहतर रणनीतियाँ बना सकें तथा दैनिक जीवन की समस्याओं को सुलझाने में उनका उपयोग कर सकें। बुनियादी संख्या ज्ञान की दक्षताएँ आगे की कक्षाओं में गणित की जटिल अवधारणाओं और दूसरे विषयों को बेहतर ढंग से समझने के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

मिशन निपुण भारत के विकासात्मक लक्ष्य–3 के अंतर्गत 7 मुख्य विषयों (Themes) को निर्धारित किया गया है जिन्हें हम बुनियादी संख्या ज्ञान की अवधारणाएँ के नाम से भी उद्धृत करते हैं।

बुनियादी संख्या ज्ञान, बच्चों में दैनिक जीवन की गतिविधियों जैसे खरीदारी करना, यात्रा करना, खेलना, चित्र बनाना, खाना पकाना इत्यादि, को करने हेतु अनिवार्य है। संख्या ज्ञान एवं संक्रियाएं, मापन, अनुमान लगाना आदि का उपयोग करके बच्चे इन क्रियाकलापों को बेहतर तरीके से करने में सक्षम हो पाते हैं।

किसी भी संवाद के दौरान उपयुक्त तर्क प्रस्तुत करने के लिए बच्चों की तार्किक क्षमता का विकसित होना बहुत ही आवश्यक होता है। बच्चों में इस तार्किक क्षमता का विकास बुनियादी संख्या ज्ञान के दौरान विकसित किया जा सकता है।

इनमें मुख्य हैं:–

- संख्या पूर्व अवधारणाएँ
- संख्या ज्ञान और संक्रियाएँ
- आकृतियाँ एवं स्थानिक समझ
- मापन
- पैटर्न
- आंकड़ों का प्रबंधन
- गणितीय सम्प्रेषण

1. संख्या–पूर्व अवधारणाएँ:

संख्या–पूर्व अवधारणाएँ बच्चों की संख्या ज्ञान की समझ हेतु पृष्ठभूमि तैयार करने में सहायक होती हैं।

इस अवधारणा में बच्चे सीखेंगे –

- **एक–एक की संगति:**

वस्तुओं के ढेर में एक–एक का मिलान करना जिससे कम–ज्यादा का अनुमान लगाया जा सके।

एक–एक की संगति के कौशल दो समूहों में से किस समूह में ज्यादा वस्तुएँ है और किस में कम इसे समझने में मदद करेंगे। इसी कौशल का प्रयोग करके आगे चलकर बच्चों का संख्या नाम और वस्तुओं (मूर्त व अमूर्त रूप) में मिलान करना भी सीखना बेहतर हो पाता है।

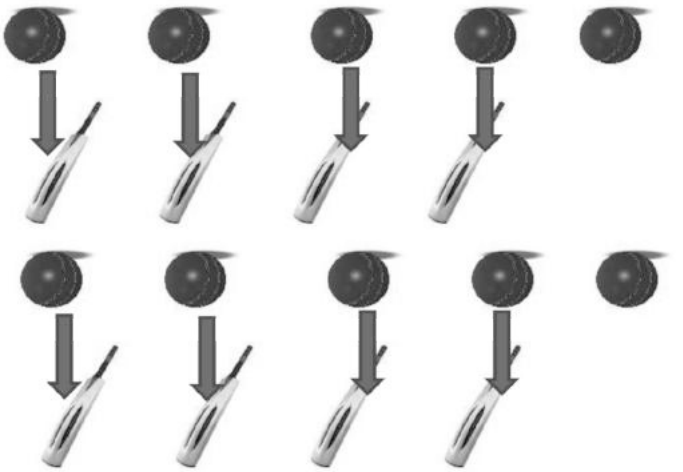

• **वर्गीकरणः** वस्तुओं के ढेर में से रंग, आकार और दूसरे गुण धर्म के आधार पर उन्हें अलग–अलग करना।

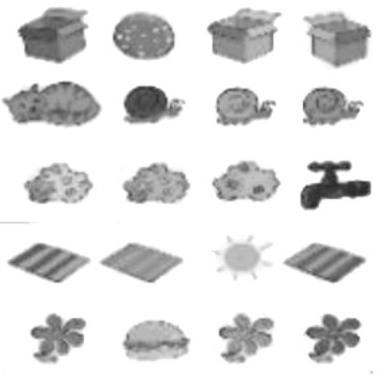

वर्गीकरण का कौशल गिनने के दौरान बच्चों को गिनी जा चुकी व गिने जाने वाली वस्तुओं को अलग–अलग करने में मदद करता है। जिससे वह देख पाएंगे कि उन्होंने किसे गिन लिया गया है और किसे गिना जाना बाकी है।

• **क्रम में लगानाः**

वस्तुओं को उनके रंग, आकार और दूसरे गुण धर्म के आधार पर एक निश्चित क्रम (बढ़ते अथवा घटते) में लगाना।

क्रम में लगाने का कौशल बच्चों में वस्तुओं को छोटे से बड़े व बड़े से छोटे क्रम में रखने का विकास करता है जिसे वह अंकों को भी बढ़ते और घटते क्रम में लगाने में उपयोग कर सकते हैं। गिनने के लिए भी चीजों को क्रम में रखना महत्वपूर्ण है जिससे कि एक भी वस्तु न छूटे या कोई वस्तु एक से अधिक बार नहीं गिनी जाए।

• **तुलना करनाः**

वस्तुओं की उनके रंग, आकार और दूसरे गुण धर्म के आधार पर तुलना करना।

तुलना का कौशल बच्चों में कम–ज्यादा व बड़े–छोटे की समझ बनाने में मदद करता है जो कि आगे चलकर संख्याओं की तुलना करने में मदद करती है।

2. संख्या ज्ञान और संक्रियाएँः

संख्याएँ गणना करने और मापन के एक औजार की तरह है। संख्या की समझ का अर्थ है संख्या नाम, मात्रा, संख्या निर्माण, संख्याओं के आपसी संबंध और प्रतीक को समझना। बुनियादी गणित की चार मूलभूत संक्रियाएं है – जोड़, घटाव, गुणा और भाग जिसके अतंर्गत इन संक्रियाओं के अर्थ, उपयोग एवं विभिन्न तरीकों द्वारा इन्हें हल करना शामिल है।

इस अवधारणा में बच्चे सीखेंगे–

- 999 तक की संख्याओं को पहचानना, लिखना, गिनना तथा तुलना करना
- संख्याओं को इकाई, दहाई और सैकड़ा में विस्तारित करना
- संख्याओं के प्रकार :– (i) गणन संख्या (Cardinal Number) (ii) क्रमसूचक संख्या (Ordinal Number) (iii) नामित संख्या (Nominal Number)

- 999 तक की संख्याएँ बनाना और उनका विघटन
- हासिल और बिना हासिल के तीन अंकीय संख्याओं को जोड़ना
- उधार और बिना उधार के तीन अंकीय संख्याओं तक का घटाव
- दो अंकीय संख्याओं को एक अंकीय संख्या से गुणा करना
- दो अंकीय संख्याओं को एक अंकीय संख्या से भाग करना
- जोड़, घटाव, गुणा और भाग पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याओं (इबारती प्रश्न) को हल करना

3. आकृतियाँ एवं स्थानिक समझः

स्थानिक समझ गणित का वह क्षेत्र है जिसमें किसी वस्तु आकृति, आकार, स्थान, स्थिति, दिशा तथा गतिशीलता की समझ का विकास शामिल होता है। यह हमें हमारी दुनिया का विश्लेषण और वर्गीकरण करने में मदद करता है। यह बच्चों को अपने आस–पास के लोगों और वस्तुओं से संबंध की समझ देता है।

इस अवधारणा में बच्चे सीखेंगे–

- सीधी रेखा, वक्र रेखा, खुली एवं बंद आकृतियों की समझ।
- द्विविमीय (2D) आकृतियाँ जैसे – त्रिभुज, आयत, वर्ग, वृत की समझ हासिल करना।
- त्रिविमीय (3D) आकृतियाँ जैसे – घन, घनाभ, बेलन, शंकु, गोला की समझ हासिल करना।
- वस्तुओं की अवस्थिति जैसे – ऊपर–नीचे, बाएं–दाएं, आगे–पीछे आदि को समझना।
- द्विविमीय एवं त्रिविमीय आकृतियों के बीच संबंध समझना।
- वस्तुओं की तुलना की समझ हासिल करना।
- 3D आकृतियों का अवलोकन कर उनकी विशेषताओं जैसे– किनारे, कोना और फलक को समझना।

4. मापनः

यह गणित का वह क्षेत्र है जिसमें हम परिमाण/मात्रा की गणना, गणना के तरीके और परिमाणों की तुलना की समझ विकसित करते हैं, जैसे–वर्ग कक्ष के टेबल की लम्बाई को मापना, बाल्टी की धारिता मापना, चावल दाल जैसे अनाजों को तौलना आदि। यह क्षेत्र गणनाओं को आसान बनाने और समस्या समाधान में आत्मविश्वास हासिल करने के लिए विभिन्न तरीकों से संख्याओं के उपयोग पर केन्द्रित है।

इस अवधारणा में बच्चे सीखेंगे –

- गैर मानक और मानक इकाइयों से वस्तुओं की लंबाई/दूरी, वजन/भार, धारिता का अनुमान लगाना और मापन कर अनुमान को पुष्ट करना।
- वस्तुओं के तापमान का अनुमान लगाना और मापन कर अनुमान को पुष्ट करना।
- समय की समझ– घड़ी की मदद से समय को पढ़ना एवं दर्शाना।

5. पैटर्नः

पैटर्न हमारे चारों ओर हैं। हमारे जीवन के लगभग हर संदर्भ यथा सजावटी डिजाइन, रेखा–चित्र, आकृतियाँ, रूपांकन आदि में पैटर्न का उपयोग होता है। गणितीय संदर्भ में पैटर्न सामान्यतः एक व्यवस्था/तरतीब, क्रम, अनुक्रम या दुहराव है। आरंभिक स्तर पर बच्चे इस अधिगम–क्षेत्र में आकृतियों, चित्रों और सरल संख्याओं के साथ पैटर्न का अध्ययन करते हैं।

इस अवधारणा में बच्चे सीखेंगे –

- पैटर्न को पहचानना – 1, 2, 1, 2, 1, 2 .....
- पैटर्न में निहित नियम की व्याख्या करना – संख्या 1 और 2 बारी–बारी से क्रमवार आ रही है
- पैटर्न को आगे बढ़ाना – 1, 2, 1, 2, 1, 2 .....
- नए पैटर्न का निर्माण करना – A, B, C, A, B, C.....
- पैटर्न का आम जीवन में उपयोग

6. आंकड़ों का प्रबंधनः

विभिन्न स्रोतों से संग्रहित सूचनाओं को सामान्य रूप से आंकड़ा कहते हैं। गणित के इस अधिगम– क्षेत्र 'आंकड़ों का प्रबंधन' में आंकड़ों को इकट्ठा करना, उन्हें व्यवस्थित करना, उनका निरूपण और विश्लेषण कर निष्कर्ष निकालने की गतिविधियाँ शामिल होती है।

इस अवधारणा में बच्चे सीखेंगे –

- सरल सूचनाओं जैसे कक्षा में लड़के–लड़कियों की संख्या, बच्चों के पसंदीदा वस्तुओं के नाम इत्यादि को इकट्ठा करना।
- सूचनाओं की की व्याख्या को सरल बनाने हेतु प्रस्तुतिकरण के तरीके तैयार करना।
- सूचनाओं को टैलीमार्क संकेतों से निरूपित करना।
- सूचनाओं को पिक्टोग्राफ से प्रदर्शित करना।
- सूचनाओं के निरूपण के आधार पर उनका विश्लेषण कर निष्कर्ष निकालना।
- कैलेण्डर का उपयोग करके अपने दैनिक जीवन की घटनाओं में दिन, सप्ताह, महीना एवं वर्ष को पहचानना।

7. गणितीय सम्प्रेषण

गणितीय सम्प्रेषण वह प्रक्रिया है जिसमें गणितीय संकेतों, चिह्नों, चित्रों के माध्यम से सूचनाओं का आदान–प्रदान होता है। आरंभिक स्तर पर इस अधिगम–क्षेत्र की दक्षताओं को उपर्युक्त 6 क्षेत्रों की दक्षताओं मे सम्मिलित कर बच्चों में गणितीय सम्प्रेषण कौशल विकसित किया जाना है। इसके लिए संचार के विभिन्न आधुनिक/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का विभिन्न संदर्भों, उदाहरणों, पाठांत अभ्यासों में उपयोग कर के किया जा सकता है।

इसके अंर्तगत बच्चे सीखेंगेः

- गणितीय शब्दावलियों का प्रयोग करना
- गणितीय सम्प्रेषण हेतु चित्रों व चिह्नों का प्रयोग करना

- किसी भी समस्या को गणितीय समस्या में बदल पाना
- समस्या के हल हेतु एक से अधिक तरीकों पर विचार करना
- समस्या के हल हेतु उपयुक्त चिह्नों, चित्रों व कलन विधियों (Algorithm) का प्रयोग करना

7.2 बुनियादी गणित: सीखना–सिखाना

हर विषय की शिक्षण विधि तीन बातों पर निर्भर करती है; पहला विषय की प्रकृति की समझ, दूसरा विषय के उद्देश्यों की समझ और, तीसरा बच्चों के सीखने के तरीकों की समझ। आरम्भिक स्तर पर गणित शिक्षण के लिए इन तीन बातों को समझना आवश्यक होता है:

1. गणित विषय की प्रकृति –

- गणितीय अवधारणाएँ अमूर्त होती हैं यानि कि इन्द्रियों द्वारा इनका अनुभव नहीं किया जा सकता है। जैसे संख्या तीन को हम इन्द्रियों द्वारा अनुभव नहीं कर सकते हैं परन्तु हम 'तीन वस्तु' कहने पर समझ जाते हैं कि इसके मायने क्या है।
- गणितीय अवधारणाओं में क्रमबद्धता होती है जैसे कि जोड़ सीखने से पहले संख्या समझ का होना जरूरी होता है।
- गणितीय भाषा/कथन सटीक, संक्षिप्त एवं असंदिग्ध होते हैं जैसे कि 2+3 = 5 इसका मतलब दुनिया के किसी भी हिस्से में एक सा ही समझा जाएगा।
- गणितीय अवधारणाएँ स्वयंसिद्ध मान्यताओं पर आधारित होती है, जिन्हें हम अभिगृहीत सूक्तियाँ (Axioms) कहते हैं।
- गणित की अपनी भाषा होती है, जिसमें शब्दावलियाँ, चिह्न, प्रतीक आदि सम्प्रेषण हेतु उपयोग में लिए जाते है।

2. गणित विषय के सीखने सिखाने के उद्देश्य –

- गणित सीखने–सिखाने का उद्देश्य है बच्चों के विचारों का गणितीयकरण करना। इसके लिए निम्न कौशलों का विकास करना होगा:
  - औपचारिक समस्या समाधान (Formal Problem solving)
  - अनुमान और सन्निकटन (Estimation and approximation)
  - इष्टतमीकरण (Optimization)
  - दृश्यीकरण और निरूपण (Visualization and representation)
  - संबंध स्थापित करना (Making connections)
  - व्यवस्थित तर्कण (Systematic reasoning)
  - गणितीय सम्प्रेषण (Mathematical communication)
  - अमूर्तन (Abstraction)
  - सांख्यिकीकरण (Quantification)
  - अनुरूपण (Analogy)
  - सरल परिस्तिथियों में रूपांतरण (Reduction to simpler situations)
  - तुक्का और सत्यापन (Guess and verify)

7.3 बच्चों के सीखने की समझ–आरम्भिक स्तर पर

- बच्चे गणित की पूर्व अवधारणाओं की समझ लेकर आते हैं। जैसे, छोटा, बड़ा, कम, ज्यादा आदि की समझ।
- बच्चों के जीवन में मूर्त वस्तुओं के साथ खेलना और अवलोकन करना शामिल होता है।
- बच्चों के सीखने की अपनी–अपनी गति और तरीके होते हैं।
- बच्चे खिलौने, चित्र बनाकर आपस में बातचीत कर और खेलकर सीखते हैं।

इन सभी प्रक्रियाओं व समझ की कमी के चलते गणित विषय के सीखने–सिखाने में जो समस्याएं देखने में आती हैं वे निम्न हैं:

- सीधे–सीधे कलन विधि (Algorithm) को अपनाया जाना जिसके कारण अवधारणाओं की समझ का उपयुक्त विकास नहीं हो पाता है।
- ठोस अनुभव के लिए बच्चों के हाथ में उपयुक्त सामग्री नहीं होती तथा उनको ठोस सामग्री को दिखा–दिखाकर समझाया जाना।
- आकलन के तरीके पेपर और पेन तक सीमित होते हैं। मानसिक गणना और विचारों के गणितीकरण को प्राथमिकता नहीं मिल पाना।
- समुदाय व आस–पास की वस्तुओं और घटनाओं से गणित के संबंध नहीं बनाया जाना।
- गणितीय समझ को बच्चों के लिंग, धर्म और परिवेश से जोड़कर देखा जाना जिसके परिणामस्वरूप कुछ बच्चे गणित से रूचि खोने लगते हैं, जबकि कुछ उससे अपने को दूर करने लगते हैं।

7.4 गणित सीखने–सिखाने के तरीके

बुनियादी गणित के सीखने सिखाने की प्रक्रिया को अच्छे से समझने के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-FS) कुछ तरीकों पर बातचीत करती है जो निम्नलिखित हैं:

अ–भा–चि–प्र (ELPS) जिसका आशय है:

अ – अनुभव (**E**xperience)

भा – भाषा (**L**anguage)

चि – चित्र (**P**icture)

प्र – प्रतीक (**S**ymbol)

आइए, इस तालिका से इस विधि के आशय को समझते हैं–

अनुभव	भाषा	चित्र	प्रतीक
• बच्चो के पूर्व अनुभवों को सुनना • ठोस वस्तुओं द्वारा अनुभव • अर्द्धमूर्त (संख्या कार्ड, नकली नोट आदि) वस्तुओं द्वारा अनुभव • गणितीय मॉडलिंग के अवसर • बोलने व प्रश्न करने के अवसर	• गणितीय शब्दावलियों का चुनाव • शब्दावलियों का आम भाषा के शब्दों से जुड़ाव • गणितीय भाषा का उपयोग कर अपने अनुभवों को बताना	• ठोस अनुभवों का निरूपण • अर्द्धमूर्त वस्तुओं का निरूपण • निरूपित चित्रों पर प्रस्तुतिकरण गणितीय शब्दावलियों का चुनाव	• गणितीय प्रतीकों का उपयोग • विभिन्न परिस्तिथियों को गणितीय कथन से बदलना • गणितीय कथनों को आम जीवन की परिस्थितियों से जोड़ना

उदाहरण स्वरुप

जोड़ की अवधारणा			
कंकड़ या पत्थर के छोटे–छोटे समूह को गिनना एवं उन समूह को मिलाने के बाद कुल संख्या को गिनकर बताना	जोड़ से जुड़ी हुई बच्चों के अनुभव को सुनना, स्थानीय शब्दावली का प्रयोग करना और बच्चों को भी स्थानीय शब्दावली प्रयोग में प्रोत्साहन देना	चित्र का उपयोग कर जोड़ की समझ बनाना	जोड़ से संबंधित समस्या समाधान में प्रतीकों का प्रयोग करना

गणित की पाठ योजनाः–

आरम्भिक स्तर पर गणित की पाठ योजना हेतु NCF-FS में ब्लॉक विधि दिया गया है जिसके अंतर्गत 4 ब्लॉक आते हैं।

गणितीय बातचीत (गणितीय कविता, मौखिक गणना, अवधारणा, बच्चों के अनुभव)	कौशल शिक्षण (सभी कौशल के पहलुओं को जोड़ना)
कौशल अभ्यास (प्रक्रियागत, अवधारणात्मक, समस्या समाधान और तार्किकता)	गणितीय खेल (अधिगम और समस्या समाधान को मजबूत करना)

इस ब्लॉक विधि को समझने के लिए तैयारी के पक्ष को यदि जोड़ा जाए तो यह ब्लॉक '5 P' के अंतर्गत आता है यानि

Prepare (तैयारी) ⟶ Play (खेल) ⟶ Process (प्रक्रिया) ⟶ Practice (अभ्यास) ⟶ Problem solving (समस्या समाधान)

एक कक्षा में यह सभी बातें किस प्रकार समाहित हो सकती है आइए उदाहरण द्वारा इसे समझा जाये।

7.5 5P संरचना: पाठ योजना में क्या है

तैयारी (Prepare)

1

पाठ योजनाओं की तैयारी शिक्षक को पूर्व- अपेक्षाओं और विषय से जुड़ी आम भ्रांतियों को समझने में मदद करता है। यह पाठ को निष्पादित करने के लिए आवश्यक सामग्री की सूची भी साझा करता है।

IL 4.5 | वस्तुओं का मिलान करना एवं छाँटना

विद्यार्थी, आकार, माप और रंग के आधार पर वस्तुओं और चित्रों का मिलान करना एवं छाँटना सीखेंगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

फ्लैश कार्ड सेट A
फ्लैश कार्ड सेट B
फ्लैश कार्ड सेट C

ग़लत अवधारण
कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश
कोई नहीं

आवश्यक शर्तें | टी.ऐल.एम | गलतफहमी | मुख्य शब्दावली

खेल (Play)

2

पाठ योजनाओं के प्ले सेक्शन में निर्देश / गतिविधि शामिल होती हैं जो शिक्षक को एक आकर्षण जीवन उदाहरण के साथ पाठ को शुरू करने की अनुमति देती हैं।

खेल

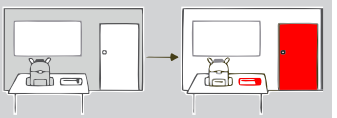

कक्षा में रंगीन वस्तुओं का मिलान करना

- विद्यार्थियों से पूछें कि कक्षा की दीवारों का रंग क्या है। पूछें कि कक्षा की दीवारों का रंग कैसा दिखता है?
- विद्यार्थियों को कक्षा की दीवारों के समान रंग वाली वस्तुओं पर चर्चा और पहचान करने के लिए कहें।
- **प्रश्न** क्या ब्लैकबोर्ड का रंग कक्षा की दीवार के रंग के समान है?
- विद्यार्थियों से पूछें कि कक्षा के दरवाजे का रंग क्या है। पूछें कि कक्षा के दरवाजे का रंग कैसा दिखता है?
- विद्यार्थियों को उन वस्तुओं की पहचान करने के लिए कहें जो उनके मेज़ (डेस्क) के समान रंग की हैं।
- **प्रश्न** उन रंगों का नाम बताइए जिन्हें आप जानते हैं?

प्रक्रिया (Process)

3

पाठ योजनाओं का प्रक्रिया खंड विद्यार्थीयों में, विषयों की वैचारिक स्पष्टता बनाने पर केंद्रित हैं।

प्रक्रिया

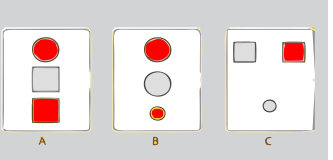

आकृतियों का मिलान करना

- विद्यार्थियों को फ्लैश कार्ड सेट A दिखाएं। इंगित करें कि ये पीले और लाल आकार हैं।
- विद्यार्थियों को फ्लैश कार्ड सेट C दिखाएँ एवं उन्हें बताएँ कि विभिन्न आकृतियों के चित्र हैं।
- बोर्ड पर लाल और पीले चाक के साथ आकृतियों का चित्र बनाएँ और पीले रंग की आकृतियों पर गोल घेरा लगाएँ। वर्ग और वृत्त को पीले रंग में इंगित करें और समझाएं कि वे रंग में समान हैं।
- ब्लैक बोर्ड पर आकृतियों का चित्र बनाएँ और वर्गों पर गोल घेरा लगाएँ। समझाएँ कि दोनों वर्गों का आकार समान है।
- विद्यार्थियों को फ्लैश कार्ड सेट B दिखाएं। इंगित करें कि छोटी वस्तुओं की कुछ तस्वीरें हैं और अन्य बड़ी वस्तुओं को दिखाती हैं।
- **प्रश्न** पीले आकृतियों की ओर संकेत करें और पूछें: मैंने इन दोनों पर ही गोल घेरा क्यों लगाया है?
- बोर्ड पर चित्र बनाएं और पीले बड़े वर्ग और लाल बड़े वर्ग पर गोल घेरा लगाएँ। बता दें कि पीला बड़ा वर्ग और लाल बड़ा वर्ग दोनों बड़े हैं।

s; bha; k: samajik bhavnatmak kaushal

अभ्यास (Practice)

4

पाठ योजनाओं का अभ्यास विद्यार्थी को अभ्यास के रूप में, शामिल किये गए कदमों को सुदृढ़ करने और समझने में किसी भी गलतफहमी को दूर करने की अनुमति देता हैं।

अभ्यास

ब्लैकबोर्ड पर चित्र बनाएँ - आकार, माप एवं रंग के आधार पर मिलान करना एवं छाँटना।

- प्रत्येक बोर्ड को उसके आकार से मिलाएं?

- पीले रंग के वस्तुओं पर गोल घेरा लगाएँ?

- बड़ी वस्तुओं पर गोल घेरा लगाएँ?

- **प्रश्न** आपने प्रश्न 2 में लाल सेब पर गोल घेरा क्यों नहीं लगाया?
  एक और वस्तु का नाम बताइए जो बड़ी है?

सा.भा.कौ. – सामाजिक भावनात्मक कौशल

समस्या समाधान (Problem solving)

5

समस्या समाधान बच्चों में विभिन्न तरीके के गणितीय समस्याओं को हल करने की क्षमता को विकसित करने पर केन्द्रित है।

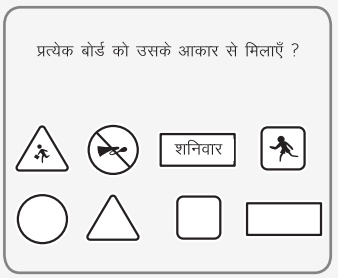

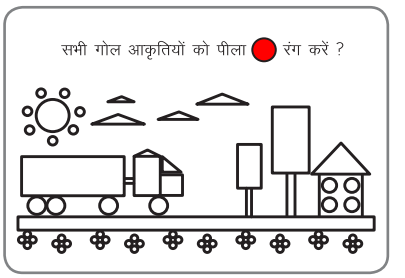

IL 4.5 पाठ्य योजना

नोटः ELPS गणित के सीखने–सिखाने के सिद्धांत को प्रतिपादित करता है, जबकि 5P (ब्लॉक मॉडल) पाठ योजना को बेहतर तरीके से बनाने में मदद करता है।

7.6 साप्ताहिक दृश्य: एक सप्ताह में क्या करना है

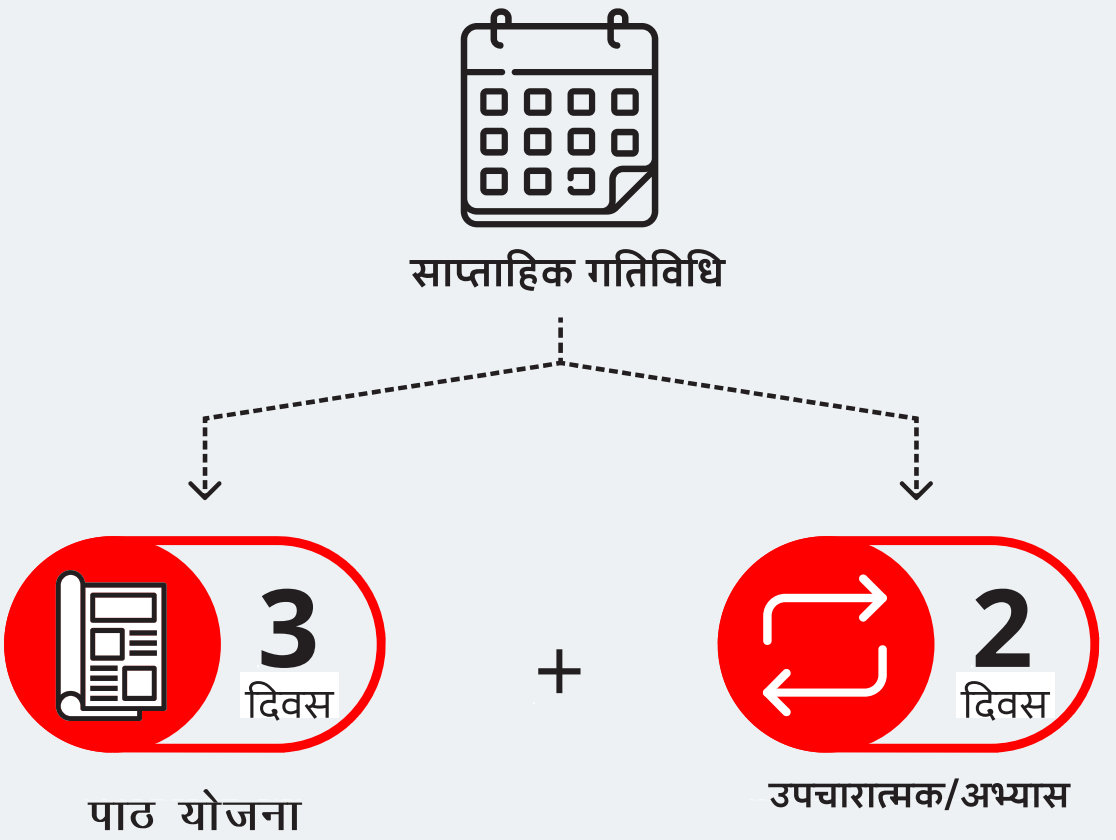

एक सप्ताह में 2-3 पाठ योजनाएं निष्पादित करें

प्रत्येक पाठ योजना के लिए विद्यार्थी कार्यपुस्तिका से संबंधित कार्यपत्रक को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों को समय दें।

अधिक सुदृढीकरण की आवश्यकता वाले विषयों का पता लगाने के लिए कार्यपत्रकों का आकलन करें।

पाठ योजनाओं के अभ्यास और सुदृढीकरण के लिए 2 दिनों का उपयोग करें

आकलन के उपरांत विद्यार्थियों के सिखने के स्तर को बेहतर करने के लिए उपचारात्मक शिक्षण का उपयोग करें

एक सप्ताह में 6 कार्य दिवसों के मामले में, छठवें दिन उपचारात्मक और अभ्यास के लिए उपयोग करें।

7.7 आखिर कैसी दिखनी चाहिए गणित की कक्षा?

कक्षा में क्या नहीं होना चाहिए	कक्षा में क्या होना चाहिए
शुरुआती कक्षा के बच्चों को विद्यालय प्रवेश के तुरंत बाद दीवार पर लिखी गिनती को पढ़ने के लिए बोलना।	✓ शुरुआती कक्षा के बच्चों के पूर्वज्ञान को समझना व उसके आधार पर काम करने के लिए देना, उनके साथ कविता कहानी द्वारा संख्या पूर्व अवधारणाओं पर कार्य करना।
बच्चों को गणितीय समस्याओं को हल करने की कलन विधि (Algorithm) के एक–एक चरण को बोर्ड पर करके दिखाना और फिर उनसे उम्मीद करना कि वे समस्याओं को ठीक उसी तरह से हल करेंगे जैसा कि शिक्षक ने बोर्ड पर किया है।	✓ बच्चों द्वारा विभिन्न तरीकों से गणितीय समस्याओं को हल करने को समझना और कलन विधि (Algorithm) के चरणों को शिक्षण सामग्री एवं तर्क द्वारा समझाना।
किसी भी अवधारणा को उसके हल करने के तरीकों तक सीमित सीखना जैसे एक अंक के जोड़ सिखाने में 5 + 2 = ? , 3 + 1 = ? आदि जैसे प्रश्न करवाना व हल करने के लिए देना।	✓ किसी भी अवधारणा के मायनों तथा उससे संबंधित तथ्यों पर बातचीत करना जैसे जोड़ के सवालों के लिए 5 + 2 = ? या $\frac{5}{+2}$ के साथ ही ऐसे सवाल भी देने चाहिए जैसे – रिक्त स्थान में सही संख्याएँ लिखें _ +_ = 8, किसी एक संख्या को बदल कर इस जोड़ को सही करें – 4 + 5 = 8
बच्चों को सामने खड़े होकर शिक्षण अधिगम सामग्री दिखाना और थोड़ा बताकर सवाल हल कराना ।	✓ बच्चों के बीच में बैठकर उनसे व स्वयं भी शिक्षण अधिगम सामग्री बनाना और उसपर बच्चों के साथ बातचीत कर समझ बनाना।
बच्चों को पाठ्यपुस्तक में दिए गए इबारती सवालों को हल करने के लिए कुछ खास शब्दावलियों को याद करने के लिए कहना जैसे– जहां "कुल" शब्द आएगा वहाँ जोड़ करना होगा और जहां "बचा" शब्द आएगा वहाँ घटाव होगा।	✓ बच्चों को उनके परिवेश की समस्या देकर उसका हल निकालने के लिए प्रेरित करना और उन्हे वैसी ही परिस्थितियों को गढ़ने के लिए कहना।
बच्चों को आंकड़ों से संबंधित पाठ को मौखिक समझाकर उन्हें संबंधित प्रश्न बोर्ड पर करके बताना।	✓ बच्चों को समूहवार आँकड़े इकट्ठा करने हेतु प्रोजेक्ट कार्य देना तथा उन्हें आपस में प्रस्तुतिकरण व सवाल जवाब करने के लिए प्रेरित करना।
बच्चों को एक साथ लेकर चलना इसलिए जो बच्चे पहले अपना काम पूरा कर लेते हैं तब तक के लिए उन्हें रुकने के लिए बोलना जब तक बाकी सभी बच्चे अपने काम को पूरा न कर लें।	✓ जो बच्चे अपना काम जल्दी कर लेते हैं, उनसे और रोचक प्रश्न पूछना जैसे –"क्या होता यदि शून्य नहीं होता?''
बच्चों को एक तरीके से प्रश्नों के हल निकालना सिखाना। वैकल्पिक तरीकों को नकारना। बच्चों के जवाबों को सही या गलत बताना।	✓ बच्चों को एक से अधिक तरीकों से हल निकालने के लिए प्रेरित व सहयोग करना। बच्चों के जवाबों पर बातचीत करना।

आइए अब कक्षावार (कक्षा 1, 2 और 3) सीखने के प्रतिफल और उसपर आधारित गणित के कुछ पाठ योजनाओं को देखें। इसमें कक्षा 1 और 2 के लिए 12 और कक्षा 3 के लिए 11 यानि कि तीनों कक्षाओं में कुल 35 पाठ योजनाएं उदाहरण के रूप में दी जा रही हैं। इन पाठ योजनाओं का उपयोग कर कक्षा का संचालन करने से बेहतर प्रतिफल प्राप्त होंगे। साथ ही साथ ऐसी ही पाठ योजनाएं अन्य विषय वस्तुओं के लिए भी बनाई जा सकती हैं।

सभी पाठ योजना में कुछ शिक्षण सामग्री का उपयोग किया गया है। लेकिन इसके अलावा विद्यालय या स्थानीय परिवेश में उपलब्ध अन्य सामग्री का भी उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही विद्यालय में उपलब्ध कराए गए FLN किट/शिक्षकों द्वारा स्थानीय सामग्रियों से बनाए गए शिक्षण सामग्री का उपयोग किया जा सकता है।

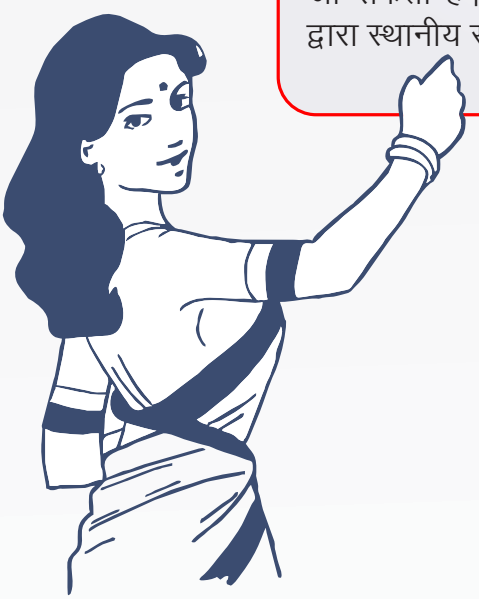

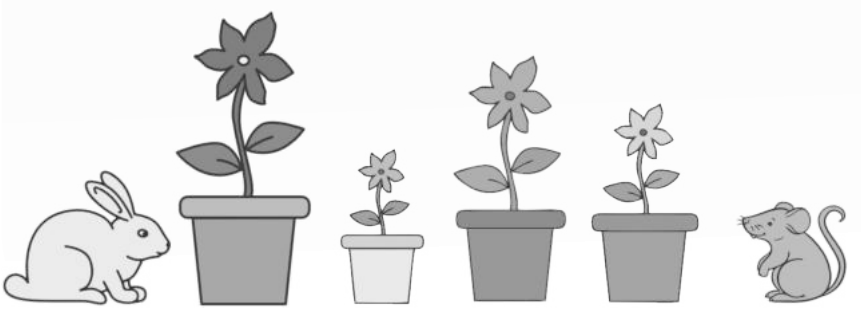

8. गणित के सीखने के प्रतिफल एवं पाठ योजना

8.1 गणित के सीखने के प्रतिफल और उसके साथ बिहार राज्य की पाठ्यपुस्तक का मिलान (कक्षा–1)

कक्षा 1

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
1. 20 तक वस्तुओं की गणना करना। 2. 99 तक की संख्या पढ़ना और लिखना। 3. दैनिक जीवन स्थितियों में 9 तक की संख्याओं के जोड़ और घटाव का उपयोग करना। 4. 3 डी आकृतियों (ठोस आकृतियों) के भौतिक गुणों का अवलोकन और वर्णन करना जैसे गोल/सपाट सतहें, कोणों और किनारों की संख्या आदि।	संख्या पूर्व अवधारणा	**IL 4.5** कई कारकों के आधार पर वस्तुओं/चित्रों की तुलना और वर्गीकरण करते हैं और स्थिति की समझ को प्रदर्शित करते हैं। **IL 4.6** मानदडों (गुणों) के आधार पर 5 से अधिक वस्तुओं को क्रमबद्ध/व्यवस्थित करते हैं।	**बच्चे** – विभिन्न वस्तुओं को उनके रंग/आकार/आकृति आदि के आधार पर अलग–अलग कर पाएंगे। – दी गई स्थिति जैसे रंग, आकृति इत्यादि के आधार पर वस्तुओं/घटनाओं को वर्गीकृत कर पाएंगे। – उन मानदंडों/आधारों की पहचान कर पाएंगे जिन पर वस्तुओं को वर्गीकृत और प्रदर्शित किया जाता है। – आकार/आकृति आदि के आधार पर वस्तुओं को एक क्रम में व्यवस्थित कर पाएंगे।	1 – 8 LO 01MH06 पृष्ठ संख्या 9 – 12
		IL 4.7 सुबह, दोपहर, शाम और रात जैसे शब्दों का प्रयोग करते हुए क्रम से अपनी दिनचर्या का वर्णन करते हैं। **IL 4.8** साधारण स्थिति वाली समस्या–समाधान के लिए कारण सहित और स्वतंत्र रूप से हल प्रस्तुत करते हैं।	**बच्चे** – दिन के समय के अनुक्रम में अपनी दिनचर्या का वर्णन कर पाएंगे। – दी गई गतिविधियों को दिन के समय से संबंधित कर पाएंगे।	LO 01MH23 पृष्ठ संख्या 95

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
5. गैर–मानक इकाइयों जैसे बित्ता, कदम, उंगलियों आदि का उपयोग करके लंबाई का अनुमान लगाना और सत्यापन करना तथा कप, चम्मच, मग आदि जैसी गैरमानक इकाइयों का उपयोग करके धारिता का सत्यापन करना। 6. आकृतियों और संख्याओं का उपयोग करके छोटी–छोटी कविताओं और कहानियों को बनाना और पढ़ना।	संख्या ज्ञान और संक्रियाएँ	**IL 4.9** बीस तक गिनती करते है। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के माध्यम से)	**बच्चे** – वस्तुओं का अवलोकन कर पाएंगे और उनका समूह बना पाएंगे। – वस्तुओं के समूहों को क्रम में व्यवस्थित करने के लिए मिलान और एक–एक की संगति का प्रयोग कर पाएंगे। – एक समूह में ठोस वस्तुओं की संख्या की गणना कर पाएंगे। (मूर्त)। – वस्तुओं की संख्या को चित्रों (अर्द्धमूर्त) के रूप में प्रस्तुत कर गिन पाएंगे। – एक विशिष्ट संख्या के अनुरूप वस्तुओं का समूहीकरण कर पाएंगे।	LO 01MH07 पृष्ठ संख्या 20 – 21 27 – 28
		ILM 4.10 किसी संख्या विशेष से 20 तक उलटी और सीधी गिनती करते हैं।	**बच्चे** – किसी दी गई संख्या के पहले और बाद की संख्या बता पाएंगे। – किन्हीं दी गई दो संख्याओं के बीच की संख्या की पहचान कर पाएंगे तथा इसके साथ ही किसी संख्या को किन्हीं दो संख्याओं के बीच की संख्या के रूप में बता पाएंगे। – 20 तक की किसी दी गई संख्या से बढ़ते तथा घटते दोनों क्रमों में संख्याओं को बता पाएंगे।	LO 01MH08 पृष्ठ संख्या 43 – 51

कक्षा 1

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
		ILM 4-11 99 तक की संख्याओं की पहचान करते हैं तथा लिखते हैं।	**बच्चे** – किसी दी गई संख्या को इकाई और दहाई के समूह में प्रदर्शित कर पाएंगे तथा साथ ही प्रदर्शित इकाई व दहाई के समूहों को संख्या में बता पाएंगे। – दी गई संख्या को इकाई और दहाई के स्वरूप में प्रदर्शित कर पाएंगे तथा इकाई व दहाई को देख कर संख्या बता पाएंगे। – 99 तक लिखी गई किसी भी संख्या को पहचान पाएंगे और बता पाएंगे – बोली जाने वाली संख्या लिख पाएंगे अपने लिए संख्या कार्ड डिजाइन कर पाएंगे जिसकी एक तरफ संख्या और दूसरी तरफ उसकी मात्रा के चित्र बना पाएंगे।	LO 01MH09 पृष्ठ संख्या 22 – 26 29 – 34 37 – 42 65 – 71
		ILM 4.12 शून्य की अवधारणा विकसित करते हैं।	**बच्चे** – शून्य का उपयोग "किसी चीज की अनुपस्थिति" के रूप में कर पाएंगे। – 10 की अवधारणा का परिचय कर पाएंगे। – वस्तुओं को 10 के समूह व खुले रूप में रख पाएंगे।	LO 01MH10 पृष्ठ संख्या 35 – 36

कक्षा 1

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
		ILM 4.13 20 तक की संख्याओं में से किन्हीं दो संख्याओं की तुलना करते हैं तथा इसमें उससे बड़ी– उससे छोटी जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं।	**बच्चे 20 तक की गिनती के आधार** – वस्तुओं के समूहों की तुलना कर पाएंगे। – वस्तुओं के चित्र की तुलना कर पाएंगे। – संख्याओं की तुलना में बड़ी, छोटी, सबसे बड़ी, सबसे छोटी की पहचान मूर्त रूप, चित्र में और अंकों में कर पाएंगे।	LO 01MH11 पृष्ठ संख्या 73
		ILM 4.14 ठोस वस्तुओं का उपयोग करके 18 तक की संख्याओं के जोड़ तथ्यों का निर्माण करते हैं तथा दैनिक जीवन में इसे लागू करते हैं।	**बच्चे** – 18 वस्तुओं के समूह को विभिन्न प्रकार से जोड़–तोड़कर प्रदर्शित कर पाएंगे। – जोड़ने और घटाव के तथ्यों के द्वारा उनके बीच के संबंध का निर्माण कर पाएंगे जैसे कि 5, 2 और 3 के बीच का संबंध 2 + 3 = 5, 3 + 2 = 5, 5–2 = 3, 5–3 = 2 – जोड़ व घटाव के तथ्यों के गुण वाले त्रिक संख्या समुच्चयों (triplets) को बता पाएंगे। – अपने छोटे समूह में जोड़ घटाव के तथ्यों के साथ में खेल पाएंगे।	LO 01MH12 पृष्ठ संख्या 52 – 56
		ILM 4.15 ठोस वस्तुओं का प्रयोग करके 9 तक की संख्याओं के घटाव तथ्यों का निर्माण करते हैं और दैनिक जीवन में इन तथ्यों का प्रयोग करते हैं।		LO 01MH13 पृष्ठ संख्या 57 – 61
		ILM 4.16 संख्या के जोड़ और घटाव के बीच संबंध स्थापित करते हैं।		LO 01MH14 पृष्ठ संख्या 62 – 64

कक्षा 1

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
		ILM 4.17 दस तक की संख्याओं को बार–बार जोड़ने की मनगणित विकसित करते हैं जिनका जोड़ 20 से अधिक नहीं हो।	**बच्चे** – 2 से 10 के समूहों में मूर्त वस्तुओं के सथा बार–बार जोड़ने की प्रक्रिया कर पाएंगे जिसमें कुल वस्तुएं 20 से अधिक नहीं होगी। – 2 से 10 के समूहों में चित्रात्मक रूप से बार–बार जोड़नें की प्रक्रिया कर पाएंगे जिसमें कुल वस्तुएं 20 से अधिक नहीं होगी।	LO 01MH15 पृष्ठ संख्या 72 – 79
		ILM 4.20 नोटों/सिक्कों का उपयोग करके 20 रूपये तक की राशि को दर्शाते हैं।	**बच्चे** – खिलौने वाले नोटों के साथ खेल पाएंगे जिनकी कुल कीमत 20 से अधिक नहीं होगी। – वस्तुओं के लेन–दने के खेल में खिलौने वाले नोटों को अलग–अलग तरीके से उपयोग कर पाएंगे।	LO 01MH25 पृष्ठ संख्या 99 – 100
	मापन	**ILM 4.21** गैर–समान अमानक इकाइयों जैसे –ऊँगली, बित्ता, हाथ की लंबाई, बाँह की लंबाई, कदमों आदि का उपयोग करके छोटी लंबाई का अनुमान लगाते हैं और मापन कर सत्यापन/पुष्टि करते हैं।	**बच्चे** – लंबे और छोटे के बीच अंतर कर पाएंगे व गैर–मानक इकाइयों का उपयोग करके उसका सत्यापन भी कर पाएंगे। – गैर–मानक इकाइयों जैसे पेन कैप/पेंसिल, इरेजर, कदम आदि का उपयोग करके वस्तुओं की लंबाई और दो बिंदुओ के बीच की दूरी का अनुमान लगा पाएंगे।	LO 01MH19 पृष्ठ संख्या 18, 84 – 85

कक्षा 1				
लक्ष्य	**डोमेन**	**सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)**	**सीखने का उद्देश्य**	**पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या**
		ILM 4.22 वजन के संदर्भ में तीन वस्तुओं की तुलना सबसे भारी / सबसे हल्का के आधार पर करते हैं।	**बच्चे** – दी गई दो वस्तुओं में भारी व हल्के का अंतर कर पाएंगे। – तीन वस्तुओं में से सबसे भारी और सबसे हल्के के बीच अंतर बता पाएंगे।	LO 01MH20 पृष्ठ संख्या 86 – 89
		ILM 4.23 अमानक इकाइयाँ जैसे कप, चम्मच, मग आदि का उपयोग करते हुए पात्रों की धारिता का अनुमान लगाते हैं और माप कर सत्यापित करते हैं।	**बच्चे** – विभिन्न वस्तुओं की धारिता का अनुमान लगा पाएंगे। – विभिन्न वस्तुओं की धारिता के बीच अंतर कर उसे सत्यापित भी कर पाएंगे।	पृष्ठ संख्या 90 – 92
	आकृतियाँ एवं स्थानिक समझ	**ILM 4.25** 3D आकृतियों का अवलोकन कर उनकी विशेषताओं को पहचानते व उनका वर्णन करते है। उदाहरण के लिए–जूते का डब्बा एक घन होता है और इसमें 6 फलक / पृष्ठ होते हैं, 8 कोने होते हैं। एक गेंद बिना किसी कोने का गोला (sphere) होती है और इसकी कोई सपाट सतह नहीं होती हैं। कलम का ढक्कन वक्र सतह के साथ एक बेलन की तरह होता है।	**बच्चे** – स्थानिक शब्दावली से संबंधित उदाहरण दे पाएंगे जैसे अंदर, बाहर, ऊपर, नीचे, दूर–पास, पहले–बाद में, सामने–पीछे, सबसे कम, सबसे पतली सबसे मोटी, सबसे दूर, सबसे बड़ी आदि। – घन, घनाभ, बेलन, बेलनाकार, शंकु, शंक्वाकार, गोला और गोलाकार जैसे 3डी आकृतियों को उनके गुणों का उपयोग करके पहचान पाएंगे और साथ ही उन्हें वर्गीकृत भी कर पाएंगे।	पृष्ठ संख्या 13 – 17

कक्षा 1

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
		ILM 4.26 पेपर फोल्डिंग के प्रयोग से दैनिक जीवन के संदर्भ जैसे रोटी/सैंडविच, कपड़े (बेडशीट, रुमाल आदि) का उपयोग करके आधे और पूरे के बीच संबंध की पहचान करते हैं।	**बच्चे** – पेपर फोल्डिंग का उपयोग करके आधे के अर्थ का प्रर्दशन कर पाएंगे। – दैनिक जीवन से आधे के विभिन्न उदाहरण साझा कर पाएंगे।	LO 01MH16 पृष्ठ संख्या 80 – 81
	पैटर्न	**ILM 4.27** आकृतियों, संख्याओं तथा ध्वनियों/संगीतों के पैटर्न का अवलोकन, विस्तार एवं निमार्ण करते हैं। जैसे – आकृतियों, वस्तुओं, संख्याओं, आदि को व्यवस्थित करना। 1,2,3,4,5,..... 1,3,5,7,9,..... 1 2 3 1 2 ----------	**बच्चे** – ध्वनियों, शारीरिक गतिविधियों, रंग, आकार, संख्याओं में पैटर्न की पहचान कर पाएंगे। – ध्वनियों, शारीरिक गतिविधियों, रंग, आकार, संख्याओं में नए पैटर्न निर्माण कर पाएंगे।	LO 01MH17 पृष्ठ संख्या 82 – 83
	आंकड़ों का प्रबंधन	**ILM 4.28** दृश्यों (visuals) को देख कर सरल सामान्य सूचनाओं का संग्रह, अभिलेखन (चित्रों/अंकों का उपयोग कर) तथा उनकी व्याख्या कर निष्कर्ष निकालना है। जैसे–एक बगीचे की तस्वीर में बच्चे अलग–अलग फूलों को देखते हैं और अनुमान लगाते हैं कि एक निश्चित रंग के फूल अधिक हैं।	**बच्चे** – सरल डाटा और रिकॉर्ड एकत्र कर पाएंगे जैसे स्कूल में आने जाने के विभिन्न साधन, लोगों के पसंदीदा टीवी कार्यक्रम, पसंदीदा खाद्य पदार्थ, भाई–बहनों की संख्या आदि। – वस्तुओं के दिए गए सेट या चित्रों से विभिन्न निष्कर्षों को जानने के पश्चात प्रस्तुत कर पाएंगे।	LO 01MH26 पृष्ठ संख्या 101 – 103

कक्षा 1

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
	समय	**IILM 4.29** दिन/महीने के रूप में सप्ताह के दिनों और वर्ष के महीनों के नामों की पहचान करते हैं।	**बच्चे** – सप्ताह के दिनों और वर्ष के महीनों को सही क्रम में बोल पाएंगे। – किसी दिए गए दिन या महीने के ठीक पहले और बाद के दिनों और महीनों का नाम बता पाएंगे। – तारीखों/दिनों के आधार पर होने वाली घटनाओं को क्रम में बता पाएंगे।	LO 01MH24 पृष्ठ संख्या 96 – 98

पाठ योजना

गणित

कक्षा 1

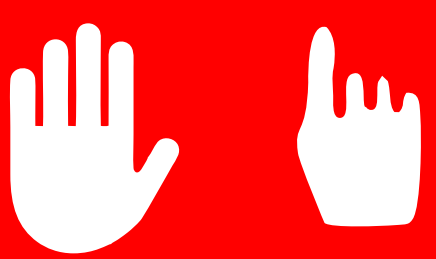

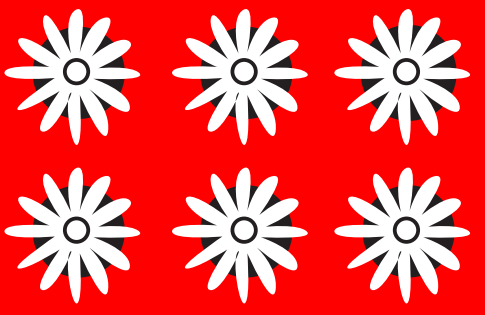

पाठ योजना–1

आइए वस्तुओं की तुलना और वर्गीकरण करें

IL 4.5 | कई कारकों के आधार पर वस्तुओं/ चित्रों की तुलना और वर्गीकरण करते हैं और स्थिति की समझ को प्रदर्शित करते हैं।

बच्चे विभिन्न वस्तुओं को उनके रंग/आकार/आकृति आदि के आधार पर अलग-अलग कर पाएँगे ।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

फ़्लैश कार्ड सेट A
फ़्लैश कार्ड सेट B
फ़्लैश कार्ड सेट C

ग़लत अवधारण

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

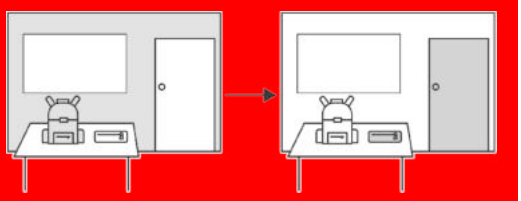

कक्षा में रंगीन वस्तुओं का मिलान करना

- विद्यार्थियों से पूछें कि कक्षा की दीवारें किस रंग की है। पूछें कि कक्षा की दीवारों का रंग कैसा दिखता है?
- विद्यार्थियों को कक्षा की दीवारों के समान रंग वाली वस्तुओं पर चर्चा और पहचान करने के लिए कहें।
- **प्रश्न**
  क्या ब्लैकबोर्ड का रंग कक्षा की दीवार के रंग के समान है?
- विद्यार्थियों से पूछें कि कक्षा के दरवाजे का रंग क्या है। पूछें कि कक्षा के दरवाजे का रंग कैसा दिखता है?
- विद्यार्थियों को उन वस्तुओं की पहचान करने के लिए कहें जो उनके मेज़ (डेस्क) के समान रंग की हैं।
- **प्रश्न**
  उन रंगों का नाम बताइए जिन्हें आप जानते हैं?

प्रक्रिया

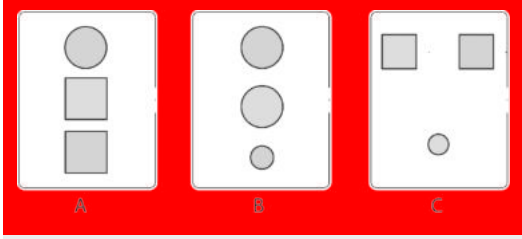

आकृतियों का मिलान करना

- विद्यार्थियों को फ़्लैश कार्ड सेट A दिखाएं। इंगित करें कि ये पीले और लाल आकार हैं।
- विद्यार्थियों को फ़्लैश कार्ड सेट C दिखाएँ एवं उन्हें बताएँ कि विभिन्न आकृतियों के चित्र हैं।
- बोर्ड पर लाल और पीले चाक के साथ आकृतियों का चित्र बनाएँ और पीले रंग की आकृतियों पर गोल घेरा लगाएँ। वर्ग और वृत्त को पीले रंग में इंगित करें और समझाएं कि वे रंग में समान हैं।
- ब्लैक बोर्ड पर आकृतियों का चित्र बनाएँ और वर्गों पर गोल घेरा लगाएँ। समझाएँ कि दोनों वर्गों का आकार समान है।
- विद्यार्थियों को फ़्लैश कार्ड सेट B दिखाएं। इंगित करें कि छोटी वस्तुओं की कुछ तस्वीरें हैं और अन्य बड़ी वस्तुओं को दिखाती हैं।
- **प्रश्न**
  पीले आकृतियों की ओर संकेत करें और पूछें: मैंने इन दोनों पर ही गोल घेरा क्यों लगाया है?
- बोर्ड पर चित्र बनाएं और पीले बड़े वर्ग और लाल बड़े वर्ग पर गोल घेरा लगाएँ। बता दें कि पीला बड़ा वर्ग और लाल बड़ा वर्ग दोनों बड़े हैं।

अभ्यास

ब्लैकबोर्ड पर चित्र बनाएँ - आकार, माप एवं रंग के आधार पर मिलान करना एवं छाँटना।
सा.भा.कौ: विद्यार्थियों को रंगों से परिचित कराएँ।

- प्रत्येक बोर्ड को उसके आकार से मिलाएं?

- पीले रंग के वस्तुओं पर गोल घेरा लगाएँ?

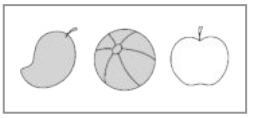

- बड़ी वस्तुओं पर गोल घेरा लगाएँ?

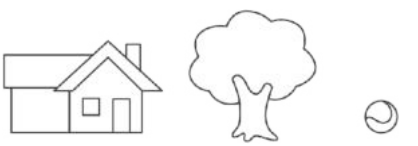

- **प्रश्न**
  आपने प्रश्न 2 में लाल सेब पर गोल घेरा क्यों नहीं लगाया?
  एक और वस्तु का नाम बताइए जो बड़ी है?

कई कारकों के आधार पर वस्तुओं/ चित्रों की तुलना और वर्गीकरण करते हैं और स्थिति की समझ को प्रदर्शित करते हैं। IL 4.5

1. हल किया उदाहरण : सभी काले रंग की वस्तुओं पर गोल घेरा लगाएँ ?

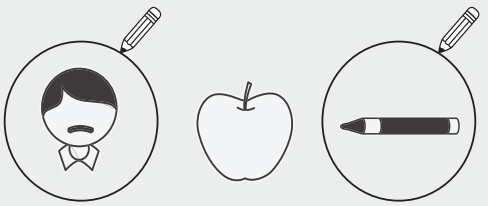

बाल सेब काला क्रेयान

2. प्रत्येक बोर्ड को उसके आकार से मिलाएँ ?

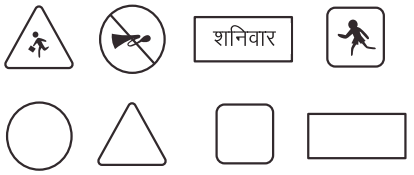

3. पीले रंग की वस्तु में रंग भरें ।

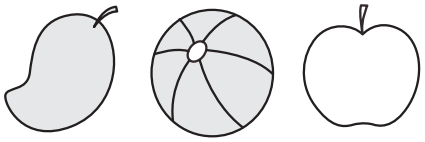

4. सबसे छोटी वस्तु पर गोल घेरा लगाऐ ?

5. सभी गोल आकृतियों को पीला ◯ रंग करें ?

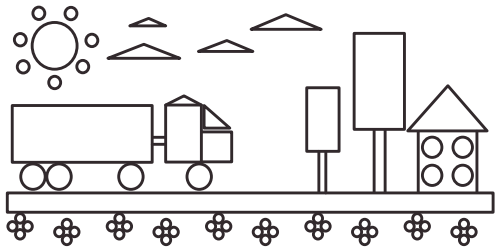

6. सबसे बड़ी वस्तुओं को रंग दें ?

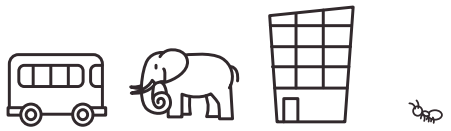

7. अपने आस–पास की चीजों को देखें और एक ही रंग की 3 वस्तुओं का चित्र बनाएँ और रंगें।

"आइए बीस तक गिने"

ILM 4.9 | बीस तक गिनती करते हैं। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के माध्यम से)

बच्चे एक समूह में ठोस वस्तुओं की संख्या की गणना कर पाएंगे। (मूर्त)

40 - 50 मिनट

G1.5 9 तक की संख्याओं के नाम जानते हैं और एक-एक

शिक्षण सामग्री

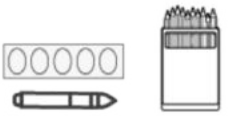

5 फ्रेम काउंटर - 5 विद्यार्थी

कंचा का एक बॉक्स: 2 विद्यार्थी

ग़लत अवधारण

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

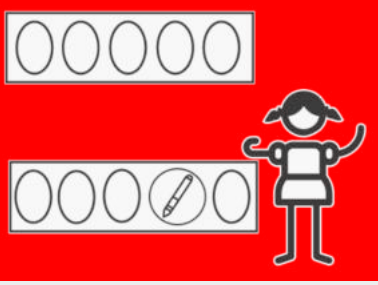

संख्या के नामों को बोलें और प्रत्येक काउंटर में एक कंचा रखें

- 2 विद्यार्थियों को बुलाएँ।
- दोनों को एक पांच फ्रेम काउंटर और 5 कंचा दे दें।
- बाकि विद्यार्थियों को धीरे-धीरे 1 से 5 तक गिनती करने के लिए कहें।
- दो विद्यार्थियों को 5-फ्रेम काउंटर पर कंचा को रखने के लिए कहें क्योंकि अन्य विद्यार्थी संख्या के नामों को बोलेंगें/ सुनायेंगे।
- कंचा को इंगित करें और उन्हें एक-एक करके गिनें।

शिक्षक के लिए बिन्दू

क्रम में संख्या के नामों के अभ्यास के बिना, विद्यार्थी वस्तुओं को गिनना नहीं सीख पाएंगे।

प्रक्रिया

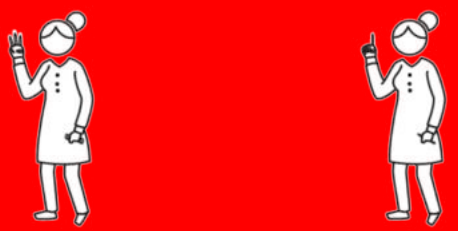

पांच-फ्रेम काउंटर का उपयोग करके गिनती करना

- पेंसिल का एक डिब्बा लें।
- एक पेंसिल को बाहर निकालें और कहें कि यह एक का प्रतिनिधित्व करता है ।
- दो पेंसिल बाहर निकालें और कहें कि यह दो का प्रतिनिधित्व करता है।
- तीन पेंसिल बाहर निकालें और कहें कि यह तीन का प्रतिनिधित्व करता है। गणना करें और जोर दें कि अंतिम संख्या का नाम कुल पेंसिल की संख्या है।
- 4,5,6,7,8 और 9 पेंसिल के लिए प्रक्रिया को दोहराएं।
- सभी 9 पेंसिलों की गणना करें और बताएं कि 9 पेंसिल हैं क्योंकि आपने 9 तक की संख्या का नाम बताया था।

प्रश्न

8 पेंसिल का एक समूह बनाएं?

प्रश्न

अगर मैं एक-एक कर के पेंसिल रखता हूँ और 7 तक गिनती करता हूँ. तो मेरे पास कितनी पेंसिल होंगी?

अभ्यास

वस्तुओं को गिनकर संख्या बताना

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों की झिझक दूर करें तभी वे गतिविधि में खुल कर भाग लेंगे।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 2 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को क्रम से बुलाएँ और उन्हें निम्नलिखित का प्रतिनिधित्व करने के लिए अपनी पसंद की किसी भी वस्तु का चित्र बनाने के लिए कहें ।

- विद्यार्थियों को क्रम से बुलाएँ और उन्हें निम्नलिखित का प्रतिनिधित्व करने के लिए अपनी पसंद की किसी भी वस्तु का चित्र बनाने के लिए कहें ।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 4 को हल करने में मदद करें। ब्लैक बोर्ड पर 7 फूल के चित्र बनाएं और विद्यार्थियों को यह बताने के लिए कहें कि कितने फूल हैं।

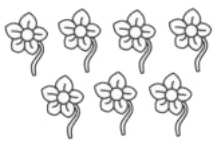

प्रश्न

हम कौन सी संख्या से गिनती शुरू करते है ?

ILM 4.9 | बीस तक गिनती करते हैं। (ठोस वस्तुओं और चित्रों के माध्यम से)

1. हल किया उदाहरण : गिनती करें और मिलाएँ :–

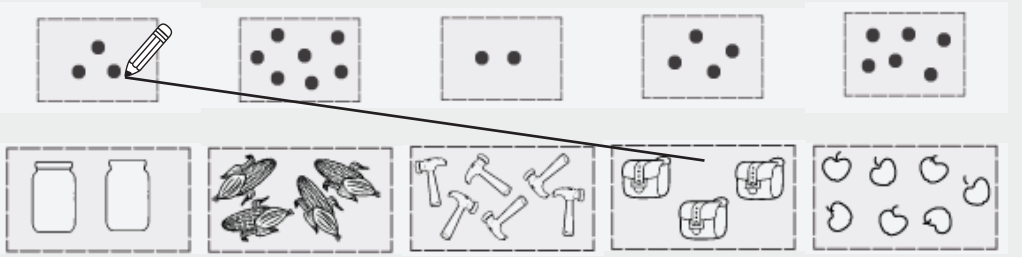

2. जैसा दर्शाया गया है उतनी वस्तुओं का चित्र बनाएँ।

क.

ख.

3. गिनती करें और मिलाएँ।

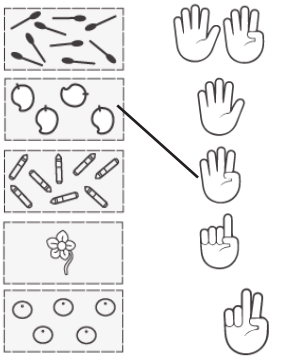

4. गिनें और बताएँ कि कितने फूल हैं ?

या

5. 1. आपकी कक्षा में कितने दरवाजे हैं?
2. आपके पेंसिल बॉक्स में कितने पेन हैं?
3. आपकी कक्षा में कितनी खिड़कियाँ है?
4. आपके एक हाथ में कितनी उंगलियाँ है?
5. आपके दोनों हाथों में कुल कितनी उंगलियाँ है?

पाठ योजना–3

''संख्याओं का घटता और बढ़ता क्रम''

ILM 4.10 | किसी संख्या विशेष से 20 तक उलटी और सीधी गिनती कर सकते हैं।

बच्चे 20 तक की किसी दी गई संख्या से बढ़ते तथा घटते दोनों क्रमों में संख्याओं को बता पाएंगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

संख्या कार्ड

14 12 13 17

ग़लत अवधारण

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

"बढ़ता क्रम" और "घटता क्रम"

खेल

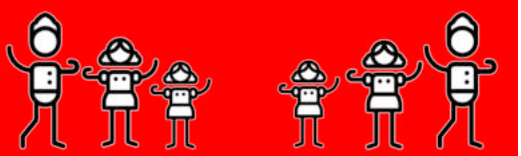

छोटे से बड़े के क्रम में क्रमबद्ध करना

- विद्यार्थियों को 3 के समूह में विभाजित करें।
- उन्हें अपने आप को कद में बड़े से छोटे के क्रम में व्यवस्थित करने के लिए कहें।
- प्रत्येक समूह के कद में सबसे बड़े विद्यार्थी को अपना हाथ उठाने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों को अपने आप को छोटे से बड़े के क्रम में व्यवस्थित करने के लिए कहें।
- प्रत्येक समूह के सबसे छोटे विद्यार्थी को अपना हाथ उठाने के लिए कहें।
- **प्रश्न** आपको कैसे पता चला कि कद में कौन सबसे बड़ा है?
- **प्रश्न** आपको कैसे पता चला कि कद में कौन सबसे छोटा है?

प्रक्रिया

घटते एवं बढ़ते क्रम में संख्याओं को व्यवस्थित करना

- बता दें कि जिस तरह हमने अपने आप को बड़े से छोटे के क्रम में क्रमबद्ध किया है, इसी तरह संख्याओं को भी बड़े से छोटे के क्रम में व्यवस्थित किया जा सकता है।
- जोर दें कि जब वस्तुओं को बड़े से छोटे के क्रम में व्यवस्थित किया जाता है तो उसे अवरोही (घटते क्रम) कहा जाता है।
- दिखाए गए क्रम की तरह ब्लैकबोर्ड पर तीन संख्याओं को लिखें।
- समझाएं कि 14 सबसे बड़ा है इसलिए सबसे पहले आएगा और 12 सबसे छोटा है इसलिए सबसे आखिरी में आएगा और 13 मध्य में आएगा।
- जोर दें कि जब वस्तुओं को छोटे से बड़े के क्रम में व्यवस्थित किया जाता है तो उसे आरोही (बढ़ते क्रम) कहा जाता है।
- 3 संख्याओं को बढ़ते क्रम में लिखें और समझाएं की संख्या 12 सबसे छोटी है इसलिए सबसे पहले आएगी, 14 सबसे बड़ा होने की वजह से सबसे आखिरी में जबकि 13 मध्य में आएगा।
- **प्रश्न:** अगर संख्याओं को बड़े से छोटे के क्रम में रखा जाए तो हम उस क्रम को क्या कहेंगे?
- **प्रश्न:** अगर संख्याएँ 17, 16, और 15 के क्रम में व्यवस्थित हैं तो वह बढ़ते क्रम में हैं या घटते क्रम में हैं?

अभ्यास

बढ़ते एवं घटते क्रम में संख्याओं को व्यवस्थित करें

समाजिक भावनात्मक कौशल:

विद्यार्थियों को बतलाएं:- कद से कोई बड़ा-छोटा नहीं होता। अच्छे और बुरे काम से आदमी बड़ा या छोटा हो जाता है।

- ब्लैकबोर्ड पर :–
  संख्या लिखें और विद्यार्थियों को बढ़ते क्रम में संख्याओं को व्यवस्थित करने के लिए कहें।
  a. 18 11 13
  b. 9 14 12
- **प्रश्न** आपको कैसे पता चला कि सबसे बड़ी संख्या कौन सी थी?
- **प्रश्न** घटते क्रम में संख्याओं को क्रमबद्ध करने के लिए, आप सबसे छोटी संख्या पहले या सबसे बड़ी संख्या पहले लिखेंगे?
- इस बात पर जोर दें कि संख्या को बढ़ते क्रम या घटते क्रम में व्यवस्थित किया जा सकता है, भले ही वे क्रमागत संख्या ना हों। संख्या 16, 13 और 11 घटते क्रम में हैं, भले ही वे एक के बाद एक नहीं आते हैं।

1. हल किया उदाहरण : निम्नलिखित संख्याओं को बढ़ते क्रम में व्यवस्थित करें।

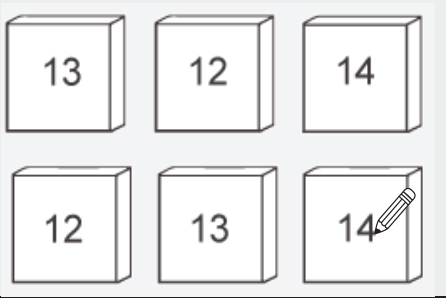

2. संख्याओं को बढ़ते क्रम में व्यवस्थित करें।

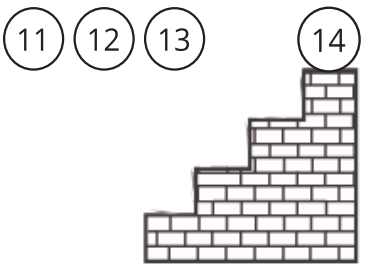

3. संख्याओं को घटते क्रम में व्यवस्थित करें।

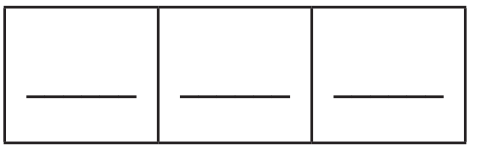

17, 16, 15

4. संख्याओं को बढ़ते क्रम में व्यवस्थित करें।

क. 19,18, 17 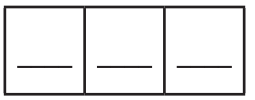

ख. 16, 13, 11 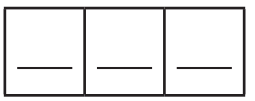

5. संख्याओं को घटते क्रम में व्यवस्थित करें।

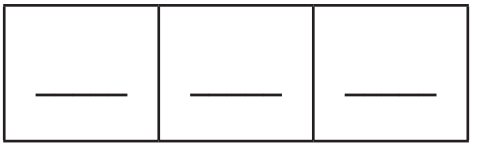

11, 12, 16

6. डॉली एक किताब पढ़ रही थी पर सभी पन्ने सही क्रम में व्यवस्थित नहीं थे। क्या आप पन्नों को सही क्रम में व्यवस्थित करने में उसकी मदद कर सकते हैं?

14, 16, 15, 17

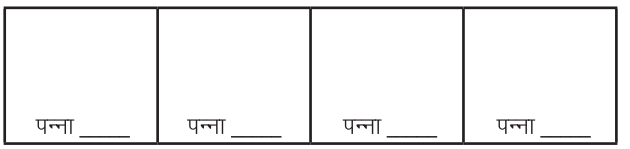

पाठ योजना–4

"कौन बड़ी कौन छोटी"

ILM 4.13 | 20 तक की संख्याओं में से दो संख्याओं की तुलना करते हैं ।

बच्चे 20 तक की गिनती के आधार वस्तुओं के समूहों / चित्रों की तुलना कर पाएंगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

एक जग में 20 कंकड़

ग़लत अवधारण

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

अपनी मुट्ठी से बीज या मोती को पकड़ें और अनुमान लगाएँ किस को ज़्यादा मिला है।

- विद्यार्थी को 20 कंकड़ के बीज या मोती से भरा एक जग (जार) दिखाएँ।
- 2 विद्यार्थी को बुलाएँ और जग (जार) से एक बार में एक मुट्ठी कंकड़ उठाने के लिए कहें।
- अनुमान लगाने के लिए कहें कि उनके मुट्ठी में कितने कंकड़ है।
- विद्यार्थियों को अपने -अपने संग्रह को गिनकर, अपने अनुमान को सत्यापित करने के लिए कहें।

प्रश्न

किसको कंकड़ ज्यादा मिलीं ? आपको कैसे पता चला?

प्रश्न

जग (जार) में कितने बीज हैं ?

इसी प्रक्रिया को कुछ और बच्चों के साथ दोहराइये

प्रक्रिया

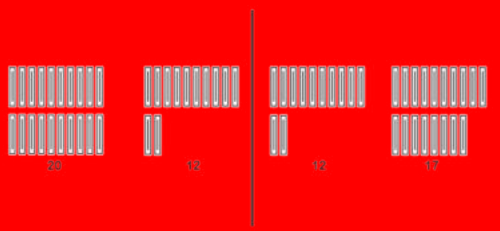

कौन सा अधिक और कौन सा कम है।

- ब्लैक बोर्ड पर 20, 12 लिखें । विद्यार्थियों को अनुमान लगाने के लिए कहें कि कौन सी संख्या बड़ी है।
- विद्यार्थियों को बतायें कि संख्याओं को दहाई और इकाई में विघटित/ तोड़ करके तुलना की जा सकती है । विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि बंडलों की संख्या बताती है कि उसमें कितनी दहाई है, जबकि खुली तीली बताती है कि उसमें कितनी इकाई है।
- इस बात पर जोर दें कि पहले दहाई की संख्या की तुलना करें । जिस संख्या में दहाई अधिक होगी वह संख्या बड़ी होगी।

बताएं कि अगर दिए गए संख्या में दहाई की संख्या समान हो तो इकाई की संख्या की तुलना की जाती है।

संख्या 20 में दहाई के स्थान पर 2 है जबकि 12 में दहाई के स्थान पर 1 है । चूँकि 2 एक से अधिक है इसलिए 20, 12 से अधिक है।

गतिविधि को 15 और 15 की संख्या के साथ दोहराएँ । बताएं कि दोनों संख्या में 1 बंडल और 5 खुली तीली है इसलिए दोनों संख्या बराबर है ।

क्या संख्या 20, 12 से अधिक है ? आप कैसे जानते हैं ?

हम पहले किसको देखते हैं ? इकाई या दहाई को ?

अभ्यास

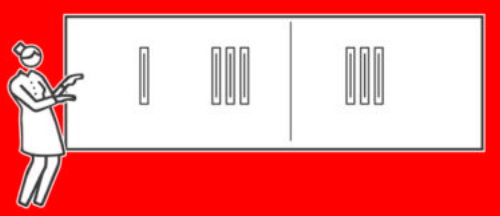

विद्यार्थियों को बड़ी संख्या चिन्हित करने के लिए कहें कहें ।

सा.भा.कौ: बीज से अंकुरण और फिर पौधे बनने की संक्षिप्त जानकारी दीजिए ।

प्रश्न

बड़ी संख्या पर सही का निशान लगाएं ।

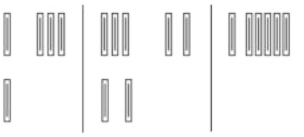

- विद्यार्थियों को स्थानीय मान का उपयोग करके, संख्या को तुलना करने में मदद करें । बताएं कि जब कोई संख्या एक अंक का होता है तो उसमें केवल इकाई होता है, दहाई नहीं होता ।

बताएं कि तेरह, तीन से अधिक है क्योंकि 13 में 1 बंडल होता है जबकि 3 में नहीं होता ।

प्रश्न

आप कैसे जानते हैं की दी गई संख्या दूसरों की तुलना में बड़ी है?

संख्या 19 में दहाई के कितने समूह बनेंगे?

1 हल किया उदाहरण : संख्याओं को विघटित करें फिर तुलना करें, हर लाईन में छोटी संख्या पर गोल घेरा लगाएँ :–

क.

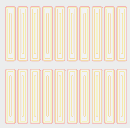

20

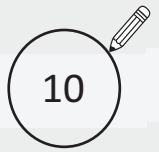

15

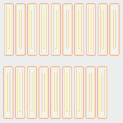

19

ख.

5 | 9 | 19 | 12

2 गणना करें,गोले में संख्या लिखे और छोटे संख्या में ✓ लगाएं?

क.

ख.

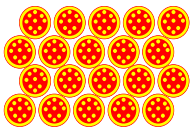

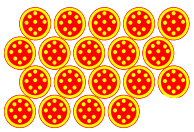

ग.

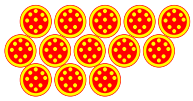

3 दूसरी संख्या से पहली संख्या को बड़ा बनाने के लिए पहली संख्या में तीली जोड़ें।

पहली संख्या

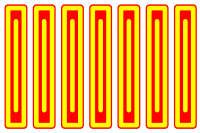

दूसरी संख्या

पाठ योजना–5

"सोचो सोचो कितना लंबा"

ILM 4.21 | गैर-समान अमानक इकाइयों का उपयोग करके छोटी लंबाई का अनुमान लगाते हैं और मापन करते हैं।

बच्चे लंबे और छोटे के बीच अंतर करेंगे व गैर-मानक इकाइयों का उपयोग करके उसका सत्यापन भी कर पाएंगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

पाठ्य पुस्तक, पेंसिल बॉक्स, डस्टर, रबर टिफिन बॉक्स और ब्लॉक □ □ □

ग़लत अवधारणा

विद्यार्थियों को एक गलतफहमी हो सकती है कि विभिन्न गैर-मानक इकाइयों का उपयोग करके मापन करने पर किसी वस्तु का आकार बदल जाता है।

मुख्य शब्दकोश

दूरी, लम्बाई

खेल

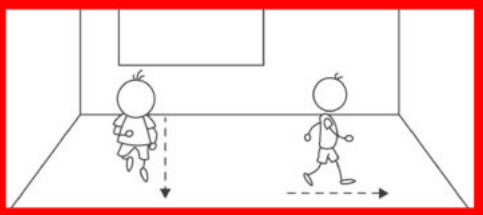

कदमों से दूरी का मापन करना

- कक्षा कक्ष की 2 विपरीत दीवारों की ओर इशारा करें और विद्यार्थियों से यह अनुमान लगाने के लिए कहें कि वे कितने कदम दूर हैं?
- एक विद्यार्थी को कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए कहें और दो दीवारों के बीच की दूरी का कदमों से मापन करने को कहें।
- दो अन्य दीवारों की ओर इशारा करें और विद्यार्थियों से यह अनुमान लगाने के लिए कहें कि वे कितने कदम दूर हैं।
- उसी विद्यार्थी को कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए कहें और दोनों दीवारों के बीच की दूरी का मापन करने के लिए कहें।
- दीवारों के दो संग्रह की ओर इशारा करें और पूछें कि कौन सी दूरी अधिक है।

प्रक्रिया

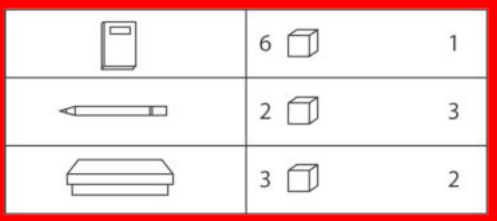

ब्लॉक का उपयोग करके वस्तुओं का मापन करना

- एक पाठ्य-पुस्तक, पेंसिल और एक डस्टर को प्रदर्शित करें और बताएं कि आप प्रत्येक वस्तुओं की लंबाई का मापन कर ने के लिए ब्लॉक का उपयोग करने जा र हे हैं।
- सबसे पहले पेंसिल की लंबाई का मापन करें। मेज पर क्षैतिज रूप से पेंसिल रखें और कुल लंबाई का मापन करने के लिए ब्लॉक को शुरू से अंत तक रखें।
- अब डस्टर और एक पाठ्य-पुस्तक का इसी प्रकार से मापन करें।
- प्रत्येक वस्तु की लंबाई को ब्लॉक के संदर्भ में पुन: मापन करें और वस्तुओं को एक पंक्ति में सबसे छोटे से लम्बें तक व्यवस्थित करें।
- बता दें कि पाठ्य-पुस्तक के लिए अधिक ब्लॉक की आवश्यकता थी, इसलिए यह पेंसिल से अधिक लंबी है।
- समझाएं और छोटे वस्तु के लिए संख्या 1 तथा सबसे लंबे वस्तु के लिए संख्या 3 निर्धारित करें।
- बता दें कि सही से मापन के लिए, सभी वस्तुओं का मापन करने के लिए एक ही वस्तु का उपयोग किया जाना चाहिए।
- इस बात पर जोर दें कि मापन एक छोर से दूसरे छोर तक एक सीधी रेखा में किया जाता है।

अभ्यास

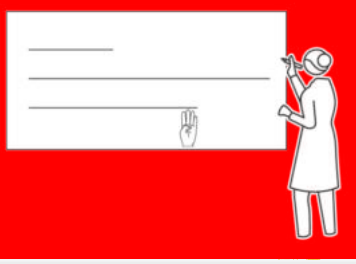

ब्लैक बोर्ड पर तीन रेखाएँ खींचें और अपनी उंगलियों का उपयोग करके उनका मापन करें।

समाजिक भावनात्मक कौशल:
दो स्थानों के बीच की दूरी का अनुमान लगाना सिखलाएं।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 5 को हल करने में मदद करें। रेखाएँ खींचें और विद्यार्थियों को अपनी उंगलियों का उपयोग करते हुए प्रत्येक को मापने और उन्हें उनके आकार के अनुसार संख्या देने के लिए कहें।
- प्रत्येक पंक्ति की लंबाई का मापन करने के लिए विद्यार्थियों से अपने रबर का उपयोग करने के लिए कहें।

प्रश्न

क्या रबर से रेखाओं का मापन करते समय लंबाई का क्रम बदल गया था?

- जोर दें कि मापन के लिए उपयोग की जाने वाली इकाई वस्तुओं के सापेक्ष आकार को नहीं बदलती है।

गैर-समान अमानक इकाइयों का उपयोग करके छोटी लंबाई का अनुमान लगाते हैं और मापन करते हैं। | ILM 4.21

① हल किया उदाहरण : पेंसिल का मापन करें और उसकी लंबाई लिखें। मापन के लिए अपनी उंगलियों का उपयोग करें।

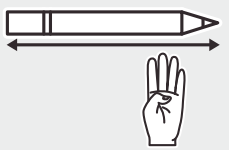

8 उंगलियाँ लम्बी

② प्रत्येक पंक्ति में कितने ब्लॉक तक रेखा खींची गई है ?

क.

ख.

ग.

③ रेखाओं को लंबाई के अनुसार प्रत्येक गोले में संख्या लिखें ?

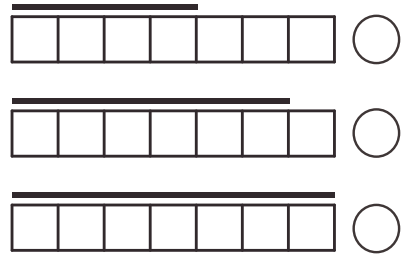

④ पौधों के ऊँचाई के अनुसार प्रत्येक गोले में 1, 2, 3 या 4 लिखें।

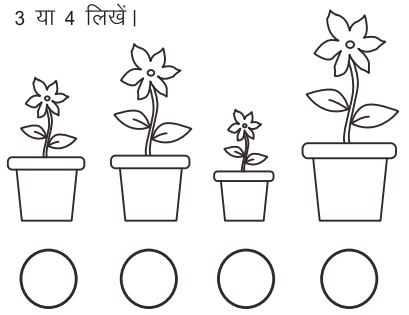

⑤ अपनी उंगलियों का उपयोग करके रेखाओं का मापन करें और उनके आकार के अनुसार उन्हें संख्या दें।

6 ब्लॉक का उपयोग करके, पहले टेबल पर अपनी पुस्तक को समतल रखकर और फिर उसे टेबल पर खड़ा करके नापें। क्या नाप एक ही रहता है या यह बदल जाता है ?

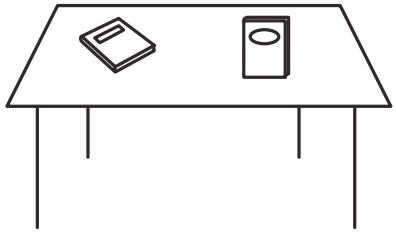

पाठ योजना–6

"हल्का–फुलका उड़ता तिनका"

ILM 4.22 | वजन के संदर्भ में तीन वस्तुओं की तुलना सबसे भारी/सबसे हल्का के आधार पर करते हैं।

बच्चे दी गई दो वस्तुओं में भारी व हल्के का अंतर कर पाएंगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

1 रबर की गेंद
1 डस्टर
1 पेंसिल बॉक्स
1 पानी की बोतल
1 पुस्तक

ग़लत अवधारण

बड़ी चीजें भारी होती हैं और छोटी चीजें हल्की होती हैं।

मुख्य शब्दकोश

"भारी", "हल्का"

खेल

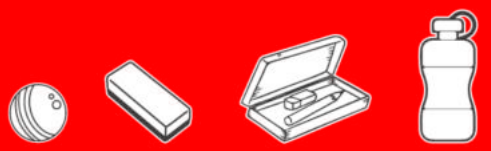

एक रबर की गेंद, एक डस्टर, एक पेंसिल बॉक्स और एक पानी की बोतल को सबसे छोटे से बड़े के क्रम में व्यवस्थित करना।

- टेबल पर एक रबर की गेंद, एक डस्टर, एक पेंसिल बॉक्स और पानी की बोतल प्रदर्शित करें। छोटे से बड़े के क्रम में वस्तुओं को रखने के लिए 2 विद्यार्थी को बुलायें।
- **प्रश्न**
  "हम कैसे बता सकते हैं कि कोई चीज़ हल्का या भारी है?
- विद्यार्थी को अपने हाथ में एक-एक करके रबर की गेंद, डस्टर, पेंसिल बॉक्स और पानी की बोतल रखने को कहें।
- **प्रश्न**
  कौन सा भारी है और कौन सा हल्का है? इनमें से कौन सा सबसे भारी है?
- प्रक्रिया को कुछ और बच्चो के साथ दोहराएं

प्रक्रिया

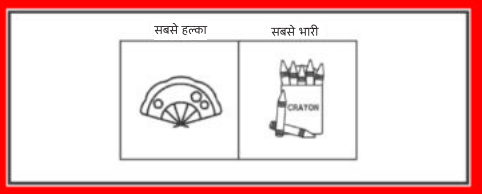

वस्तुओं के वजन की तुलना करना

- बोर्ड पर एक तालिका बनाएं और बाएं कॉलम में "हल्का" और दाएं कॉलम में "भारी" लिखें। तालिका के साथ-साथ, एक किताब बनाएँ।
- विद्यार्थियों को एक कागज़ का पंखा और क्रेयॉन का डिब्बा दिखाएं। विद्यार्थियों से पूछें कि कौन सा बड़ा है?
- विद्यार्थियों को बताएं कि हम अपने हाथों का उपयोग करके वस्तुओं को भारी या हल्का बता सकते हैं। पूछें कि कौन सा भारी है?
- वस्तुओं को दिखाते हुए, हल्का और भारी शब्दावली पर जोर दें (कागज़ का पंखा : हल्का, क्रेयॉन का डिब्बा: भारी)
- उन्हें समझाएं कि क्रेयॉन का डिब्बा आकार में छोटा होने के बावजूद कागज के पंखे से भारी है।
- इसके अलावा, उन्हें समझाएं कि बड़े आकार का मतलब यह नहीं है कि वो भारी है और छोटे का मतलब यह नहीं है कि वह हल्का है।
- अपने हाथ में एक पुस्तक ले लें। विद्यार्थियों से पूछें: आप अपने आस-पास किन वस्तुओं को ढूँढ सकते हैं, जो कि पुस्तक की तुलना में हल्की या भारी हैं। वस्तुओं के नाम सही कॉलम में लिखें।
- **प्रश्न:** अपने स्कूल बैग की तुलना अपने साथी के स्कूल बैग से करें। किसका स्कूल बैग हल्का है और किसका भारी है?

अभ्यास

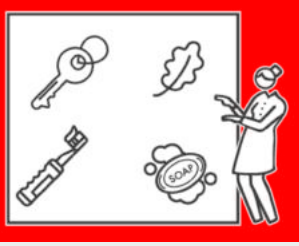

बोर्ड पर वस्तुओं का चित्र बनाएं और विद्यार्थियों को यह पहचानने के लिए कहें कि कौन सी वस्तुएँ भारी हैं और कौन सी हल्की हैं

सा.भा.कौ: परिवेश की वस्तुओं का उदाहरण दे कर भारी, हल्का की समझ विकसित कीजिए।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 2 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से कहें कि जो वस्तु हल्की है, उस पर गोला लगाएँ।

- किसी ऐसी चीज का नाम बताइए जो पत्ती से हल्की हो?

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को भारी वस्तुओं पर सही का निशान लगाने के लिए कहें?
- **प्रश्न**
  किसी ऐसी चीज़ का नाम बताइए जो साबुन से भारी हो?

वजन के संदर्भ में तीन वस्तुओं की तुलना सबसे भारी/सबसे हल्का के आधार पर करते हैं। | ILM 4.22

1. हल किया उदाहरण : कौन सा भारी है ?

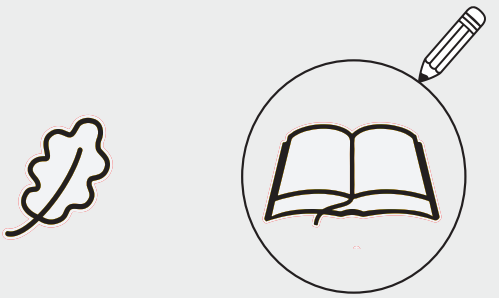

2. कौन सा हल्का है ?

3. कौन सा भारी है ?

4. कौन सा हल्का है ?

5. उस वस्तु पर गोल घेरा लगाएँ जो हल्का है।

6. भारी वस्तुओं पर सही का निशान लगाएँ।

7. उन वस्तुओं पर सही का निशान लगाएँ, जो आपके पेंसिल बॉक्स से भारी हैं।

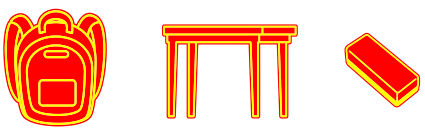

8. आपके आस–पास कौन सी दो वस्तुएं हैं, जो आपके पेंसिल बॉक्स से भारी हैं?

पाठ योजना–7

"कितना पानी गुड़िया रानी"

ILM 4.23 | अमानक इकाइयों का उपयोग करते हुए पात्रों की धारिता का अनुमान लगाते हैं और माप कर सत्यापित करते हैं ।

बच्चे विभिन्न वस्तुओं की धारिता का अनुमान लगा पाएंगे ।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

गिलास
चम्मच
जग
रेत

ग़लत अवधारणा

विद्यार्थी सोच सकते हैं कि एक बर्तन में पानी की गहराई उसकी धारिता का प्रतिनिधित्व करती है।

मुख्य शब्दकोश

धारिता

खेल

पीने के पानी के लिए आप किस बर्तन का उपयोग करेंगे?

- विद्यार्थियों को एक छोटा चम्मच, एक बड़ा जग और एक गिलास दिखाएं।
- विद्यार्थियों को बताएं कि आप को प्यास लगी हैं और पूछें कि आपकी प्यास बुझाने के लिए कौन सा बर्तन सबसे अच्छा रहेगा?
- विद्यार्थियों से पेयजल के लिए उपयुक्त अन्य बर्तनों का चित्र बनाने के लिए कहें।
- **प्रश्न**
  एक छोटा चम्मच पेयजल के लिए उपयुक्त क्यों नहीं है?

प्रश्न

पानी को रखने के लिए घर पर इस्तेमाल होने वाले अन्य बर्तन कौन से हैं?

प्रश्न

बताऐ गए बर्तनों में सबसे ज्यादा पानी किसमे आएंगा ?

प्रक्रिया

रेत का उपयोग करके दो बर्तनों / पात्र की धारिता का तुलना करना।

- विद्यार्थियों क एक गिलास और एक जग रेत से भरा दिखाएं। गिलास लें और उसे टेबल पर खाली करें।
- विद्यार्थियों को बताएं कि गिलास में रेत नहीं है इसलिए यह खाली है। जग के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएं।
- दो रेत के ढेर की ओर इशारा करें और समझाएं कि मग के अंदर की इस गिलास के अंदर की रेत से ज्यादा थी।
- बता दें कि बर्तनों को खाली करके और प्रत्येक में कितना रेत भरा गया था, इसकी तुलना करके, हमें ये पता चलेगा की दोनों में कितना संचय किया जा सकता है

बता दें कि क्योंकि जग में गिलास से अधिक रेत थी, हम कह सकते हैं कि जग की धारिता गिलास से ज्यादा है

शिक्षक के लिए बिंदु

बर्तनों / पात्र को भरने के लिए रेत का उपयोग करने से विद्यार्थियों को रेत के ढेर के सापेक्ष आकार की तुलना करने में मदद मिलेगी।

बर्तनों / पात्र को पानी से भरना इस गतिविधि के लिए उपयुक्त नहीं होगा।

अभ्यास

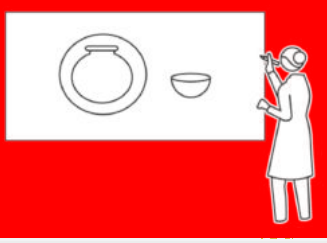

ब्लैक बोर्ड पर बर्तनों/ पात्र का चित्र बनाएं और विद्यार्थियों को यह पहचानने के लिए कहें कि किसकी धारिता अधिक है।

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों को बतलाएं:- जीवित रहने के लिए पानी जरूरी है, इसलिए बतलाएं की पानी बर्बाद करना किसे कहते है।

- विद्यार्थियों से कार्यपत्रक के प्रश्न 6 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से अधिक पानी संचय करने वाले बर्तनों/ पात्र पर गोल घेरा लगाने को कहें।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 5 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को यह पहचानने के लिए कहें कि कौन अधिक संचय कर सकता है।

जोर देकर समझाएं कि भले ही प्लैट सपाट और उथला/छिछला हो लेकिन उसमें एक चम्मच से ज्यादा पानी आ सकता है।

हम उनकी धारण धारिता को मापने के लिए विभिन्न चीजों के साथ वस्तुओं को भर सकते हैं - जैसे पानी, पत्थर, रेत, चावल, दाल, फूल।

1. हल किया उदाहरण : किस में अधिक पानी आएगा उस पर गोल घेरा लगाऐं।

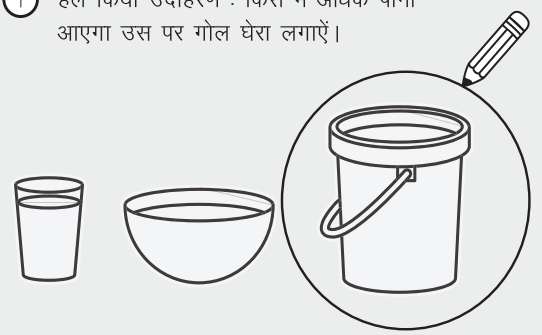

2. किस में कम पानी आएगा उस पर गोल घेरा लगाऐं ?

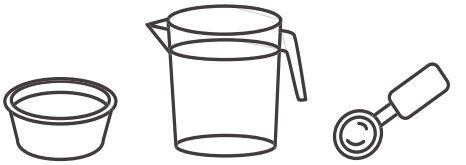

3. बर्तनों पर गोल घेरा लगाऐं जो अधिक पानी संचय कर सकता है।

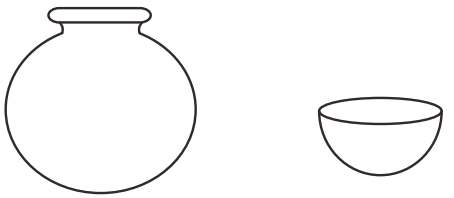

4. इनमें से प्रत्येक बर्तन/ पात्र के रेत और पत्थर को देखें। जो बर्तन अधिक संचय कर सकता है उस पर गोल घेरा लगाएँ।

5. रिक्त स्थान को भरने के लिए "से अधिक" या "से कम" का उपयोग करें।

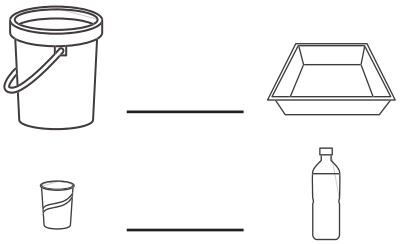

6. अधिक संचय करने वाले की पहचान करें।

7. चटनी को संचय करने के लिए आप कौन सा बर्तन/ पात्र पसंद करेंगे? क्यों ?

"बोलो बोलो लड्डू गोल"

ILM 4.25 | 3D आकृतियों का अवलोकन कर उनकी विशेषताओं को पहचानते व उनका वर्णन करते हैं।

बच्चे स्थानिक शब्दावली से संबंधित उदाहरण दे पाएंगे जैसे अंदर, बाहर, ऊपर, नीचे, निकट, दूर, पहले, बाद, सामने- पीछे, सबसे कम, सबसे पतली सबसे मोटी, सबसे दूर, सबसे बड़ी आदि।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

ब्लैकबोर्ड
चौक

कोई नहीं

ग़लत अवधारणा

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

उपर, नीचे, दूर, पास
बढ़ा, छोटा

खेल

अंतर पहचानो

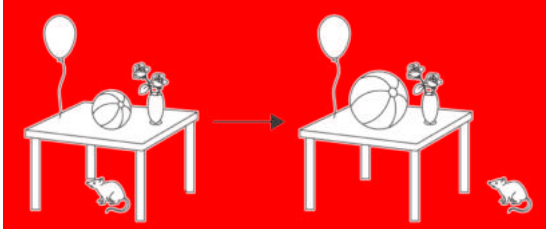

ब्लैकबोर्ड पर 2 चित्र बनाएं और विद्यार्थियों को अंतर को पहचानने के लिए कहें।

प्रश्न
पहले चित्रों में चूहा कहाँ था ?
दूसरे चित्रों में चूहा कहाँ है ?

"ऊपर" और "नीचे", "पर" और "के अंदर/नीचे" की शब्दावली को फिर से दोहराने के लिए चित्रों का उपयोग करें।

ऐसे और प्रश्नो का प्रयोग करते हुए कक्षा को आगे बढ़ाये

प्रक्रिया

पास-दूर, छोटे-बड़े शब्दावली को समझना

एक विद्यार्थी को बुलाएँ। विद्यार्थी को अपनी आंखों की ओर इशारा करने के लिए कहें।

विद्यार्थियों को बताएं कि उनकी नाक उनकी आँखों के पास है। बोर्ड पर लिखें कि नाक, आंखों के पास है। "पास" शब्द को रेखांकित करें।

विद्यार्थियों को बताएं कि पैर आंखों से दूर हैं। बोर्ड पर लिखें कि पैर आंखों से दूर हैं। "दूर" शब्द को रेखांकित करें।

अब समझाएं कि नाक, हाथों से छोटी है। बोर्ड पर लिखें कि नाक हाथों से छोटी है। "छोटे" शब्द को रेखांकित करें।

बता दें कि पैर हाथों से बड़े होते हैं। बोर्ड पर लिखें कि पैर हाथों से बड़े हैं। "बड़े" शब्द को रेखांकित करें।

इन वाक्यों को दोहराएं और विद्यार्थियों को कम से कम दो बार वही दोहराने को कहें।

प्रश्न
कौन बड़ा है ? हाथी या चूहा?
आपके पास कौन बैठता है?

अभ्यास

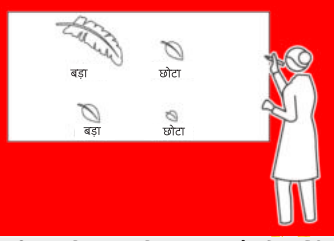

ब्लैकबोर्ड पर पत्तियों का चित्र बनाएं और विद्यार्थियों से पहचानने के लिए कहें कि कौन सा बड़ा है और कौन सा छोटा है?

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों के परिवार में कौन बड़े है कौन छोटे? उनके घर के पास कौन रहते है और कौन दूर रहते है? इसकी चर्चा कीजिए।

विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 2 को हल करने में मदद करें। पत्तियों को बनाएं और विद्यार्थियों को बड़े पत्ते की पहचान करने के लिए कहें।

छोटी पत्ती के बगल में, एक उससे छोटी पत्ती (पत्ती 3) बनाएं। तीनों पत्तियों के आकार की तुलना करें । जोर दें कि एक वस्तु किसी वस्तु से छोटी और किसी और वास्तु से बड़ी हो सकती है

इस बात पर जोर दें कि बड़े और छोटे तुलनात्मक शब्द हैं।

1. हल किया उदाहरण : छोटे टायर पर सही का निशान लगाएँ।

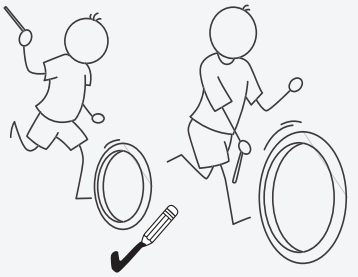

2. बड़ी पत्ती पर सही का निशान लगाएँ।

3. घर के पास वाले पक्षी पर सही का निशान लगाएँ।

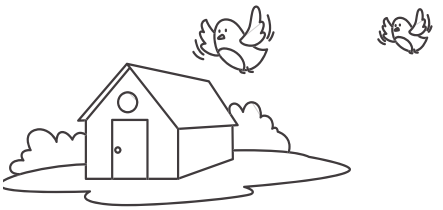

4. पेड़ से दूर बिल्ली पर सही का निशान लगाएँ।

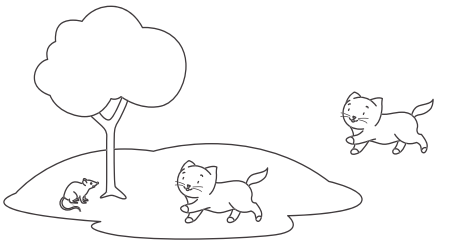

5. निर्देश के अनुसार रंगें :–

क. छोटे आम को हरे रंग से रंगें।

ख. बड़े केले को पीले रंग से रंगें।

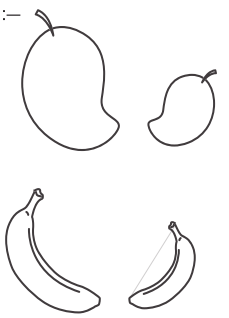

6. इससे छोटा एक वृत्त बनाएँ।

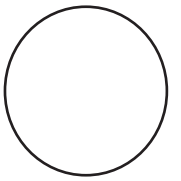

7. अपने खिलौनों / रसोई से दो वस्तुओं को ढूंढें – उसमें से एक बड़े और एक छोटे वस्तु का नाम बताएँ।

पाठ योजना–9

''आओ खेले खेल गुल्ली, डंडा और रेल''

ILM 4.25 | 3D आकृतियों का अवलोकन कर उनकी विशेषताओं को पहचानते व उनका वर्णन करते हैं।

बच्चे घन, घनाभ, बेलन, बेलनाकार, शंकु, शंक्वाकार, गोला और गोलाकार जैसे 3 डी आकृतियों को उनके गुणों का उपयोग करके उन्हे पहचान पाएंगे और साथ ही उन्हे वर्गीकृत कर पाएंगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

गेंद, बॉक्स, सिक्का, नींबू, शंकु, (कोण), समोसा, चूड़ी, पटरी (स्केल), नोट बुक जैसी वस्तुएं एक झोला घंटी

ग़लत अवधारणा

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

मेरे दोस्त का नाम बताओ

- विद्यार्थियों को एक गोल घेरे में खड़े होने के लिए कहें। "पासिंग द पार्सल" गतिविधि खेलें।
- कुछ सामान (गोल कंकड़, डस्टर, माचिस की डिब्बी, इरेज़र, पटरी (स्केल), खाली डिब्बा (बॉक्स) एक बैग में रखें।
- जब शिक्षक घंटी बजायेंगे तो इसे विद्यार्थियों को पास (एक दूसरे को देना) करें।
- घंटी बंद होने पर एक विद्यार्थी को बैग खोलने के लिए कहें और वस्तु और उसके आकार के बारे में बताएं।

- गतिविधि को 5-6 बार दोहराएं।
- **प्रश्न** बैग में आपको किस तरह का सामान मिला?
- **प्रश्न** जो सामान मिला उसके आकृति के बारे में कुछ बता सकते है ?

प्रक्रिया

वस्तुओं के आकार का पता लगाना

- विद्यार्थियों को 2 - 3 वस्तुएँ दिखाएं (गेंद, चूड़ी)।
- उन्हें बताएं कि ये वृताकार आकृतियाँ हैं, ऐसे जिनके कोण नहीं है। ऐसे जिनके कोण नहीं है
- विद्यार्थियों को 2 - 3 वस्तुएँ (पेंसिल बॉक्स, डस्टर, पटरी (स्केल)) दिखाएं। बता दें कि ये वस्तुएँ

- **प्रश्न** आपको क्या लगता है कि गेंद का आकार कैसा है? इसे एक तरफ से देखे तो ये वृत्त की तरह लगता है या आयत की तरह लगता है
- **प्रश्न** आपको क्या लगता है कि पेंसिल बॉक्स इसे एक तरफ से देखे तो ये वृत्त की तरह लगता है या आयत की तरह लगता है

अभ्यास

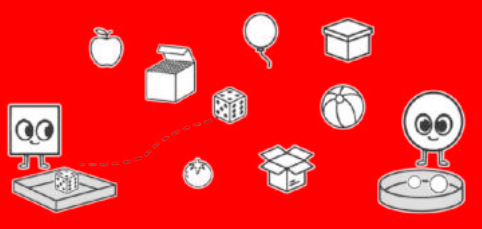

और ये आकृतियां सरकने से ज्यादा लुढ़कती है
और ये आकृतियां लुढ़कती से ज्यादा सरकती है

- **प्रश्न** कुछ वस्तुओं के नाम बताएँ जो सरकता है

- **प्रश्न** कुछ वस्तओं के नाम बताएँ जो लूड़कता है

3D आकृतियों का अवलोकन कर उनकी विशेषताओं को पहचानते व उनका वर्णन करते हैं। | ILM 4.25

1. हल किया उदाहरण : सभी गोल वस्तुओं को रंगें। एक वस्तु को आपके लिए रंगा गया है।

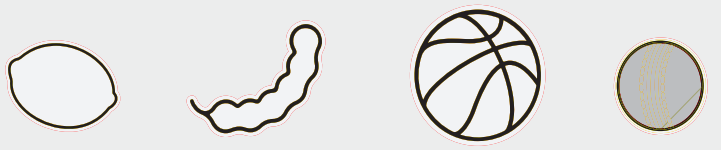

2. जो वस्तुएं लुढ़कती है उन पर गोला कीजिए।

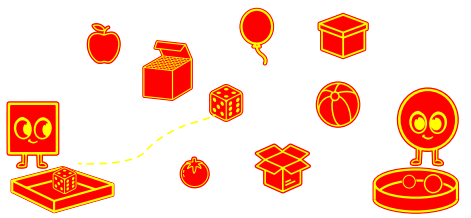

3. जो वस्तुएं सरकती है उन पर गोला कीजिए।

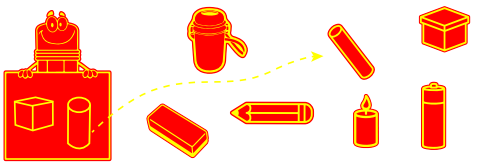

4. निम्न में से कौन सी वस्तुएँ लुढ़क (रोल) सकती है और कौन सी वस्तुएँ सरक सकती हैं ?

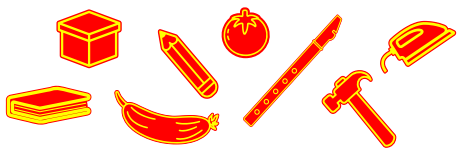

	वस्तु जो लुढ़क सकती है	वस्तु जो फिसल सकती है
	✔	

5. तीन वस्तुओं का चित्र बनाएँ जिनका आकार जन्मदिन की केक की तरह होता है ?

"पैटर्न के खेल खेले"

ILM 4.27 | आकृतियों, संख्याओं तथा ध्वनियों/संगीतों के पैटर्न का अवलोकन, विस्तार एवं निर्माण करते हैं।

बच्चे ध्वनियों, शारीरिक गतिविधियों, रंग, आकार, संख्याओं में पैटर्न की पहचान कर पाएंगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

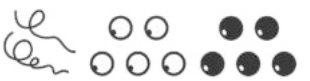

एक सुतली / धागा
5 सफ़ेद मोती
5 काले मोती
प्रति 2 विद्यार्थियों पर कागज की एक पट्टी

ग़लत अवधारण

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

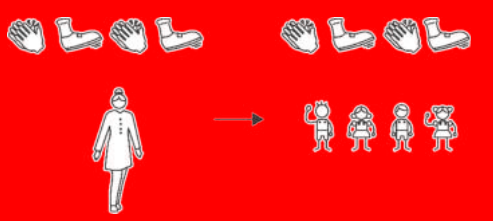

ध्वनि का प्रतिरूप बनाए — विद्यार्थियों को कहें

ताली बजाते हुए और पैरों को जमींन पर पटकते हुए ध्वनि का प्रतिरूप (पैटर्न) बनाना

- एक सरल ध्वनि का प्रतिरूप (पैटर्न) (एक बार ताली और एक बार पैरों को जमीन पर पटकना) बनाएं और विद्यार्थियों को इसे दोहराने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों को इस प्रतिरूप (पैटर्न) को 3 - 4 बार जारी रखने दें ।
- अब ताली बजाने और पैर जमीन पर पटकने के लिए अलग ध्वनियों का प्रतिरूप (पैटर्न) बनाएं ।
- विद्यार्थियों से उसी का अनुसरण करने के लिए कहें ।

पैर जमीन पर पटकने के लिए और ताली बजाने का एक और तरीका बताने के लिए विद्यार्थियों को कहें।

प्रश्न
हमने पहले क्या किया ?

प्रश्न
हमने उसके बाद क्या किया ?

प्रश्न
क्या हम क्रम में इसे तीन बार दोहरा सकते हैं?

प्रक्रिया

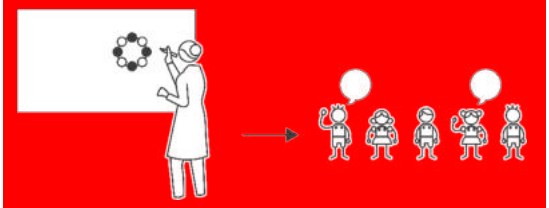

एक प्रतिरूप (पैटर्न) बनाने के लिए मोतियों को दोहराना

- 5 सफ़ेद और 5 काले मोतियों को दिखाएँ। काले और सफेद मोतियों को बारी-बारी से एक प्रतिरूप (पैटर्न) बनाने के लिए मोतियों को धागे में पिरोयें ।
- विद्यार्थियों को समझाएं कि आप काले मोतियों के बाद सफेद मोतियों को लगा रहे हैं और बार-बार यह दोहरा रहे हैं।
- इस बात पर जोर दें कि कंगन को एक ही प्रतिरूप (पैटर्न) में, बार-बार मोतियों को व्यवस्थित करके बनाया जा सकता है।
- बताएं कि अन्य प्रतिरूप (पैटर्न) को अन्य रंगों या विभिन्न प्रकार के मोतियों का उपयोग करके भी बनाया जा सकता है।

सभी मोतियों को अव्यवस्थित ढंग से लगाने से कंगन एक प्रतिरूप (पैटर्न) का नहीं होगा।

प्रश्न
कंगन में मोतियों के कितने रंग हैं?

प्रश्न
हमने कंगन कैसे बनाया?

प्रश्न
क्या आप कंगन बनाने के लिए एक वैकल्पिक प्रतिरूप (पैटर्न) बता सकते हैं?

अभ्यास

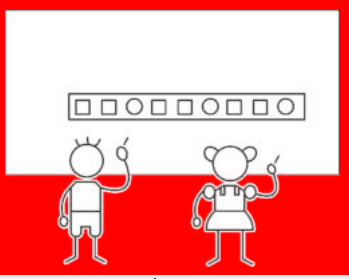

खुद अपना कंगन बनाएँ

सा.भा.कौ: एक छोटी सी कहानी सुनाएं, फिर पूछे पहले क्या हुआ? उसके बाद क्या हुआ?
घटनाओं को क्रम से बताने के लिए प्रोत्साहित करें।

- विद्यार्थियों को 2 के समूहों में विभाजित करें। कार्यपत्रक से प्रश्न 3 को हल करने में विद्यार्थियों की मदद करें। प्रत्येक जोड़ी को कागज की एक पट्टी दें। विद्यार्थियों को अपनी पसंद का एक प्रतिरूप (पैटर्न) बनाने के लिए वर्ग और वृत्त का उपयोग करने के लिए कहें ।
- जोर दें कि एक ही प्रतिरूप (पैटर्न) को बार-बार दोहराया जाना चाहिए । कुछ संभावित प्रतिरूप (पैटर्न) के उदाहरण दें "एक वर्ग के बाद वृत्त" या "2 वर्ग के बाद 2 वृत्त" ।

प्रश्न
आपके द्वारा बनाए गए प्रतिरूप (पैटर्न) का वर्णन करें ?

शिक्षक के लिए बिंदु
विभिन्न तरीकों से बनाये गए प्रतिरूप (पैटर्न) के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें और उनकी सराहना करें ।

1. हल किया उदाहरण : निम्न प्रतिरूप (पैटर्न) को पूरा करें और रंग भरें।

2. निम्न प्रतिरूप (पैटर्न) को पूरा करें।

3. निम्न आकार का प्रयोग कर प्रतिरूप (पैटर्न) बनायें :–

4. निम्न आकृतियों का प्रयोग कर प्रतिरूप (पैटर्न) बनायें।

5. निम्न प्रतिरूप (पैटर्न) को पूरा करें और रंग भरें।

6. एक ऐसे कंगन का चित्र बनायें जिसका हर तीसरा मोती काले रंग का वृत्त हो।

पाठ योजना–11

"दिन को गिन"

ILM 4.29 | दिन / महीने के रूप में सप्ताह के दिनों और वर्ष के महीनों के नामों की पहचान करते हैं।

बच्चे सप्ताह के दिनों और वर्ष के महीनों को सही क्रम में बोल पाएंगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

फ़्लैश कार्ड - जिसमें सप्ताह के दिनों के नाम अलग-अलग कार्ड पर लिखें हों - प्रति 5 विद्यार्थियों पर एक सेट

ग़लत अवधारण

विद्यार्थी सप्ताह के दिनों और कल, आज और बिता हुआ कल के बीच भ्रमित हो सकते हैं।

मुख्य शब्दकोश

सप्ताह के सभी सात दिनों के नाम

खेल

उन गतिविधियों को याद करें जिन्हें विद्यार्थियों ने सप्ताह भर में किया है।

- दो विद्यार्थियों को बुलाएं और उनसे पूछें - स्कूल से वापस जाने के बाद वे क्या करते हैं? कल उन्होंने क्या खाया?
- स्कूल आने से पहले उन्होंने आज घर पर क्या किया?

प्रश्न

क्या आप सभी दिन स्कूल आते हैं?

शिक्षक के लिए महत्वपूर्ण बिंदु

विद्यार्थियों को समझने में मदद करने के लिए स्थानीय भाषा का उपयोग करें कि आज, कल और बिता हुआ कल क्या है।

प्रक्रिया

सप्ताह के दिनों के नाम और उनका सही क्रम

- सप्ताह के दिनों के नाम को ब्लैक बोर्ड पर लिखें और एक-एक कर के नामों को पढ़ें।
- **प्रश्न** क्या आप जानते हैं कि आज कौन सा दिन है?
- विद्यार्थियों से कहें कि वो आपके साथ इसे तीन बार दोहराएँ।
- अगर आज सोमवार है, तो कल क्या होगा?

- विद्यार्थियों को बताएं कि सप्ताह सोमवार से शुरू होता है और रविवार के साथ समाप्त होता है।
- सोमवार और बुधवार के बीच कौन सा दिन आता है?
- विद्यार्थियों को बताएँ कि सप्ताह के दिन, हर सप्ताह उसी क्रम में रहते हैं।

शिक्षक के लिए बिंदु

विद्यार्थियों को सप्ताह के दिनों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करने के लिए स्थानीय भाषा का उपयोग करें - जैसे - मंडे को सोमवार कहते हैं आदि।

अभ्यास

फ़्लैश कार्ड के माध्यम से सप्ताह के नाम बताना

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों से पूछे

वे अपना कौन-कौन सा दैनिक कार्य स्वयं करते है।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 2 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को सप्ताह के दिनों के नाम के फ़्लैश कार्ड को उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- फ़्लैश कार्ड के एक सेट को मिला लें और प्रत्येक समूह में वितरित कर दें।

- विद्यार्थियों से कार्ड को सही क्रम में व्यवस्थित करने के लिए कहें और सप्ताह के दिनों के नाम (कार्यदिवस) को अपनी नोटबुक में लिखने के लिए कहें।
- शनिवार के बाद कौन सा दिन आता है?
  सप्ताह का पहला दिन कौन सा है?
  सप्ताह का चौथा दिन कौन सा है?
  सप्ताह का आखिरी दिन कौन सा है?

दिन / महीने के रूप में सप्ताह के दिनों और वर्ष के महीनों के नामों की पहचान करते हैं। | ILM 4.29

1. हल किया उदाहरण : सप्ताह के पहले दिन पर गोल घेरा (सर्कल) लगाएँ।

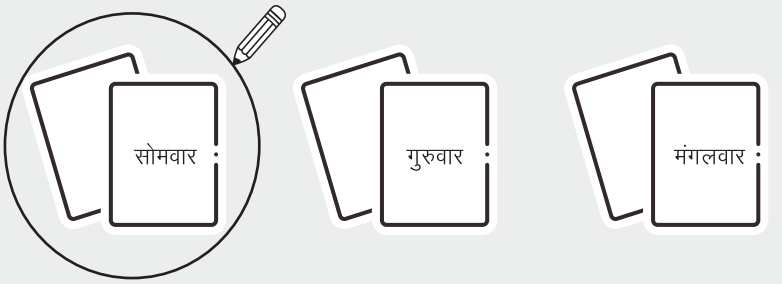

2. सप्ताह के दिनों को सही क्रम में लिखें। नीचे दी गई सूची का उपयोग करें।

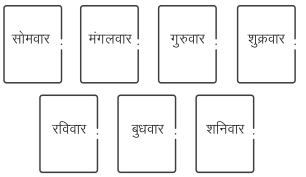

3. सप्ताह का अंतिम दिन कौन सा है ? नीचे दी गई सूची का उपयोग करें।

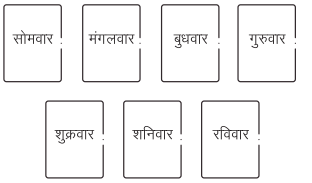

4. बुधवार और शुक्रवार के बीच कौन सा दिन आता है ?

बुधवार

_____

शुक्रवार

5. वाक्य को पूरा करें।

सोमवार ..... बुधवार,

गुरुवार ..... शनिवार,

रविवार

6. क. अगर कल सोमवार था, तो कल कौन सा दिन होगा ?

ख. अगर कल शुक्रवार है, तो आज कौन सा दिन है ?

पाठ योजना–12

''क्या–क्या देखा, कितना देखा''

ILM 4.28 | दृश्यों (visuals) को देखकर सरल सामान्य सूचनाओं का संग्रह, अभिलेखन तथा उनकी व्याख्या कर निष्कर्ष निकालता है।

बच्चे सरल डेटा और रिकॉर्ड एकत्र कर पाएंगे जैसे स्कूल में आने जाने के विभिन्न साधन, लोगों के पसंदीदा टीवी कार्यक्रम, पसंदीदा खाद्य पदार्थ, भाई-बहनों की संख्या आदि।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

कोई नहीं

ग़लत अवधारण

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

वर्णमाला गतिविधि का संचालन करें और विद्यार्थियों को यह बताने के लिए कहें कि अधिक विद्यार्थी बैठे हैं या खड़े हैं।

- विद्यार्थियों को बताएं कि जिन विद्यार्थियों के नाम में बोला गया अक्षर आता है, उन्हें उस अक्षर को कहते समय खड़े होना है।
- एक अक्षर बोलें

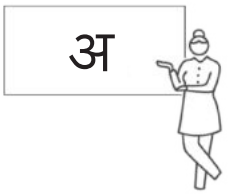

- खड़े हुए विद्यार्थियों को खुद को गिनने के लिए कहें और बैठे हुए विद्यार्थियों को भी खुद को गिनने के लिए कहें। उनसे पूछें क्या बैठे हुए विद्यार्थियों से खड़े हुए विद्यार्थी ज़्यादा हैं?
- अन्य अक्षरों के साथ गतिविधि को दोहराएं।

प्रक्रिया

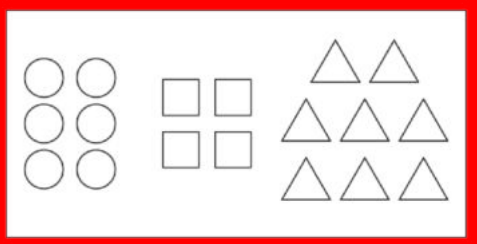

वस्तुओं को गिनकर बताएं कि कौन सा अधिक है

- ब्लैकबोर्ड पर 6 वृत्त, 4 वर्ग और 8 त्रिभुज बनाएं।
- जिन वस्तुओं की संख्या सबसे छोटी होती है उन्हें कम से कम संख्या में कहा जाता है।
- वृत्त को गिनें और संख्याओं में गिनती लिखें। इसी तरह से, वर्गों और त्रिभुजों की गणना करें और अंकों में गिनती लिखें।
- विद्यार्थियों को बताएँ कि दिए गए चित्र के लिए त्रिभुज सबसे अधिक संख्या में हैं और वर्ग सबसे कम संख्या में हैं।

- अंकों की ओर इंगित करें और समझाएं कि 8, 4 से अधिक है, इसलिए, वर्गों की तुलना में त्रिभुज अधिक हैं।
- **प्रश्न**

  इन तीन संख्याओं 2, 3, 6 में से कौन सा सबसे कम है?
- विद्यार्थियों को बताएं कि जिन वस्तुओं की संख्या सबसे बड़ी होती है, उन्हें संख्या में सबसे अधिक कहा जाता है और जिन वस्तुओं की संख्या सबसे छोटी होती है उन्हें कम से कम संख्या में कहा जाता है।

अभ्यास

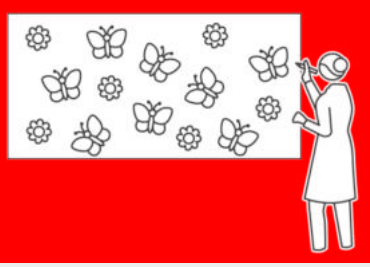

बोर्ड पर चित्र बनाएं। विद्यार्थियों से तितलियों और फूलों की गिनती करने के लिए कहें और पूछें कि कौन सा अधिक है ?

सा.भा.कौ: तितलियाँ, पेड़/पौधों को फूलने-फलने में सहयोग करते है। इसलिए इन्हें पकड़कर परेशान न करें।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में मदद करें।

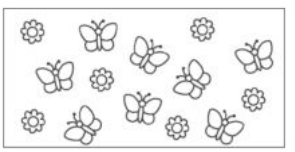

- **प्रश्न**

  कुल कितने फूल हैं?

- **प्रश्न**

  क्या अधिक है - तितलियाँ या फूल? आप कैसे जानते हैं?

- **प्रश्न**

  आपको कैसे पता चला कि कौन सा फल सबसे अधिक संख्या में है?

1. हल किया उदाहरण : गिनें और लिखें।

	4

2. चित्रों को देखें और जानवरों पर गोल घेरा (सर्कल) लगाएँ कि कौन सा जानवर सबसे अधिक संख्या में हैं :–

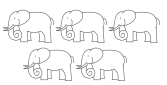	5
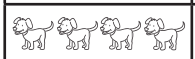	4
	3

3. क्या तितलियाँ अधिक हैं या अधिक फल हैं ? आप कैसे जानते हैं ?

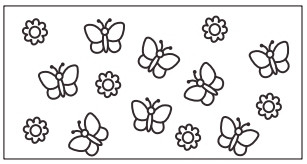

_____

_____

4. आपको कैसे पता चला कि कौन सा फल सबसे अधिक संख्या में है ?

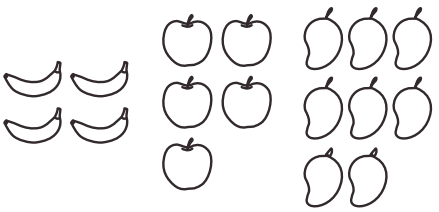

5. चित्र को देखें और प्रश्नों के उत्तर दें :–

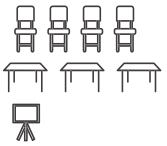

क. टेबल की तुलना में..... अधिक हैं।

ख. ..... सबसे अधिक संख्या में हैं।

ग. ..... सबसे कम संख्या में हैं।

6. प्रत्येक नाम में अक्षरों की संख्या की गणना करें और प्रश्नों का उत्तर दें :–

क्या 4 अक्षरों वाले ज़्यादा नाम हैं या 5 अक्षरों वाले ?

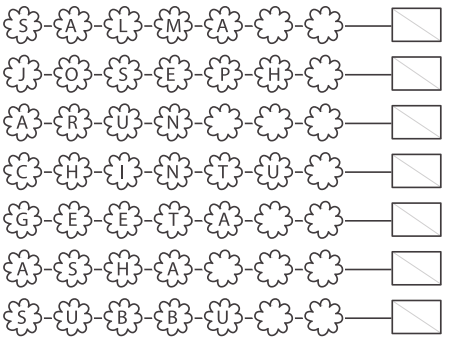

8.2 गणित के सीखने के प्रतिफल और उसके साथ बिहार राज्य की पाठ्यपुस्तक का मिलान (कक्षा–2)

कक्षा 2

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
1. 1 से 999 तक की संख्याएँ पढ़ना और गिनना। 2. दैनिक जीवनचर्या में 99 तक की संख्या के साथ जोड़ घटाव की संक्रिया करना। 3. बार – बार जोड़ के रूप में गुणा और बराबर बाँटना और समान बंटवारा करने की क्रिया को गुणा एवं भाग के रूप में जानना और 2, 3 एवं 4 के गुणनखंड/सारिणी बना पाना।	संख्या ज्ञान और संक्रियाएँ	**ILM 5.9** दस–दस के समूह में सौ तक की वस्तुओं की गिनती करते हैं।	**बच्चे** a) 99 तक की संख्या नाम क्रम में बता पाएँगे। b) 99 तक की संख्या को दिए गए ठोस वस्तुओं से 10 के समूह में सजा पाएँगे c) दी गई वस्तुओं के चित्रों को 99 तक की संख्या तक 10 के समूह में सजा पाएँगे। d) 99 तक ठोस वस्तुओं को गिन पाएँगे। e) 99 तक वस्तुओं के चित्रों को गिन पाएँगे। f) स्थानीय मान की समझ के साथ 99 तक दी गई संख्या को पहचान और पढ़ पाएँगे।	LO 02MH10 पृष्ठ संख्या 22 – 29

कक्षा 2

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
6. स्थानिक शब्दावली का उपयागे करना जैसे दूर/निकट, अंदर/ बाहर, ऊपर/नीचे, बाएँ/दाएँ, आगे/पीछे, ऊपर/नीचे आदि। 7. संख्याओं और आकृतियों का उपयोग करके सरल पहेलियों को बनाना और हल करना।		**ILM 5.10** किसी संख्या विशेष से 99 तक उल्टी और सीधी गिनती कर सकते हैं।	**बच्चे** a) 99 तक किसी दी गई संख्या के पहले की संख्या और उसके बाद की संख्या बता पाएँगे b) 99 तक दी गई किन्हीं दो संख्याओं के बीच की संख्या एवं इसके विपरीत प्रक्रिया को बता पाएँगे c) किसी खास संख्या से आगे 99 तक गिनती कर पाएँगे। d) 99 तक किसी भी संख्या से उलटे क्रम में गिनती कर पाएँगे।	LO 02MH11 पृष्ठ संख्या 32 – 33
		ILM 5.11 999 तक की संख्याओं एवं संख्या नामों को गिनते–पढ़ते हैं।	**बच्चे** a) 999 तक की संख्या के नाम क्रम में बता पाएँगे। b) 999 तक दी गई ठोस वस्तुओं के साथ 100 और 10 के समूह बना पाएँगे। c) 999 तक ठोस वस्तुओं की गिनती कर पाएँगे। क) 999 तक की वस्तुओं के चित्र गिन पाएँगे। d) स्थानीय मान की समझ के साथ 999 तक दी गई संख्या को पहचान और पढ़ पाएँगे। e) 999 तक किसी भी संख्या को लिख पाएँगे। f) 999 तक किसी दी गई संख्या का विस्तारित रूप लिख पाएँगे। g) 999 तक की संख्याओं के संख्या नाम लिख पाएँगे।	LO 02MH12 पृष्ठ संख्या 34 – 38

कक्षा 2

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
		ILM 5.12 स्थानीय मान प्रणाली में शून्य का उपयागे कर पाते हैं।	**बच्चे** a) 999 तक की दी गई संख्या में अलग–अलग स्थानों पर शून्य अंक का अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाएँगे।	LO 02MH13 पृष्ठ संख्या 40 – 44
		ILM 5.13 दो अंको की सबसे बड़ी और सबसे छोटी संख्याओं का निमार्ण एवं तुलना करते हैं। (दिए गये अंक को दोहराकर और बिना दोहराए)।	**बच्चे** a) 99 तक दिए गए संख्याओं की तुलना कर सबसे बड़ी और सबसे छोटी संख्या की पहचान कर पाएँगे। b) 99 तक दी गई अंकों की मदद से (अंकों को दोहराते हुए और बिना दोहरान के) सबसे बड़ी और सबसे छोटी संख्या बना पाएँगे।	LO 02MH14 पृष्ठ संख्या 44
		ILM 5.14 दो अंकीय संख्याओं को जोड़ने में अपनी रणनीति का प्रयोग करते हैं। (संख्याओं का योग 99 से ज्यादा न हो) तथा दैनिक जीवन में साधारण समस्याओं/स्थितियों के समाधान में इसे लागू कर पाते हैं।	**बच्चे** a) ठोस वस्तुओं की मदद से दो अंकीय जोड़ कर पाएँगे (99 के यागे तक)। b) वस्तुओं के चित्र की मदद से दो अंकीय जोड़ कर पाएँगे (99 के योग तक)। c) दो 2–अंकीय संख्याओं को बिना समूह के सांकेतिक रूप से जोड़ पाएँगे (99 के योग तक)। d) दो 2–अंकीय संख्याओं को कलन विधि द्वारा समूहों के साथ जोड़ पाएँगे। (99 के योग तक)। e) 99 तक की संख्याओं को बिना लिखे मन में जोड़ पाएँगे और उसे व्यक्त कर पाएँगे। f) दिए गए जोड़ के हल में क्या गलत है उसकी पहचान कर पाएँगे।	LO 02MH15 पृष्ठ संख्या 45 – 49 55 – 61

कक्षा 2

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
		ILM 5.15 99 तक की दो संख्याओं को घटाने के लिए अपनी स्वयं की रणनीति विकसित करते हैं और दैनिक जीवन की साधारण समस्याओं/स्थितियों को हल करने में उन्हें लागू करते हैं।	**बच्चे** a) ठोस वस्तुओं की मदद से दो अंकीय घटाव कर पाएँगे (99 के योग तक)। b) वस्तुओं के चित्र की मदद से दो अंकीय घटाव कर पाएँगे (99 के योग तक) c) दो 2–अंकीय संख्याओं को बिना समूह के सांकेतिक रूप से घटाव कर पाएँगे (99 के योग तक)। d) दो 2–अंकीय संख्याओं को प्रतीकात्मक रूप से समूहों के साथ घटा पाएँगे (99 के योग तक)। e) 99 तक की संख्याओं का घटाव बिना लिखे मन में कर पाएँगे और उसे व्यक्त कर पाएँगे। f) दिए गए घटाव के हल में क्या गलत है उसकी पहचान कर पाएँगे।	LO 02MH16 पृष्ठ संख्या 50 53 59
		ILM 5.16 संख्याओं के जोड़ और घटाव के बीच संबंध को समझते हैं और लागू करते हैं।	**बच्चे** a) दी गई दो अंकों की संख्याओं के जोड़ के विवरण में छूटी संख्या को पहचान पाएँगे। b) दी गई दो अंकों की संख्याओं के घटाव के विवरण में छूटी संख्या को पहचान पाएँगे।	LO 02MH17 पृष्ठ संख्या 51 – 52 54

कक्षा 2				
लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
		ILM 5.17 गुणा के मायने, समझ विकसित करते हैं। 2, 3 और 4 के गुणन तथ्य (पहाड़े) का निर्माण करते हैं तथा अपने दैनिक जीवन में उन्हें प्रयोग करते हैं।	**बच्चे** a) दिए गुणन संक्रिया को 'किसी संख्या बार–बार जोड़े जाने' के रूप में लिख पाएँगे। उदाहरणार्थ 2 ′ 3 = 3. 3 b) 2, 3 और 4 का गुणा तालिका (पहाड़ा) बना पाएँगे। c) 2, 3 और 4 के पहाड़ा के माध्यम से सरल शाब्दिक (इबारती) सवालों को हल कर पाएँगे। d) 2, 3 और 4 के पहाड़ा से अपने भाषा में सरल इबारती सवाल/शाब्दिक सवाल बना पाएँगे।	LO 02MH19 पृष्ठ संख्या 62 – 70
		ILM 5.18 भाग के मायने, समान वितरण/समान बँटवारा की समझ के रूप में विकसित करते हैं।	**बच्चे** a) दिए गए ठोस वस्तुओं को निश्चित संख्या में समूहों में समान रूप से वितरित कर पाएँगे। b) दिए गए वस्तुओं के चित्रों को निश्चित संख्या में समूहों में समान रूप से वितरित कर पाएँगे।	LO 02MH20 पृष्ठ संख्या 71 – 75
		ILM 5.19 एक परिचित स्थिति/संदर्भ में समस्याओं को हल करने के लिए उपयुक्त संक्रिया (जोड़, घटाव) की पहचान करते हैं।	**बच्चे** a) दो अंकों की संख्याओं को जोड़ने के विभिन्न संदर्भों (एकत्रीकरण और वृद्धि) से संबंधित इबारती सवालों का हल कर पाएँगे। b) अपने भाषा में दो अंकों की संख्याओं के जोड़ से सम्बंधित इबारती सवाल बना पाएँगे।	LO 02MH18 पृष्ठ संख्या 61

कक्षा 2				
लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
			c) दो अंकों की संख्याओं को घटाने के विभिन्न संदर्भों (विभाजन, कमी मालूम करना, तुलना करना और जोड़ की विपरीत प्रक्रिया) से संबंधित इबारती सवालों का हल कर पाएँगे। d) अपने भाषा में दो अंकों की संख्याओं के घटाव से संबंधित इबारती सवाल बना पाएँगे।	
		ILM 5.20 नोटों/सिक्कों का उपयोग करके 100 रुपये तक की राशि को दर्शाते हैं।	**बच्चे** a) उपलब्ध नोटों और सिक्कों (खिलौना वाला नोट और सिक्के) में दी गई राशि का दर्शा पाएँगे। उदाहरण – 16 रुपये को एक 10 रुपये के नोट के रूप में और छह रुपये का सिक्का या एक 10 रुपये का नोट और तीन 2 रुपये का सिक्का से दर्शा सकते हैं।	LO 02MH26 पृष्ठ संख्या 92 – 96
	मापन	**ILM 5.21** रॉड/पेंसिल/धागा आदि जैसी समान अमानक इकाइयों का उपयोग करके लंबाई/दूरी का अनुमान लगाते है और मापकर सत्यापित करते हैं।	**बच्चे** a) दी गई दो वस्तुओं को बिना मापे उनकी लंबाई का अनुमान लगा पाए। उदाहरण के लिए–''यह खिड़की 9 पेंसिल लंबी है''। b) पेंसिल, माचिस की तीलियों, पाठ्य पुस्तकों, छड़ियों आदि का उपयोग करके वस्तुओं की लंबाई (जैसे खिड़की, दरवाजा, मेज, ब्लैक बोर्ड, बाल्टी, हाथ, बॉल, पैर आदि) को माप पाएँगे।	LO 02MH22 पृष्ठ संख्या 78 – 91

लक्ष्य	डोमेन	कक्षा 2 सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
		ILM 5.22 साधारण तुलना का प्रयोग करके भारी/हल्के के रुप में वस्तुओं की तुलना करते हैं।	**बच्चे** a) दिए गए दो वस्तुओं को बिना मापे अनुमान लगा पाएँगे कि किसका भार अधिक है। (उदाहरणः अनुमान लगाएं कि ''फुटबॉल टेनिस बॉल से भारी है'')। b) दो वस्तुओं (जैसे बोतल और कांच, डस्टर और पेन, पेंसिल और पेन) को साधारण बैलेंस से तोल पाएँगे और पहचान पाएँगे की कौन सा भारी है और कौन सा हल्का है।	LO 02MH23 पृष्ठ संख्या 81 – 85
		ILM 5.23 अमानक इकाइयों जैसे कप, चम्मच, बाल्टी इत्यादि के उपयोग से विभिन्न पात्रों की धारिता की तुलना करते हैं।	**बच्चे** a) दिए गए दो कंटेनर को बिना मापे अनुमान लगा पाएँगे कि किसकी धारिता अधिक है। (उदाहरणः अनुमान लगाएं ''दिए गए बाल्टी की धारिता जग के धारिता से अधिक है'')। b) कप, चम्मच आदि का उपयोग करके अलग–अलग कंटेनरों (जैसे बाल्टी, मग, जग आदि) की धारिता को माप पाएँगे।	LO 02MH24 पृष्ठ संख्या 86 – 88
		ILM 5.24 अवलोकन के आधार पर वस्तुओं की ताप के आधार पर तुलना करते हैं जैसे गर्म या ठंडा।	**बच्चे** a) अनुमान लगा पाएँगे कि कौन सी वस्तु गर्म है और कौन सी ठंडी। (उदाहरणः लगता है ''आग बर्फ से भी गर्म है'')।	LO 02MH25 पृष्ठ संख्या 89 – 91

कक्षा 2

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
	आकृतियाँ एवं स्थानिक समझ	**ILM 5.25** बुनियादी 2D आकृतियों जैसे – वर्ग, आयत, त्रिभुज और वृत्त तथा आस–पास की अन्य आकृतियों के गुणों की पहचान और वर्णन करते हैं। उदाहरण के लिए एक पुस्तक के पृष्ठ आयताकार होते हैं और इसमें 4 भुजाएँ, 4 कोने होते हैं। चूड़ी से बने निशान (Trace) का कोई कोना नहीं होता है।	**बच्चे** a) दी गई ठोस वस्तुओं में 2D आकार (वर्ग, आयत, त्रिभजु और वृत्त) को पहचान पाएँगे। b) कुछ ठोस वस्तुओं का उपयोग करके 2D आकृतियों को ट्रेस कर पाएँगे। (उदाहरणः पाठ्यपुस्तक का उपयोग करके आयत बनायेंगे, चूड़ी का उपयोग करके वृत्त बनायेंगे)। c) दिए गए किसी भी 2D आकृति के कोनों की संख्या स्पष्ट तरीके से बता पाएँगे। (जैसे आयताकार में 4 भुजाएँ, 4 कोने होते हैं, वृत्त का कोई कोना एवं भुजाएँ नहीं होती हैं)। d) किसी भी 2D आकार में कोनों और भुजाओं की संख्या स्पष्ट बता पाएँगे। (जैसे आयत में 4 भुजा होती है, 4 कोने होते हैं, वृत्त (सर्कल) का कोई कोना नहीं होता है)। e) चित्रों में दी गई आकृतियों के संग्रह से 2D आकृति (वर्ग, आयत, त्रिभुज और वृत) को पहचान पाएँगे। f) दी गई 2D आकृति के उदाहरणों और गैर–उदाहरणों की पहचान करेंगे।	LO 02MH04 पृष्ठ संख्या 6 – 7
		ILM 5.26 पेपर फोल्डिंग के प्रयोग से दैनिक जीवन के संदर्भ जैसे रोटी, कपड़े (बेडशीट, रुमाल आदि) का उपयोग करके आधे, चौथाई और पूरे के बीच के संबंध की पहचान करते हैं।	**बच्चे** a) पेपर फोल्डिंग, दैनिक जीवन के संदर्भ का उपयोग करके (जैसे रोटी, बेडशीट, रुमाल और कपड़े आदि को मोड़ना) आधे, चौथाई और पूरे के बीच संबंध को पहचान पाएँगे।	LO 02MH21 पृष्ठ संख्या 76 – 77

कक्षा 2				
लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक आधारित अधिगम प्रतिफल (कोड) एवं पृष्ठ संख्या
	पैटर्न	**ILM 5.27** संख्याओं में पैटर्न का अवलोकन व सामान्यीकरण करते हैं। जैसे– 1–100 की गुणन सारणी में संख्या ग्रिड में या पर्यावरण में वस्तुओं में।	**बच्चे** a) दिए गए पैटर्न के नियम को पहचान पाएँगे और वर्णन कर पाएँगे। (जैसे–गुणन सारिणी के पैटर्न, 1 – 100 संख्या ग्रिड के पैटर्न या पर्यावरण में वस्तुओं में पैटर्न) b) दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाएँगे (जैसे–गुणन सारिणी के पैटर्न, 1–100 संख्या ग्रिड के पैटर्न या पर्यावरण में वस्तुओं में पैटर्न)	LO 02MH27 पृष्ठ संख्या 97 – 99
	आंकड़ों का प्रबंधन	**ILM 5.28** एकत्र किए गए आंकड़ों के आधार पर निष्कर्ष निकालते हैं। जैसे – समीर के घर में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की संख्या रानी की तुलना में अधिक है, एक वस्तु की कीमत किसी अन्य वस्तु की तुलना में मूल्य तालिका में अधिक है, आदि।	**बच्चे** a) एकत्र किए गए आंकड़ों के आधार पर निष्कर्ष निकाल लेंगे। जैसे, समीर के घर में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की संख्या रानी की तुलना में अधिक है, एक वस्तु की कीमत दर चार्ट में किसी भी अन्य वस्तु की तुलना में अधिक है, आदि।	LO 02MH30 पृष्ठ संख्या 105 – 107
		ILM 5.29 कैलेंडर का उपयोग करके अपने दैनिक जीवन की घटनाओं में सप्ताह के दिनों और वर्षों के महीनों की पहचान करते हैं।	**बच्चे** a) सप्ताह के दिनों के नाम और वर्ष के महीनों के नाम क्रम से याद करके बोल पाएँगे। b) कैलेंडर का उपयोग कर सप्ताह के दिनों को पहचान पाएँगे। c) अपने दैनिक जीवन की घटनाओं में कैलेंडर का उपयोग कर वर्षों के महीनों को पहचान पाएँगे।	LO 02MH28 पृष्ठ संख्या 100 – 102

पाठ योजना

गणित

कक्षा 2

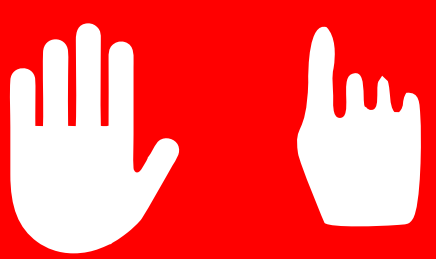

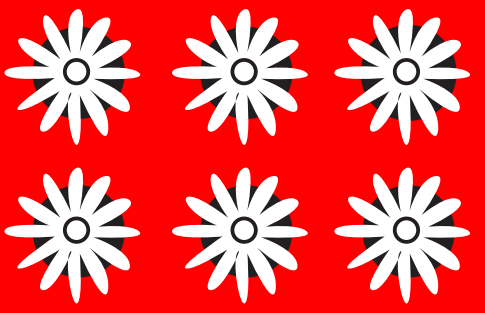

"दस हो बस"

ILM 5.9 | दस-दस के समूह में सौ तक की वस्तुओं की गिनती करते हैं।

बच्चे 99 तक ठोस वस्तुओं को गिन पाएँगे।
एवं 99 तक वस्तुओं के चित्रों को गिन पाएँगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

1 पासा: 1 विद्यार्थी

20 वृत्त/ गोला कट आउट / कंकड़: 2 ? विद्यार्थी पर

50 तीली, 5 रबर बैंड

ग़लत अवधारणा

विद्यार्थी बड़ी आकार की वस्तुओं को संख्या में बड़ा मानते हैं।

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

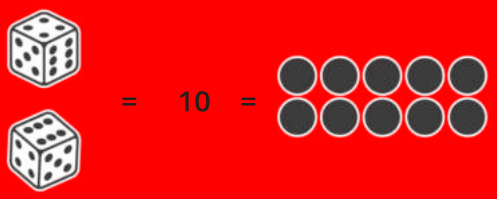

पासा फेंकें और संख्या बताएँ

- विद्यार्थियों को 2 के समूह में विभाजित करें और प्रत्येक समूह को 2 पासा वितरित करें।
- विद्यार्थियों से पासा फेकने और संख्या को देखने के लिए कहें।

- विद्यार्थियों को संख्या बताने के लिए कहें और संख्या को अपने नोटबुक में लिखने के लिए कहें। संख्या के सामने उतने वृत्त बनाएँ।

प्रश्न

आपको सबसे बड़ी संख्या कौन सी मिली है?

प्रक्रिया

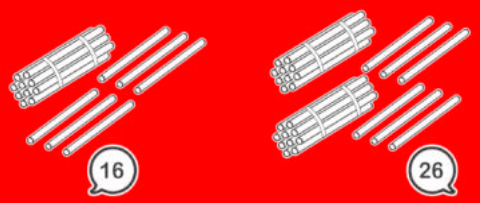

तीलियों को गिनें और संख्या बताएँ

- 50 तीलियाँ लें। एक के बाद एक गिनकर के 10 तीलियों का बंडल बनाएं।
- बण्डल को एक तरफ रखें और 10 से आगे की गिनती करें क्योंकि आप 10 तीलियों के दूसरे सेट का बंडल बना रहे हैं।
- स्पष्ट रूप से संख्याओं को गिने और ज़ोर से बोलें और विद्यार्थियों को आपके बाद दोहराने के लिए प्रोत्साहित करें। इस तरह से नाम को बोलें "दस-एक ग्यारह, दस-दो बारह, दस-तीन तेरह"
- दूसरे बंडल को एक तरफ रख दें।

- 20 से आगे की गिनती करके एक और 10 का बण्डल बाहर निकालें। स्पष्ट रूप से और ज़ोर से संख्याओं को गिने और बोलें। विद्यार्थियों को आपके बाद दोहराने के लिए प्रोत्साहित करें।
- इस तरह संख्या के नाम को बोलें "बीस-एक इक्कीस, बीस-दो बाईस, बीस-तीन तेईस"।
- जोर दें कि सभी संख्या 21 से 29 "बीस" से शुरू होती हैं। विद्यार्थियों को बताएं कि तीस के बाद की संख्या "तीस-" से शुरू होती है।
- 50 तक की संख्या के लिए संख्याओं को गिनने और बोलने की यह विधि दोहराएं।

अभ्यास

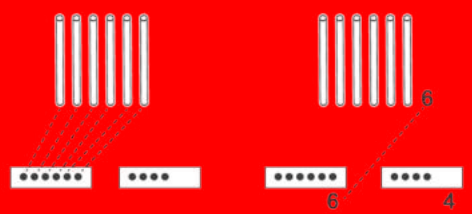

ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखें और विद्यार्थियों को हल करने में मदद करें

सा.भा.कौ: छोटे बच्चे खेल कर सीखेंगे, इसलिए गतिविधि पूर्णरूप से खेल पर आधारित हो।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से तीलियों की गिनती करने के लिए कहें और उन्हें समान संख्या में गेंदों के साथ मिलाने के लिए कहें।

- विद्यार्थियों को बताएं कि वे संग्रह की प्रत्येक तीली को अन्य संग्रह में गेंदों के साथ मिलाने के लिए एक रेखा खींच सकते हैं। संग्रह में दी गई तीलियों से गेंदों की संख्या मिलाने के दौरान कोई भी छुटनी नहीं चाहिए अगर दोनों वस्तुएँ समान संख्या में हैं।

- बता दें कि एक ही संख्या की वस्तुओं के मिलान की एक अन्य विधि सभी संग्रहों को गिनना और फिर समान संख्या वाले संग्रह का मिलान करना है।
- जोर दें कि गेंदों की तस्वीर समान संख्या में तीलियों के चित्रों की तुलना में कम जगह लेती है। बता दें कि संग्रह भिन्न दिखने पर भी वस्तुओं की संख्या समान हो सकती है।

1. एक आपके लिए किया गया है : मछलियों की गिनती करें और बताएँ कि 10 के कितने समूह बनाए जा सकते हैं ?

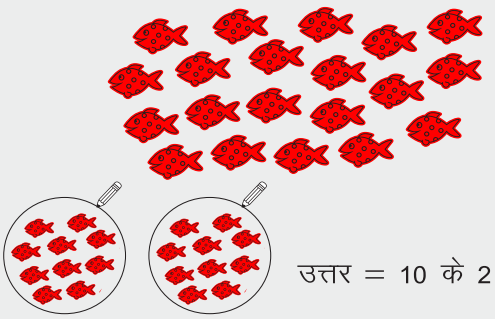

उत्तर = 10 के 2 समूह

2. वस्तुओं को गिनें और बताएँ कि 10 के कितने समूह बनाए जा सकते हैं ?

उत्तर = 10 के ..... समूह

3. वस्तुओं की समान संख्या के साथ समूह को मिलाएँ ?

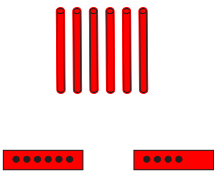

4. 23 गोले बनाएँ ?

5. तीलियों की संख्या की गणना करें और गोले में संख्या लिखें ?

a. 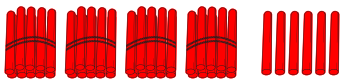 46

b. 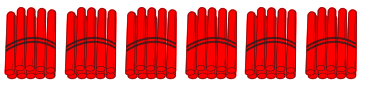 ◯

6. वस्तुओं की समान संख्या को मिलाएँ ?

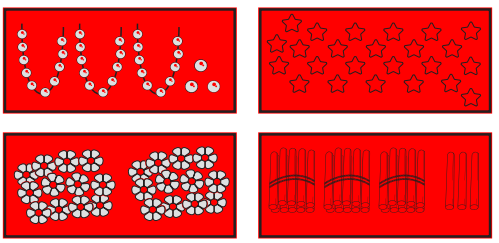

7. आपकी कक्षा से, स्कूल के मुख्य द्वार तक पहुँचने के लिए आप कितने कदम चलते हैं, कदमों की संख्या गिनें ? क्या यह 50 से अधिक है ?

''आओ आगे और पीछे चले''

ILM 5.10 | किसी संख्या विशेष से 99 तक उलटी और सीधी गिनती कर सकते हैं।

बच्चे 99 तक किसी भी संख्या से उलटे क्रम में गिनती कर पाएँगे ।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

55

ग़लत अवधारणा

विद्यार्थी आगे कि गिनती करते समय 2-अंकीय संख्या के दोनों अंकों के मूल्य को बढ़ाने की गलती करते हैं (जैसे 23, 34, आदि)

मुख्य शब्दकोश

खेल

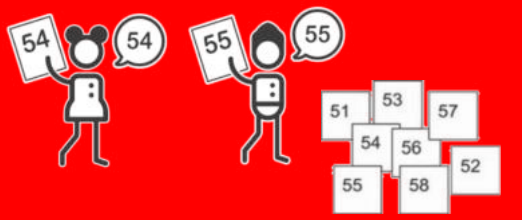

क्रम को जारी रखना

- 30 कार्ड लें, जिसमे 51 से 80 तक की संख्या लिखी हो।
- कार्ड को मिलाएं और प्रत्येक विद्यार्थी को एक कार्ड वितरित करें।
- जिस विद्यार्थी को कार्ड संख्या 51 मिला है उसे कहें कि वह अपनी संख्या को बोले।
- जिस विद्यार्थी को कार्ड संख्या 52 मिला है उसे कहें कि वह अपनी संख्या को बोले।

- विद्यार्थियों से बारी- बारी संख्याओं को बोलने का अनुक्रम जारी रखने के लिए कहें। विद्यार्थियों से कहें कि प्रत्येक संख्या को ध्यान से सुनें और अपनी संख्या को बोलें ताकि सही क्रम बना रहे।
- विद्यार्थियों को 80 से शुरू करके 51 तक गिनती करके समान गतिविधि को दोहराने के लिए कहें।

शिक्षक के लिए बिंदु

विद्यार्थियों को सही अनुक्रम में संख्याओं को याद करने में मदद करने के लिए कक्षा की दीवार पर एक संख्या चार्ट रखें।

प्रक्रिया

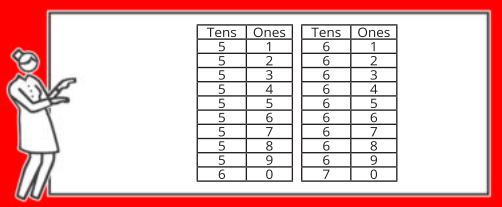

Tens	Ones	Tens	Ones
5	1	6	1
5	2	6	2
5	3	6	3
5	4	6	4
5	5	6	5
5	6	6	6
5	7	6	7
5	8	6	8
5	9	6	9
6	0	7	0

आगे या पीछे गिनना

- जैसा कि दिखाया गया है उस अनुसार ब्लैकबोर्ड पर अंक 51 से 70 लिखें।
- संख्याओं को एक-एक करके पढ़ें और बताएं कि 50 से 59 में इकाई की संख्या वाले स्थानों पर क्रमिक रूप से वृद्धि होती है।
- बताएं कि 59 के बाद इकाई के स्थान पर संख्या 0 हो जाती है और दहाई के स्थान पर संख्या एक से बढ़ जाती है। कुल मिलाकर संख्या 60 हो जाती है।
- 69 को इंगित करें और जोर दें कि अगली संख्या 70 है। 69 के बाद इकाई के स्थान पर संख्या 0 हो जाती है और दहाई के स्थान पर संख्या एक से बढ़ जाती है।

- विद्यार्थियों से समान पैटर्न का उपयोग करने के लिए कहें और 79 के बाद जो आता है उसे पहचानने के लिए कहें।
- साथ में, 1-99 तक आगे की गिनती के लिए अभ्यास कराएं।
- विद्यार्थियों को बताएं कि पीछे की गिनती तब होती है जब संख्याओं को उल्टे क्रम में पढ़ा जाता है।
- 99-1 तक पीछे की गिनती के लिए अभ्यास कराएं।

अभ्यास

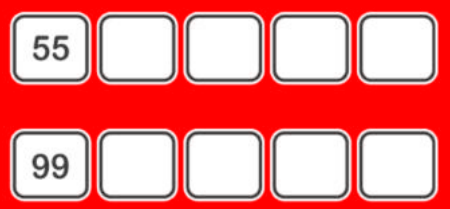

संख्या क्रम का अभ्यास करें

सा.भा.कौ: कार्ड वितरित करने का कार्य विद्यार्थियों से ही करवाएं।

- ब्लैकबॉर्ड पर संख्या लिखें और विद्यार्थियों को पीछे की गिनती का अनुक्रम पूरा करने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 2 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को आगे की गिनती करके अनुक्रम को पूरा करने के लिए कहें।

प्रश्न

50 और 55 के बीच कितनी संख्याएँ हैं?

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को 90 से 99 तक पहुंचने के लिए आगे की गिनती करने के लिए कहें।

किसी संख्या विशेष से 99 तक उलटी और सीधी गिनती कर सकते हैं। | ILM 5.10

1. एक आपके लिए किया गया है : आगे की गिनती करें ?

57	58	59	60	61	62

2. आगे की गिनती करें ?

50					55

3. आगे की गिनती करें ?

90					
			99		

4. छूटे हुए संख्याओं को लिखें ?

49		51			54

5. पीछे की गिनती करते हुए गलत संख्या पर गोल घेरा लगाएँ ?

61	60	50	58	57	56

6. क्या पीछे की गिनती का अनुक्रम सही है ? इसे सही करने के लिए आप कौन सी संख्या लिखेंगे ?

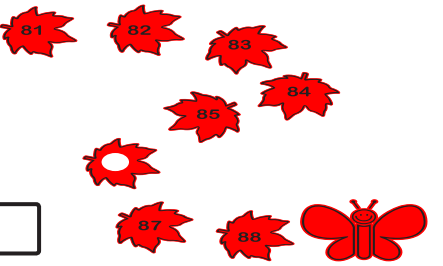

7. खुशबू ने अपना कंगन, घर संख्या 73 के पास गिरा दिया। उसे अपना कंगन वापस उठाने के लिए कितने घर पीछे जाना पड़ेगा ?

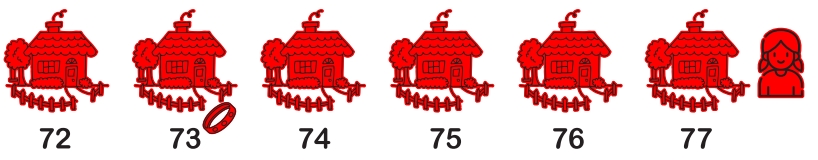

"दो और दो चार"

ILM 5.14 | दो संख्याओं को जोड़ने में अपनी रणनीति का प्रयोग करते हैं।

बच्चे 99 तक की संख्याओं को बिना लिखे मन में जोड़ पाएँगे और उसे व्यक्त कर पाएँगे ।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

8 गुलाबी रंग के कार्ड जिन पर 1-8 तक की संख्या लिखी हो।

10 नीले रंग के कार्ड उन पर 0 - 9 तक की संख्या लिखी हो।

ग़लत अवधारणा

नहीं है

मुख्य शब्दकोश

जोड़

खेल

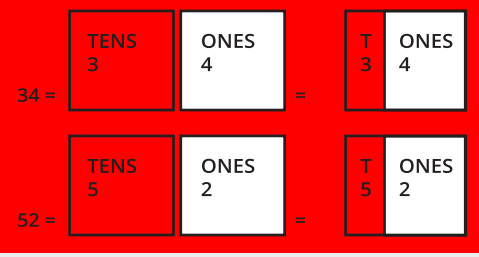

संख्याओं को इकाई और दहाई में बताना

- 2 विद्यार्थियों को बुलाएं और एक के सामने नीले रंग के कार्ड को रखें और दूसरे विद्यार्थी के सामने गुलाबी रंग के कार्ड को रखें।
- विद्यार्थियों को बताएं कि गुलाबी कार्ड दहाई का प्रतिनिधित्व करता हैं और नीला कार्ड इकाई का प्रतिनिधित्व करता हैं।
- उन्हें 34 बनाकर दिखाने के लिए कहें। उन्हें बताएं कि 34 में 3 दहाई हैं और 4 इकाई हैं।
- 2 और विद्यार्थियों को बुलाएँ और उन्हें उसी तरह से 52 दिखाने के लिए कहें।
- गुलाबी कार्ड वाले विद्यार्थियों को एक साथ खड़े होने के लिए कहें और नीले कार्ड वाले विद्यार्थियों को एक साथ खड़े होने के लिए कहें।

प्रश्न

इसमें कुल कितने दहाई हैं? और कितने इकाई हैं?

- अन्य संख्याओं के साथ इसे दोहराएं।

प्रक्रिया

7 दहाई + 6 इकाई + 2 दहाई + 1 इकाई

7 दहाई + 2 दहाई + 6 इकाई + 1 इकाई

9 दहाई + 7 इकाई

बिना पून समूहन किए हुए क्षैतिज रूप से 2-अंकीय संख्याओं को जोड़ना

- ब्लैकबोर्ड पर 76 + 21 लिखें।
- 76 को तोड़कर इस प्रकार लिखें, 7 दहाई (एक गुलाबी चाक का उपयोग करके) और 6 इकाई (एक नीले चाक का उपयोग करके) लिखें। बता दें कि 76 में 7 दहाई हैं यानी 70 और 6 इकाई हैं।
- इसी तरह 21 को तोड़ें (विघटित करें) और 2 दहाई + 1 इकाई के रूप में गुलाबी और नीले चाक का उपयोग करके लिखें।
- बता दें कि इकाई (नीले चाक से लिखा गया) को पहले जोड़ना है फिर इसके बाद दहाई को जोड़ना है।
- इकाई को इंगित करें और उन्हें आगे की गिनती का उपयोग करके जोड़ें।
- अगले, दहाई को इंगित करें और आगे की गिनती का उपयोग करके जोड़ें।
- इस बात पर जोर दें कि दहाई और इकाई को सीधे नहीं जोड़ा जा सकता है। बता दें कि दोनों अंकों को अलग-अलग लिखकर जोड़ना होगा।
- ब्लैकबोर्ड पर 9 दहाई और 7 इकाई लिखें और समझाएं कि 9 दहाई और 7 इकाई मिलकर 97 हो जाते हैं।

अभ्यास

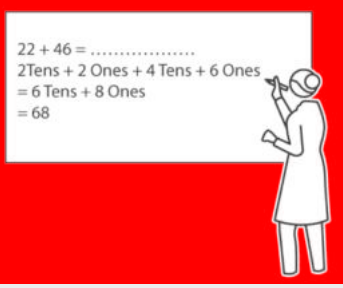

प्रश्न लिखें और विद्यार्थियों को क्षैतिज रूप से संख्या को जोड़ने में मदद करें।

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों को सर्वप्रथम रंगों की पहचान करवाएं।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3b को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से दहाई और इकाई में संख्या को तोड़ने (विघटित) के लिए कहें और फिर जोड़ें।

  22 + 46 = ___

- सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी संख्याओं की रचना और विघटन (तोड़ –जोड़) करने में सक्षम हैं।

  विद्यार्थियों को दाईं ओर इकाई और बाईं ओर दहाई को रखने के लिए प्रोत्साहित करें, इससे उन्हें आसानी से संख्या लिखने में मदद मिलेगी।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 5 को हल करने में मदद करें। प्रश्न पढ़ें और अंकों में लिखें। एक कक्षा में 14 लड़कियां और 15 लड़के हैं। कक्षा में विद्यार्थियों की कुल संख्या ज्ञात करें।

  14 +15= ?

1. एक आपके लिए किया गया है : जोड़ें ?

दहाई	इकाई		दहाई	इकाई
3	4	+	3	4

= 3 दहाई + 3 दहाई + 4 इकाई + 4 इकाई

= 6 दहाई + 8 इकाई

= 68

2. निम्नलिखित को पूरा करें ?

58 + 21

= 5 दहाई + 8 इकाई +
2 दहाई + 1 इकाई

= .....

3. निम्नलिखित को पूरा करें ?

a. 32 + 45 =

..... + ... + ... + ... = ...

b. 22 + 46 =

..... + ... + ... + ... = ...

4. पहले आप कौन सी संख्या जोड़ेंगे ?

21+37

2 दहाई + 1 इकाई +
3 दहाई + 7 इकाई

2 दहाई और 3 दहाई

या 1 इकाई और 7 इकाई?

5. एक कक्षा में 14 लड़कियाँ और 15 लड़के हैं। कक्षा में विद्यार्थियों की कुल संख्या ज्ञात करें ?

"कम का दम"

ILM 5.15 | 99 तक की दो संख्याओं को घटाने के लिए अपनी रणनीति विकसित करते हैं।

बच्चे दो 2-अंकीय संख्याओं को बिना समूह के सांकेतिक रूप से घटाव कर पाएँगे। (99 के योग तक)।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

गुलाबी और नीले रंग की चाक
तीली/डंडी 20: 5 विद्यार्थी
रबर बैंड 2: 5 विद्यार्थी

ग़लत अवधारणा

नहीं है

मुख्य शब्दकोश

घटाव

खेल

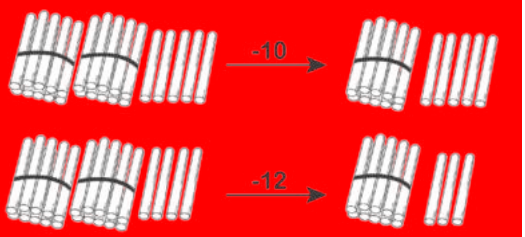

बंडल और तीलियों का उपयोग करके 2-अंकीय संख्याओं के घटाने का अनुमान लगाना

- विद्यार्थियों को 5 - 5 के समूह में विभाजित करें और प्रत्येक समूह को 25 तीलियाँ वितरित करें।
- विद्यार्थियों को तीलियों को गिनकर 10-10 के दो बण्डल बनाने को कहें। तीलियों को बांधने और बण्डल बनाने के लिए रबर बैंड का उपयोग करने को कहें।
- जोर दें कि एक बंडल में केवल 10 तीलियाँ हो सकती हैं, शेष 5 तीलियों को अलग (खुला) रखा जाना चाहिए।
- विद्यार्थियों से अपने संग्रह से 10 तीलियाँ निकालने के लिए कहें।

प्रश्न

क्या आपने तीलियों को फिर से गिना जब 10 तीलियों को अलग रखने के लिए कहा गया ? क्यों / क्यों नहीं?

- विद्यार्थियों को बंडल वापस लाने के लिए कहें और विद्यार्थियों से 12 तीलियों को निकालने के लिए कहें।

प्रश्न

आपने 12 तीलियों को कैसे गिना?

प्रश्न

12 तीलियों को निकालने के बाद 10 के कितने बंडल बचे हैं?

प्रक्रिया

76 - 21 → 7 दहाई और 6 इकाई - 2 दहाई और 1 इकाई

→ 7 दहाई - 2 दहाई और 6 इकाई - 1 इकाई

→ 5 दहाई और 5 इकाई

इकाई और दहाई में संख्याओं को बदलकर घटाना

- ब्लैकबोर्ड पर 76 - 21 लिखें।
- 76 को विघटित करें और 7 दहाई लिखें (एक गुलाबी चॉक का उपयोग करके) और 6 इकाई लिखें (एक नीले चॉक का उपयोग करके)। बता दें कि 76 में 7 दहाई हैं, यानी 70 और 6 इकाई है।
- इसी तरह 21 को विघटित करें और 2 दहाई + 1 इकाई के रूप में गुलाबी और नीले चॉक का क्रमशः उपयोग करके लिखें।
- बता दें कि इकाई (नीले चॉक में लिखे) को पहले घटाया जाता है फिर उसके बाद दहाई को घटाया जाता है।

- इकाई को इंगित करें और विद्यार्थियों से पूछें कि 6 - 1 कितना होगा? 5 लिखें।
- फिर, दहाई को इंगित करें और विद्यार्थियों से पूछें कि 7 - 2 कितना है। 5 दहाई लिखें।
- इस बात पर जोर दें कि दहाई और इकाई को सीधे घटाया नहीं जा सकता है। बता दें कि दोनों अंकों को अलग-अलग लिखना होगा।
- 5 दहाई और 5 इकाई को इंगित करें और बताएं कि यह 55 के बराबर है।

अभ्यास

अ. 58 - 46 = ……
5 दहाई और 8 इकाई - 4 दहाई और 6 इकाई
= 5 दहाई - 4 दहाई और 8 इकाई -6 इकाई
= 1 दहाई और 2 इकाई
= 12

प्रश्न लिखें और विद्यार्थियों को क्षैतिज रूप से संख्या घटाने में मदद करें

सा.भा.कौ: सर्वप्रथम विद्यार्थियों को बाईं(Left) और दाईं (Right) के बारे में बतलाये।

- कार्यपत्रक के प्रश्न 2 को हल करने में विद्यार्थियों की मदद करें। विद्यार्थियों से दहाई और इकाई में संख्या को विघटित करने और फिर घटाने के लिए कहें।

58 - 46 = ……

- सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी संख्याओं की रचना और विघटन करने में सक्षम हैं।

- विद्यार्थियों को इकाई को दाईं ओर और दहाई को बाईं ओर रखने के लिए प्रोत्साहित करें, इससे उन्हें आसानी से संख्या लिखने में मदद मिलेगी।
- कार्यपत्रक के प्रश्न 5 को हल करने में विद्यार्थियों की मदद करें। प्रश्न पढ़ें और अंकों में लिखें। एक पार्टी के लिए 35 केक के टुकड़ों का ऑर्डर दिया गया था। नीनु ने मेहमानों को केक के 23 टुकड़े वितरित किए। केक के शेष (बचे हुए) टुकड़ों की संख्या पता करें।

1. एक आपके लिए किया गया है : घटाव ?

= 3दहाई – 2दहाई और 4 इकाई – 3 इकाई
= 1दहाई + 1 इकाई

= 11

दहाई	इकाई	दहाई	इकाई
3	4	2	3

2. निम्नलिखित को पूरा करें :

58 – 46

= 5 दहाई और 8 इकाई –
4 दहाई और 6 इकाई

= .....

3. निम्नलिखित को पूरा करें :

32 – 45 =

..... और ..... – ..... और .....

= .....

4. आप किसमें से किसको घटाएँगे :

21 – 37 या 37 – 21

2 दहाई और 1 इकाई – 3 दहाई और 7 इकाई

3 दहाई और 7 इकाई – 2 इकाई और 1 इकाई ?

5. एक पार्टी के लिए 35 केक के टुकड़ों का ऑर्डर दिया गया था। नीनु ने मेहमानों को केक के 23 टुकड़े वितरित किए। शेष केक के टुकड़ों की संख्या ज्ञात कीजिए ?

6. कोई भी 2 संख्या लिखें जिसका अंतर 11 है ?

पाठ योजना–5

"इधर से उधर"

ILM 5.16 | संख्याओं के जोड़ और घटाव के बीच संबंध को समझते हैं और लागू करते हैं।

बच्चे दिए गए दो अंकों की संख्याओं के जोड़ के विवरण में छूटी संख्या को पहचान पाएँगे ।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

12 लाल और 6 नीली गेंद

ग़लत अवधारणा

नहीं है

मुख्य शब्दकोश

जोड़ और घटाव

खेल

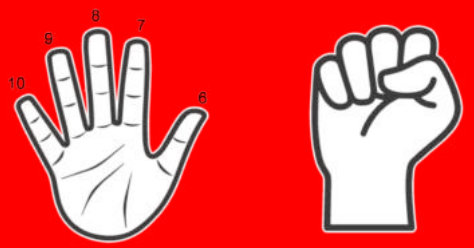

सभी 10 उंगलियों को मोड़ने के लिए और कितनी उंगलियों को मोड़ना चाहिए

- याद दिलाएँ कि जोड़ का मतलब एक साथ मिलाना है। जैसे 3 + 5 = 8, 3 और 5 योज्य (जोड़ने वाली संख्या) हैं और 8 कुल या योग है।
- विद्यार्थियों से पूछें कि उनके हाथों में कितनी उंगलियाँ हैं।
- उन्हें उनकी 5 उँगलियों को मोड़ने के लिए कहें। उनसे पूछें कि यदि वे 10 उँगलियों को मोड़ना चाहते हैं तो उन्हें और कितनी उँगलियों को मोड़ना होगा।
- 5 से आगे गिनती करें जैसे 6, 7, 8, 9, 10 और एक-एक करके अपनी उंगलियों को मोड़ते जाएँ।
- फिर विद्यार्थियों को बताएं कि इस तरह उन्हें 5 उंगलियां मोड़नी हैं।
- विद्यार्थियों से उनकी 3 उंगलियों को मोड़ने के लिए कहें। उनसे पूछें कि सभी 10 उंगलियों को मोड़ने के लिए उन्हें और कितनी उंगलियां मोड़नी हैं।

प्रक्रिया

छूटी हुई योज्य संख्या को, दी गई कुल संख्या में से घटाना

- एक बैग को उठाएँ जिसमें 18 गेंद रखें हो । विद्यार्थियों को बताएं कि बैग में 18 लाल और नीली गेंद हैं।
- टेबल पर 12 लाल गेंद रखें और विद्यार्थियों को बताएं कि आप यह पता लगाना चाहते हैं कि बैग में कितनी नीली गेंद हैं। बता दें कि वे 12 से गिनती कर सकते हैं जबतक कि 18 तक न पहुँच जाएँ।
- 12 के बाद, 13, 14, 15, 16, 17, 18 है। चूंकि ये 6 संख्याएं हैं, इसलिए 18 बनाने के लिए 6 और गेंदों की आवश्यकता है।
- 12 + 6 = 18 लिखें । संक्षेप में बताएँ कि छूटी हुई योज्य (जोड़ने वाली) संख्या को, दी गई योज्य संख्या से आगे की गिनती करके पहचाना जा सकता है |
- विद्यार्थियों को बताएं कि वे छूटी हुई योज्य (जोड़ने वाली) संख्या को, दी गई कुल संख्या में से दी गई योज्य संख्या को घटा कर ज्ञात कर सकते हैं।
- समझाएं कि हमें पता है कि 18 गेंद होनी चाहिए लेकिन हम केवल 12 लाल गेंद देख सकते हैं। इसलिए 18 और 12 के बीच का अंतर हमें छूटी हुई गेंदों की संख्या बताएगा।
- 18 - 12 लिखें और आगे की गिनती गिनने की विधि का उपयोग करके घटाएं। विद्यार्थियों को बताएं कि 18 और 12 के बीच का अंतर 6 है, इसलिए 6 नीली गेंद होनी चाहिए।
- **शिक्षक के लिए बिंदु:** उन्हें यह बताएँ कि सभी विधियों से एक ही उत्तर मिलता है। इसलिए, उन्हें वह तरीका चुनना चाहिए जो उनके लिए आसान हो।

अभ्यास

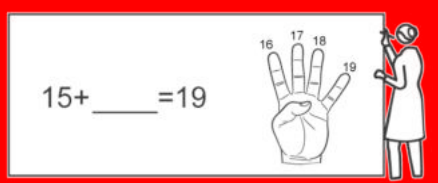

ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखें और विद्यार्थियों को हल करने के लिए कहें

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों को बतलाएं:- जोड़ का मतलब एक साथ मिला देना होता है।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से छूटी हुई संख्या का पता लगाने के लिए कहें।

  15 + _ = 19

- **प्रश्न**

  छूटी हुई संख्या पता करने के लिए आपने किस विधि का उपयोग किया?

  क्या छूटी हुई योज्य संख्या कुल से बड़ी हो सकती है ? क्यों / क्यों नहीं?

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 5 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से छूटी हुई संख्या का पता लगाने के लिए कहें।

  _ + 0 = 14

- उस संख्या के सवाल (समीकरण) को समझाएँ जहाँ एक योज्य 0 है इसका अर्थ है कि और कुछ नहीं जोड़ा गया है। इसलिए, छूटी हुई संख्या; कुल के समान होगी।

संख्याओं के जोड़ और घटाव के बीच संबंध को समझते हैं और लागू करते हैं। | ILM 5.16

1. एक आपके लिए किया गया है : कुल 21 फल हैं लेकिन कुछ कपड़े के नीचे छिपे हुए हैं। क्या आप बता सकते हैं कि कितने फल कपड़े के नीचे छिपे हुए हैं ?

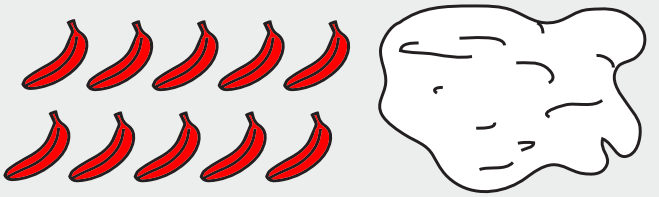

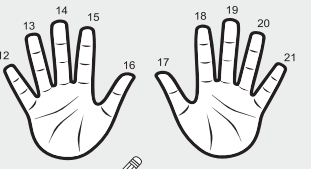

2. छूटी हुई संख्या का पता लगाएँ ?

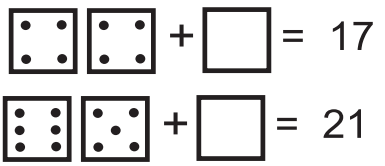

3. छूटी हुई संख्या का पता लगाएँ ?

15 + ... = 19

4. छूटी हुई संख्या का पता लगाएँ ?

12 + ... = 20

5. छूटी हुई संख्या का पता लगाएँ ?

..... + 0 = 14

6. एक स्कूल वैन में 25 सीटें हैं। वैन में 12 बच्चे बैठे हैं। वैन में और कितने बच्चे बैठ सकते हैं ?

"क्या करें–जोड़े या घटाएं"

ILM 5.19 | एक परिचित स्थिति/संदर्भ में समस्याओं को हल करने के लिए उपयुक्त संक्रिया की पहचान करते हैं।

बच्चे दो अंकों की संख्याओं को जोड़ने के विभिन्न संदर्भों (एकत्रीकरण और वृद्धि) से संबंधित इबारती सवालों का हल कर पाएँगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

12 लाल और 6 नीली गेंद

ग़लत अवधारणा

मुख्य शब्दकोश

कुल, एक साथ, कुल मिलाकर, जोड़, योज्य, योग

खेल

15 मिनट

जोड़ की कहानियों के आधार पर सचित्र रूप से जोड़ना

- बोलकर बताएँ, "झील में 3 छोटी मछलियाँ और 4 बड़ी मछलियाँ थीं"। विद्यार्थियों को चित्र बनाने के लिए कहें और फिर उन्हें यह बताने के लिए कहें कि कुल कितनी मछलियाँ थीं।
- बोलकर बताएँ, "एक पेड़ पर 5 पक्षी थे और आकाश में 5 पक्षी थे"। ब्लैकबोर्ड पर एक पेड़ पर 5 और आकाश में 5 पक्षियों का चित्र बनाएँ।
- विद्यार्थियों को बताएं कि आप इसी तरह के वाक्य बोलेंगें और उन्हें वाक्योंके आधार पर वस्तुओं का चित्र बनाना है।

- बोलकर बताएँ, "एक पौधे में 4 फूल और जमीन पर 3 फूल हैं।"
- एक बार जब विद्यार्थियों ने चित्र बना लिया हो, तो विद्यार्थियों को यह बताने के लिए कहें कि कुल कितने फूल हैं।
- अन्य समान वाक्यों को बोलकर गतिविधि को दोहराएं।

प्रक्रिया

15 मिनट

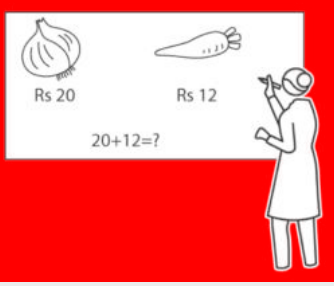

जोड़ को वास्तविक जीवन की स्थितियों में उपयोग करना

- बता दें कि जोड़ अक्सर वास्तविक जीवन की स्थितियों में उपयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए "हम अपने अंक जोड़ते हैं जब हम एक खेल खेलते हैं, जिससे यह पता चलता है कि कौन जीता है"।
- "हम यह पता लगाने के लिए जोड़ते हैं कि हमारे द्वारा खरीदे गए विभिन्न वस्तुओं के लिए दुकानदार को कितना पैसा देना है"।
- प्रश्न पढ़ें, "रेखा खरीदारी करने के लिए जाती है। वह 20 रुपये का प्याज खरीदती है और 12 रुपये का गाजर लेती है। उसे सब्ज़ी बेचने वाले को कुल कितने पैसे देने होंगे?
- संख्या 20 और 12 को रेखांकित करें और "कुल" पर गोल घेरा लगाएँ।

- उन्हें बताएं कि जिन प्रश्नों के लिए हमें कुल वस्तुओं को गिनने की आवश्यकता होती है या कुल वस्तुओं को "एक साथ रखना" होता है, उन्हें जोड़ करके हल किया जा सकता है।
- वाक्य पर जोर दें: "उसे कुल कितने पैसे देने की ज़रूरत है" और समझाएँ कि सब्जियों की कुल कीमत का पता लगाना होगा।
- 20+12 लिखें और विद्यार्थियों को ऊर्ध्वाधर कलन विधि का उपयोग करके हल करने के लिए कहें। प्रश्न पढ़ें, "एक पेड़ पर 15 पक्षी बैठे थे, उनके पास 14 और आ गए। अब कितने पक्षी हैं?"
- 15 + 14 लिखें और समझाएँ कि आपने 15 लिखा है क्योंकि 15 पक्षी पहले से थे और धन "+" 14 लिखा क्योकिं उसमें 14 और जुड़ गए।

अभ्यास

20 मिनट

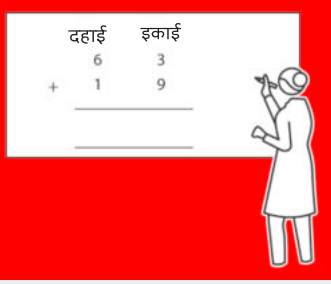

प्रश्न पढ़ें और विद्यार्थियों को हल करने के लिए कहें

सा.भा.कौ: इबारती प्रश्नों का हल सर्वप्रथम मौखिक रूप से करवाए। वास्तविक जीवन में जोड़ का उपयोगिता बतलाए।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में मदद करें। प्रश्न पढ़ें और विद्यार्थियों को हल करने के लिए कहें।
- एक टोकरी में 63 आलू और 19 प्याज हैं। टोकरी में कुल मिलाकर कितनी सब्जियां हैं?
  विद्यार्थियों को क्षैतिज संख्या लिखने के लिए प्रोत्साहित करें और फिर इसे लंबवत (ऊपर नीचे लिखकर) जोड़कर हल करने के लिए कहें।

- **प्रश्न:** आपने संख्याएँक्य ों जोड़ीं? जोड़/योग हमें क्या बताता है?
- कार्यपत्रक के प्रश्न 4 को हल करने में मदद करें। पानी में 11 बत्तख तैर रहे हैं। कितने और बतख उनके साथ जुड़ जाएँ ताकि पानी में 20 बतख तैर सकें।
- बता दें कि प्रश्न में विद्यार्थियों को छूटी हुई योज्य संख्या खोजने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को संख्या वाक्य 11 + _ = 20 लिखने के लिए प्रोत्साहित करें।
  विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 5 को हल करने में मदद करें। प्रश्न पढ़ें और विद्यार्थियों को हल करने के लिए कहें।

एक परिचित स्थिति/संदर्भ में समस्याओं को हल करने के लिए उपयुक्त संक्रिया की पहचान करते हैं।| ILM 5.19

1. एक आपके लिए किया गया है : एक समारोह हॉल में 35 पुरुष और 23 महिलाएं हैं। समारोह हॉल में कुल कितने लोग हैं ?

पुरुषों की संख्या = 35
महिलाओं की संख्या = 23
कुल लोगों की संख्या = ... + ...

	दहाई	इकाई
	3	5
+	2	3
=	5	8

उत्तर : 58 लोग

2. वाहन स्टैंड में 17 साइकिल और 15 मोटर साइकिल खड़ी हैं। स्टैंड में कितने वाहन हैं ?

17 +___

	दहाई	इकाई
+		
=		

3. एक टोकरी में 63 आलू और 19 प्याज हैं। टोकरी में कुल कितनी सब्जियाँ हैं ?

	दहाई	इकाई
+		
=		

4. पानी में 11 बत्तख तैर रहे हैं। कितने और बत्तख उनके साथ जुड़ जाएँ ताकि पानी में 20 बत्तख तैर सकें।

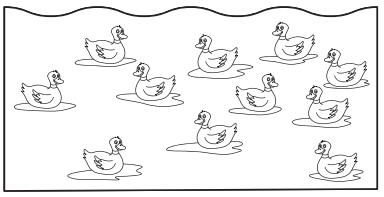

11 बत्तख + ... बत्तख = 20 बत्तख

5. एक खेत में 24 मुर्गियाँ हैं। 15 मुर्गियाँ एवं 10 बत्तख़ और खेत में आ जाते हैं। खेत में कितनी मुर्गियाँ हैं ?

पाठ योजना–7

"क्या करें–जोड़े या घटाएं"

ILM 5.19 | एक परिचित स्थिति/संदर्भ में समस्याओं को हल करने के लिए उपयुक्त संक्रिया की पहचान करते हैं।

शब्द समस्या (इबारती सवाल) को उधार के साथ और बिना उधार के हल करना सीखेंगें।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

25 मोती

1 कटोरी

ग़लत अवधारणा

समस्या को हल करने के लिए उपयोग किए जाने वाले संख्या संक्रियाओं की पहचान करने में विद्यार्थी त्रुटि कर सकते हैं। उनको पता है कि कैसे घटाना है लेकिन पता नहीं है कि कब घटाना है।

मुख्य शब्दकोश

खेल

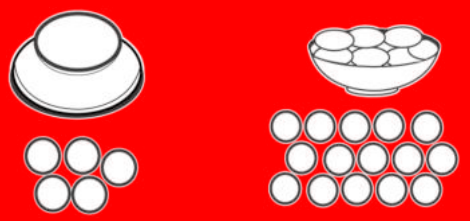

कितने छुपे हुए हैं?

- विद्यार्थियों को दिखाए बिना एक उल्टे कटोरे के नीचे 7 मोती रखें।
- विद्यार्थियों को एक उलटा कटोरा और 15 मोतियों को दिखाएँ।
- विद्यार्थियों को बताएं कि कुल 22 मोतियाँ हैं, 15 मेज पर हैं और बाकी कटोरे के नीचे छिपे हुए हैं।
- विद्यार्थियों से यह जानने के लिए कहें कि कटोरे के नीचे कितनी मोतिया छुपी हुई हैं?

- मोतियों की विभिन्न संख्या के साथ गतिविधि को दोहराएँ।

प्रश्न

आपको यह कैसे पता चला कि कटोरे के नीचे कितने मोती थे?

प्रक्रिया

शब्द समस्याओं पर आधारित संख्या वाक्य लिखना

- सवाल का वर्णन करें: "छत पर 22 बंदर हैं। 16 एक पेड़ पर कूद गए। छत पर कितने बंदर बचे हैं?"
- जोर दें कि हमें पता लगाना होगा कि जब कुछ बंदर पेड़ पर कूद गए उसके बाद छत पर कितने बंदर बचे।
- विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि जहां प्रश्न ऐसे घटनाओं का वर्णन करते हैं जहाँ वस्तुओं या जानवरों या व्यक्तियों को हटा दिया जाता है, उन्हें घटाव संख्या वाक्यों के रूप में लिखा जा सकता है।
- बोर्ड पर 22 लिखें और उससे16 घटा देंगे क्योंकि 16 बंदर चले गए हैं

- ऊर्ध्वाधर कलन विधि का उपयोग करके 22-16 को हल करें।
- प्रश्न का वर्णन करें: "छत पर 34 बंदर हैं। कुछ एक पेड़ पर कूद गए। अब छत पर 14 बंदर बचे हैं। कितने कूद गए"?
- समस्या को संख्या वाक्य के रूप में लिखें "34 - पेड़ पर बंदर = 14"
- विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि लापता वियोजक की गणना वियोज्य से अंतर को घटाकर की जाती है।

अभ्यास

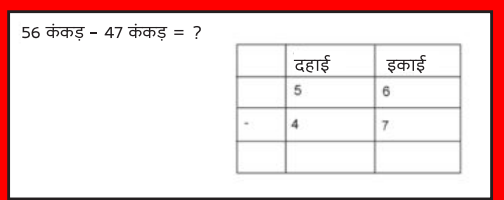

प्रश्न का वर्णन करें और विद्यार्थियों को उसे हल करने में उनकी मदद करें

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों को बतलाएं की फूल से ही फल बनते है, इसलिए इसे तोड़ कर बर्बाद न करें ।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में मदद करें। प्रश्न पढ़ें और विद्यार्थियों को हल करने के लिए कहें। "माया के पास 56 कंकड़ थे। उसने अपने भाई को 47 कंकड़ दिए। अब उसके पास कितने कंकड़ हैं?"

प्रश्न

यह एक घटाव समस्या या एक जोड़ की समस्या है? आपको कैसे मालूम?

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 4 की तरह नीचे के प्रश्न को हल करने में मदद करें। एक मेज पर 44 अंगूर हैं। कुछ नीचे गिर गए। अब 23 शेष हैं। कितने गिरे?
- समस्या के लिए संख्या वाक्य लिखने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें और फिर लापता वियोजक की गणना करें।

एक परिचित स्थिति/संदर्भ में समस्याओं को हल करने के लिए उपयुक्त संक्रिया की पहचान करते हैं।| ILM 5.19

1. एक आपके लिए किया गया है : तालाब में 18 बत्तख हैं। 12 उड़ गए। तालाब में कितने बत्तख़ बचे हैं ?

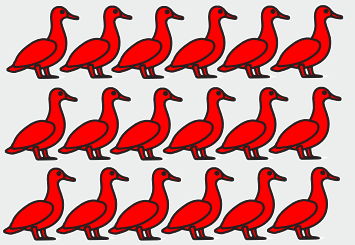

18 – 12 = 6

2. नीमा को 45 गुलाब मिले। उसने 12 गुलाबों से एक माला बनाई और अपनी चाची को दे दी। नीमा के पास अब कितने गुलाब हैं ?

45 – _____ = _____

3. माया के पास 56 कंकड़ थे। उसने अपने भाई को 47 कंकड़ दिए। अब उसके पास कितने कंकड़ हैं ?

_____ – _____ = _____

4. टीना के पास 31 पेंसिल हैं। राम ने उससे कुछ पेंसिल लीं। टीना के पास 23 पेंसिल हैं। राम ने कितनी पेंसिल लीं ?

31 – जितने राम ने लिये = 23

5. खुशबू के चाचा ने बांस की 23 टोकरियाँ बनाईं। उसने उनमें से 10 को बाजार में बेच दिया। अब उसके पास कितने बचे हैं ?

6. मेरे पास 45 सिक्के हैं। प्रीति के पास 67 सिक्के हैं। प्रीति के पास मेरे से ज्यादा कितने सिक्के हैं ?

"कैसा है पैसा"

ILM 5.20 | नोटों/सिक्कों का उपयोग करके 100 रूपये तक की राशि को दर्शाते हैं।

बच्चे उपलब्ध नोटों और सिक्कों (खिलौना वाला नोट और सिक्के) में दी गई राशि को दर्शा पाएँगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

नकली सिक्के - रू० 1, रू० 2, रू० 5, रू० 10

नकली नोट - रू० 10, रू० 20, रू० 50, रू० 100

ग़लत अवधारणा

मुख्य शब्दकोश

खेल

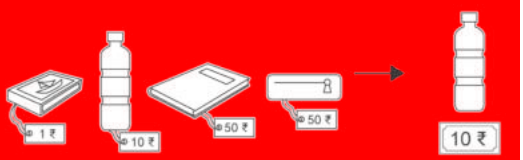

नकली नोट और सिक्कों का उपयोग करके वस्तुओं को ख़रीदना

- रोजमर्रा की वस्तुएँ जैसे - माचिस, पानी की बोतल, किताब, पेंसिल बॉक्स, आदि को रखें और प्रत्येक पर उसका मूल्य चिपकाएँ।
- विद्यार्थियों को 4 के समूह में विभाजित करें। प्रत्येक समूह को नकली मुद्रा नोट और सिक्के वितरित करें।
- प्रत्येक समूह को अपनी मेज पर आकर और नकली नोट और सिक्कों का उपयोग करके वस्तुएं खरीदने के लिए कहें।

शिक्षक के लिए बिंदु: सुनिश्चित करें कि प्रत्येक वस्तु की कीमत ऐसी हो जिससे विद्यार्थी किसी एक नोट / सिक्के का उपयोग करके भुगतान कर उसे खरीद सकें

प्रश्न

यदि आपने दो माचिस की डिब्बी खरीदी थी, तो आपको कितना पैसा देना होगा?

प्रश्न

यदि पानी की बोतल 15 रुपये कि थी तो आप कौन से नोट और सिक्के का उपयोग करेंगे?

प्रक्रिया

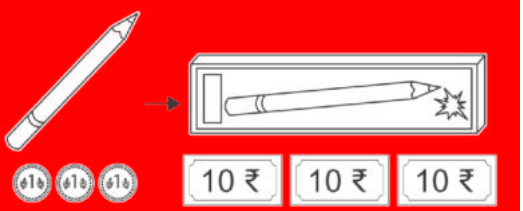

बड़ी धनराशि बनाने के लिए रु.10 और रु.1 के नोट का उपयोग करना

- एक पेंसिल दिखाएं और विद्यार्थियों को बताएं कि यह 3 रुपये की है।
- बताएं कि 3 रुपये के लिए कोई सिक्का या नोट नहीं होता है। इसलिए, आप 1 रुपये के सिक्के का उपयोग करके 3 रुपये बनायेंगे।
- तीन 1 रूपये के सिक्के दिखाएं और विद्यार्थियों को बताएं कि 1 + 1 + 1= 3 है, इसलिए तीन 1 रुपये के सिक्के 3 रुपये बनाते हैं।
- बताएं कि बड़े मूल्य बनाने के लिए अन्य सिक्कों और नोटों का भी एक साथ उपयोग किया जा सकता है।

इस बात पर जोर दें कि जैसे संख्याओं को जोड़ा जाता है उसी तरह मुद्रा को भी जोड़ा जा सकता हैं।

10 रुपये का नोट और 1 रुपये के सिक्के का चित्र बनाएं और समझाएं कि 10 + 1, 11 है इसलिए सिक्का और नोट मिलकर 11 रुपये बनाते हैं।

10 रुपए के 3 नोट का चित्र बनाएं और समझाएं कि 10 रुपए के 3 नोट 30 रुपये बनायेंगे।

प्रश्न: यदि मेरे पास रु. 5 के 2 नोट हैं तो मेरे पास कितनी धनराशि होगी?

क्या रु. 35 का नोट होता है? आप किन नोटों का उपयोग कर के रु. 35 बनायेंगे?

अभ्यास

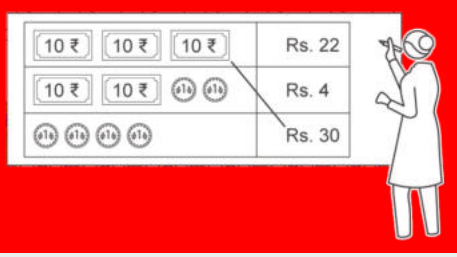

ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखें और विद्यार्थियों को हल करने के लिए कहें

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों को नोट और सिक्के का उपयोग बतलाए

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से चित्रों को देखने और उनके सही मूल्य के साथ मुद्रा नोटों का मिलान करने के लिए कहें।

- विद्यार्थियों को निम्न प्रश्न को हल करने में मदद करें।

प्रश्न

आप 10 रुपये में क्या खरीद सकते हैं?

प्रश्न

कौन सा ज्यादा है, 10 रुपये का सिक्का या 10 रुपये का नोट?

नोटों/सिक्कों का उपयोग करके 100 रूपये तक की राशि को दर्शाते हैं। | ILM 5.20

1. एक आपके लिए किया गया है : प्रत्येक सिक्के / नोट का मूल्य लिखें ?

2. इनमें से कौन सा चित्र 12 रुपये को दर्शाता है ?

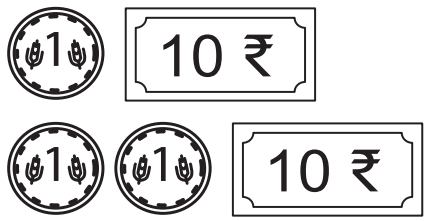

3. सिक्के और रुपये का उनके मूल्यों के साथ मिलान करें ?

10 ₹ 10 ₹ 10 ₹	Rs. 22
10 ₹ 10 ₹ 1 1	Rs. 4
1 1 1 1	Rs. 30

4. 10 रुपये के कितने नोट और 1 रुपये के कितने सिक्के मिलकर रु 70 बनेंगे ?

_____ _____

5. दूध के पैकेट की कीमत देखें और 10 रुपये और 1 रुपये के सही संख्या का चयन करें ?

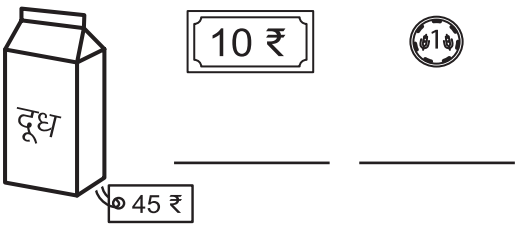

_____ _____

6. इन वस्तुओं की कीमत का पता लगाएँ और यह लिखें कि इसे खरीदने के लिए 10 रुपये के कितने नोट और कितने 1 रुपये के सिक्के की आवश्यकता होगी ?

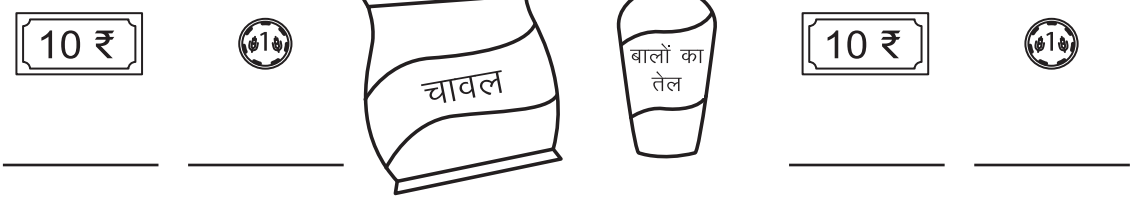

_____ _____ _____ _____

"खंभा है लंबा"

ILM 5.21 | समान अमानक इकाइयों का उपयोग करके लंबाई/दूरी का अनुमान लगाते हैं और मापते हैं।

बच्चे पेंसिल, माचिस की तीलियों, पाठ्यपुस्तकों, छड़ियों आदि का उपयोग करके वस्तुओं की लंबाई (जैसे खिड़की, दरवाजा, मेज, ब्लैकबोर्ड, कांच, बाल्टी, हाथ, बाल, पैर आदि) को माप पाएँगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

एक गिलास
एक मेज
एक नोटबुक

ग़लत अवधारणा

नहीं है

मुख्य शब्दकोश

लम्बाई

खेल

गैर-मानक इकाइयों में वस्तुओं का मापन

एक विद्यार्थी को बुलाएं और उसे कक्षा की चौड़ाई का मापन अपने क़दमों से करने के लिए कहें।

प्रश्न

क्या आपको लगता है कि कक्षा की लंबाई, चौड़ाई से बड़ी है?

उसी विद्यार्थी से कक्षा की लंबाई का मापन अपने कदमों से करने के लिए कहें।

प्रश्न

कक्षा से स्कूल का द्वार कितने कदम की दूरी पर है?

आप अपने कक्षा की लंबाई का मापन करने के लिए और क्या उपयोग कर सकते हैं?

प्रक्रिया

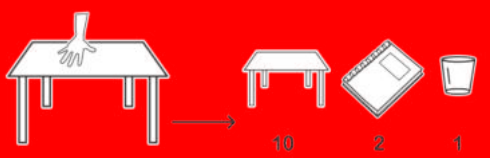

गैर मानक इकाईयों से वस्तुओं का मापन और तुलना करना

अपने बित्ते का उपयोग करके एक गिलास, मेज और एक नोटबुक की लंबाई का मापन करें।

जोर दें कि मापन वस्तु के एक किनारे से शुरू होनी चाहिए और दूसरे किनारे पर समाप्त होनी चाहिए। जोर दें कि लगातार बित्तों के बीच कोई अंतराल नहीं होना चाहिए।

ब्लैकबोर्ड पर उनके माप लिखें और सबसे लंबी और छोटी वस्तु का नाम दें। इन वस्तुओं का नाम उनकी घटती लंबाई के क्रम अनुसार करें।

बता दें कि आपने मेज को सबसे पहले रखा है क्योंकि इसके मापन में सबसे ज्यादा संख्या में बित्ते की आवश्यकता है।

बताएं कि कमरे की लंबाई और गलियारे की तुलना करने के लिए हम दोनों का क़दमों से मापन कर सकते हैं। जिसके मापन में ज्यादा क़दमों की आवश्यकता होगी वह अधिक लंबा होगा।

बताएं कि छोटी वस्तुओं की तुलना बित्ते या उंगलियों के इस्तेमाल से की जा सकती है।

इस बात पर जोर दें कि हमारे चारों ओर की वस्तुओं की लंबाई का मापन और तुलना करने के लिए उंगलियों, बित्ते, कदम, माचिस की तिल्ली आदि का उपयोग किया जा सकता है।

प्रश्न: किस गैर-मानक इकाई में आप अपनी ऊँचाई का मापन करेंगे?

बित्ते में आपके मेज की लंबाई क्या होगी?

अभ्यास

वस्तुओं का मापन करना

सा.भा.कौ: लंबाई और ऊँचाई का अनुमान लगाने का अभ्यास करवाए।

विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को अपनी उंगलियों का उपयोग करके नीचे दिखाए गए मीनारों का मापन करने के लिए कहें और बढ़ते क्रम में उन्हें संख्या से निर्दिष्ट करें।

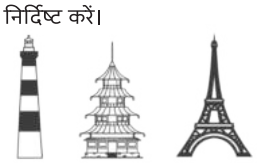

एक अंगुल माप का चित्र दें | दोअंगुल माप का चित्र दें | तीनअंगुल माप का चित्र दें

जोर दें की सबसे लम्बी मीनार को संख्या 1 और सबसे छोटी मीनार को संख्या 3 पर रखा जायेगा।

प्रश्न

चित्र में दी गयी मीनारों की लम्बाई की तुलना करने के लिए आप और किस चीज़ का प्रयोग कर सकते हैं।

विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 4 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से यह पता करने के लिए कहें कि यह पृष्ठ कितनी उंगलियों के बराबर लंबी है?

समान अमानक इकाइयों का उपयोग करके लंबाई/दूरी का अनुमान लगाते हैं और मापते हैं। |ILM 5.21

1. एक आपके लिए किया गया है : नीचे की तालिका को भरें :

क्र. सं.	वस्तु	इसका मापन करने के लिए आप किस का प्रयोग करेंगे
1.		उंगलियाँ
2.		
3.		

2. जानवरों को उनकी ऊंचाई के आधार पर घटते क्रम में व्यवस्थित करें।

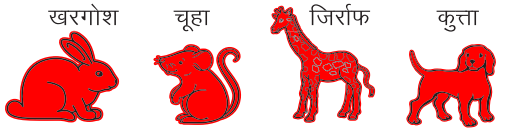

सबसे छोटा सबसे बड़ा

_____ → _____ → _____ → _____

3. अपनी उंगलियों का उपयोग करके नीचे दिखाए गए मीनारों का मापन करें और बढ़ते क्रम में उन्हें संख्या से निर्दिष्ट करें।

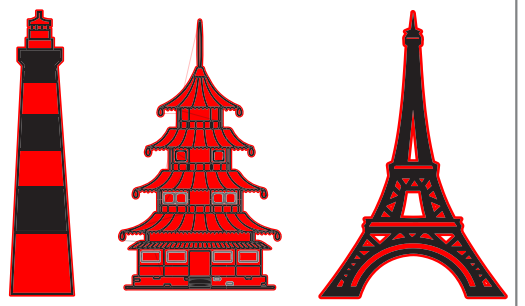

4. निम्न की लम्बाई मापें :

a.

b. यह पृष्ठ

5. इस रेखा की लम्बाई अपनी उंगली से मापें और इससे एक उंगली लम्बी रेखा खींचे।

'त' से तराजू तौलता है

ILM 5.22 | साधारण तुला का प्रयोग करके भारी/हल्के के रुप में वस्तुओं की तुलना करते हैं।

बच्चे दिए गए दो वस्तुओं को बिना मापे अनुमान लगा पाएँगे कि किसका भार अधिक है । उदाहरण: अनुमान लगाएं कि "फुटबॉल टेनिस बॉल से भारी है")

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

पत्थर

कागज की गेंद

ग़लत अवधारणा

विद्यार्थियों को यह गलतफहमी हो सकती है कि भारी वस्तुएं हमेशा आकार में बड़ी होती हैं।

मुख्य शब्दकोश

खेल

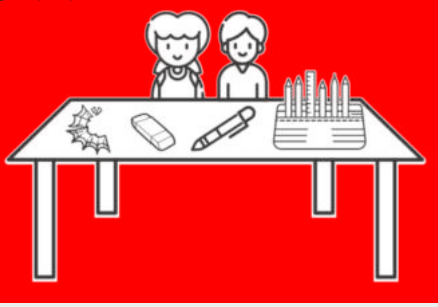

भारी और हल्की वस्तुएं

- विद्यार्थियों को दो-दो के समूह में विभाजित करें।
- प्रत्येक जोड़े से एक विद्यार्थी को अपनी पेंसिल को थोड़ा छिलने और उसके छिलके को इकट्ठा करने के लिए कहें।
- जोड़े में दूसरे विद्यार्थी को छिलके से भारी किसी भी एक चीज़ को खोज कर लाने के लिए कहें।
- पहले विद्यार्थी से अपने साथी द्वारा लाई गई वस्तु से भारी वस्तु खोजने के लिए कहें।
- 3-4 बार खेल की इस गतिविधि को दोहराएँ।

प्रश्न

किसी ऐसी चीज का नाम बताएँ जो पेंसिलके छिलके से हल्की हो।

प्रक्रिया

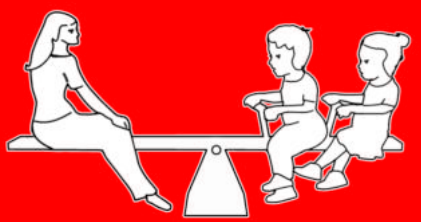

वस्तुओं की तुलना उसके वजन से करना

- संतुलन झूला बनाएं और उसमें कुछ तस्वीर को दिखाएँ। विद्यार्थियों को बताएं कि चित्र में एक माँ और उसके दो बच्चों को एक संतुलित झूले पर दिखाया गया है।
- बता दें कि मां का वजन उसके दो बच्चों के वजन के बराबर है। बता दें कि एक साथ कई हल्की चीजें किसी भारी चीज के वजन के बराबर हो सकती हैं।
- बता दें कि एक हाथी का वजन दस बड़े पेड़ों के वजन के बराबर हो सकता है। एक पत्थर और एक क़ागज का गेंद दिखाएं। विद्यार्थियों से यह अनुमान लगाने के लिए कहें कि कौन सा भारी है।
- विद्यार्थियों को बताएं कि हालांकि क़ागज का गेंद और पत्थर लगभग समान आकार के होते हैं, क़ागज का गेंद बहुत हल्का होता है।
- बता दें कि एक साथ रखी गई कई क़ागज के गेंद का वजन एक पत्थर के वजन के बराबर हो सकता है । जोर दें कि हमारे आस-पास की वस्तुओं की तुलना उनके वजन से की जा सकती है।
- भारी वस्तुओं के भार को बराबर करने के लिए हल्की वस्तुओं को एक साथ जोड़ा जा सकता है। इस बात पर पुनः जोर दें कि हल्की वस्तुएं जरूरी नहीं कि छोटी हों।

प्रश्न: किसी भी एक वस्तु का नाम बताएँ जो 10 नहाने के साबुन के वजन के बराबर हो?

प्रश्न: किसी ऐसी चीज़ का नाम बताएँ जो छोटी हो लेकिन उसका वजन तकिये से ज्यादा हो?

अभ्यास

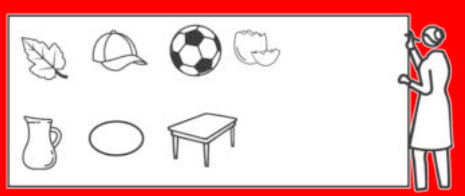

वस्तुओं को भारी या हल्के के रूप में वर्गीकृत करना

सा.भा.कौ: सभी विद्यार्थी समान रूप से नहीं सीख पाते है इसलिए, उनके अनुरूप गतिविधियाँ करवाएं।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 2 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से एक चम्मच की तुलना में नीचे की वस्तुओं को भारी या हल्के के रूप में वर्गीकृत करने के लिए कहें।

प्रश्न

आपको कैसे पता चला कि कौन सी वस्तु भारी है?

प्रश्न

क्या सभी वस्तुएं एक चम्मच से अधिक भारी होती हैं?

- बता दें कि एक चम्मच से भारी कुछ वस्तुओं का वजन समान नहीं होता है। एक मेज एक घड़े से भारी है।

साधारण तुला का प्रयोग करके भारी/हल्के के रुप में वस्तुओं की तुलना करते हैं I | ILM 5.22

1. एक आपके लिए किया गया है : भारी वस्तु पर गोल घेरा लगाएँ

2. नीचे दी गई तालिका में निम्न वस्तुओं को एक चम्मच से भारी या हल्का के रूप में वर्गीकृत करें

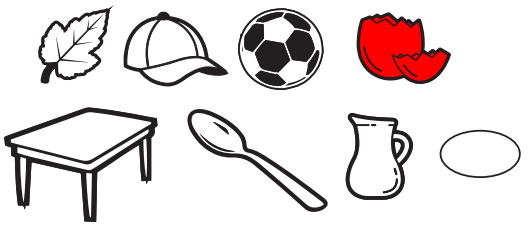

3. कौन सा हल्का है ?

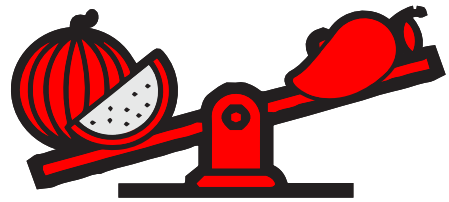

4. तुलना करें, अनुमान लगाएँ और रिक्त स्थान भरें :

a. का वजन .....

b. का वजन .....

c. का वजन .....

5. 10 के सिक्के के वजन के बराबर 1 रुपये के कितने सिक्के होंगे ?

6. पानी से भरे कितने गिलास पानी से भरी बाल्टी के वजन के बराबर होंगे ?

पाठ योजना–11

"घूमे चरखी गोल–गोल"

ILM 5.25 | बुनियादी 2D आकृतियों उसके आस-पास की अन्य आकृतियों की पहचान और वर्णन करते हैं।

बच्चे कुछ ठोस वस्तुओं का उपयोग करके 2D आकृतियों को ट्रेस कर पाएँगे (उदाहरण: पाठ्यपुस्तक का उपयोग करके आयत बनाएं, चूड़ी का उपयोग करके वृत्त बनाएं)

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

छड़ी

वृत्त, वर्ग, आयत और त्रिभुज के कटआउट

ग़लत अवधारणा

विद्यार्थियों को सामान्य द्वि-आयामी (2 डी) आकृतियों को पहचानने में कठिनाई हो सकती है जब अमानक (ग़ैर-मानक) अभिविन्यास में प्रस्तुत किया जाता है।

मुख्य शब्दकोश

त्रिभुज, वर्ग, आयत

खेल

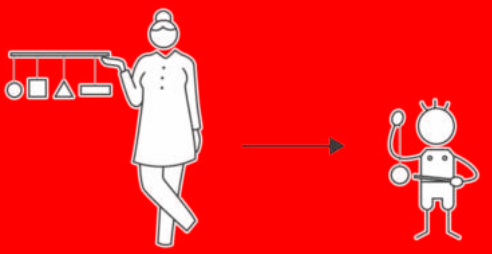

समान आकृति का मिलान करना

- एक त्रिभुज, एक आयत और एक वृत्त को छड़ी पर उपयुक्त अंतराल के साथ लटकाएं।
- एक विद्यार्थी को एक त्रिभुज दें और छड़ी से एक समान आकृति चुनने के लिए कहें।
- एक वृत्त दिखाएं और विद्यार्थियों से पूछें कि यह किस आकृति के समान है।
- उनसे प्रतिक्रियाएँ लें और उन्हें सही आकृति दिखाएँ।

प्रश्न

छड़ी पर चार कोनों वाली कितनी आकृतियाँ हैं?

प्रश्न

छड़ी पर कितनी ऐसी आकृतियाँ हैं जिनके चार से कम भुजाएं हैं?

शिक्षक के लिए बिंदु

आकृतियाँ सभी विद्यार्थियों को दिखाई देनी चाहिए ताकि वे दो आकृतियों को आसानी से मिला सकें।

प्रक्रिया

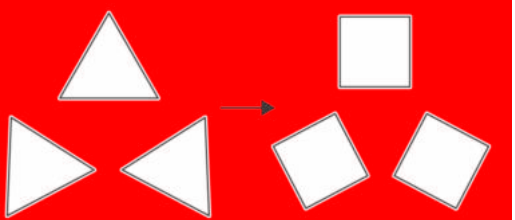

द्वि-आयामी (2 डी) आकृतियों का मिलान

- एक वृत्त, एक त्रिभुज, एक आयत और एक वर्ग का चित्र ब्लैकबोर्ड पर बनाएं और उसके नीचे प्रत्येक आकृति का नाम लिखें।
- ब्लैकबोर्ड के करीब एक त्रिकोणीय आकार लें जाएँ, इसके भुजाओं को इंगित करें और बताएं कि यह त्रिभुज के साथ मेल खाता है। जोर दें कि त्रिभुज की 3 भुजाएँ होती हैं।
- त्रिभुज के कटआउट को घुमाएं और समझाएं कि आकार अभी भी त्रिकोणीय है।
- बोर्ड के करीब एक वृत्त के आकार को लें जाएँ। वृत्त की ओर इशारा करें और समझाएं कि दोनों वृत्त गोल हैं बिना किसी कोनों के।

- एक वर्ग के आकार को बोर्ड के करीब ले जाएं, उसके किनारों को इंगित करें और बताएं कि यह चार समान भुजाओं वाले वर्ग के साथ मेल खाता है।
- एक आयताकार आकृति को बोर्ड के करीब लें जाएं, इसके कोनों को इंगित करें और बताएं कि यह चार कोने वाले आयत से मेल खाता है।
- इस बात पर जोर दें कि सभी त्रिभुज एक दूसरे की तरह दिखते हैं। यही बात सभी आयत, वृत और वर्ग पर भी लागू होती है।
- **प्रश्न:** क्या एक बड़ा त्रिभुज छोटे त्रिभुज के समान होगा? आपके किताब के पन्नों का आकार किस आकृति से मिलता है?

अभ्यास

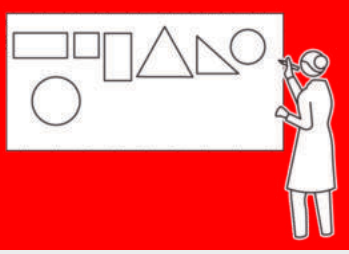

आकृतियों का चित्र बनाएँ और विद्यार्थियों से सभी वृत और वर्ग को पहचाने के लिए कहें

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों को "अनुमान लगाने" के बारे में बतलाएं।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में की मदद करें। नीचे दिखाए गए प्रत्येक आकृति के अंदर विद्यार्थियों को उस आकृति का नाम लिखने के लिए कहें।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 4 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को संकेत/ निर्देशों के अनुसार आकृतियों को रंगने के लिए कहें।

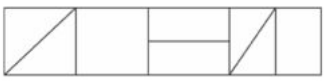

- एक अंडाकार, समलम्ब और एक अनियमित आकृति बनाएं और इस बात पर ज़ोर दें कि ये आकृति क्रमशः वृत्त, त्रिकोण और वृत्त नहीं हैं।
- जोर दें कि एक ही आकृति की वस्तुओं के अलग-अलग आकार और अभिविन्यास हो सकते हैं लेकिन अगर उनके किनारे अनियमित या घुमावदार बने होते हैं तो आकृति समान नहीं रह जाते है।

बुनियादी 2D आकृतियों उसके आस-पास की अन्य आकृतियों की पहचान और वर्णन करते हैं। | ILM 5.25

1. एक आपके लिए किया गया है : उस आकृति को चिह्नित करें जो दूसरों के साथ मेल नहीं खाती हैं।

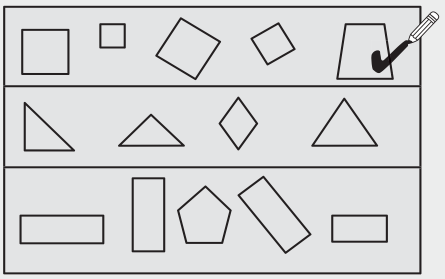

2. सही वाक्य के सामने "सही" का निशान लगाएँ :

1	ये एक वर्ग है	
2	ये एक वृत्त है	
3	आयत की चार बराबर भुजाएं होती हैं	

3. नीचे दिखाए गए प्रत्येक आकृति के अंदर उस आकृति का नाम लिखें

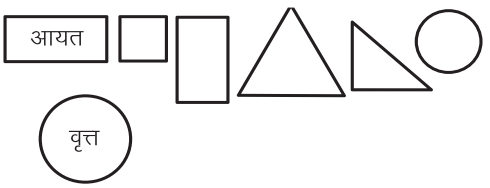

4. संकेत के अनुसार आकृतियों में रंग भरें

रंग भरें :

क. सभी त्रिकोण लाल करें

ख. सभी आयत हरा करें

ग. सभी वर्ग पीला करें

5. यह त्रिभुज हैं। दो और त्रिभुज बनाएँ।

6. यदि हम एक त्रिकोण, एक आयत, एक वृत्त और एक वर्ग को दो श्रेणियों में वर्गीकृत करते हैं, तो वृत्त अपनी श्रेणी में अकेला होगा। क्यों ?

"हर दिन आता वार है।"

ILM 5.29 | कैलेण्डर का उपयोग करके अपने दैनिक जीवन की घटनाओं में सप्ताह के दिनों और वर्ष के महीनों की पहचान करते हैं।

बच्चे सप्ताह के दिनों के नाम और वर्ष के महीनों के नाम क्रम से याद करके बोल पाएँगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

कैलेन्डर

ग़लत अवधारणा

नहीं है

मुख्य शब्दकोश

सप्ताह के दिनों नाम

खेल

सप्ताह के दिनों के नाम को नाटक के माध्यम से पुनः याद करना

- विद्यार्थियों को बताएं कि जब आप ताली बजाते हैं, तो उन्हें अपनी आँखें बंद कर लेनी चाहिए और रात के समय का नाटक करना चाहिए।
- जब आप कहते हैं "सुप्रभात" हर किसी को अपनी आँखें खोल लेनी चाहिए। ब्लैकबोर्ड पर दिन का नाम लिखें। सोमवार को रेखांकित करें और सभी को बताएं कि यह सोमवार है।
- ताली बजाएं और विद्यार्थियों को रातके समय का नाटक करने के लिए कहें और उन्हें अपनी आँखें बंद करने के लिए कहें।
- सुप्रभात कहें और विद्यार्थियों को बताएं कि अब यह अगला दिन है। बोर्ड को देखें और विद्यार्थियों को बताएं की अब मंगलवार है।

- मंगलवार के बारे में कुछ अनोखा उल्लेख करें जो विद्यार्थियों को पता हो जैसे कि " बाजार मंगलवार को बंद रहता है" या"हमें मंगलवार को दोपहर के भोजन में सोयाबीन मिलता है"।
- फिर से ताली बजाएं और विद्यार्थियों को रात के समय का नाटक करने के लिए कहें। शेष सभी कार्य दिवसों के लिए गतिविधि को दोहराएं।

शिक्षक के लिए बिंदु: प्रत्येक सप्ताह के बारे में बात करने के लिए भोजनालय / मिड डे मील, साप्ताहिक स्थानीय हाट / बाजार में उपलब्ध भोजन या किसी भी सामान्य उपवास / अनुष्ठान का उपयोग किया जा सकता है।

प्रक्रिया

रविवार, सोमवार, रविवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार

एक सप्ताह में दिनों का क्रम

- विद्यार्थियों को किसी भी एक महीने के लिए एक कैलेंडर दिखाएँ और दिनों के नाम की ओर इंगित करें।
- दिनों के नाम पुकारें, गिनें और बताएं कि एक सप्ताह में 7 दिन होते हैं।
- बता दें कि 7, सप्ताह के दिनों को उसी क्रम में दोहराया जाता है।
- बोर्ड पर दिनों के नाम रविवार से शुरू होने वाले क्रम में लिखें और उनके नाम पढ़ें।

- उस दिन के नाम (बोलें - बुधवार) को इंगित करें और विद्यार्थियों को बताएं कि आज बुधवार है।
- उसी क्रम में अगले दिन (गुरुवार) की ओर इंगित करें और बताएं कि कल गुरुवार होगा।
- क्रम में पिछले दिन (मंगलवार) की ओर इंगित करें और बताएं कि कल मंगलवार था।
- संक्षेप में कहें कि आज वह दिन है जो प्रगति में है, कल पिछला दिन था और आनेवाला कल अगला दिन है।

अभ्यास

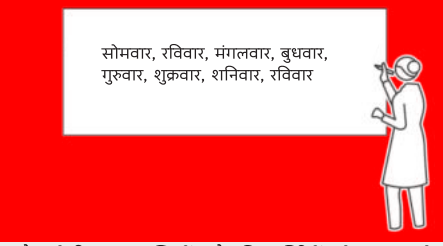

ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखें और विद्यार्थियों को हल करने में मदद करें

सा.भा.कौ: किस दिन क्या खास होता है? इसकी चर्चा विद्यार्थियों के साथ करें। जैसे:- रविवार को स्कूलों में छुट्टी होती है।

- विद्यार्थियों को निम्नलिखित प्रश्न को हल करने में की मदद करें। विद्यार्थियों से यह पता लगाने के लिए कहें कि सप्ताह के कौन से दिन गायब हैं?

बीता हुआ कल	आज	आने वाला कल
		बुधवार
		सोमवार

सोमवार	शुक्रवार
मंगलवार	शनिवार
बुधवार	रविवार
गुरुवार	

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 2 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को दिए गए दिन से पहले और दिन के बाद के दिनों की पहचान करने के लिए कहें।

कैलेण्डर का उपयोग करके अपने दैनिक जीवन की घटनाओं में सप्ताह के दिनों और वर्ष के महीनों की पहचान करते हैं।| ILM 5.29

1. एक आपके लिए किया गया है : निम्नलिखित तालिका को पूरा करें :

क्र.सं.	बीता हुआ कल	आज	आने वाला कल
1	गुरूवार	शुक्रवार	शनिवार
2	रविवार	सोमवार	.....
3	.....	.....	गुरूवार

2. रिक्त स्थान को भरें अगर आज..... है तो कल कौन सा दिन होगा और कल कौन सा दिन था :

बीता हुआ कल	आज	आने वाला कल
	बुधवार	
	सोमवार	
	गुरूवार	

3. क्रम को पूरा करें :

सोमवार, रविवार, मंगलवार, बुधवार,

4. जो दिन अपने सही स्थान पर नहीं है उस पर निशान लगाएँ ?

सोमवार, मंगलवार, बुधवार, मंगलवार, शुक्रवार, गुरुवार, शनिवार, रविवार

5. एक सप्ताह तक आपने नाश्ते में क्या खाया उसका अभिलेखीकरण करें :

सप्ताह के दिन का नाम है ..... और मैंने खाया .....

सप्ताह के दिन का नाम है ..... और मैंने खाया .....

सप्ताह के दिन का नाम है ..... और मैंने खाया .....

सप्ताह के दिन का नाम है ..... और मैंने खाया .....

सप्ताह के दिन का नाम है ..... और मैंने खाया .....

सप्ताह के दिन का नाम है ..... और मैंने खाया .....

सप्ताह के दिन का नाम है ..... और मैंने खाया .....

8.3 गणित के सीखने के प्रतिफल और उसके साथ बिहार राज्य की पाठ्यपुस्तक का मिलान (कक्षा–3)

कक्षा 3				
लक्ष्य	**डोमेन**	**सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)**	**सीखने का उद्देश्य**	**पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या**
1. बुनियादी 2–D आकृतियों और 3–D आकृतियों (ठोस आकृतियाँ) का पहचान करना और दोनों में संबंध देखना। 2. बुनियादी 2–D और 3–D आकृतियों और उनके गुणों जैसे फलक, किनारों और कोनों के संख्या का वर्णन करना। 3. 1 से 9999 तक की संख्याएँ पढ़ते और लिखते हैं। 4.दैनिक जीवन के 999 तक की संख्याओं का जोड़– घटाव की समस्या का हल करते हैं (संख्याओं का योग 999 से ज्यादा नहीं हो)।	आकृतियाँ एवं स्थानिक समझ	**IL 6.2a** अपने घर एवं स्कूल के आसपास की चीजों, संकेतों, एवं क्रियाकलापों को पहचानते हैं।	**बच्चे** a) वस्तुओं का उनके गुणों के आधार पर वर्णन कर पाएंगे। b) साझा किए गए गुणों के आधार पर वस्तु की पहचान कर पाएंगे। c) वस्तुओं को उनके 2–D रूपों में पहचान पाएंगे। d) कक्षा की तरह एक साधारण नक्शा को पढ़ पाएंगे और उनका वर्णन कर पाएंगे। जैसे 'बताओ वह कहाँ बैठता है'। e) संकेत के अर्थ को चित्रित कर पाएंगे और अपने विचारों को संप्रेषित करने के लिए संकेत भी विकसित कर पाएंगे। f) दी गई दो वस्तुओं/चित्रों में उनके गुणों के आधार पर अंतर और समानताएँ साझा कर पाएंगे। g) वस्तुओं को उनके गुणों के आधार पर छाँट पाएंगे। h) दिए गए मानदंडों के आधार पर वस्तुओं को वगीकृत कर पाएंगे। I) उन आधारों की पहचान कर पाएंगे जिन पर वस्तुओं को वगीकृत और प्रदर्शित किया गया है।	–

कक्षा 3

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या
5. 2 से 10 तक की संख्याओं का गुणन तथ्यों (पहाड़ा) का निर्माण और उपयोग करते हैं तथा विभाजन तथ्यों का भी उपयोग करते हैं। 6. वस्तुओं के संग्रह में से आधे, एक–चौथाई, तीन–चौथाई को पहचान पाते हैं। 7. मानक इकाइयों जैसे मीटर, सेंटीमीटर, ग्राम, किलोग्राम, लीटर, मिलीलीटर आदि की मदद से लम्बाई/दूरी/धारिता (अँटना/क्षमता) का अनुमान लगाना और सामान्य तराजू (संतलुन) से वजन की तुलना करते हैं।		**IL 6.3a** अलग–अलग समय में देखी गई वस्तुओं में से अधिकाधिक वस्तुओं का स्मरण/पुन:स्मरण तथा उनका वर्णन करते हैं।		–
		IL 6.3b दी गई वस्तुओं/चित्रों की तुलना करते हैं तथा उनकी समानताओं/अंतरों का वर्णन करते हैं।		–
		IL 6.5 विभिन्न श्रेणियों के वस्तुओं/चित्रों की तुलना और वर्गीकरण करते हैं और वर्गीकरण के लिए उपयोग किए गए गुणों का वर्णन करते हैं।		–
		IL 6.7 घटनाओं को उनकी अवधि के अनुसार दिनों/घंटों और मिनटों के रूप में क्रम से बताते हैं।		–
		IL 6.8 a दिन प्रतिदिन की परस्थितियों और समूह में समस्या समाधान करते हैं।	**बच्चे**– a) दैनिक जीवन के ऐसी स्थितियों की पहचान कर पाएंगे जहाँ वे संख्या, संक्रिया और स्थानिक समझ का संबंध जोड़ पाएंगे। b) संख्या, संक्रिया और स्थानिक समझ से संबंधित सवालों का समूह में एवं खुद से निर्माण कर पाएंगे।	–

कक्षा 3

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या
	संख्या ज्ञान और संक्रियाएँ	**IL 6.6** क्रमसूचक संख्याओं, आरोही – अवरोही संख्या, संख्या पैटर्न मे क्रमबद्धता लागू करते हैं।		IL 6.6 पृष्ठ संख्या 25 29 30 33 34 3 5
		ILM 6.9 दस–दस एवं सौ–सौ के समूहों में एक हजार तक वस्तुओं की गिनती करते हैं।	**बच्चे** a) 1000 तक के संख्यानाम क्रम से बोल पाएंगे। b) 1000 तक के दिए गए ठोस वस्तुओं को 100 और 10 समूहों में जमा पाएंगे। c) 1000 तक के दिए गए चित्रों को 100 और 10 समूहों में जमा पाएंगे। d) 1000 तक के ठोस वस्तुओं का गिनती कर पाएंगे। e) 1000 तक के चित्रों की गिनती कर पाएंगे।	IL 6.9 पृष्ठ संख्या 29 30 31 32 34 3 5
		ILM 6.10 किसी संख्या विशेष से 999 तक उल्टे और सीधे क्रम में गिनती कर सकते हैं।	**बच्चे** a) किसी विशेष संख्या से 999 तक आगे की ओर गिन पाएंगे। b) 999 तक की किसी विशेष संख्या से पीछे की ओर गिन पाएंगे।	ILM 6.10 पृष्ठ संख्या 29 35

कक्षा 3

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या
		ILM 6.11 9999 तक संख्या एवं संख्यानामों को स्थानीय मान का प्रयोग करते हुए, पढ़ते–लिखते हैं।	**बच्चे** a) 9999 तक की संख्या नाम क्रम से बोल पाएंगे। b) 9999 तक दी गई ठोस वस्तुओं को 1000, 100 और 10 समूहों में जमा पाएंगे। c) 9999 तक की ठोस वस्तुओं को गिन पाएंगे। d) 9999 तक की वस्तुओं के चित्र को गिन पाएंगे। e) 9999 तक की संख्याओं को सांकेतिक रूप में और शब्दों में लिख पाएंगे। f) 9999 तक की संख्याओं को विस्तारित रूप में लिख पाएंगे।	–
		ILM 6.13 तीन अंकों की सबसे बड़ी तथा सबसे छोटी संख्याओं का निमार्ण एवं तुलना करते हैं। (दिए गए अंक को दोहराकर और बिना दोहराये)।	**बच्चे** a) 9999 तक दी गई संख्याओं का तुलना कर पाएंगे और उनमें से सबसे बड़ी और सबसे छोटी संख्या का पहचान कर पाएंगे। b) 4 अंकों का उपयोग करके सबसे बड़ी और सबसे छोटी संख्या बना पाएंगे (दिए गए अंकों का दोहराव और बिना दोहराव के साथ)।	ILM 6.13 पृष्ठ संख्या 25–26 27–28 29–30 31–32 33–34

कक्षा 3

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या
		ILM 6.12 जोड़ घटाव एवं गुणा में शून्य के गुणधर्म लागू करते हैं।	**बच्चे** a) 9999 तक की कोई भी संख्या में शून्य को जोड़ पाएंगे। b) इस तथ्य को स्पष्ट कर पाएंगे कि शून्य में किसी भी संख्या को जोड़ने पर वही संख्या प्राप्त होती है। c) 9999 तक की कोई भी संख्या में से शून्य को घटा पाएंगे। d) इस तथ्य को स्पष्ट कर पाएंगे कि किसी भी संख्या में से शून्य को घटाने पर वही संख्या प्राप्त होती है। e) 9999 तक की कोई भी संख्या में शून्य को गुणा कर पाएंगे। f) इस तथ्य को स्पष्ट कर पाएंगे कि किसी भी संख्या को शून्य से गुणा करने पर शून्य प्राप्त होती है।	–
		ILM 6.14 जोड़ के मानक एल्गोरिदम को समझते हैं तथा दैनिक जीवन की स्थिति एवं समस्या के समाधान में इसे लागू करते हैं। (संख्याओं का योग 999 से ज्यादा न हो)।		ILM 6.14 पृष्ठ संख्या 39 40 41 42 43 44 45

कक्षा 3

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या
			d) दो या दो से अधिक संख्याओं को पुनः समूहीकरण करके सांकेतिक रूप से जोड़ पाएंगे (योग 999 से अधिक नहीं हो)। e) दो या दो से अधिक संख्याओं को मन में जोड़ पाएंगे (योग 999 से अधिक नहीं हो) और जोड़ने के रणनीतियों को भी व्यक्त कर पाएंगे। f) दिए गए गलत जोड़ के हल में त्रुटि की पहचान कर पाएंगे। g) जोड़ के विभिन्न संदर्भों (एकात्रीकरण और वृद्धि) को शामिल करते हुए इबारती सवालों को हल कर पाएंगे। (योग 999 से अधिक न हो)।	
		ILM 6.15 999 तक की संख्याओं के घटाव के लिए मानक एल्गोरिदम को समझते हैं और दैनिक जीवन की साधारण समस्याओं/स्थितियों को हल करने के लिए उन्हें लागू करते हैं।	**बच्चे** a) दो या अधिक संख्याओं का घटाव ठोस वस्तुओं का उपयोग करके कर पाएंगे (योग 999 से अधिक न हो)। b) दो या अधिक संख्याओं का घटाव वस्तुओं के चित्र का उपयोग करके पाएंगे (योग 999 से अधिक न हो)। c) दो या दो से अधिक संख्याओं को पुनः समूहीकरण किए बिना सांकेतिक रूप से घटा पाएंगे (योग 999 से अधिक न हो)।	ILM 6.15 पृष्ठ संख्या 41 42 43 44 45

कक्षा 3

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या
			d) दो या दो से अधिक संख्याओं को पुनः समूहीकरण करके सांकेतिक रूप से घटा पाएंगे (योग 999 से अधिक न हो)। e) दो या दो से अधिक संख्याओं का मन में घटाव कर पाएंगे (योग 999 से अधिक न हो) और घटाने के रणनीतियों को भी व्यक्त कर पाएंगे। f) दिए गए गलत घटाव के कथन में त्रुटि की पहचान कर पाएंगे।	
		ILM 6.16 तीन अंकीय संख्याओं में जोड़ एवं घटाव के संबंधों को लागू करते हैं।	**बच्चे** a) दिए गए दो या दो से ज्यादा संख्याओं के जोड़ के कथन में छूटे हुए संख्या की पहचान कर पाएंगे (योग 999 से अधिक न हो)। b) दिए गए दो या दो से ज्यादा संख्याओं के घटाव के कथन में छूटे हुए संख्या की पहचान कर पाएंगे (योग 999 से अधिक न हो)।	–
		ILM 6.17 5 से 10 तक की संख्याओं के गुणन तथ्य (पहाड़े) का निमार्ण करते हैं तथा अपने दैनिक जीवन में उन्हें प्रयोग करते हैं।	**बच्चे** a) दिए गए गुणन संक्रिया को बार–बार जोड़ के रूप में लिख पाएँगे। उदाहरणार्थ : 2 * 6 = 6 + 6 b) 5 से 10 तक की संख्याओं का पहाड़ा बना पाएंगे।	ILM 6.17 पृष्ठ संख्या 48 49 50 51 52 53

कक्षा 3

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या
			c) 5, 6, 7, 8 और 9 के पहाड़ों का इस्तेमाल करते हुए सरल इबारती सवालों को हल कर पाएँगे। d) 2, 3 और 4 के पहाड़ों का इस्तेमाल करते हुए सरल इबारती सवालों का निमार्ण कर पाएँगे।)	
		ILM 6.18 एक समान समूहन के रूप में भाग तथ्य का अर्थ समझते हैं और बार–बार घटाव करके इसे प्रदर्शित करते हैं। (जैसे 12÷3 में 3 के कितने समूह बनते हैं और 12 में से 3 को बार–बार घटाकर इसका उत्तर 4 बताते हैं।)	**बच्चे** a) निर्धारित संख्या में दी गई ठोस वस्तुओं को बराबर वितरित कर पाएँगे और समूहों की संख्या बता पाएँगे। b) निर्धारित संख्या में दी गई वस्तुओं के चित्र को बराबर वितरित कर पाएँगे और समूहों की संख्या बता पाएँगे। c) किसी दिए गए विभाजन की समस्या को बार–बार घटाव का उपयोग करके हल करें, उदाहरण:– 12÷4 = 3 के रूप में 12–4=8–4=4–4 = 0 यानि शून्य प्राप्त करने के लिए हमने 12 में से 4 को तीन बार घटाया।	ILM 6.18 पृष्ठ संख्या 56 57 58

कक्षा 3

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या
		ILM 6.19 किसी स्थिति/संदर्भ में समस्याओं को हल करने के लिए उपयुक्त संक्रिया (जोड़, घटाव) का विश्लेषण करते हैं और उसे लागू करते हैं।	**बच्चे** a) दो या दो से अधिक संख्याओं के योग (999 से अधिक नहीं) के विभिन्न संदर्भों (एकत्रीकरण और वृद्धि) को शामिल करते हुए शब्द समस्याओं को हल कर पाएँगे। b) दो या दो से अधिक संख्याओं (जिनका योग 999 से अधिक नहीं हो) के योग को शामिल करते हुए अपने शब्दों में शब्द समस्याएँ बना पाएँगे/डिजाइन कर पाएँगे। c) दो या दो से अधिक संख्याओं (जिनका योग 999 से अधिक नहीं हो) के घटाव (विभाजन, कमी, तुलना और जोड़ के व्युत्क्रिम) के विभिन्न संदर्भों को शामिल करते हुए शब्द समस्याओं को हल कर पाएँगे। d) दो या दो से अधिक संख्याओं के घटाव को शामिल करते हुए अपने शब्दों में शब्द समस्याएँ बना पाएँगे/डिजाइन कर पाएँगे (योग 999 से अधिक नहीं)।	ILM 6.19 पृष्ठ संख्या 41 44 45

कक्षा 3

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या
		ILM 6.20 पुर्नसमूहन के साथ या पुर्नसमूहन के बिना छोटी राशियों (500 रू तक) का जोड़ और घटाव करते हैं।	**बच्चे** a) अलग–अलग मूल्य वर्ग के खेल मुद्रा का उपयोग करके दो या दो से अधिक राशि जोड़ पाएँगे। b) अलग–अलग मूल्य वर्ग के खेल मुद्रा का उपयोग करके दो या दो से अधिक राशि घटा पाएँगे। c) खेल मुद्रा के चित्रों का उपयोग करके दो या दो से अधिक मात्रा को जोड़ पाएँगे। d) खेल मुद्रा के चित्रों का उपयोग करके दो या दो से अधिक मात्रा को घटा पाएँगे। e) ऐसे शब्द समस्याओं को हल कर पाएँगे जहाँ दो या दो से अधिक धनराशि को (पुनर्समूहीकरण किए बिना) जोड़/ घटाव कर पाएँगे। f) ऐसे शब्द समस्याओं को हल कर पाएँगे जहाँ दो या दो से अधिक धनराशि को (पुनर्समूहीकरण के साथ) जोड़/ घटाव कर पाएँगे।	ILM 6.20 पृष्ठ संख्या 42

कक्षा 3

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या
		ILM 6.26 एक पूर्ण के आधे, एक चौथाई, तीन चौथाई को पहचानते हैं। (चित्र में, पेपर फोल्डिंग से वस्तुओं के समूह में)	**बच्चे** a) कागज को मोड़कर एक पूर्ण का आधा, एक–चौथाई और तीन–चौथाई की पहचान कर पाएँगे। b) एक पूर्ण के आधे, एक–चौथाई और तीन–चौथाई (एक वस्तु या वस्तुओं का संग्रह) की पहचान दिए गए चित्रों में कर पाएँगे। c) दिए गए भिन्न के लिए एक पूर्ण में (एक वस्तु या वस्तुओं का संग्रह) अंश का हिस्सा दिखा पाएँगे।	ILM 6.26 पृष्ठ संख्या 65 66 67 68 69 70
	पैटर्न	**ILM 6.27** तीन अंकों तक की संख्याओं में पैटर्न का अवलोकन, विस्तार और सामान्यीकरण करते हैं। जैसे– गुणन सारणी में संख्याओं का पैटर्न, 1000 तक की संख्या चार्ट में, पर्यावरण की वस्तुओं में।	**बच्चे** a) दिए गए पैटर्न के नियम को पहचान पाएँगे और वर्णन कर पाएँगे। (जैसे– गुणन सारणी के पैटर्न, 1 – 1000 तक के संख्या चार्ट के पैटर्न या पर्यावरण में वस्तुओं में पैटर्न)। b) दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाएँगे। जैसे गुणन सारणी, 1 – 1000 तक के संख्या चार्ट या वातावरण में वस्तु। c) तीन अंकों के संख्या से जुड़ी हुई नए पैटर्न का निर्माण कर पाएँगे।	–

कक्षा 3

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या
	मापन	**ILM 6.21** सेंटीमीटर या मीटर जैसी मानक इकाइयों का उपयोग करके लंबाई और दूरी का अनुमान लगाते हैं और मापन करते हैं तथा उनके बीच संबंधो की पहचान करते हैं।	**बच्चे** a) बिना माप के वस्तुओं की लंबाई का अनुमान लगा पाएँगे। (उदाहरणार्थः अनुमान लगाएं "यह दीवार 5 मीटर लंबी है")। b) सेंटीमीटर या मीटर जैसी मानक इकाइयों का उपयोग करके वस्तुओं की लंबाई माप पाएँगे। c) मानक इकाइयों के बीच संबंध बताएं और लंबाई/दूरी को विभिन्न मानक इकाइयों में परिवर्तित करें।	ILM 6.21 पृष्ठ संख्या 77 78 79
		ILM 6.22 साधारण तुला का प्रयोग करते हुए मानक इकाइयों–ग्राम और किलोग्राम का उपयोग करके अपने दैनिक संदर्भों में वस्तुओं का वजन करते हैं।	**बच्चे** a) बिना माप के दी गई दो वस्तुओं में से कौन सा भारी या हल्का है, इसका अनुमान लगा पाएँगे। (उदाहरणार्थः अनुमान लगाएं कि "डस्टर चॉक से भारी है")। b) साधारण तुला में वस्तुओं (सब्जी, अनाज, दाल, आदि) को तौल कर मानक इकाइयों (ग्राम और किलोग्राम) में बता पाएँगे।	ILM 6.22 पृष्ठ संख्या 84 85 86

कक्षा 3

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या
		ILM 6.23 लीटर के संदर्भ में पात्रों की धारिता का अनमुान लगाते हैं और मापन करते हैं जैसे–एक बाल्टी को 1 लीटर को 15 बोतलों से भरा जा सकता है।	**बच्चे** a) बिना माप दिए गए दो कंटेनर में किसकी धारिता अधिक है इसका अनुमान लगा पाएँगे। (उदाहरणार्थः अनुमान लगाएं ''दिए गए बाल्टी की क्षमता दिए गए जग से अधिक है'')। b) गैर मानक इकाइयों–बोतलों, कपों, चम्मचों आदि का उपयोग करके कंटेनरों (जैसे बाल्टी, मग, जग आदि) की धारिता को माप पाएँगे। c) मानक इकाइयों – लीटर, मिली लीटर, आदि का उपयोग करके कंटेनरों की धारिता (जैसे बाल्टी, मग, जग आदि) को माप पाएँगे।	ILM 6.23 पृष्ठ संख्या 89 90
		ILM 6.24 थर्मामीटर का उपयोग करके तापमान का मापन करते हैं।	**बच्चे** a) शरीर के तापमान, गर्म पानी, आदि को माप पाएँगे।	–

कक्षा 3

लक्ष्य	डोमेन	सीखने के प्रतिफल (निपुण आधारित)	सीखने का उद्देश्य	पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या
	आकृतियाँ एवं स्थानिक समझ	**ILM 6.25** सीधे किनारे या मुक्त हाथ का उपयोग करके विभिन्न अभिविन्यासों (उध्व्राधर, क्षैतिज, तिरछी) में सीधी रेखाएँ खिंचते या दर्शाते हैं।	**बच्चे** a) विभिन्न झुकावों (ऊध्व्राधर, क्षैतिज, तिरछी) में एक स्केल का उपयोग करके या मुक्त हाथ से सीधी रेखाएं खींच पाएँगे। b) दी गई विभिन्न झुकाव वाली रेखा किस प्रकार की रेखा है (ऊध्व्राधर, क्षैतिज, तिरछी) यह बता पाएँगे।	ILM 6.25 पृष्ठ संख्या 5 6
	आंकड़ो का प्रबंधन	**ILM 6.28** टेली मार्क का उपयोग करके आँकड़ा संग्रह करते हैं, चित्र के माध्यम से दर्शाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।	**बच्चे** a) एकत्र किए गए आंकड़ों के आधार पर निष्कर्ष निकाल लेंगे। जैसे, समीर के घर में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की संख्या रानी की तुलना में अधिक है, एक वस्तु की कीमत दर चार्ट में किसी भी अन्य वस्तु की तुलना में अधिक है, आदि।	ILM 6.28 पृष्ठ संख्या 108 111 113 114
		ILM 6.29 कैलेण्डर में किसी विशेष तिथि और संबंधित दिन की पहचान करते हैं।	**बच्चे** a) कैलेंडर का उपयोग करते हुए बताए गए तारीख के अनुसार दिन चिह्नित कर पाएँगे। b) कैलेंडर का उपयोग करते हुए बताए गए सप्ताह के दिन के अनुसार तारीख चिह्नित कर पाएँगे।	ILM 6.29 पृष्ठ संख्या 93 94 95

पाठ योजना

गणित
कक्षा 3

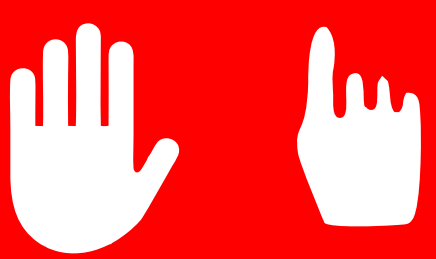

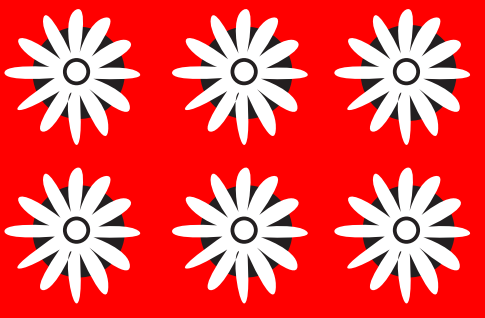

"हज़ार में कितने सौ कितने दस"

ILM 6.9 | दस-दस एवं सौ-सौ के समूहों में एक हजार तक वस्तुओं की गिनती करते हैं।

बच्चे 1000 तक के ठोस वस्तुओं का गिनती कर पाएंगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

100 प्लास्टिक की नली का 1 पैकेट

घन 200

ग़लत अवधारणा

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

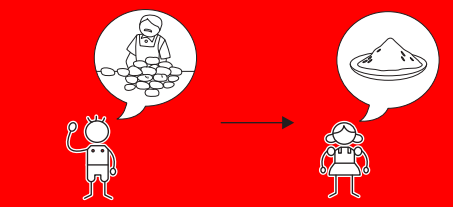

एक सौ कितना होता है

- विद्यार्थियों के साथ में 1-100 तक कि संख्याओं के नाम का पाठ करें।
- 10 कलम या किताबें दिखाएं और बताएं कि किताबें संख्या में 10 हैं।
- विद्यार्थियों से पूछें कि क्या वे किसी ऐसी चीज़ के बारे में जानते हैं जो संख्या में 100 या अधिक है।
- प्रत्येक विद्यार्थी को कम से कम एक वस्तु के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करें जो संख्या में 100 से अधिक हो।

शिक्षक के लिए बिंदु: वस्तुओं की एक छोटी मात्रा (10 या 20 वस्तु) का दृश्य, विद्यार्थियों को उन वस्तुओं का संदर्भ प्रदान करने और सोचने में मदद करेगी जो संख्या में लगभग 100 है।

शिक्षक के लिए बिंदु: इस खुले नाटक का उद्देश्य विद्यार्थियों को उन वस्तुओं की मात्रा के बारे में सोचने की अनुमति देना है जो वे रोजमर्रा की जिंदगी में उपयोग करते हैं।

यह संभव है कि विद्यार्थियों द्वारा सुझाई गई वस्तुओं में से कुछ उदाहरण संख्या में 1000 से भी अधिक हो सकते हैं। विद्यार्थियों को ऐसे उदाहरण प्रदान करने की अनुमति दें।

प्रक्रिया

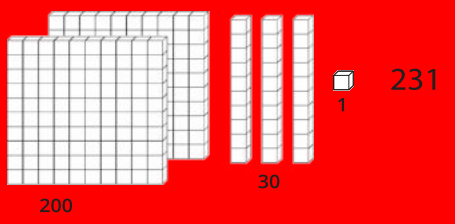

संख्याओं को सैंकड़ा, दहाई और इकाई में विघटित करके संख्याओं के नाम का पाठ करना

- 100 घनों की एक चटाई दिखाएं और विद्यार्थियों को बताएं कि इसमें 100 घन हैं।
- एक और घन उठाएं और विद्यार्थियों को बताएँ कि अब आपके पास सौ और एक घन हैं।
- एक और घन उठाएं और विद्यार्थियों को बताएं कि अब आपके पास एक सौ और दो घन हैं।
- और घनों को जोड़ना जारी रखें और 110 तक संख्याओं के नाम का पाठ करें।

10 घन का एक टॉवर बनाएं और दूसरा अतिरिक्त घन उठाएं। विद्यार्थियों को बताएं कि अब आपके पास सौ और ग्यारह घन हैं।

विद्यार्थियों को यह याद रखने के लिए कहें कि 10 का एक टॉवर और एक अतिरिक्त घन 11 बनाता है।

एक और अतिरिक्त घन उठाएं और विद्यार्थियों को बताएं कि अब आपके पास 112 घन हैं।

जब तक आपके पास 120 घन नहीं हो जाते हैं, तब तक अपने संग्रह में घनों को जोड़ना जारी रखें।

अभ्यास

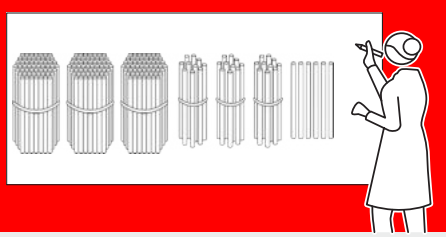

ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न का चित्र बनाएं और विद्यार्थियों को हल करने में मदद करें।

सा.भा.कौ: *रोजमर्रा की जिंदगी में उपयोग में आने वाली वस्तुओं को ध्यान से देखने और उनके बारे सोचने/बतलाने के लिए प्रेरित कीजिए।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में मदद करें। उन्हें प्लास्टिक की नलियों को "इकाई" के रूप में अलग-अलग तिनके के रूप में गिनने के लिए कहें, 10 प्लास्टिक की नलियों के बंडल को "दहाई" के रूप में और 10 तिनकों के 10 बंडलों को "सौ" के रूप में बताएं और बताएं कि कितनी प्लास्टिक की नालियां हैं।

प्रश्न

उपरोक्त चित्र में तीन सौ और दो घन दिखाने के लिए और घनों का चित्र बनाएं।

विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 4 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से यह बताने के लिए कहें कि यदि प्रत्येक चटाई में 100 घन हैं, तो कुल कितने घन हैं।

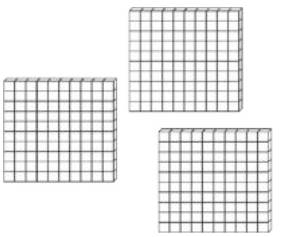

दस-दस एवं सौ-सौ के समूहों में एक हजार तक वस्तुओं की गिनती करते हैं। | ILM 6.9

1. हल किया उदाहरण : संख्या का नाम बताएँ।

दो सौ और सात
या सत्ताईस

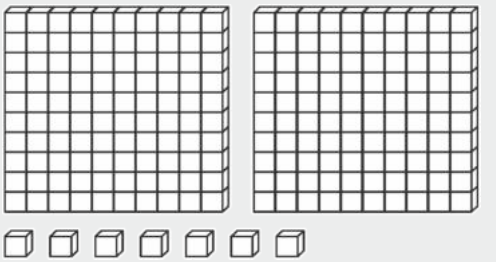

2. ये 223 डंडियाँ हैं, इन्हें 239 डंडियाँ बनाने के लिए और डंडियों का चित्र बनाएँ।

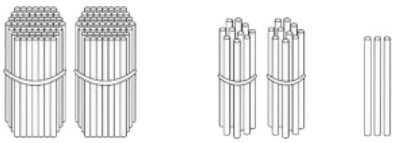

3. ये 336 डंडियाँ हैं इन्हें 339 डंडियाँ बनाने के लिए और डंडियाँ का चित्र बनाएँ।

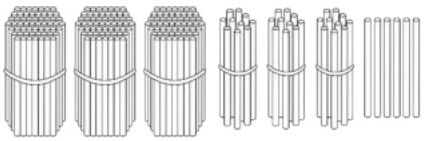

4. सभी में 100 घन हैं, यहाँ कुल कितने घन हैं ?

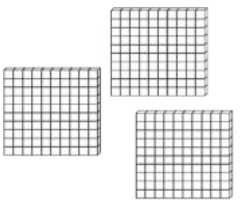

5. प्रश्नों के उत्तर दें

क. तीन सौ निन्यानवे के बाद क्या आता है ?

ख. चार सौ निन्यानवे के बाद क्या आता है ?

6. कोई ऐसी 3 संख्याएँ लिखें जो चार सौ पचास के बाद आती हों ?
क्या ये संख्याएँ पैंतालीस से अधिक हैं या कम हैं ?

"मेरे आगे कौन पीछे कौन"

ILM 6.10 किसी संख्या विशेष से 999 तक उलटी और सीधी गिनती कर सकते हैं।

बच्चे किसी विशेष संख्या से 999 तक आगे की ओर गिन पाएंगे एवं 999 तक की किसी विशेष संख्या से पीछे की ओर गिन पाएंगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

कागज की पर्चियां

ग़लत अवधारणा

विद्यार्थी बहु-अंकों वाली संख्याओं को स्थानीय मान से स्वतंत्र देख सकते हैं। इससे उन्हें आगे और पीछे की गिनती करने में गलती हो सकती है। उदाहरण के लिए गिनती 201 के बाद 101।

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

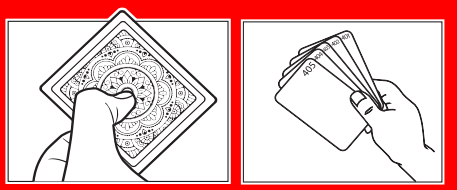

संख्या पर्ची का उपयोग करके पीछे की (उल्टी) ओर गिनती

- A की जगह पर दाएं कार्ड पर लिखी संख्याएँ दिखाएं: 405, 404, 403, 402, 401
- 400 से 420 की संख्या वाली पर्चियां तैयार करें। पर्चियों को बेतरतीब मेज पर फैला दें।
- 4 विद्यार्थियों को बुलाएं और उनको पर्चियों को सही क्रम में रखने के लिए कहें। उदाहरण के लिए। 401, 402, 403, और इसी तरह।
- क्रम में सज पर्चियों में से एक पर्ची की संख्या को पुकारें।
- उन्हें यह अनुमान लगाने के लिए कहें कि उसके पास इसके बाद कौन सी संख्या होती।
- विद्यार्थियों को एक बार में एक संख्या की पर्ची निकालने के लिए कहें और अनुमान लगाएं कि इसके बाद कौन सी संख्या होगी।
- 100 से 500 के बीच लगातार संख्याओं के अन्य सेट का उपयोग करते हुए अन्य विद्यार्थियों के साथ गतिविधि को दोहराएं।

प्रक्रिया

Hundred	Tens	One
3	5	1
3	5	2
3	5	3
3	5	4
3	5	5
3	5	6
3	5	7
3	5	8
3	5	9
3	6	0

Hundred	Tens	One
3	6	1
3	6	2
3	6	3
3	6	4
3	6	5
3	6	6
3	6	7
3	6	8
3	6	9
3	7	0

संख्या की दृष्टि से आगे और पीछे की (उल्टी) गिनती के अनुक्रम को समझना

- 100 से 350 तक की गणना करें और विद्यार्थियों को आपके बाद दोहराने के लिए कहें।
- दिखाए गए अनुसार ब्लैकबोर्ड पर 351 से 370 अंको को लिखें।
- संख्याओं को एक-एक करके पढ़ें और इंगित करें कि 350 से 359 तक की संख्या वाले स्थान अनुक्रमिक रूप से बढ़ते हैं।
- बताएं कि 359 के बाद इकाई के स्थान पर संख्या 0 हो जाती है; दहाई के स्थान पर संख्या 5 से बढ़ कर 6 हो जाती है। कुल मिलाकर, संख्या 360 हो जाती है।
- बोर्ड पर अंकों के लिए संकेत देना और विद्यार्थियों को याद दिलाना कि पीछे के (उल्टी) क्रम में गिनती तब होती है जब संख्याओं को उल्टे क्रम में पढ़ा जाता है।
- साथ में, 370 से 350 , पीछे की ओर (उल्टी गिनती) गिनने का अभ्यास करें। बता दें कि पीछे की ओर (उल्टी) गिनती करते समय संख्या एक घट जाती है। ब्लैकबोर्ड पर 399 से 401 लिखें।
- विद्यार्थियों को समझाएं कि 399 के बाद इकाई के स्थान पर 9 में एक जुड़ते ही वह दहाई में एक वृद्धि करते हुए शुन्य में बदल जाता है, फिर इसी तरह दहाई जो कि 9 है वह भी सैंकड़े में एक वृद्धि कर शुन्य में बदल जाता है और इस तरह संख्या 399 से 400 हो जाती है.
- जोर दें कि दहाई और इकाई के अंक जब क्रमशः 9 और 9 तक पहुँच जाते हैं तो इकाई में 1 बढ़ने से सैकड़ा का एक अंक बढ़ जाता है।

अभ्यास

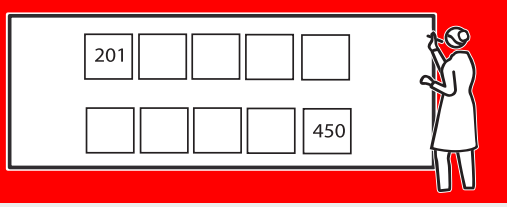

ब्लैकबॉर्ड पर प्रश्न लिखें और विद्यार्थियों को हल करने के लिए कहें

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों में "अनुमान लगाने की कला" विकसित करें। जैसे:- किसी संख्या के आगे, पीछे कौन सी संख्या होगी।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 2 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को आगे की गिनती के अनुक्रम को पूरा करने के लिए कहें।
- यह सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी यह समझें कि 201 के बाद की संख्या 202 है और 301 नहीं है। ज़ोर दें कि इकाइयों में अंक क्रमिक रूप से 9 तक बढ़ जाते हैं। उसके बाद, दहाई अंक एक से बढ़ जाते हैं।
- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 4 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से पीछे की ओर (उल्टी) गिनती के अनुक्रम को पूरा करने के लिए कहें।

किसी संख्या विशेष से 999 तक उलटी और सीधी गिनती कर सकते हैं। | ILM 6.10

1. हल किया उदाहरण : खाली जगह भरने के लिए आगे की गिनती करें।

307	308	309	310	311	312

2. खाली जगह भरने के लिए आगे की गिनती करें।

201					206

3. छूटी हुई संख्या भरें और बताएँ कि क्या यह एक आगे की गिनती है या एक पीछे की गिनती का अनुक्रम है ?

			434		436

4. खाली जगह भरने के लिए पीछे की गिनती करें।

				450

5. गलती का पता लगाएँ और सुधार करें।

410	418	419	410	409

6. संख्या 451 के पास एक भालू खड़ा है। अगर वह 3 कदम आगे और फिर 2 कदम पीछे की ओर जाएगा तो कहां पहुंचेगा ?

450	451	452	453	454	455	456	457

"जोड़ का तोड़, तोड़ कर जोड़"

ILM 6.14 जोड़ के मानक एल्गोरिदम को समझता है एवं समस्या के समाधान में इसे लागू करते हैं।

बच्चे दो या दो से अधिक संख्याओं को पुनःसमूहिकरण किए बिना सांकेतिक रूप से जोड़ पाएंगे (योग 999 से अधिक न हो)।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

3

संख्या पर्ची (उस पर 3 लिखें)

ग़लत अवधारणा

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

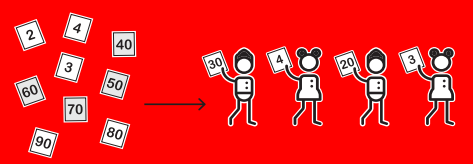

संख्याओं को भागों में तोड़ना

- संख्या पर्ची 0, 1,2, 3,... 9 तक और संख्या पर्ची 10, 20,30, 40,....90 तक रखें।
- कुछ विद्यार्थियों से संख्या पर्ची का उपयोग करके अपने रोल नंबर लिखने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि 45 संख्या 40 और 5 से मिलकर बनी है।
- एक अंकीय रोल नंबर वाले विद्यार्थियों को भी संख्या पर्ची का उपयोग करके अपने रोल नंबर लिखने के लिए कहें।

- विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि रोल नंबर 4 में कोई दहाई नहीं है। इसलिए विद्यार्थी को केवल संख्या पर्ची 4 को ही चुनना होगा।

शिक्षक का नोट

विद्यार्थियों को अन्य संख्याओं की रचना करने के लिए भी कहा जा सकता है, जिनसे वे परिचित हों, जैसे - उनके माता-पिता की उम्र या रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमत।

प्रक्रिया

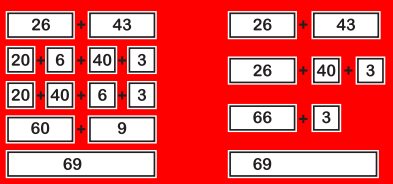

टुकड़ों में जोड़ना

- ब्लैकबोर्ड पर 26 + 43 लिखें। 26 और 43 को दहाई और इकाई के रूप में लिखें।
- विद्यार्थियों से कहें कि दहाई को एक साथ जोड़ें तो 60 प्राप्त होगा और फिर इकाई को एक साथ जोड़ें तो 9 प्राप्त होगा।
- 60 और 9 जोड़ें फिर कुल योग 69 लिखें। बता दें कि संख्याओं को दहाई और इकाई में विघटित करके जल्दी जोड़ा जा सकता है।
- विद्यार्थियों को बताएं कि जोड़ने का एक वैकल्पिक तरीका संख्या को विघटित करना भी है।

- 26+ 40+ 3 लिखें और विद्यार्थियों को पहले बताएं कि पहले 40 में 26 जोड़कर 66 प्राप्त करें और फिर 66 में 3 जोड़कर 69 प्राप्त करें।
- 47 + 76 लिखें। बताएँ कि 47 को 40 + 7 लिखा जा सकता है और 76 को 70 + 6 लिखा जा सकता है।40+70 जोड़कर 110 प्राप्त करें, फिर 7+6 जोड़ें तथा 13 प्राप्त करें।
- अंत में, विद्यार्थियों को समझाएँ कि 110 और 13 को एक साथ भी जोड़ा जा सकता है या फिर 13 को 10 + 3 में तोड़कर भी जोड़ा जा सकता है।
- विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से समझने में मदद करने के लिए अन्य उदाहरणों का उपयोग करके इस विधि को दोहराएं।

अभ्यास

30 + 2 + 40 + 7 > 70

ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखें और विद्यार्थियों को हल करने के लिए कहें

सा.भा.कौ: गणित, मनुष्य के जीवन से जुड़ा होता है , इसलिए विद्यार्थियों को इस विषय से भावनात्मक रूप से जोड़े।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3a को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को दी गई संख्याओं के योग का अनुमान लगाने के लिए कहें।

  32+ 41 =

- जोर दें कि किसी भी दो संख्याओं के योग का अनुमान संख्याओं को तोड़कर और दहाईयों को जोड़कर लगाया जा सकता है। 30 + 40 = 70 है। इसलिए, 32 + 41 > 70

- बता दें कि गणना की जाँच करने के लिए योग का अनुमान लगाना एक अच्छा तरीका है। यदि 32+ 41 को 62 के रूप में लिखा जाता है, तो हम तुरंत बता सकते हैं कि उत्तर गलत है क्योंकि हम जानते हैं कि 32 + 41 > 70
- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 4 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से संख्याओं को विघटित करके जोड़ने के लिए कहें।

a. 24 + 57 = _____ + _____ + _____ + _____
= _ _____ + _____ = _____
b. 43 + 65 = _____ + _____ + _____ + _____
= _____ + _____ = _____

जोड़ के मानक एल्गोरिदम को समझता है एवं समस्या के समाधान में इसे लागू करते हैं। | ILM 6.14

1. हल किया उदाहरण : नीचे दी गई तालिका को पूरा करें ?

प्रश्न	दहाई और इकाई में तोड़ना	दहाई को जोड़ना	कुल योग
37 + 73	30 + 7 + 70 + 3	100 + 7 + 3	110
67 + 16			
34 + 57			
28 + 30			
11 + 87			

2. इनमें से किन संख्याओं का योग 90 से कम होगा ?

क. 34 + 23

ख. 45 + 67

ग. 78 + 20

3. "अधिक" या "कम" शब्दों का उपयोग करके रिक्त स्थान भरें ?

क. 32+ 41 = 70 से_____ (कम या ज्यादा)

ख. 91 + 12 = 60 से_____ (कम या ज्यादा)

4. जोड़ को पूरा करें ?

67 + 12 = 60 + 7 + 10 + 2

= ____+ ____+ 7 + 2

= _____+_____

= _____

5. संख्याओं को दहाई और इकाई के रूप में लिखें और जोड़ें ?

क. 24 + 57 = _____ + _____ + _____ + _____

= _____ + _____ = _____

ख. 43 + 65 = _____ + _____ + _____ + _____

= _____ + _____ = _____

6. सबसे बड़ी संख्या पर गोला लगाएँ और बताएँ कि आपको कैसे पता चला ?

23+ 45

34+50

55+ 45

''जोड़ कर बनाए पहाड़''

ILM 6.17 | 5 से 10 तक की संख्याओं के गुणन तथ्य (पहाड़े) का निर्माण करते हैं तथा अपने दैनिक जीवन में उन्हे प्रयोग करते हैं।

बच्चे 5 से 10 तक के संख्याओं का पहाड़ा बना पाएंगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

25 कार्ड / पत्थर: 4 विद्यार्थियों पर
5 कागज के टुकड़े: 4 विद्यार्थियों पर

ग़लत अवधारणा

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

गुणन सारणी (पहाड़ा)

खेल

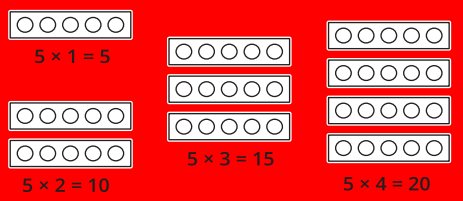

किसी संख्या के गुणन तथ्य

- विद्यार्थियों को 4 के समूह में विभाजित करें और प्रत्येक समूह को 25 पत्थर / कार्ड विभाजित करें।
- विद्यार्थियों को बताएं कि गोलगप्पे (पानी के बताशे) की एक प्लेट में 5 गोलगप्पे होते हैं।
- विद्यार्थियों को कागज के एक टुकड़े पर 5 पत्थर रखकर गोलगप्पों की एक प्लेट दिखाने के लिए कहें।
- इसके बाद, विद्यार्थियों से गोलगप्पों की 2 प्लेट दिखाने के लिए कहें।

प्रश्न

दो प्लेट में कितने गोलगप्पे हैं?

- इसके बाद, विद्यार्थियों से गोलगप्पें की 3 प्लेट दिखाने के लिए कहें और गोलगपें की कुल संख्या गिनें।
- विद्यार्थियों से 1, 2, 3, 4, और 5 प्लेट में कितने गोलगप्पे हैं इसको दर्ज करने के लिए कहें। 5 प्लेट तक जारी रखें।
  संक्षेप में कहें कि 1 प्लेट में 5, 2 प्लेट में 10, 3 प्लेट में 15, 4 प्लेट में 20, 5 प्लेट में 25 गोलगप्पे हैं।

प्रक्रिया

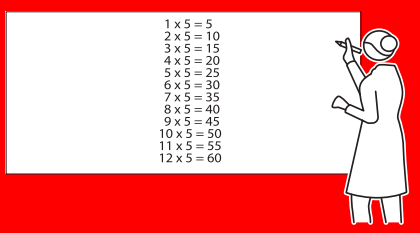

5 और 10 का गुणन सारणी (पहाड़ा)

- 5 पत्थर का एक सेट रखें। विद्यार्थियों से पूछें कि कितने पत्थर हैं। उन्हें बताएं कि 5 पत्थर का एक सेट है। बोर्ड पर लिखें "1 x 5 = 5"।
- अब 5 पत्थर का एक और सेट रखें। विद्यार्थियों से पूछें कि कितने पत्थर हैं। बताएं कि 5 पत्थर के दो सेट हैं। "2 x 5 = 10" बोर्ड पर लिखें।
- इसे जारी रखें और बोर्ड पर 5 का पहाड़ा लिखते रहें।
- जब आप 5 पत्थर के 10 सेट तक पहुँचते हैं तो रुकें। "10 x 5 = 50" बोर्ड पर लिखें।

- गतिविधि को 10 का पहाड़ा को लिखने के लिए दोहराएं। 10 पत्थरों के एक समूह के साथ शुरू करें और 10 पत्थरों के 10 सेट तक पहुंचने पर रुकें।
- पहाड़ की ओर इशारा करें और समझाएं कि पहाड़ा हमें वस्तुओं की कुल संख्या को शीघ्रता से गिनने में मदद करते हैं।
- विद्यार्थियों को बताएं कि अगली बार जब उन्हें 5 बार 7 का पता लगाना है, तो 7 को पांच बार जोड़ने के बजाय, वे 5 के गुणन तालिका पर 5X7 = 35 को देख सकते हैं।
- विद्यार्थियों को कम से कम दो बार पहाड़ा का पाठ करायें।

अभ्यास

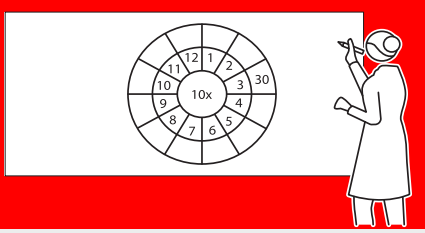

ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखें और विद्यार्थियों को हल करने के लिए कहें।

सा.भा.कौ: *कार्यपत्रको में गोलगप्पे समोसे की बात आई है* **विद्यार्थियों को बतलाएं:-** खुले में, रखे खाद्य पदार्थ खाने से तबीयत खराब हो सकता है।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 2 को हल करने में मदद करें। 10 के पहाड़े को देखकर विद्यार्थियों से रिक्त स्थान भरने को कहें।
- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 4 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को चित्र देखने और 5 का पहाड़ा लिखने के लिए कहें।

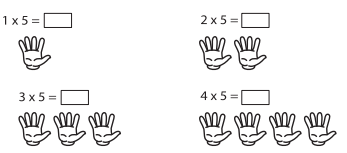

प्रश्न

5 और 10 के पहाड़ा को ध्यान से देखें। क्या आपको कोई पैटर्न दिखता है?

- जोर दें कि 10 का पहाड़ा में सभी संख्याएँ 0 के साथ समाप्त होती हैं और 5 का पहाड़ा में सभी संख्याएँ 0 या 5 के साथ समाप्त होती है।

5 से 10 तक की संख्याओं के गुणन तथ्य (पहाड़े) का निर्माण करते हैं तथा अपने दैनिक जीवन में उन्हे प्रयोग करते हैं। | ILM 6.17

1. चित्रों को देखें और खाली जगह भरें ?

= 5 x 2 = 10

= ___ x ___ = ___

= ___ x ___ = ___

2. 10 गुणन सारणी को देखें और इस पहिए में भरें ?

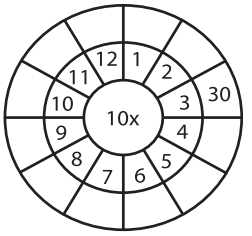

3. चित्र को देखे और 5 का पहाड़ा लिखें ?

1 x 5 = ☐

2 x 5 = ☐

3 x 5 = ☐ 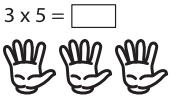

4 x 5 = ☐ 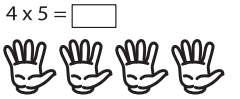

4. खाली जगह को 5 का पहाड़ा से भरकर पूरा करें ?

☐ X 5 = 5
2 X 5 = 10
3 X 5 = 15
☐ X 5 = 20
5 X 5 = ☐
6 X ☐ = 30
☐ X 5 = ☐

5. खाली जगह को 10 का पहाड़ा से भरकर पूरा करें ?

10 X 1 = 10
10 X 2 = 20
10 X ☐ = 30
10 X 4 = ☐
10 X 5 = 50
10 X 6 = ☐

6. प्रत्येक 7 नाव में 10 लोग हैं। 7 नाव पर लोगों की कुल संख्या का पता लगाने के लिए आप किस गुणन सारणी का उपयोग करेंगे ?
5 के गुणन सारणी या 10 के गुणन सारणी का ?

"समूह समूह में बाँटकर देखें"

ILM 6.18 | एक समान समूहन के रूप में भाग तथ्य का अर्थ समझते हैं और बार-बार घटाव करके इसे प्रदर्शित करते हैं।

बच्चे - दी गई वस्तुओं के चित्र को वितरित कर पाएँगे और समूहों की संख्या बता पाएँगे जब प्रत्येक समूह में वस्तुओं की संख्या परिभाषित की गई है।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

20 कार्ड (कम से कम 4 अलग अलग रंगों में 4)

ग़लत अवधारणा

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

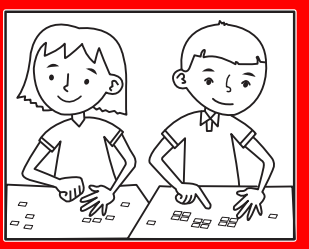

समान बंटवारा/ सहभाजन

- मेज पर 16 कार्ड (4 प्रत्येक 4 अलग-अलग रंग) रखें।
- एक विद्यार्थी को पुकारें और उसे बताएं कि ये कार्ड टॉफ़ी का प्रतिनिधित्व करता हैं।
- उससे पूछें कि वे अपने 4 दोस्तों के बीच इन टोफ़ियों को कैसे बाटेंगा।
- विद्यार्थियों को उनकी पसंद के अनुसार विभाजित करने की अनुमति दें।

प्रश्न: क्या आपके सभी दोस्तों को समान संख्या में टॉफियां मिलेंगी?

यदि उन्होंने कार्ड को समान रूप से विभाजित नहीं किया है, तो उन्हें इस तरह से पुनः प्रयास करने के लिए कहें कि प्रत्येक मित्र को टॉफ़ी की समान संख्या मिले।

अन्य विद्यार्थियों के साथ गतिविधि को दोहराएं। विद्यार्थियों को समान रूप से कार्ड को विभाजित करने के लिए अपनी पसंद की किसी भी रणनीति का उपयोग करने की अनुमति दें।

शिक्षक के लिए बिंदु: कार्ड के 3 अलग-अलग रंगों से विद्यार्थियों को आसानी से 3 के समूह बनाने में मदद मिलेगी।

प्रक्रिया

Strategy 1 : Make groups of 3 and distribute

Strategy 2 : Distribute one by one

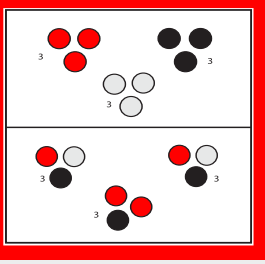

समान समूह के रूप में विभाजन

- 9 कार्ड लें। विद्यार्थियों को बताएं कि आप सभी कार्ड को 3 बराबर समूह में विभाजित करना चाहते हैं।
- 3 कार्ड चुनें और प्रत्येक 3 विद्यार्थियों को एक कार्ड वितरित करें।
- 3 और कार्ड को उठायें और प्रत्येक विद्यार्थी को फिर से एक वितरित करें। अंतिम 3 कार्ड के साथ इसी प्रक्रिया को दोहराएं।
- विद्यार्थियों को बताएं कि तीन विद्यार्थियों में से प्रत्येक के पास 3 कार्ड हैं।

विद्यार्थियों को बताएं कि कार्ड को विभाजित करने का एक वैकल्पिक तरीका समूह में गिनती करके है।

3 के समूह से गणना करें और 3 कार्ड के 3 समूह बनाएं। प्रत्येक विद्यार्थी को एक समूह वितरित करें।

9 वृत्त बनाएं और ब्लैकबोर्ड पर फिर से दो-विभाजन कि रणनीतियों को प्रदर्शित करें।

विद्यार्थियों को बताएं कि जब हम चीजों को लोगों के बीच समान रूप से बांटते हैं या वस्तुओं के समान समूह बनाते हैं, तो इस प्रक्रिया को विभाजन कहा जाता है।

अभ्यास

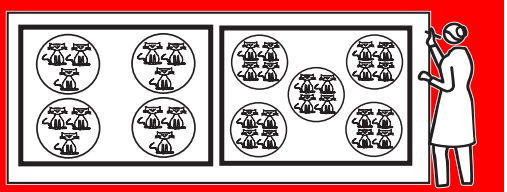

ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखें और विद्यार्थियों को इसे हल करने के लिए कहें।

सा.भा.कौ: *कक्षा में टॉफी आदि बांटना हो तो विद्यार्थियों को ही बांटने का अवसर प्रदान करें।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को चित्र देखने के लिए कहें और बताएं कि कितने बच्चों के बीच कितने गुब्बारे बांटे गए हैं?

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 4 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को बिल्लियों को समान समूह में विभाजित करने के लिए कहें।

5 के समूह में बिल्लियों की गणना करें और इंगित करें कि समूह समान नहीं हैं। विद्यार्थियों को बताएं कि उन्हें 4 के समूह बनाना चाहिए।

विद्यार्थियों को बताएं कि जब भी समूह असमान हों, तो उन्हें फिर से प्रयास करने के लिए गिनना और एक अलग संख्या को चुनना होगा।

एक समान समूहन के रूप में भाग तथ्य का अर्थ समझते हैं और बार-बार घटाव करके इसे प्रदर्शित करते हैं। | ILM 6.18

1. हल किया उदाहरण : नीचे खाली जगह पर सही संख्याओं को लिखें ? इन सेबों को 6 बराबर समूह में विभाजित करें ?

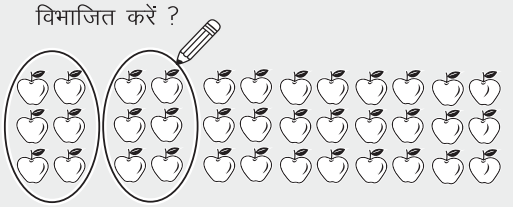

2. फलों को समान समूहों में विभाजित करें ?

क. केले को 2 बराबर समूह में विभाजित करें। प्रत्येक समूह में कितने केले होंगे ? .....

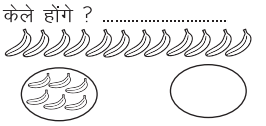

ख. अमरूद को 6 बराबर समूह में विभाजित करें। प्रत्येक समूह में कितने अमरूद होंगे ? .....

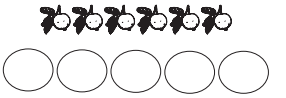

3. चित्र को देखें और खाली स्थान भरें ?

क. प्रत्येक समूह में ..... गुब्बारे हैं।

ख. ..... गुब्बारों को ..... बच्चों के बीच बांटा गया है।

4. बिल्लियों को समान समूहों में विभाजित करें ?

क. बिल्लियों का समूह बनाएँ ?

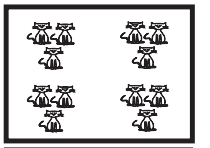

ख. बिल्लियों का समूह बनाएँ ?

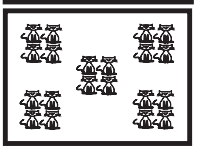

5. यह एक चॉकलेट है जिसमें 6 टुकड़े हैं। यदि आप इसे 2 दोस्तों के बीच विभाजित करते हैं, तो प्रत्येक मित्र को कितने टुकड़े मिलेंगे ?

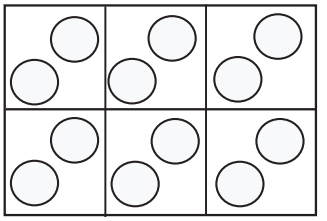

6. ये 30 लड्डू हैं। उन्हें 6 लोगों में समान रूप से विभाजित करें ?

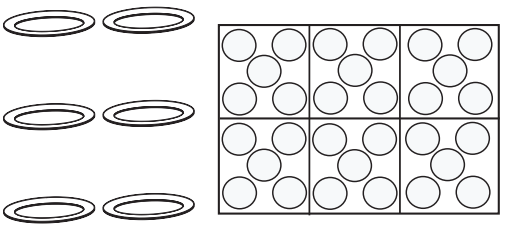

7. एक पार्टी में समोसे परोसे गए थे, लेकिन सभी को बराबर संख्या में समोसे नहीं मिले। क्या आप समोसे का पुनर्वितरण कर सकते हैं कि सभी को एक समान संख्या मिले ?

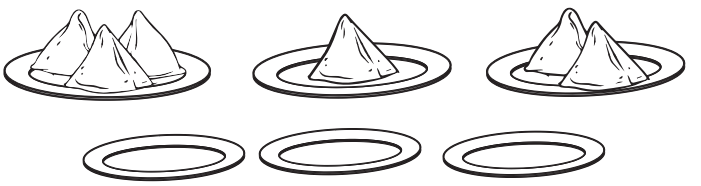

"आज किसी का जन्मदिन है?"

ILM 6.29 | कैलेण्डर में किसी विशेष तिथि और संबंधित दिन की पहचान करते हैं।

बच्चे - कैलेंडर का उपयोग करते हुए बताए गए तारीख के अनुसार दिन चिह्नित कर पाएँगे।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

एक कैलेंडर - प्रत्येक पृष्ठ पर एक महीने का विवरण

ग़लत अवधारणा

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

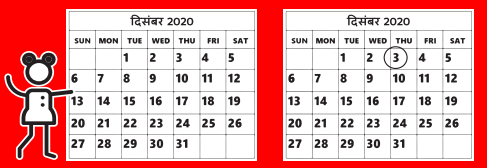

कैलेंडर में तारीख का पता लगाना

- विद्यार्थियों को 4 के समूह में विभाजित करें और प्रत्येक समूह को 1 कैलेंडर वितरित करें।
- विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि उन्होंने पहले साल और महीनों को पहचानने के लिए कैलेंडर का इस्तेमाल किया था।
- **प्रश्न** आप सभी कैलेंडर पर क्या देख सकते हैं?
- **प्रश्न** कैलेंडर पर अंक किस चीज़ का प्रतिनिधित्व करते हैं?
- ब्लैकबोर्ड पर दिनांक लिखें।
- प्रत्येक समूह को कैलेंडर पर तारीख ढूँढने और उस पर गोल घेरा लगाने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों से कैलेंडर पर अपने जन्मदिन को भी चिह्नित करने के लिए कहें।

प्रक्रिया

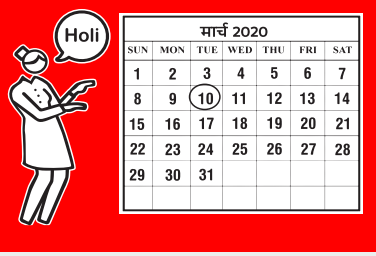

एक कैलेंडर को पढ़ना

- विद्यार्थियों को एक कैलेंडर दिखाएं और बताएं कि हर साल के लिए एक कैलेंडर होता है।
- विद्यार्थियों को बताएं कि एक कैलेंडर में 12 कैलेंडर पृष्ठ या अनुभाग होते हैं, प्रत्येक महीने के लिए एक।
- कैलेंडर के पन्नों को पलटें और इंगित करें कि प्रत्येक महीने के पृष्ठ या अनुभाग 1 से शुरू होते हैं और 30 या 31 के साथ समाप्त होते हैं, फरवरी को छोड़कर जिसमें 28 या 29 दिन होते हैं।
- दिन के नाम की ओर संकेत करें और समझाएं कि कैलेंडर हमें यह भी बताते हैं कि किसी भी दिनांक पर दिन कौन सा होगा।
- एक उदाहरण दें - किसी एक दिनांक और उसके बाद उसी दिन को इंगित करें।
- कैलेंडर पर कोई एक त्योहार दिखाएं और विद्यार्थियों को बताएं कि कैलेंडर पर प्रमुख त्योहार और छुट्टियां भी चिह्नित होती हैं।

शिक्षक के लिए बिंदु

चर्चा करें कि राष्ट्रीय त्योहारों की तारीख निश्चित हैं जबकि कुछ धार्मिक त्योहार प्रत्येक वर्ष अलग-अलग तारीख को मनाएँ जाते हैं।

अभ्यास

विद्यार्थियों को कैलेंडर देखकर प्रश्नों के उत्तर देने के लिए कहें

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों को दिन, सप्ताह, तिथि, महीना, वर्ष के साथ-साथ त्योहारों की तिथि आदि का ज्ञान करवाएं

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 2 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को दिए गए कैलेंडर को देखने और 15 तारीख को चिह्नित करने के लिए कहें।

- **प्रश्न** इस महीने में कितने दिन हैं?
- **प्रश्न** महीने का पहला दिन कौन सा है?
- प्रत्येक रविवार को इंगित करें और बताएं कि यहां दिखाए गए महीने में 4 रविवार हैं।

बताएं कि यह कहना पर्याप्त नहीं है कि आज अगस्त महीने का सोमवार है क्योंकि एक महीने में कई सोमवार होते हैं।

कैलेण्डर में किसी विशेष तिथि और संबंधित दिन की पहचान करते हैं। | ILM 6.29

① हल किया उदाहरण : जून 2020 के निम्न कैलेंडर की तरफ देखें और निम्न प्रश्नों के उत्तर दें ?

1. अगले महीने का पहला दिन क्या होगा?

बुधवार

2. पिछले महीने का आखिरी दिन क्या था?

.....

जून 2020

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरूवार	शुक्रवार	शनिवार
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

② निम्नलिखित कैलेंडर को देखें और प्रश्नों के उत्तर दें ?

1. इस महीने में कितने दिन होते हैं?

2. इस महीने का पहला दिन कौन सा था?

2020 **अगस्त**

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30	31					

③ इस वर्ष के कैलेंडर के आधार पर नीचे दी गई तालिका के रिक्त स्थान में लिखें ?

	त्यौहार	महीने का दिन
1. जनवरी		
2. फरवरी		

④ कैलेंडर को देखकर रिक्त स्थान में लिखें ?

2020 **अगस्त**

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30	31					

क) इस महीने में ..... दिन हैं।
ख) 15 अगस्त ..... होगा।
ग) इस महीने में ..... रविवार हैं।

⑤ एक कैलेंडर देखें और लिखें कि ये दिन किस महीने में मनाए जाते हैं ?

क. गांधी जयंतीः .....

ख. स्वतंत्रता दिवसः .....

ग. बाल दिवसः .....

⑥ अपने परिवार के सभी सदस्यों के जन्मदिन और शादी की वर्षगांठ लिखें। अपने घर के कैलेंडर पर इन तिथियों को चिह्नित करें ?

"बोलो बोलो भाई कितने"

ILM 6.28 टैली मार्क का उपयोग करके आंकड़ा संग्रह करते हैं, चित्र के माध्यम से दर्शाते है और निष्कर्ष निकालते हैं।

बच्चे - एकत्र किए गए आंकड़ों के आधार पर निष्कर्ष निकाल लेंगे। जैसे, समीर के घर में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की संख्या एंजेलीना की तुलना में अधिक है।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

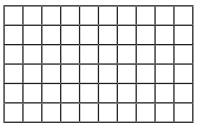

6 X 10 ग्रिड

ग़लत अवधारणा

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

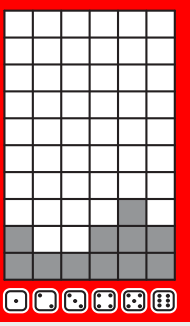

संख्याओं को रेखा चित्र में दर्शाना

- विद्यार्थियों को 4 के समूह में विभाजित करें। प्रत्येक समूह को 6X10 का ग्रिड और पासा दे दें।
- प्रत्येक समूह को 1, 2, 3, 4, 5, और 6 के रूप में ग्रिड के कॉलम को बनाने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों से पासे को फेकने के लिए कहें और जो संख्या आए उतने वर्ग रंगने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों से गतिविधि को 10 बार दोहराने के लिए कहें।

- यह सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी नीचे की पंक्ति से शुरू करें और क्रमिक रूप से कॉलम में किसी भी वर्ग को बिना खाली छोड़े ऊपर जाते हैं।

प्रश्न

आपने संख्या 6 आने पर कितने वर्गों को रंगा? इसका क्या मतलब है?

प्रक्रिया

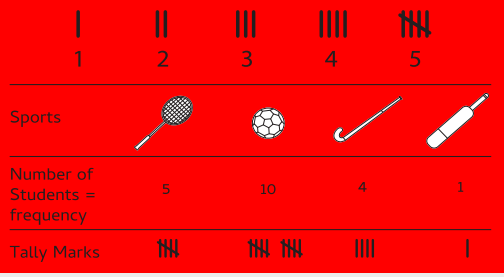

मिलान के चिन्ह के साथ आंकड़ों की तालिका बनाना

- अलग-अलग खेल खेलने वाले विद्यार्थियों की संख्या दिखाते हुए एक तालिका बनाएं।
- तालिका को दिखाएँ और विद्यार्थियों को बताएं कि तालिका में 5 विद्यार्थी बैडमिंटन खेलते हैं, 10 विद्यार्थी क्रिकेट खेलते हैं, आदि।
- विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि प्रत्येक खेल के सामने लिखी संख्या से पता चलता है कि कितने विद्यार्थी इसे खेलते हैं।मिलान के चिन्ह का उपयोग करके संख्या दिखाएं।
- बताएं कि 4 तक के मिलान चिन्ह को सीधी रेखाओं के रूप में खींचा जाता है लेकिन 5 के लिए मिलान के चिन्ह को 4 रेखाओं को तिरछी रेखा से काट कर दिखाया जाता है

- विद्यार्थियों को बताएं कि यह मिलान के चिन्ह को गिनना आसान बनाता है क्योंकि चीजों की संख्या 5 में समूहीकृत होती है।
- क्रिकेट खेलने वाले विद्यार्थियों की संख्या की ओर इशारा करें और विद्यार्थियों को बताएं कि 5 मिलान के चिन्ह के दो समूह को जल्दी से 10 के रूप में गिना जा सकता है।
- बता दें कि अधिकतम विद्यार्थी क्रिकेट खेलते हैं और सबसे कम विद्यार्थी हॉकी खेलते हैं।

प्रश्न: तालिका के अनुसार दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल कौन सा है?

अभ्यास

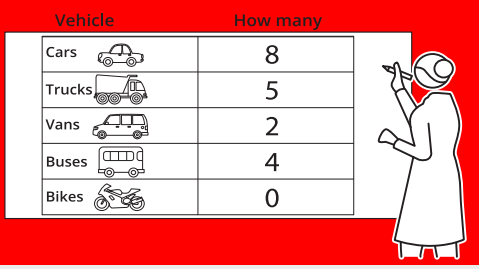

Vehicle	How many
Cars	8
Trucks	5
Vans	2
Buses	4
Bikes	0

ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखें और विद्यार्थियों को हल करने के लिए कहें।

सा.भा.कौ: गणित सीखना बोझ न बनकर मनोरंजक बने इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को तालिका देखने और प्रत्येक संख्या दिखाने के लिए मिलान के चिन्ह बनाने के लिए कहें।

प्रश्न

सबसे अधिक संख्या में कौन-सा पक्षी है?

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 5 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से मिलान के निशान का उपयोग करके प्रत्येक वाहन की संख्या लिखने के लिए कहें और बताएं कि बसों की तुलना में कितने अधिक ट्रक हैं?

Bird	How many?	Tally Lines
	4	
	3	
	2	

टैली मार्क का उपयोग करके आंकड़ा संग्रह करते हैं, चित्र के माध्यम से दर्शाते है और निष्कर्ष निकालते हैं। | ILM 6.28

1. हल किया उदाहरण : आकृतियों की गणना करें और नीचे दी गई तालिका को पूरा करें ?

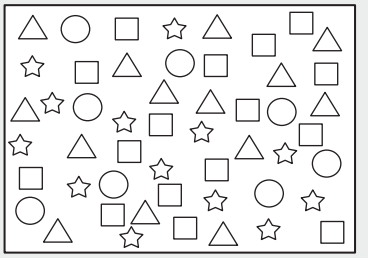

आकृतियाँ	मिलान के चिन्ह
□	𝍸
○	
△	
☆	

2. पता करें कि नीचे दी गई तालिका में कोई त्रुटि है ? त्रुटि पर गोल घेरा लगाएँ ?

क्र.स.	कंपनी	दुकान में मोबाइल	मिलान के चिन्ह
1.	रेडमी	10	𝍸 𝍸
2.	नोकिया	5	𝍸
3.	सैमसंग	2	𝍸 𝍸
4.	एप्पल	9	𝍸 ||||

3. बिप्लब ने घर के बाहर कुछ पक्षियों को देखा, उसके द्वारा देखे गए पक्षियों की संख्या को लिखने के लिए उसने एक तालिका बनाई। प्रत्येक संख्या दिखाने के लिए मिलान का चिन्ह बनाएँ और प्रश्नों के उत्तर दें ?

क्र.स.	पक्षी	कुल कितने	मिलान के चिन्ह
1.		4	
2.		2	
3.		3	

क. उसने कितने मोर देखे ?
ख. किस पक्षी को सबसे अधिक संख्या में देखा गया था ?

4. पार्क में कितने पुरुष, महिलाएँ, बच्चे और छोटे शिशु हैं इसे एक तालिका में दिखाएँ ?

वहाँ कौन हैं ?	कितने हैं ? (मिलान के चिन्ह)

5. सड़क पर कितने वाहन हैं। मिलान के चिन्ह (टैली मार्क) का उपयोग करके लिखें ?

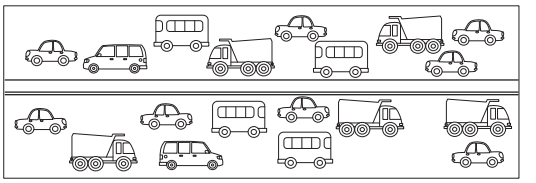

a. कुल कितने वाहन देखे ?
b. किन दो प्रकार के वाहनों को समान संख्या में देखा गया ?
c. बसों की तुलना में कितने अधिक ट्रक देखे गए ?

6. अपने सभी कपड़ों के रंगों को देखें। मिलान के चिन्ह (टैली मार्क्स) से आंकड़ों को तालिका में लिखें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें ?

क्र. सं.	रंग	मिलान के चिन्ह (टैली मार्क)
1.	मिश्रित रंग	
2.	सफेद	
3.		
4.		

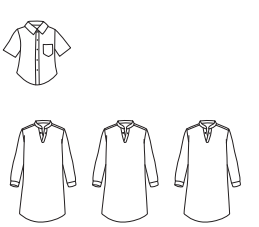

"पैसे जोड़ने का खेल"

ILM 6.20 | पुर्नसमूहन के साथ या पुर्नसमूहन के बिना छोटी राशियों (500 रू० तक) का जोड़ और घटाव करते हैं।

बच्चे ऐसे शब्द समस्याओं को हल कर पाएँगे जहां दो या दो से अधिक धनराशि को (पुनर्समूहित किए बिना) जोड़/घटाव कर पाएँगे।

40 - 50 मिनट

क्ष

100 रुपये तक के मुद्रा नोट 5 रुपये और 10 रुपये के सिक्के

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

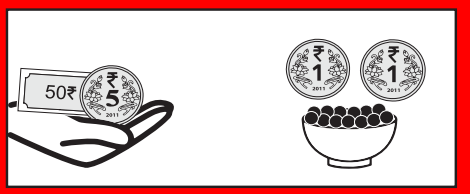

एक बाजार का दृश्य (नाटक)

- मेज़ के दोनों ओर कुछ नक़ली नोट और सिक्के रखें। एक कंकड़ की कटोरी को किसी भी एक तरफ रखें।
- विद्यार्थियों को बताएं की ककंड/ मार्बल संतरे का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।
- 2 विद्यार्थियों को बुलाएं और उनमें से एक को खरीदार और दूसरे को विक्रेता बनने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों को अपने सामने रखे गए नक़ली मुद्रा नोट और सिक्कों को गिनने के लिए कहें।
- विक्रेता से 10 संतरे के लिए कीमत बताने के लिए कहें। ज्यादा संतरे के बारे में सोचने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें, वास्तव में लागत और तदनुसार लागत निर्धारित कर सकते हैं।
- खरीदार को नक़ली नोट और सिक्कों का उपयोग करके कुछ संतरे खरीदने के लिए कहें। 2-3 अन्य विद्यार्थियों को खरीदार की भूमिका निभाने के लिए कह कर गतिविधि दोहराएं।
- **प्रश्न:** जब हमने गतिविधि शुरू की थी तब विक्रेता के पास कितना पैसा था? विक्रेता के पास अब कितना पैसा है?
- **शिक्षक के लिए बिंदु:** गतिविधि विद्यार्थियों को यह गिनने के लिए प्रोत्साहित करेगी कि उनके पास नक़ली नोट और सिक्कों के रूप में कितना पैसा है।

प्रक्रिया

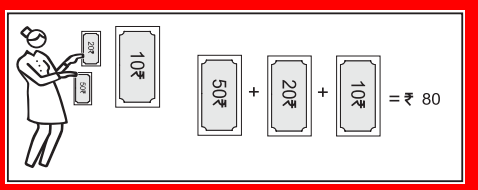

वास्तविक जीवन के उदाहरणों का उपयोग करके धन के जोड़ और घटाव को प्रदर्शित करना

- बोर्ड पर निम्नलिखित प्रश्न लिखें। बीना के पास 50 रुपये, रमन के पास 20 रुपये और वेणु के पास 10 रुपये थे। उन सभी के पास कुल कितना रुपया था?
- विद्यार्थियों को समझाएं कि कुल रूपए खोजने के लिए हमें तीन राशियों को जोड़ना चाहिए।
- लिखें और दिखाएँ 50 रुपये + 20 रुपये = 70 रुपये और 70 रुपये + 10 रुपये = 80 रुपये।
- अब बोर्ड पर निम्नलिखित प्रश्न लिखें - सोमा ने 42 रुपये में कुछ बिस्कुट ख़रीदा ।
- यदि वह दुकानदार को 50 रुपये का नोट देती है, तो उसे कितना वापस मिलेगा?
- पहले विद्यार्थियों को समझाएं कि चूंकि सोमा दुकानदार को 50 रुपये का भुगतान कर रही है, जो कि बिस्कुट की कीमत से अधिक है, उसे दुकानदार से कुछ खुले पैसे वापस मिलेंगें।
- विद्यार्थियों को बताएं कि दुकानदार को कितनी राशि वापस करनी पड़ेगी, इसको जानने के लिए उन्हें 50 रुपये से 42 रुपये को घटाना पड़ेगा।
- लिखें: 50 रुपये - 42 रुपये = 8 रुपये और समझाएँ कि दुकानदार को सोमा को 8 रुपये वापस करने चाहिए।

अभ्यास

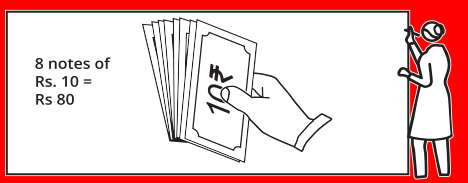

ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न दिखाएँ और विस्यार्थियों को उन्हें हल करने के लिए कहें

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों को बतलाएं:- *अगर भूलवस अधिक नोट/सिक्के की लेनदेन हो गई है तो अधिक ली गई राशि वापस कर दें।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 4 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से यह जानने के लिए कहें कि जॉन को कितना भुगतान करना होगा यदि वह 35 रुपए की पिचकारी और 10 रुपये के गुब्बारे का एक पैकेट खरीदता है।

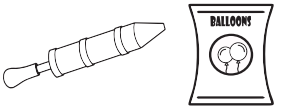

प्रश्न

राशि का भुगतान करने के लिए जॉन किन नोटों का उपयोग कर सकता है?

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 5 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से 8 रुपये के कुल 10 नोट की गणना करने के लिए कहें और ये राशि 50 रुपये कितनी ज़्यादा है?

प्रश्न

100 रुपए के लिए 10 रुपये के कितने नोट की आवश्यकता होगी?

पुर्नसमूहन के साथ या पुर्नसमूहन के बिना छोटी राशियों (500 रू० तक) का जोड़ और घटाव करते हैं। | ILM 6.20

1. हल किया उदाहरण : रहमत ने दुकान से 3 कटर खरीदे। उसे कितना भुगतान करना होगा ?

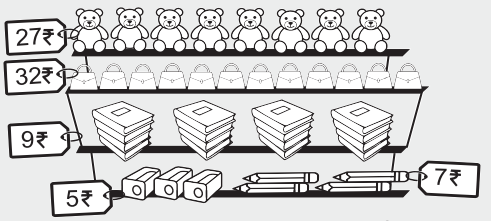

उत्तर : ₹. 5 + ₹. 5 + ₹. 5 = ₹.15

2. प्रश्न 1 में दी गई तस्वीर को देखें और बताएँ कि अगर रहमत ने 2 गुड़िया खरीदी हैं तो उसे कितना भुगतान करना होगा ?

3. जॉन को कितना भुगतान करना होगा अगर वह 35 रुपए की पिचकारी और 10 रुपये के गुब्बारे का एक पैकेट खरीदता है ?

4. अगर आप दुकानदार को 180 रुपये की चप्पल खरीदने के लिए 200 रुपये देते हैं तो आपको कितने रुपये वापस मिलेंगे ?

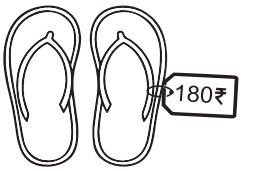

5. 10 रु के 8 नोट का मूल्य पता करें और ये 50 रुपये से कितनी ज़्यादा राशि है ?

6. दिलखुश ने दूध का एक पैकेट और बिस्कुट का एक पैकेट खरीदा। उसने दुकानदार को 35 रुपये दिए। क्या आप बता सकते हैं कि बिस्कुट का पैकेट कितने का था ?

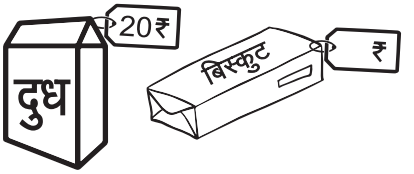

7. अगर आप हर हफ्ते 5 रुपये की बचत शुरू करते हैं। 5 सप्ताह में आप कितना बचा पाएंगे ?

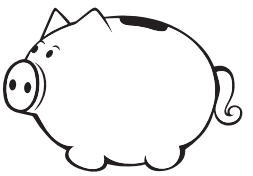

"फर्श में भी पैटर्न?"

ILM 6.27 | तीन अंकों तक की संख्याओं में पैटर्न का अवलोकन, विस्तार और सामान्यीकरण करते हैं।

बच्चे दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाएँगे। जैसे गुणन सारणी, 1 - 1000 तक के संख्या चार्ट या वातावरण में ऑब्जेक्ट।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

टाइल के पैटर्न का चित्र

ग़लत अवधारणा

विद्यार्थियों को यह गलतफहमी हो सकती है कि आधार/मूल टाइल को पूरे पैटर्न में एक ही अभिविन्यास में रखा जाना चाहिए।

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

आधार /मूल टाइल

- विद्यार्थियों से टाइल के फर्श या दीवार के बारे में सोचने के लिए कहें और इसका वर्णन करें।
- विद्यार्थियों को पहले से पता शब्दावली का उपयोग करने की अनुमति दें जैसे कि रंग के नाम, आकार, अभिविन्यास।
- विद्यार्थियों को बताएं कि आप एक टाइल वाली दीवार का चित्र बनाएँगे।
- ब्लैकबोर्ड पर एक वर्ग ग्रिड का चित्र बनाएं और इसे ऊपर दिखाए गए अनुसार रंग दें।

प्रश्न

क्या आपने टाइल का यह पैटर्न पहले देखा है?

- विद्यार्थियों को किसी अन्य प्रकार के टाइल के पैटर्न का चित्र बनाने के लिए कहें जो उन्होंने पहले देखा हो।

प्रक्रिया

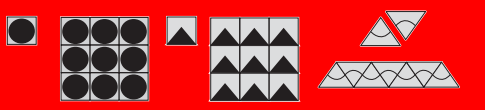

टाइल के पैटर्न बनाना और उसका विस्तार करना

- एक टाइल के पैटर्न का चित्र बनाएं जिसमें वर्गाकार आकार का मूल टाइल हो और वर्ग के अन्दर वृत्त बना हो।
- मूल टाइल की ओर संकेत करें और विद्यार्थियों को बताएं कि टाइल का उपयोग बार-बार टाइल के पैटर्न को प्राप्त करने के लिए किया जाता है।
- बताएं कि टाइल में एक वर्गाकार आकार की टाइल के अंदर एक वृत्त बनाया गया है। मूल टाइल के रूप में एक वर्ग के अंदर एक त्रिभुज के साथ एक और टाइल का पैटर्न बनाएं।
- दो टाइल के पैटर्न को दिखाएँ और विद्यार्थियों को समझाएं कि टाइल विभिन्न डिजाइन, आकार और रंग में होते है।

- एक त्रिभुजाकार मूल टाइल के साथ एक टाइल का पैटर्न बनाएं। बेस टाइल का चित्र बनाएं और विद्यार्थियों को बताएं कि टाइल हमेशा चौकोर आकार का ही नहीं होता।
- 2 अलग-अलग अभिविन्यास में त्रभुज के मूल टाइल का चित्र बनाएं और समझाएं कि पैटर्न बनाने के लिए आधार टाइल को अलग-अलग अभिविन्यास में रखा जा सकता है।

प्रश्न: क्या हम वृताकार टाइल का उपयोग करके फर्श को टाइल कर सकते हैं? क्यों? टाइल के रंग को बदलने से एक टाइल के पैटर्न का आधार-टाइल बदल जाएगा?

- विद्यार्थियों को ध्यान से देखने दें कि एक पंचभुज एक मूल टाइल के रूप में एक पैटर्न को पूरा नहीं कर सकता है जबकि षट्भुज कर सकता है।

अभ्यास

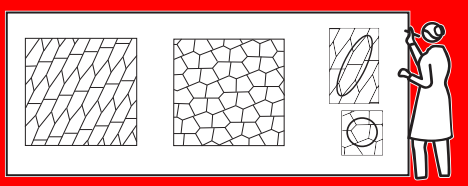

ब्लैकबोर्ड पर पैटर्न दिखाएं और विद्यार्थियों को प्रश्नों को हल करने में मदद करें

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों को सोचने का अवसर/समय प्रदान करें।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 2 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से पैटर्न का निरीक्षण करने और प्रत्येक में मूल-टाइल पर गोल घेरा लगाने के लिए कहें?

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 4 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से कहें कि मूल टाइल्स को दिखाते हुए निम्नलिखित पैटर्न का विस्तार करें?

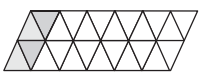

- बताएं कि आमतौर पर टाइल ऐसी रखी जाती हैं कि आस-पास की टाइल के बीच कोई अंतराल न हो।

- एक ही अभिविन्यास में त्रिकोण का चित्र बनाएं और संलग्न त्रिकोण के बीच अंतराल को इंगित करें। जोर दें कि प्रत्येक वैकल्पिक त्रिभुज को उल्टा रखकर सुनिश्चित करें कि उनके बीच कोई अंतराल नहीं है।

तीन अंकों तक की संख्याओं में पैटर्न का अवलोकन, विस्तार और सामान्यीकरण करते हैं। | ILM 6.27

1. हल किया उदाहरण : दी गई पंक्ति के नीचे आकृतियों का चित्र बनाकर और रंग भरकर पैटर्न को आगे बढ़ाएँ ?

क्र.स.	पैटर्न
1.	
2.	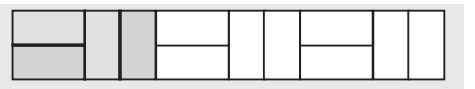

2. उन टाइल में रंग भरें जो किसी भी अंतराल को छोड़े बिना किसी दिए गए फर्श को भर सकते हैं ?

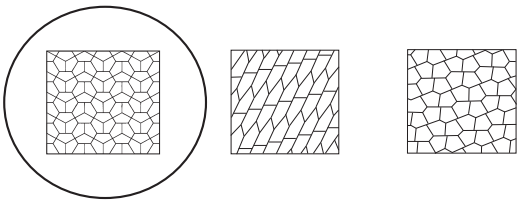

3. इनमें से प्रत्येक पैटर्न बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली टाइल का चित्र बनाएँ ?

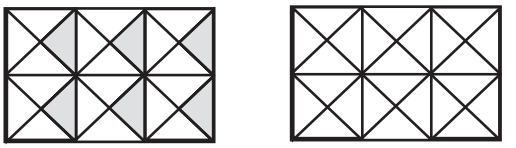

4. टाइल को रंग कर इस टाइल के पैटर्न का विस्तार करें ?

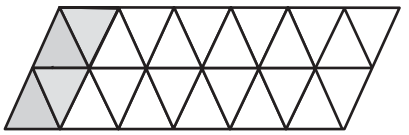

5. टाइल का चित्र बनाते हुए टाइल के पैटर्न का विस्तार करें ?

6. ये टाइल हैं जिनका उपयोग सड़कों के फुटपाथ के निर्माण में किया जाता है। ये टाइल विभिन्न डिजाइन और रंग में आती हैं।
पता लगाएँ और अपने इलाके से ऐसी तीन और टाइल के व्यवस्था का चित्र बनाएँ ?

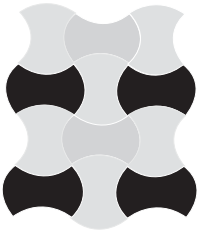

''बताओ कितने मित्रो''

ILM 6.21 | मानक इकाइयों का उपयोग करके लंबाई और दूरी का अनुमान लगाते हैं और मापन करते हैं।

बच्चे बिना माप के वस्तुओं की लंबाई का अनुमान लगा पाएँगे। (उदाहरण: अनुमान लगाएं "यह दीवार 5 मीटर लंबी है")।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

कोई नहीं

ग़लत अवधारणा

विद्यार्थियों को गलतफहमी हो सकती है कि अलग-अलग पैमानों का उपयोग करके समान वस्तुओं के मापन से वस्तु की लंबाई बदल जाती है।

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

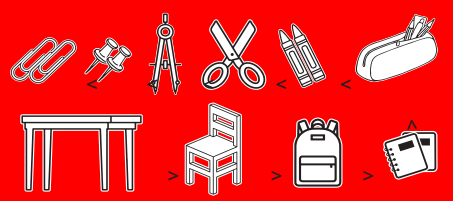

लंबाई के अनुसार वस्तुओं को क्रम से लगाना तथा मीटर और सेंटीमीटर में लंबाई का अनुमान लगाना

- विद्यार्थियों को 4 के समूह में विभाजित करें।
- विद्यार्थियों से कक्षा का अवलोकन करने और उनके आकार के सही क्रम में, किसी भी 8 वस्तुओं को रखने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों को वस्तुओं को व्यवस्थित करने में मदद करें और फिर प्रत्येक समूह को अपने संग्रह में सबसे बड़ी वस्तु और सबसे छोटी वस्तु का नाम बताने के लिए कहें।

प्रश्न

आपको सबसे लंबी वस्तु, कितनी लंबी लगती है? क्या यह 50 सेंटीमीटर से अधिक है?

प्रश्न

आपको सबसे छोटी वस्तु, कितनी छोटी लगती है? क्या यह एक सेंटीमीटर से कम है?

प्रक्रिया

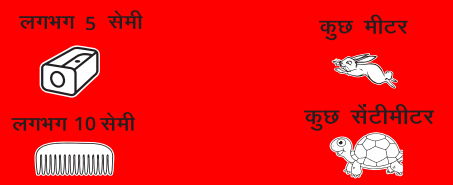

लंबाई और दूरी का अनुमान लगाना

- विद्यार्थियों को बताएं कि वस्तुओं की लंबाई का आकलन और तुलना करना दैनिक जीवन में उपयोगी है।
- उदाहरण के लिए- हम वह बेड खरीदते हैं जो कमरे की लंबाई से कम हो, अन्यथा यह कमरे में सही से नहीं आएगा।
- इसी प्रकार, पेंसिल बॉक्स की वस्तुएं पेंसिल बॉक्स की लंबाई से छोटी होनी चाहिए। एक कटर (शार्पनर), एक छोटी कंघी और एक पेंसिल बॉक्स लें।
- एक कटर (शार्पनर), एक छोटी कंघी और एक पेंसिल बॉक्स लें।

- विद्यार्थियों को बताएं कि एक कटर (शार्पनर) 5 से.मी. से कम लंबा दिखता है, एक पेंसिल बॉक्स 10-20 से.मी. के बीच दिखता है और एक कंघी भी 10 से 20 से.मी. लंबी दिखती है।
- सभी वस्तुओं का मापन करें और ब्लैकबोर्ड पर उनके माप लिखें। बढ़ते क्रम में माप को व्यवस्थित करें और विद्यार्थियों को सबसे छोटा और सबसे बड़ा माप बताएं।
- विद्यार्थियों को बताएं कि वे इसी तरह मीटर या सेंटीमीटर में दूरी की तुलना कर सकते हैं।
- विद्यार्थियों को बताएं कि एक छलांग में एक मीटर से अधिक दूरी तय की जा सकती है लेकिन एक कछुआ प्रत्येक चरण में एक मीटर से बहुत कम चलता है।

अभ्यास

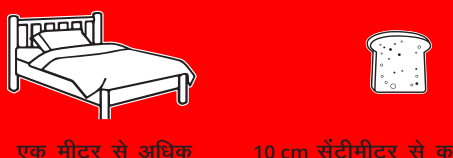

ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखें और विद्यार्थियों को इसे हल करने के लिए कहें

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों को दो स्थानों के बीच की दूरी का "अनुमान लगाने और तुलना करने की कौशल" के बारे में बतलाएं।

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 3 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों से निम्नलिखित की लंबाई का अनुमान लगाने के लिए कहें।

  क) एक बेड:_ मीटर

  ख) एक ब्रेड स्लाइस:_ सेंटीमीटर

  ग) एक कछुआ:_ सेंटीमीटर

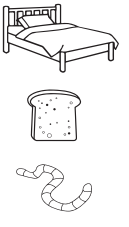

- विद्यार्थियों को कार्यपत्रक के प्रश्न 4 को हल करने में मदद करें। विद्यार्थियों को घर से घोड़े, सुअर और फूल की दूरी का मापन करने के लिए एक स्केल का उपयोग करने के लिए कहें।

प्रश्न

कौन सा जानवर घर के करीब है?

मानक इकाइयों का उपयोग करके लंबाई और दूरी का अनुमान लगाते हैं और मापन करते हैं। |ILM 6.21

1. हल किया उदाहरण : वस्तु कितनी लम्बी है ? जवाब देने के लिए सही बॉक्स पर सही का निशान लगाएँ ?

क्र. स.	वस्तु	10 सें.मी. से कम	10 सें.मी. से अधिक	1 मी. से अधिक
1.				

2. वस्तु कितनी लम्बी है ? जवाब देने के लिए सही बॉक्स पर सही का निशान लगाएँ ?

क्र. स.	वस्तु	10 सें.मी. से कम	10 सें.मी. से अधिक	1 मी. से अधिक
1.				
2.				
3.				
4.				

3. निम्नलिखित की लंबाई का अनुमान लगाएँ ?

क. _____ मीटर

ख. _____ सेंटीमीटर

ग. _____ सेंटीमीटर

4. प्रत्येक वस्तु की लंबाई का अनुमान लगाएँ और > या < संकेतों का उपयोग करके लंबाई की तुलना करें ?

क्र.स.	वस्तु 1		वस्तु 2
1.	की लंबाई		की चौड़ाई 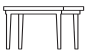
2.	की लंबाई		की चौड़ाई

5. रिक्त स्थान भरें।

क. > _____ मीटर

ख. > _____ सेंटीमीटर

ग. > _____ सेंटीमीटर

6. घर से घोड़े, सुअर और फूल की दूरी को मापें। और बताएँ कि कौन घर से सबसे नजदीक है ?

7. प्रश्न 6 में दिखाए गए चित्र में कौन पेड़ के करीब है फूल या सूरज ?

8. अपनी कोहनी से कलाई तक की लंबाई का मापन करें और लिखें। .....

अपने टखने से अपने घुटने तक की लंबाई का मापन करें और लिखें। .....

कौन सा लंबा है ?

"जग और मग"

ILM 6.23 | लीटर के संदर्भ में पात्रों की धारिता का अनुमान लगाते हैं और मापन करते हैं ।

बच्चे बिना मापे दिए गए दो कंटेनर में किसकी धारिता अधिक है इसका अनुमान लगा पाएँगे। (उदाहरण: अनुमान लगाएं "दिए गए बाल्टी की क्षमता दिए गए जग से अधिक है")।

40 - 50 मिनट

शिक्षण सामग्री

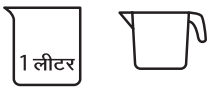

1 लीटर यूनिट का माप
लगभग 2 लीटर की क्षमता वाला एक मग

ग़लत अवधारणा

कोई नहीं

मुख्य शब्दकोश

कोई नहीं

खेल

एक कप चाय बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला पानी < 1 लीटर

कपड़े धोने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला पानी > 10 लीटर

दैनिक गतिविधियों के लिए उपयोग किए जाने वाले पानी की मात्रा का अनुमान लगाना

- विद्यार्थियों से 4 दैनिक गतिविधियों को लिखने के लिए कहें जिनमें पानी की आवश्यकता हो।
- 1 लीटर की क्षमता वाली बोतल दिखाएं और विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि बोतल में 1 लीटर पानी आ सकता है।
- विद्यार्थियों से यह अनुमान लगाने के लिए कहें कि उनके द्वारा लिखी गई दैनिक गतिविधियों के लिए कितने लीटर पानी की आवश्यकता है।
- उदाहरण दें, "मैं लगभग 3 लीटर पानी पीता हूं" या "मैं चाय तैयार करने के लिए 1 लीटर से कम पानी का उपयोग करता हूं"।

- विद्यार्थियों को "10 लीटर से अधिक" या "एक लीटर से कम" जैसे तुलनात्मक अनुमान लगाने के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रक्रिया

4 लीटर

10 लीटर

धारिता (क्षमता) की तुलना

- ब्लैक बोर्ड पर एक बड़ी बाल्टी, एक घड़ा, एक बर्तन और एक मग का चित्र बनाएँ।
- विद्यार्थियों से अपने-अपने बर्तन की धारिता (क्षमता) का लीटर में अनुमान लगाने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों को प्रत्येक बर्तन की धारिता (क्षमता)। बता दें कि क्षमता की तुलना करने का एक तरीका बर्तन में 1 लीटर पानी की बोतल का उपयोग करके पानी भरना है।
- एक मग दिखाएँ और इसे 1 लीटर पानी की बोतल का उपयोग करके भरें। समझाएँ कि हम आकार के अवलोकन द्वारा धारिता/ क्षमताओं की तुलना कर सकते हैं।

- विद्यार्थियों से एक बर्तन चुनने और बर्तन की क्षमता का अनुमान लीटर में लगाने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों से अपने बर्तन भरने के लिए 1 लीटर पानी की बोतल का उपयोग करने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों को अपनी 1 लीटर पानी की बोतल भरने के लिए पानी से भरी एक बाल्टी रखें। प्रश्न: आपके बर्तन की क्षमता क्या है?
- **प्रश्न:** एक ऐसे बर्तन का नाम बताएँ जिसमें आपके बर्तन से ज्यादा पानी आ सकता है। आपको क्या लगता है कि बर्तन में कितने लीटर पानी आ सकता है

अभ्यास

ब्लैकबोर्ड पर बर्तन का चित्र बनाएँ और विद्यार्थियों को उनकी क्षमता का अनुमान लगाने के लिए कहें।

सा.भा.कौ: विद्यार्थियों को बतलाएं:- जल ही जीवन है। इसे आवश्यकता अनुसार खर्च करें, बर्बाद नहीं करें।

- उपयुक्त वस्तुओं के नामों के साथ रिक्त स्थान का अनुमान लगाएं, तुलना करें और लिखें?
  क) दूध के पैकेट की क्षमता से कम _ की क्षमता होती है।
  ख) वाशिंग मशीन की क्षमता _ की क्षमता से अधिक है।
  ग) एक बाल्टी की क्षमता _ की क्षमता से कम है।
  घ) एक _ की क्षमता एक गिलास की क्षमता से अधिक है ।

क्र.स.	वस्तु	एक लीटर से अधिक या एक लीटर से कम
1		..... लीटर से अधिक
2		..... लीटर से अधिक

प्रश्न

रिक्त स्थान को पूरा करें?

लीटर के संदर्भ में पात्रों की धारिता का अनुमान लगाते हैं और मापन करते हैं। | ILM 6.23

1. हल किया उदाहरण : सड़क पर एक बड़ा गड्ढा है। यह बारिश के पानी से भर जाता है। आपको क्या लगता है कि बड़े गड्ढे में कितना पानी आ सकता है ?

1 लीटर से कम | 2 लीटर | 10 लीटर से अधिक

2. अंशु स्नान करने के लिए 1 बाल्टी पानी का उपयोग करता है। जब भी आशु स्नान करता है, तो कितने लीटर पानी का उपयोग करता है ?

1 लीटर से कम

2 लीटर

10 लीटर से अधिक

3. निम्नलिखित वस्तुओं की धारिता (क्षमता) का सही अनुमान लगाएँ और सही का निशान लगाएँ :

एक केतली

एक लीटर से कम/ एक लीटर के बराबर/ एक लीटर से अधिक

एक पिट्ठुबैग

एक लीटर से कम/ एक लीटर के बराबर/ एक लीटर से अधिक

फ्रिज

एक लीटर से कम/ एक लीटर के बराबर/ एक लीटर से अधिक

चार गिलास जूस

एक लीटर से कम/ एक लीटर के बराबर/ एक लीटर से अधिक

एक कप

एक लीटर से कम/ एक लीटर के बराबर/ एक लीटर से अधिक

एक जग

एक लीटर से कम/ एक लीटर के बराबर/ एक लीटर से अधिक

4. इन बर्तनों/ पात्रों को उनकी क्षमता के बढ़ते क्रम में संख्या दें ?

5. इन वस्तुओं की क्षमता का अनुमान लगाएँ ?

क्र.स.	वस्तु	एक लीटर से अधिक या एक लीटर से कम
1.	घड़ा	..... लीटर से अधिक
2.	पेन्ट की बाल्टी	..... लीटर से अधिक
3.	टमाटर की चटनी का पाउच	..... लीटर से अधिक
4.	दूध का पैकेट	..... लीटर से अधिक

6. पता करें कि आपकी रसोई में कितने बर्तन 1 लीटर से कम क्षमता के हैं और उनमें से कितने में 1 लीटर से अधिक क्षमता है ?

1 लीटर से कम क्षमता वाले बर्तन	1 लीटर से अधिक क्षमता वाले बर्तन
	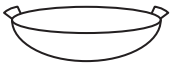

9. बुनियादी भाषा और साक्षरता

9.1 भूमिका

सभी बच्चों में पढ़ने–लिखने की बुनियादी क्षमता आगे की स्कूली शिक्षा और जीवन भर सीखते रहने की नींव रखती है। भाषा सिर्फ एक बोल चाल का जरिया भर नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से ही बच्चे शिक्षा के अन्य विषयों (Subjects) जैसे गणित, विज्ञान आदि तक पहुँच बना पाते हैं, और दुनिया को समझते हैं। बतौर शिक्षक हमारे लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि बच्चों में भाषा के माध्यम से ही सोचने – समझने की क्षमता विकसित होती है और ये दोनों (भाषा और समझ) एक साथ विकसित होते हैं। एक वयस्क की तरह बच्चे भी अपने आस–पास की दुनिया को देखते और उसके अर्थ गढ़ते हैं। जैसे कि किसी बच्चे ने एक नीम का पेड़ देखा और उसने पेड़ को उस पर रहने वाली गिलहरी और चिड़िया के घोंसले से भी जोड़ा और साथ ही साथ नीम की छाल और उसकी पत्तियों के फायदे से भी जोड़ा। बच्चे और हम भी दुनिया की हर वस्तु को ऐसे ही अर्थ देते हैं। इन अवधारणाओं को नाम दिए बिना हम इनके आपसी संबंध निर्धारण तथा मस्तिष्क में इनके प्रतीक बनाने में सक्षम नहीं हो सकते। बच्चे अर्थ निर्माण करते समय अपने मस्तिष्क में जो अवधारणाएँ बनाते हैं, बुनियादी भाषा उन्हीं अवधारणाओं का नाम है।

9.2 भाषायी कौशलों का अंतर्संबंध

एक आम धारणा है कि बच्चों में बुनियादी भाषा और साक्षरता विकसित करने के लिए पहले सुनने, फिर बोलने, उसके बाद पढ़ने और अंत में लिखने के कौशल पर काम किया जाना चाहिए। भाषा सीखने में हुए तमाम शोध इस धारणा को नहीं स्वीकारते हैं और साबित कर चुके हैं कि ये सारे कौशल एक के बाद एक नहीं बल्कि एक साथ ही विकसित होते हैं। जाहिर है कक्षा में बुनियादी भाषा और साक्षरता विकास के लिए की जाने वाली सभी गतिविधियों में सुनने, बोलने, पढ़ने और

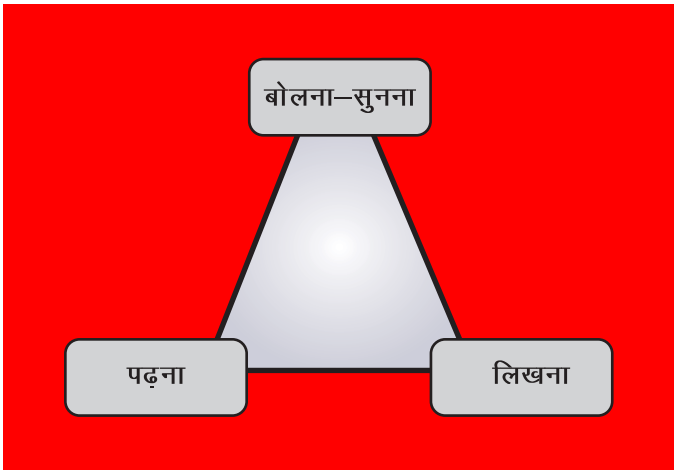

लिखने से संबंधित सभी तत्वों को हर दिन की कक्षा का हिस्सा बनाना आवश्यक है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक व्यवस्थित शिक्षण रणनीति की आवश्यकता होगी।

बुनियादी भाषा और साक्षरता विकास के मुख्य स्तंभ

1. **मौखिक भाषा विकास** – हम मौखिक भाषा को अक्सर ही केवल संवाद की प्रक्रिया तक सीमित कर देते हैं, किन्तु वास्तव में ऐसा नहीं है। मौखिक भाषा विकास को मात्र कुछ गतिविधियों तक सीमित कर देना इसके महत्व और सम्पूर्ण क्षमता को बहुत छोटे दायरे में सीमित कर देने जैसा है। बच्चे का मौखिक भाषा विकास जितना बेहतर होगा बच्चे के लिए पढ़ना–लिखना सीखना उतना आसान और गुणवत्तापूर्ण होगा।
2. **लिपि संरचना की निपुणता** – लिपि संरचना की निपुणता के अंतर्गत लिपि की एक व्यवस्था पर पूरी पकड़ होना शामिल है। जिसमें लिपि चिह्नों की बनावट की समझ, लिपि चिह्नों और ध्वनि के संबंध की समझ, लिपि से शब्दों के बनने, शब्दों से वाक्य बनने के नियमों की समझ, धाराप्रवाह एवं स्वतंत्र रूप

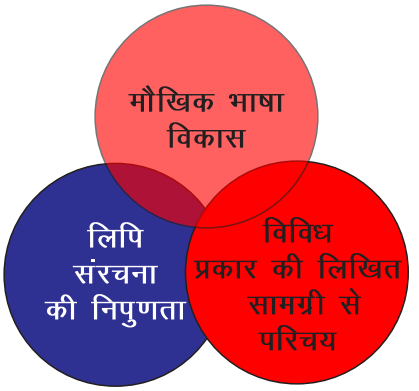

से पढ़ने और लिखने के लिए आवश्यक सभी तरीकों और नियमों की समझ शामिल है।

3. **विविध प्रकार की लिखित सामग्री से परिचय** – इसका अर्थ यह है कि बच्चों को पाठ्यपुस्तक के अलावा भी अलग–अलग प्रकार की लिखित सामग्री से परिचित करवाना बहुत जरूरी है। इसके अंतर्गत विभिन्न संदर्भों से कहानी, कविता, अखबार, दैनिक जीवन में उपयोगी लिखित सामग्री, बड़े बच्चों द्वारा लिखी गयी सामग्री, विभिन्न प्रकार के चित्र और पोस्टर आदि आते हैं। शुरुआत से ही बच्चों को विविध प्रकार की लिखित सामग्री देना, उनके पढ़ना – लिखना सीखने के अनुभव को और पुख्ता करती है। इसमें ऐसे बच्चों को भी अवश्य शामिल किया जाना चाहिए जिनमें अभी पढ़ने–लिखने की क्षमता का विकास नहीं हो पाया है।

इन स्तंभों के आधार पर ही निपुण भारत मिशन (National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy) 2021 में बुनियादी भाषा और साक्षरता के नौ घटक दर्शाए गए हैं जो हैं–मौखिक भाषा विकास, ध्वनि जागरूकता, डिकोडिंग, शब्द भंडार, पढ़कर समझना, धाराप्रवाह पठन, लिखी/छपी सामग्री के प्रति जागरूकता, लेखन, और पठन संस्कृति का विकास।[1] नीचे दी हुई तालिका में इन घटकों को सीखने के प्रतिफलों से मिलान करते हुए दर्शाया गया है।

9.4 बुनियादी भाषा और साक्षरता विकास के मुख्य सिद्धांत

- बच्चों की मातृभाषा/स्थानीय भाषा को उचित स्थान एवं सम्मान देते हुए स्कूली भाषा से जोड़ना।

9.3 बुनियादी भाषा और साक्षरता के घटकों का सीखने के प्रतिफलों के साथ मिलान

सीखने के प्रतिफल	घटक
• विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे– कविता, कहानी सुनाना, जानकारी के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना। • सुनी सामग्री (कहानी, कविता आदि) के बारे में बातचीत करते हैं, अपनी राय देते हैं, प्रश्न पूछते हैं।	मौखिक भाषा विकास
• भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनंद लेते हैं, जैसे– इन्ना, बिन्ना, तिन्ना। • परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री (जैसे– मिड-डे मील का चार्ट, अपना नाम, कक्षा का नाम, मनपसंद किताब का शीर्षक आदि) में रुचि दिखाते हैं, बातचीत करते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे– केवल चित्रों या चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर-ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना।	ध्वनि संबंधी जागरूकता

[1] संदर्भ के लिए पाठ्यपुस्तक के प्रत्येक पाठ को घटकवार रूप से परिशिष्ट एक में दर्शाया गया है।

सीखने के प्रतिफल	घटक
• प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) और गैर-प्रिंट सामग्री (जैसे, चित्र या अन्य ग्राफिक्स) में अंतर करते हैं। • प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजदू अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों को पहचानते हैं, जैसे– 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, यह कहाँ लिखा हुआ है?/ इसमें 'नाम' कहाँ लिखा हुआ है?/ 'नाम' में 'म' पर अँगुली रखो। • हिंदी वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।	डिकोडिंग
• स्वयं बनाए गए चित्रों के नाम लिखते (लेबलिंग) हैं, जैसे – हाथ के बने पंखे का चित्र बनाकर उसके नीचे 'बीजना' (ब्रजभाषा, जो कि बच्चे की घर की भाषा हो सकती है) लिखना।	शब्द भंडार
• चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं। • चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग-अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।	पढ़कर समझना
• पढ़ी कहानी, कविताओं आदि में लिपि चिह्नों/शब्दों/वाक्यों आदि को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर, समझकर उनकी पहचान करते हैं।	धाराप्रवाह पठन
• संदर्भ की मदद से आस-पास मौजूद प्रिंट के अर्थ और उद्देश्य का अनुमान लगाते हैं, जैसे– टॉफ़ी के कवर पर लिखे नाम को 'टॉफ़ी', 'लॉलीपॉप' या 'चॉकलेट' बताना।	लिखी/छपी सामग्री के प्रति जागरूकता
• लिखना सीखने की प्रक्रिया के दौरान अपने विकासात्मक स्तर के अनुसार चित्रों, आड़ी-तिरछी रेखाओं (कीरम-काटे), अक्षर-आकृतियों, स्व-वर्तनी (इंनवेंटिड स्पैलिंग) और स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) के माध्यम से सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से लिखने का प्रयास करते हैं।	लेखन
• स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक - कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनते हैं और पढ़ने की कोशिश करते हैं।	पठन संस्कृति का विकास

- कक्षा में भाषा सीखने के लिए भयमुक्त माहौल उपलब्ध करवाना।
- समझ के साथ व उचित गति से पढ़ना।
- पढ़ने व लिखने संबंधित स्पष्ट निर्देश देना।
- वर्णों/लिपि चिह्नों के संदर्भ को आधार बनाकर व्यवस्थित तरीके से सिखाना।
- बुनियादी भाषा सिखाने में शुद्धतावादी नज़रिए से बचना।
- बच्चों को भाषा के उपयोग करने के अधिकाधिक अवसर देना जहाँ वे गलतियाँ करके भी सीखें।
- भाषा शिक्षण से संबंधित शिक्षण अधिगम सामग्री का उपयोग करना।
- कौशलों के विकास में दायित्वों का क्रमिक

हस्तांतरण (Gradual Release of Responsibility)।

- बच्चों को आवश्यकतानुसार सहायता प्रदान करना।
- अभ्यास के बार–बार अवसर प्रदान करना।
- सतत् अवलोकन करना।
- प्रिंट समृद्ध वातावरण के निर्माण के अवसर सुनिश्चित करना।
- कक्षा में होने वाले प्रत्येक चर्चा और गतिविधि में हर बच्चे (लड़का, लड़की, विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे आदि) की सहभागिता के अवसर सुनिश्चित करना।

9.5 बुनियादी भाषा और साक्षरता विकास के लिए संतुलित पद्धतिः क्या और कैसे?

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बुनियादी साक्षरता और भाषा शिक्षण की प्रस्तावना नवीनतम शोध पर आधारित है। इसके मुताबिक साक्षरता मात्र पढ़ पाने की क्षमता नहीं है; बल्कि एक ऐसा माध्यम है जिससे बच्चे ज्ञान एवं संभावित क्षमताओं का विकास कर पाते हैं और अपने समुदाय एवं समाज में भाग लेने के लिए सशक्त बनते हैं। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-FS) 2022 प्रारम्भिक भाषा की कक्षाओं में संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति (Balanced Literacy Approach) को अपनाने की बात करती है। यह पद्धति "पढ़ना सीखने" को एक व्यापक अनुभव के रूप में देखती है। इस दृष्टिकोण की प्रमुख बातें इस प्रकार समझी जा सकती हैं:–

1. प्रारंभिक वर्षों में बुनियादी भाषा का शिक्षण और साक्षरता दोनों का संतुलन होना चाहिए यानी कि 'निम्न–क्रम' कौशल अर्थात ध्वनि जागरूकता,

डिकोडिंग करना, अक्षरों और शब्दों को सही ढंग से पढ़ना, लिखना और 'उच्च क्रम' अर्थात अर्थ–आधारित कौशल, मौखिक भाषा, सुनने की समझ, बातचीत, पढ़ना, किताबों से जुड़ना, ड्राइंग और मूल लेखन का विकास दोनों पर एक साथ कार्य करना अधिक प्रभावी माना गया है।[1]

2. प्रारंभिक स्तर पर पढ़ना–लिखना सिखाने के लिए स्पष्ट, सुनियोजित अैर व्यवस्थित शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी होती है अर्थात अर्थ–निर्माण और कौशल आधारित दोनों ही गतिविधियों को प्रतिदिन की कक्षा प्रक्रिया में सुनियोजित रूप से सुनिश्चित किया जाए और शुरूआती कक्षाओं से ही प्रिंट समृद्ध परिवेश बच्चों को उपलब्ध कराया जाए।
3. शिक्षण विधियाँ ऐसी हों जिनमें शिक्षक केंद्रित और शिक्षार्थी केंद्रित गतिविधियों में संतुलन बना रहे। कुछ गतिविधियाँ ऐसी हों जो शिक्षक संचालित (मैं करता/करती हूँ/ I do) हो और कुछ ऐसी हों जो बच्चे समूह में या स्वतंत्र (हम करें we do/आप

1 इसकी और अधिक समझ बनाने के लिए स्कारबरो मॉडल को देख सकते हैं। https://dyslexiaida.org/scarboroughs-reading-rope-a-groundbreaking-infographic/#:~:text=The%20Reading%20Rope%20consists%20of,automatic%20with%20repetition%20and%20practice.

करें / You do) रूप से कर पाएँ।

4. बच्चों को विद्यालय एवं कक्षा में विविध प्रकार की पठन सामग्री जैसे पाठ्य पुस्तकें, बाल साहित्य स्तरानुसार किताबें, पोस्टर, कार्य पत्रक इत्यादि उपलब्ध हों।

9.6 कक्षा में बुनियादी साक्षरता के घटकों का स्वरूप

विद्यालय में मौखिक भाषा विकासः क्यों और कैसे?

बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो वे अपने घर से भाषा का एक भरा–पूरा संसार अपने साथ लिए होते हैं। अपनी मातृभाषा को पूरे प्रवाह के साथ बोल रहे होते हैं। मौखिक भाषा पढ़ने और लिखने का आधार होती है। बच्चों को बातचीत और अभिव्यक्ति के विभिन्न अवसर देना उनके सोचने और समझने के कौशलों को विकसित करने में मदद करता है। जिन क्षेत्रों में हम कार्य करते हैं वहाँ यह बहुत संभव है कि बच्चे के घर की भाषा और उसके विद्यालय की भाषा या उसे पढ़ाई जाने वाली भाषा में अंतर हो। अतः बच्चों के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह पढ़ना और लिखना सीखने से पहले उसके आधार के रूप में मौखिक भाषा को उसके पूरे परिवेश के साथ सीखें और उसे सुनने, समझने, बोलने और विभिन्न परिस्थितियों में प्रयोग करने के अवसर पाएँ। ये अवसर बच्चे के लिए पढ़ने और लिखने की प्रक्रिया को आकर्षक और सार्थक बनाने में मदद करते हैं। इस लक्ष्य को शुरुआती कक्षाओं में केवल पाठ्यपुस्तक पढ़ने और लिखने से हासिल नहीं किया जा सकता बल्कि बच्चों के साथ बातचीत, चर्चा, उच्च स्तरीय प्रश्न पूछना, उन्हें सोचने और तर्क करने के लिए प्रोत्साहित करना और उनकी शब्दावली के विकास के लिए प्रयास करना भी महत्वपूर्ण है।

मौखिक भाषा विकास में निहित कौशल कुछ इस प्रकार हैं –

1 पाठ को सुनकर बच्चों द्वारा प्रतिक्रिया देना।

2 पाठ में आए नए शब्दों को जानकर बच्चों द्वारा शब्द भंडार को विकसित करना।

3 सुने हुए पाठ को दूसरों के साथ सही ढंग से अपनी स्थानीय भाषा में साझा कर पाना।

4 समझ बनाने के लिए सहपाठियों के साथ पढ़े हुए पाठ पर विचार विमर्श करना।

विद्यालय की भाषा और घर की भाषा के बीच की खाई को पाटने के लिए मौखिक भाषा विकास पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है। इसके लिए कक्षा में चर्चा, तर्क–वितर्क, सवाल–जवाब, और अनुभवों, घटनाओं आदि को सुनने–सुनाने के मौके अनिवार्य रूप से देने होंगे।

लेखन में प्रयुक्त होने वाली औपचारिक शब्दावली और जटिल वाक्य संरचनाओं से यदि बच्चों का परिचय मौखिक भाषा के दौरान ही करा दिया जाए तो पढ़ना और लिखना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। मौखिक भाषा ही वह नींव है जिस पर पढ़ने और लिखने की क्षमता विकसित होती है। अगर प्रारम्भिक कक्षाओं में मौखिक भाषा का दृढ़ विकास हो जाए तो यह बहुत कुछ सीखने की प्रक्रियाओं के लिए एक ठोस नींव बनती है।

निम्नलिखित तरीके अपनाकर हम बच्चों में मौखिक भाषा का विकास आसानी से कर सकते हैं।

चित्र पर चर्चा / वार्तालाप

बच्चों के साथ चित्र पर चर्चा करने से वे अपने आप को चित्र से जोड़कर देखते हैं, अपने अनुभवों को विस्तार देते हैं और अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित होते हैं, साथ ही चित्रों पर चर्चा बच्चों में सोचने, विश्लेषण करने, तर्क करने और अपने विचारों को आकार देने जैसे कौशलों के विकास में सहायक है।

चित्र दिखाते हुए चर्चा: यह चित्र कहाँ का होगा?

चित्र में क्या–क्या हो रहा है? यह गाय नीचे क्यों बैठी होगी? आपको क्या लगता है? दुकानों पर क्या– क्या

मिल रहा है? लड़की ठेले वाले से क्या बात कर रही होगी?

बच्चों को सोचने और तर्क करने हेतु चित्रों के कठिनाई स्तर को बढ़ाया भी जा सकता है।

अनुभव / विषय पर चर्चा –

किसी विषय पर बातचीत करते समय बच्चों को प्रश्नों के माध्यम से अलग–अलग तरह से सोचने और अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता होती है। इसके लिए बच्चों से खुले छोर (Open Ended) वाले प्रश्न पूछे जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, "पानी" विषय पर बातचीत में निम्नलिखित बिंदुओं को सम्मिलित करें– **जानकारी:** पानी कहाँ – कहाँ से आता है? आपके घर में एक दिन में कितना पानी उपयोग होता होगा? पानी का उपयोग हम किन कार्यों के लिए करते हैं? क्या कभी ऐसा हुआ है कि आपको जरूरत के समय पानी नहीं मिला, तब आपने क्या किया? **फायदे और नुकसान:** पानी के क्या फायदे हो सकते हैं? अगर आपको तीन दिन तक पानी न मिले, तो क्या करेंगे? जब बहुत ज्यादा बारिश हो जाए तब क्या होगा? **न हो तो क्या होगा:** यदि पानी न हो तो क्या–क्या दिक्कतें होंगी? पानी बचाने के लिए हम क्या कर सकते हैं? आदि इसी तरह अलग अलग विषयों जैसे – घर, रिश्तेदार, गाँव, स्कूल, दोस्त, त्योहार, मौसम, खेलों आदि को माध्यम बनाकर मौखिक चर्चाएँ की जा सकती हैं।

खेलों पर आधारित चर्चा –

बच्चों के साथ मौखिक चर्चा हेतु खेलों को भी विषय बनाया जा सकता है जैसे –

एक खेल हो सकता है: मेरे बारे में बताओ ....

इसमें शिक्षक अपनी कक्षा में ढेर सारे छोटे–छोटे सामान, इकट्ठा कर लें जैसे– कोई एक छोटा पौधा, गेंद, आईना, चिड़िया का खाली घोंसला, खाली बोतल, डब्बा, चिप्स के खाली पैकिट, साबुन का कवर, लकड़ी या मिट्टी के खिलौने, चिड़ियों, जानवरों, पेड़–पौधों के चित्र आदि।

खेल के निर्देश – किसी एक बच्चे को बुलाएँ और उसे आँख बंद कर कोई भी एक वस्तु उठाने को कहें। बच्चा

जो भी वस्तु उठाए, उसके बारे में उससे तरह–तरह के प्रश्न पूछ सकते हैं। जैसे–

जैसे वह वस्तु क्या है, किस चीज से बनी है? किस – किस काम में आती है? इसके स्थान पर काम आने वाली दूसरी कोई वस्तु क्या हो सकती है? आदि।

ऐसे ही आप अन्य परिवेशीय खेलों को मौखिक चर्चा में शामिल कर सकते हैं जिससे बच्चों को सोचने, तर्क करने और खुलकर अभिव्यक्त करने के अवसर मिल सकें।

कहानी / कविता पर आधारित मौखिक चर्चा –

शिक्षक या बच्चों द्वारा कहानी सुनाने और उस पर चर्चा करने से बच्चों के शब्द–भंडार में वृद्धि होती है। यही नहीं उनके सुनकर समझने के कौशल और उच्च स्तरीय चिंतन कौशल में भी वृद्धि होती है। इसके अलावा बच्चे कहानी सुनकर अपने अनुभवों के बारे में बातचीत कर पाते हैं। कहानी की घटना, पात्रों से खुद को जोड़ पाते हैं और अपने भावों को अभिव्यक्त कर पाते हैं।

कहानी सुनाने से पहले– कहानी के शीर्षक, मुख्य पृष्ठ / कवर पेज पर चर्चा की जा सकती है जैसे– कहानी के लेखक और चित्रकार के बारे में बताया जा सकता है, कहानी के कुछ मुख्य शब्दों पर बातचीत करके उनके अर्थ व वाक्य में प्रयोग पर कार्य किया जा सकता है। कहानी के चित्र व शीर्षक से कहानी का अनुमान लगवाने पर कार्य किया जा सकता है जैसे कहानी में क्या हुआ होगा, कहानी में कौन–कौन हैं? किसी पात्र ने ऐसा क्यों किया होगा, उसके बारे में क्या सोचा होगा?

कहानी सुनाने के बाद– कहानी सुनाने के बाद बच्चों से सवाल पूछने चाहिए। इन सवालों में कुछ सवाल ऐसे हों जिनका जवाब कहानी में मौजूद हो और कुछ ऐसे हों जिनका जवाब देने के लिए बच्चों को कहानी से परे सोचना पड़े (जैसे – अनुमान के आधार पर, अनुभवों के आधार पर, तर्क का इस्तेमाल करके आदि)। जैसे आप इस पात्र की जगह होते तो क्या करते? किसी पात्र ने ऐसा क्यों किया होगा? क्या सोचा होगा? आपको क्या लगता है? आदि।

ध्वनि संबंधी जागरूकता

विभिन्न गतिविधियाँ –

- पता लगाओ कौन छिपा है?
- पहेली बूझें
- नकल उतारना

कक्षा में क्या–क्या है?

- बाहर जाकर देखो
- शब्द अन्तयाक्षरी
- खाने की वस्तुओं के नामों पर चर्चा

किसी बच्चे, जिसने अभी स्कूल में कदम रखा ही है, के सामने कोई शब्द जैसे 'कमल' बोलें और उससे पूछें कि इसमें कितनी आवाजें हैं। क्या वह यह बता पाएगा कि इसमें तीन आवाजें हैं? शायद बहुत कम बच्चे ही यह बता पाएँ। अधिकतर बच्चे प्रारंभ में यह नहीं कर पाते और इसलिए वे शब्दों को पढ़ने और लिखने में चुनौती महसूस करते हैं। जब हम पढ़ते हैं तो अलग अलग ध्वनियों को जोड़ रहे होते हैं और लिखते समय ध्वनियों को अलग–अलग करके लिख रहे होते हैं। भाषा के शब्दों में उपस्थित ध्वनियाँ, छोटी–छोटी ध्वनियों या वर्णों के योग से बनी होती है। बच्चों द्वारा ध्वनि इकाइयों को पहचानना एवं दो ध्वनि के बीच अंतर कर पाने की क्षमता को ''ध्वनि–जागरूकता'' कहते हैं। यह कौशल बच्चों को पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करता है।

ध्वनि संबंधी जागरूकता के विकास हेतु कुछ गतिविधियाँ

प्रथम ध्वनि की पहचान	ध्वनियों को जोड़ना (ब्लेंडिंग)	ध्वनियों को तोड़ना (सेगमेंटिंग)
I. कोई भी शब्द बोलें और उसमें से प्रथम ध्वनि अलग से उच्चरित करके बताएँ। जैसे शब्द है /घर/ और इसकी प्रथम ध्वनि है /घ/ 2. शिक्षक पहले इसे खुद करके बच्चों को बताएँ। उसके बाद बच्चों को साथ मिलकर पहचान करने का मौका दें। 3. बच्चों को स्वयं करके देखने का भी अवसर दें।	I. अलग–अलग ध्वनियों को जोड़कर पुनः शब्द बनाने का कौशल। जैसे– /र/थ/ – 'रथ' 2. यह कौशल बच्चे को लिखे हुए शब्द को एक साथ पूरा पढ़ पाने में मदद करता है।	1. यह किसी शब्द को तोड़कर उसमें शामिल ध्वनियों की पहचान कर पाने का कौशल है। जैसे–'रथ'– /र/थ 2. इससे बच्चे समझ पाते हैं कि शब्द ध्वनियों से बना होता है। शब्दों को ध्वनियों में अलग करने का यह कौशल शब्द को लिख पाने में मदद करता है।

ध्वनि संबंधी जागरूकता के लिए और भी प्रभावी गतिविधियाँ क्या हो सकती हैं? आप भी कुछ और गतिविधियाँ सोचें और उन्हें शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में शामिल करें।

डिकोडिंग

"डिकोडिंग" का अर्थ सिर्फ वर्ण मात्रा की पहचान भर नहीं है, बल्कि डिकोडिंग का कौशल बच्चों को इससे कहीं आगे तक ले जाता है। इसमें वर्ण, मात्रा ज्ञान के साथ–साथ वर्ण में मात्रा के मिलान पर ध्वनि और उसकी आकृति में होने वाले बदलाव को समझना, दो या अधिक आकृतियों को जोड़ पाना और उच्चारण कर पाना, शब्द को शब्द की तरह पहचान कर पढ़ पाना आदि शामिल है। यानि "डिकोडिंग" के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चे वर्णों, मात्राओं और शब्दों को पढ़ना, उनकी बनावट को समझना और लिखना सीखते हैं। लिपि चिह्नों का ज्ञान और उनको शब्दों में प्रयोग करने की दक्षता बच्चे को एक स्वतंत्र पाठक एवं लेखक बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस तरह डिकोडिंग का कौशल बच्चे की भाषा को लगातार समृद्ध एवं विकसित करने के लिए जरूरी कौशल है।

डिकोडिंग कौशल विकास हेतु मुख्यतः निम्नलिखित गतिविधियाँ की जाती हैं–

- वर्ण एवं मात्रा की पहचान और लेख
- वर्ण–मात्रा ग्रिड पर कार्य (वर्ण मात्रा पढ़ना और लिखना)–वर्णों को मिलाकर शब्द पढ़ना एवं लिखना
- शब्द पठन और लेखन
- श्रुतिलेखन

कक्षा में बच्चों के साथ इन्हें किस तरह से किया जा सकता है उसका एक उदाहरण नीचे दिया गया है –

	वर्ण मात्रा की पहचान और लेखन	वर्ण मात्रा ग्रिड पर कार्य वर्ण मात्रा पढ़ना और लिखना	वर्णों को मिलाकर शब्द पढ़ना	शब्द पठन और लेखन
(मैं करती /करता हूँ) I Do (शिक्षक के द्वारा)	इस गतिविधि के लिए वर्ण और मात्रा कार्ड की आवश्यकता पड़ेगी। शिक्षक वर्ण का परिचय कराने के लिए लक्षित वर्ण का कार्ड लेंगे और उस पर उंगली रख कर उस वर्ण को बोलेंगे। यह प्रक्रिया दो बार करेंगे। इस दौरान बच्चे ध्यान पूर्वक देखते हैं और सुनते हैं। वर्ण और मात्रा कार्ड की मदद से मात्राओं पर भी कार्य किया जाता है।	**शिक्षक** अब वर्ण और मात्रा को मिलकर शब्दांश पढ़ने का अभ्यास करेंगे। **शिक्षक** बोर्ड पर ग्रिड बनाएँ। ये पहले सिखाए गए वर्णों और मात्राओं से मिलकर बनी होनी चाहिए। जैसे – 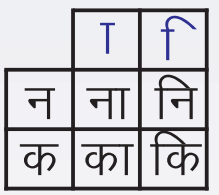 **शिक्षक** 'न' – मात्रा 'आ' / 'ा'.....रा **शिक्षक** ग्रिड में पहले 'न' पर उंगली रखेंगे और फिर मात्रा 'ा' पर। फिर मिलकर पढ़ेंगे – ''ना'' बच्चे ध्यान पूर्वक देखेंगे और सुनेंगे।	**शिक्षक** अब तक सिखाए गए वर्णों में से कोई भी वर्ण बोर्ड पर लिखेंगे जैसे – 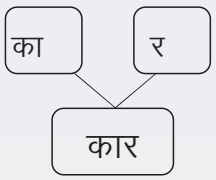 इसके बाद उंगली रखते हुए मिलाकर पढ़ना बताएँगे ''कार'' बच्चे ध्यान पूर्वक देखेंगे और सुनेंगे। इसी तरह से अन्य शब्दों के साथ भी यही गतिविधि कर सकते है जैसे ''हार''।	शिक्षक दिए हुए शब्दों को पढ़ेंगे और बच्चे ध्यान पूर्वक देखेंगे और सुनेंगे। जैसे– कान, नाक, हार, कार, सार, राह इत्यादि। **शिक्षक** सिखाए गए वर्ण मात्राओं से शब्द बनाकर बोर्ड पर लिखेंगे और उन्हें शब्द की तरह पढ़कर सुनाएँगे। 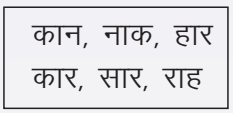
हम करते हैं We Do (शिक्षक और बच्चों के द्वारा सम्मिलित रूप से)	अब **शिक्षक** बच्चों को निर्देश देगें कि जब मैं वर्ण बोलूं तो मेरे बाद आप भी बोलें। उदाहरण स्वरूप शिक्षक 'न' वर्ण सिखाने के लिए 'न' बोलें और बच्चे उनके साथ दोहराएँ।	**शिक्षक** अब मिलकर करेंगे। न पर उंगली रखते हुए बोलेंगे / यह है 'न'। फिर बच्चे बोलेंगे – यह 'न' है। अब **शिक्षक** 'आ' की मात्रा पर उंगली रखते हुए बोलेंगे 'आ' की मात्रा। फिर बच्चे बोलेंगे 'आ' की मात्रा। अब शिक्षक बोलेंगे 'न' 'आ' 'ना' और बच्चे उनके साथ इसको दोहराएँगे।	**शिक्षक** और बच्चे साथ – साथ वर्णों को मिलाकर शब्द पढ़ेंगे। शब्द 'का' – 'र' कार, 'हा'– 'र' हार	**शिक्षक** अब यही सारे शब्द बच्चों के साथ–साथ पढ़ेंगे– कान, हार, नाक, सार

	वर्ण मात्रा की पहचान और लेखन	वर्ण मात्रा ग्रिड पर कार्य वर्ण मात्रा पढ़ना और लिखना	वर्णों को मिलाकर शब्द पढ़ना	शब्द पठन और लेखन
आप करें (You Do) (बच्चों के द्वारा)	इसमें शिक्षक वर्ण पर उंगली रखेंगे और बच्चों से पूछेंगे कि यह कौन सा वर्ण है? पहले सभी बच्चे समूह में बोलेंगे इसके बाद शिक्षक बच्चों से अलग–अलग भी पूछेंगे।	**शिक्षक** अब आप पढ़ेंगे। मैं सिर्फ उंगली रखूँगा/रखूँगी और आप बोलेंगे। **शिक्षक** पहले 'न' पर उंगली रखेंगे और फिर मात्रा 'आ' पर फिर 'ना' पर उंगली रखें। बच्चे 'न' मात्रा ।.....ना सभी बच्चे पहले एक साथ बोले इसके बाद अलग अलग बच्चे से पूछेंगे।	अब **शिक्षक बच्चों को निर्देश** देंगे कि वे बोर्ड पर लिखे गए वर्णों को मिलाकर पढ़ें। बच्चे पढ़ेंगे– 'का'– 'र' कार, 'हा' – 'र' हार **शिक्षक** उंगली रखेंगे और बच्चे पढ़ेंगे। **शिक्षक** बच्चों की पढ़ने में मदद करेंगे।	**शिक्षक** अब बच्चों को निर्देश देंगे कि वे बोर्ड पर लिखे शब्दों को पढ़कर सुनाएँ। वे कक्षा में घूम–घूमकर देखें कि बच्चे पढ़ पा रहे हैं कि नहीं और आवश्यकतानुसार उनकी मदद करेंगे। बच्चों को पहले खुद से वर्णों को मिलाकर पढ़ने की कोशिश करने को कहेंगे। वे बच्चों का ध्यान शब्द के ध्वनियों की तरफ खींच सकते हैं। जैसे वे प्रश्न पूछें कि शब्द में कितनी ध्वनियाँ हैं। पहली, दूसरी अथवा अंतिम ध्वनि कौन सी है? इन्हें मिलाकर शब्द के रूप में बोलने को भी कहेंगे। **नोटः** जब शब्दों को लिखने के लिए दिया गया हो तो लिखने के लिए भी कहेंगे।

शब्द भंडार

जैसा कि ऊपर हमने बात की थी कि शब्द भंडार में मौखिक और लिखित रूप से नए शब्द सीखना, उनके अर्थ से परिचित होना व विभिन्न संदर्भों में शब्दों का उपयोग कर पाना शामिल है। बच्चों के साथ सार्थक संदर्भों में शब्दावली के विकास पर कार्य किया जा सकता है। क्योंकि स्वतंत्र रूप से पढ़कर समझने अथवा लिखने में शब्द–भंडार की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लेकिन किताबों, कहानियों, कविताओं में ऐसे बहुत से शब्द होते हैं जिनसे बच्चे अपरिचित होते हैं। वे अधिकांश शब्दों के अर्थ संदर्भ से अनुमान लगाकर सीख जाते हैं लेकिन कई शब्दों को अनुमान लगाकर समझ पाना मुश्किल होता है। बोलने, पढ़ने, लिखने में इन शब्दों का उनके सही अर्थ में प्रयोग नहीं कर पाना बच्चे की समझ के विकास में बाधा डालता है।

कुछ शब्द ऐसे भी होते हैं, जो भावना या क्रिया संबंधी होते हैं। उन्हें बच्चों के साथ अभिनय करके दिखाना उपयोगी होता है, जैसे– एक शब्द है 'फुदकना' – इस शब्द का अर्थ कूदने की क्रिया से तुलना करके समझाया जा सकता है। यह एक क्रियात्मक शब्द है इसलिए इसे करके भी समझाया जा सकता है।

बच्चे अगर किसी शब्द पर हिन्दी में वाक्य नहीं बना पा रहे हैं, तो स्थानीय भाषा में उनसे वाक्य बनवाए जा सकते हैं। उसके बाद उन्हें हिंदी में वाक्य बोलकर बताएँ और उन्हें भी वाक्य बनाने को कह सकते हैं।

कक्षा में बच्चों का शब्द भंडार विकसित करने का एक उदाहरण नीचे दिया गया है

शब्द भंडार	
(मैं करती / करता हूँ) I Do	• शिक्षक बच्चों के साथ शब्द पर बात करेंगे और उसके अर्थ बताएँगे। फिर वाक्य में प्रयोग करके दिखाएँगे। • उदाहरण के लिए पहला शब्द है – मित्र – इस शब्द के अर्थ को उदाहरणों से समझाएँगे। जैसे – मित्र का अर्थ होता है दोस्त या कोई साथी, जिसके साथ बात करना समय बिताना, चीजें साझा करना, आपको अच्छा लगता है। जैसे कक्षा में आपके कौन–कौन मित्र हैं? • इसका एक वाक्य पहले शिक्षक बनाएँगे जैसे – मनोज का मित्र कमल है। या मैंने अपने मित्र से किताब मांगी।
हम करते हैं We Do	• बच्चे और शिक्षक मिलकर अन्य वाक्य बनाएँगे, साथ ही शिक्षक बच्चों को वाक्य बनाने में मदद करेंगे। (यह कार्य बच्चों को उपसमूह में करने के अवसर दें)।
आप करते हैं (You Do)	• शिक्षक अलग अलग बच्चों से अर्थ पूछेंगे। बच्चे अर्थ बताएँ और वाक्य बनाएँगे। ध्यान रखेंगे कि बच्चे एक ही तरह के वाक्य ना बनाएँ जैसे – मोहन मेरा दोस्त है, रीना मेरी दोस्त है, सोनू मेरा दोस्त है इत्यादि।

धाराप्रवाह पठन एवं समझ

पढ़ने के कौशल में धाराप्रवाह पठन बहुत महत्वपूर्ण है। एक कुशल पाठक इस तरह से पढ़ता है कि वह शब्दों को देखते ही पहचान लेता है। धाराप्रवाह के लगातार अभ्यास से पढ़ना इतना स्वतः स्फूर्त (Automatically) हो जाता है कि हम आसानी से शब्दों को पहचानने लगते हैं। किसी भी पाठ में शब्दों को उचित गति, शुद्धता और उपयुक्त हाव–भाव के साथ पढ़ने की योग्यता को हम धाराप्रवाह पठन कहते हैं।

ये इसलिए जरूरी है क्योंकि रुक–रुक कर पढ़ना, हिज्जों में पढ़ना या बहुत धीमी गति से पढ़ना किसी भी पाठक के उच्चारण की प्रक्रिया को तो पूर्ण करता है लेकिन जो पढ़ा गया है वह समझ में भी आया है ये सुनिश्चित नहीं करता। आइए इसे एक उदाहरण से समझते हैं। आपने बहुत से बच्चों को इस तरह से पढ़ते हुए देखा होगा–ति...त...ली तितली ची...ख...ते चीखते हु. . ए...हुए अ...प...ने अपने दो...स ....त...दोस्त हा...थी हाथी के पा...स पास आ... ई ...आई।

जब बच्चे इस तरह से पढ़ते हैं तो उनका अधिकांश समय और ध्यान एक–एक वर्ण जोड़कर शब्द बनाने में ही लगा रहता है और जब वह वाक्य पढ़ते हुए आगे बढ़ते हैं तो इस क्रम में पिछले शब्दों को भूल जाते हैं। होता यह है कि वाक्य को अपने पूर्व ज्ञान के साथ जोड़ते हुए किसी अर्थ तक पहुँचना तो दूर की बात है, उनका सारा ध्यान टुकड़ों को जोड़ने में लगे होने से वह लिखित सामग्री की समझ ही नहीं बना पाते हैं।

धाराप्रवाह पठन को कैसे विकसित करें?

शुरूआती समय में शिक्षक बच्चों को उचित गति और उपयुक्त उतार–चढ़ाव के साथ कहानियाँ पढ़कर सुनाएँ। इससे बच्चे देखकर और सुनकर सीख पाएँगे कि धाराप्रवाह कैसे पढ़ते हैं। इसके लिए –

- पाठ्यपुस्तक की कहानियाँ और पुस्तकालय की किताबों का इस्तेमाल किया जा सकता है। शिक्षक पहले स्वयं कहानियों को पढ़कर बच्चों को सुना सकते हैं।
- बच्चों के साथ साझा पठन भी किया जा सकता है जिसमें शिक्षक और बच्चे साथ–साथ मिलकर किसी कहानी या पाठ को पढ़ते हैं।
- बच्चों को जोड़ों में बिठाकर भी अलग–अलग कहानी की किताबें दी जा सकती हैं।
- बच्चे स्वतंत्र रूप से कहानी की किताबों को पढ़ने का अभ्यास करें।
- जब बच्चे कई सारे वर्ण सीख जाएँ व सरल शब्दों को पढ़ने में सक्षम हो जाएँ तो ऐसे पाठों का निर्माण किया जा सकता है जो सीखे हुए वर्णों/शब्दों से मिलकर बने हों। उन्हें बच्चों को स्वयं पढ़ने, जोड़ों में पढ़ने और फिर स्वतंत्र रूप से पढ़ने हेतु दिया जा सकता है।

बच्चों को आनंद के लिए पढ़ने के मौके देना

जब बच्चे अपनी इच्छा व आनंद के लिए पढ़ते हैं तो पढ़ना उनके लिए एक रूचिकर कार्य बन जाता है और वे धीरे–धीरे पठन में आने वाली चुनौतियों का सामना करते हुए प्रवाह में पढ़ना सीख जाते हैं और बेहतर पाठक बनते हैं। इसलिए बच्चों को रोज इस तरह के अवसर अवश्य मिलने चाहिए। बस इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि बच्चों के लिए उनकी पसंद व स्तर की किताबें मौजूद हों।

समझ का विकास

हम कब मानते हैं कि कोई बात/चीज ठीक से समझ आ गई है? यह समझने के लिए नीचे दिए संवाद को पढ़ते हैं:

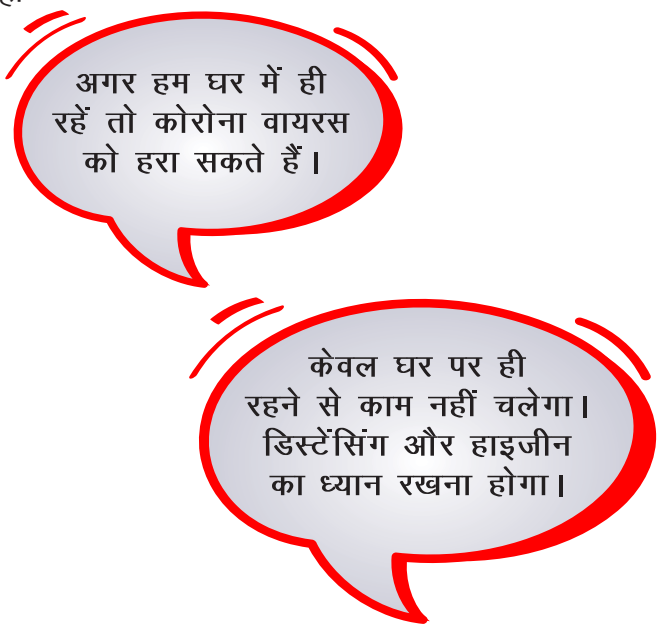

ऊपर दिए गए संवाद को तभी समझा जा सकता है जब कोरोना वायरस, सोशल डिस्टेंसिंग और हाइजीन के मतलब पता हों और उसके बारे में जानते हों। समझने के लिए पूर्व ज्ञान और शब्दों की समझ महत्वपूर्ण कारक हैं। समझ का बनना कई बातों पर निर्भर करता है जैसे – जिस बात या विषय को समझना है उसकी भाषा और समझने वाले की भाषा एक हो, समझने वाले को विषय या बात के बारे में पूर्व ज्ञान व अनुभव हो, शब्दावली जानी–पहचानी हो इत्यादि। जैसा कि ऊपर वाले संवाद में भी हो रहा है कि दोनों व्यक्ति एक दूसरे की बात समझ रहे हैं और संवाद स्थापित हो रहा है। पढ़कर समझने के मायने हैं, किसी लिखित पाठ को अपने मौजूदा पूर्व ज्ञान से जोड़ते हुए उसके अर्थ को जानना। पढ़ते हुए एक बच्चा लिखित तौर पर दिखाई देने वाली जानकारी से अपनी भाषायी समझ व पूर्व ज्ञान को जोड़कर ही अर्थ निर्माण करता है।

धाराप्रवाह पढ़कर समझने का कौशल कैसे विकसित करें ?

1. कहानी संबंधित पूर्व ज्ञान को सक्रिय करना या बढ़ाना

किसी कहानी को पढ़कर समझने में पूर्व ज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके लिए बच्चों को कहानी पढ़कर सुनाने से पहले कहानी में आए हुए अपरिचित शब्दों अथवा किसी अवधारणा पर बातचीत की जा सकती है। जैसे – पाठ अगर किसी जानवर, पक्षी, वाहन या वस्तु के बारे में है तो बच्चों से पूछ सकते हैं कि क्या तुमने इसे कहीं देखा है? यह क्या करता है? यह कैसा होता है? कैसी आवाज करता है आदि। जरूरत के अनुसार चित्रों, गतिविधियों का उपयोग किया जा सकता है।

2. पाठ में आई हुई किसी अवधारणा पर चर्चा के द्वारा

शिक्षक कोई भी पाठ प्रारम्भ करने से पहले बच्चों के साथ उस पाठ की मुख्य बातों पर चर्चा करें और पाठ में आए विशेष शब्दों पर भी चर्चा करें। इससे बच्चों में पाठ के प्रति उत्सुकता बढ़ती है और वे पाठ पढ़ने के दौरान आए विशेष शब्दों के अर्थ से पाठ को समझते हैं। शब्द भंडार जितना समृद्ध होता है बच्चों के लिए पाठ को समझना उतना ही आसान होता है और उनकी पढ़ने के प्रति रूचि बढ़ती है। शब्द भंडार को समृद्ध करने के लिए शिक्षक बच्चों के साथ शब्दार्थों और उसके विभिन्न संदर्भों में वाक्य प्रयोग पर काम करें व शब्द खेल खेलें। जैसे– शब्द का अर्थ समझने के लिए उसके संदर्भ से अनुमान लगवाना, शब्द का अर्थ, चित्र दिखाकर समझाना, शब्दों का विभिन्न संदर्भों में उदाहरण देते हुए बातचीत करना, शब्द भंडार बढ़ाने के खेल खेलना जैसे–जोड़ो और नया शब्द बनाओ आदि।

3. कहानी संबंधी अनुमान लगाना

कहानी संबंधी अनुमान लगवाना दो तरह से हो सकता हैं। एक कहानी पढ़ने से पहले और दूसरा कहानी पढ़ने के दौरान। कहानी पढ़ने से पहले, कहानी के शीर्षक और चित्र पर बातचीत कर कहानी में क्या हो सकता है का अनुमान लगवाया जा सकता है। दूसरा कहानी पढ़ने के दौरान बीच–बीच में रूककर कुछ ऐसे सवाल पूछ सकते हैं जिससे अनुमान लगाना पड़े कि कहानी में आगे क्या हुआ होगा?

4. कहानी / पाठ पर चर्चा

- **तथ्य आधारित प्रश्न** – बच्चों से कहानी में आए हुए तथ्यों या घटनाओं की समझ के लिए प्रश्न पूछना। इसमें कब, कहाँ, किसने, कौन आदि तरह के प्रश्न होते हैं।
- **निष्कर्ष निकालने वाले प्रश्न** – कुछ ऐसे भी प्रश्न पूछें जिससे बच्चे पाठ में दिए गए तथ्यों के आधार पर यह सोच पाएँ कि कहानी में कोई घटना क्यों घटी होगी? यानि जो स्पष्ट रूप से पाठ में नहीं दिया गया है। ऐसे प्रश्नों के माध्यम से बच्चे कहानी में दिए गए पात्रों की मंशा को भी समझने की कोशिश करते हैं। अक्सर इस तरह के प्रश्न में 'क्यों' शब्द आता है।
- **रचनात्मक प्रश्न** – कुछ ऐसे प्रश्न भी पूछें जिससे बच्चों को खुद से कोई घटना गढ़नी पड़े, कहानी को आगे बढ़ाना पड़े आदि। जैसे – कछुए और खरगोश की कहानी का उदाहरण लेते हैं। यदि खरगोश कछुए की जीत नहीं मानता तो कहानी आगे क्या हो सकती थी?
- **जीवन से जोड़ने वाले प्रश्न** – बच्चों से ऐसे भी प्रश्न पूछें जिससे बच्चे कहानी की घटनाओं को अपने जीवन से जोड़ पाएँ और अपनी राय दे पाएँ। जैसे– कहानी में अगर आप होते तो क्या करते?

लेखन

क्या अक्षरों और मात्राओं को मिलाकर लिखना अथवा किसी लिखित शब्द या वाक्य की नकल कर लिख लेना ही लेखन है? यह लेखन सीखने का एक हिस्सा तो है। लेकिन वास्तव में लेखन नहीं है। जिस प्रकार मौखिक भाषा का मुख्य उद्देश्य सोच–विचार करना और अपने विचारों की मौखिक अभिव्यक्ति है, ठीक उसी प्रकार लेखन का मुख्य उद्देश्य अपने विचारों को लिखित रूप में अभिव्यक्त एवं संप्रेषित करना है। इस प्रकार से देखें तो प्रारम्भिक कक्षाओं के लिए लेखन को हम मुख्यतः दो रूपों में बाँट सकते हैं।

1. स्वतंत्र लेखन
2. लिखना सीखने के लिए लेखन, जिसे हम कौशल आधारित लेखन भी कहते हैं।

प्रारंभिक कक्षाओं में यदि हम इन दोनों कौशलों पर कार्य करें तो बच्चे लिखना सीखने के साथ–साथ यह भी सीख पाएँगे कि लेखन के द्वारा हम अपने विचारों और भावों को अभिव्यक्त कर सकते हैं और अपनी बातों को दूसरों तक लिखित रूप में पहुँचा सकते हैं।

लेखन के प्रकार

1. **कौशल आधारित लेखन** – इसमें वे सभी कौशल सम्मिलित हैं जो किसी भाषा को लिखित रूप में लिखने के लिए जरुरी होता है। इसके लिए कक्षा में निम्न गतिविधियाँ करवाई जा सकती हैं।
   - **वर्ण ज्ञान संबंधी लेखन** – इसमें सही–सही लिपि चिह्नों का प्रयोग करते हुए वर्णों और मात्राओं, शब्दों और वाक्यों का लेखन शामिल है।
   - **श्रुतिलेखन** – सुनकर सही–सही लिखने की दक्षता ही श्रुतिलेख है। यह सही–सही लिखने में मदद तो करता ही है, साथ में वर्णों, मात्राओं, शब्दों, वाक्यों इत्यादि के ध्वनि और लिपि के संबंध को समझने और लिखने में भी मदद करता है।
2. **स्वतंत्र लेखन** – अपने विचारों को लिखित रूप में व्यक्त करना ही स्वतंत्र लेखन है। यदि प्रारम्भ से ही इस पर कार्य किया जाए तो बच्चे यह समझ सकते हैं कि मौखिक अभिव्यक्ति के अलावा लिखित रूप में भी विचारों की अभिव्यक्ति की जा सकती है। हालाँकि शुरुआत में भले ही बच्चे निर्धारित वर्तनी का प्रयोग न कर पाएँ लेकिन अपनी बनाई वर्तनी और चित्रों के माध्यम से अपने विचारों को अभिव्यक्त अवश्य करते हैं और धीरे–धीरे लिपि चिह्नों का उपयोग कर लिखना सीख जाते हैं। इससे बच्चे लेखन को अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण के माध्यम के तौर पर उपयोग कर पाते हैं।

स्वतंत्र लेखन से संबंधित कुछ बातें

- प्रारंभिक स्तर पर लिखना सिखाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि बच्चों को कलम चलाने, अपने तरीके से लिखने या चित्र बनाने के लिए लगातार प्रेरित किया जाए। इससे उनमें लेखन के प्रति रूचि उत्पन्न होती है और वे इसे भावाभिव्यक्ति के एक माध्यम के रूप में समझने लगते हैं।
- कक्षा में मौखिक बातचीत एवं पठन गतिविधि को लेखन से जोड़ने की जरूरत है ताकि बच्चे देख पाएँ कि ये सभी दक्षताएँ एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं।
- बच्चों को अपनी अभिव्यक्ति बेहतर करने के लिए उपयुक्त सहयोग और फीडबैक दिया जाए। उन्हें समय–समय पर अच्छे लेखन का नमूना भी लिखकर दिखाया जाए और उस पर चर्चा की जाए।
- ध्यान रहे कि यह स्वतंत्र लेखन है, इसमें बच्चों की लेखन अभिव्यक्ति को बेहतर बनाना मुख्य उद्देश्य है ना कि उनकी वर्तनी ठीक करना। वर्तनी भी महत्वपूर्ण है लेकिन इसका सुधार कौशल आधारित लेखन के समय केन्द्रित होगा।

- बच्चों को विभिन्न लिखित शैलियों या तरीकों से अवगत कराया जाए और इस्तेमाल के लिए प्रेरित किया जाए।

स्वतंत्र पठन समय

जब बच्चे पढ़ना सीख रहे होते हैं तो उनमें पढ़ने के प्रति रूचि एवं ललक भी विकसित हो रही होती है। ऐसे में यदि बच्चों को उनके स्तर, रूचि एवं अनुभवों से संबंधित पठन सामग्री उपलब्ध करवाते हुए स्वतंत्र पठन का पर्याप्त समय दिया जाए तो बच्चों को किताबों, पठन सामग्री से परिचित होते हुए अपने पठन कौशलों को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। स्वतंत्र पठन से बच्चों में धाराप्रवाह ढंग से पढ़ने और समझने का कौशल विकसित होता है। इसके साथ ही बच्चों का शब्द भंडार भी व्यापक होता है। वे लिखित सामग्री को पढ़ने में एक सहजता हासिल करते हैं। स्वतंत्र रूप से पढ़ने की आदत के साथ उन्नत होने वाला पठन कौशल बच्चों को स्वतंत्र पाठक बनने की दिशा में ले जाता है।

स्वतंत्र पठन गतिविधि के दौरान शिक्षक की भूमिका

जब बच्चों को किताब या कोई भी अन्य पठन सामग्री पढ़ने के लिए दी गई हो तो शिक्षक कक्षा में घूम–घूमकर देखें कि सभी बच्चे किताब पढ़ रहे हैं या नहीं। इस दौरान वे बच्चों से कुछ सवाल भी पूछते रहें। जैसे आपने कौन सी किताब ली है? इसका क्या नाम है? यह किताब/कहानी किस बारे में है? सभी बच्चों द्वारा कहानी पढ़ने के बाद कहानी/पाठ से संबंधित प्रश्न आधारित चर्चा भी की जा सकती है। इसके अलावा –कहानी का सार सुनना, कहानी में क्या–क्या हुआ, बच्चों से बताने को कहना, पात्रों पर चर्चा, कहानी आगे बढ़ाना, कहानी लिखवाना, कहानी से कोई एक पात्र लेकर बोर्ड पर लिखना और उसकी विशेषताओं पर समूह में चर्चा करते हुए लिखना, कहानी को शीर्षक देना, चित्र बनवाना, कहानी का अंत बदलना आदि गतिविधियाँ भी की जा सकती हैं। बस इतना ध्यान रखना है कि कक्षा में बच्चे की भाषा को पूरी स्वीकृति और सम्मान दिया जाए।

9.7 मातृभाषा का कक्षा में उपयोग

भाषा व्यक्ति की पहचान से जुड़ा मसला है, अतः ये ध्यान में रखना आवश्यक है कि हिन्दी भाषा शिक्षण प्रक्रियाओं में स्थानीय भाषा को पर्याप्त स्थान मिले, जिससे बच्चे बेहिचक अपनी बात रख पाएँ और सीखने की प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से जुड़ें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी स्थानीय भाषा के महत्व को इंगित किया गया है।

बच्चे मातृभाषा को जानते हैं, आस–पास के परिवेश में उसका उपयोग होते हुए देख रहे हैं। अब जरूरत इस बात की है कि उनकी अपनी भाषा को मजबूत आधार देकर उनकी भाषा और दूसरी भाषा (लक्ष्य भाषा हिन्दी) के बीच एक पुल बनाया जाए। कक्षा में बच्चों के लिए जिस प्रिंट समृद्ध परिवेश को विकसित करने की बात आगे की जा रही है, उसमें भी बच्चों को अपनी भाषा को स्थान दिया जाए और जहाँ तक हो सके, इस परिवेश को बहुभाषी बनाने की कोशिश करनी चाहिए। वैसे भी हमारे पाठ्यक्रम में दो भाषाएँ तो हैं ही – हिन्दी और अंग्रेजी। इसमें कक्षा के परिवेश की दृष्टि से बच्चे की अपनी भाषा को जोड़ लिया जाए तो उन्हें अवधारणाएँ बनाने और भाषाओं के बीच आवाजाही के बेहतर मौके मिल सकेंगे।

भाषाएँ एक दूसरे के सानिध्य में फलती–फूलती हैं, साथ ही अपनी विशेष पहचान भी बनाकर रखती हैं। बहुभाषिक कक्षा में यह बिलकुल अनिवार्य होना चाहिए कि हर बच्चे की भाषा को सम्मान दिया जाए और बच्चों की भाषायी विविधता को शिक्षण विधियों का हिस्सा मान कर भाषा सिखाई जाए।

शिक्षक बच्चों से स्थानीय भाषा सीखने–समझने की कोशिश करें और विद्यालय स्तर पर एक शब्दकोश (चित्र सहित) भी विकसित कर सकते हैं। शिक्षकों को चाहिए

कि वे बच्चों की भाषा को समझें और बहुभाषी संवाद कायम करें, जिसमें उनकी भाषा का भरपूर उपयोग हो सके। बहुभाषी संवाद में एक ओर बच्चे अपनी बात को सहज रूप से व्यक्त कर पाएँगे तो दूसरी ओर शिक्षक भी बच्चों की भाषा और उनकी प्रचलित शब्दावली का अपनी चर्चा में उपयोग कर पाएँगे। धीरे–धीरे बच्चे इन भाषाओं, परिवेश में उपस्थित भाषाओं और हिन्दी पर अपनी पकड़ बना पाएँगे।

शिक्षक कक्षा में क्षेत्रीय/स्थानीय भाषा में सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए इस तरह का शब्दकोश बना सकते है

स्थानीय भाषा	शब्द
हिंदी	
उर्दू	
मगही	
मैथिली	
भोजपुरी	
वज्जिका	
अंगिका	

भाषा शिक्षण में शिक्षक क्या–क्या कर सकते हैं–

- कक्षा में मातृभाषा उपयोग करने के अवसर दें
- यदि ये भाषा शिक्षक नहीं जानते हों तो स्वयं इसे सीखें, बच्चों से मदद लें
- बच्चों के पूर्व ज्ञान एवं समझ का कक्षा में उपयोग
- बातचीत का पढ़ना–लिखना सीखने में उपयोग
- पाठ्यपुस्तक का बेहतर उपयोग
- प्रिंट समृद्ध माहौल और उपलब्ध पुस्तकालय का उपयोग
- लोक साहित्य का उपयोग

9.8 बुनियादी भाषा एवं साक्षरता विकास में पुस्तकालय एवं बाल साहित्य की भूमिका

पढ़ने–लिखने के विस्तार में इस बात का ध्यान रखना होगा कि पाठ्य वस्तुओं का संग्रह कर प्रदर्शन कर देना महत्वपूर्ण तो है, पर इतने भर से बात नहीं बनेगी। जब तक बच्चों का ध्यान इनकी ओर आकर्षित करने के सार्थक प्रयास नहीं किए जाएँगे, तब तक भाषा सीखने में इनका उपयोग सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। प्रयास यह होना चाहिए कि इस प्रक्रिया में सामग्री जुटाने से लेकर दीवारों या फिर निर्धारित स्थान पर चिपकाने या रखने तक की पूरी प्रक्रिया में बच्चों को शामिल किया जाए। बच्चों से इनके बारे में लगातार बातचीत को भी कक्षा प्रक्रिया में शामिल करना होगा। उदाहरण के लिए – कविता या कहानी के चार्ट को हर सुबह कक्षा शुरू होने से पहले पढ़ा जाना, वाक्य दीवार में जुड़ते जा रहे नए–नए वाक्यों को रोज़ पढ़ा जाना या उन वाक्यों से कहानी या कविता बनाने जैसी गतिविधियों को कक्षा प्रक्रिया में शामिल करना, प्रदर्शित की गयी सामग्री को कक्षा प्रक्रियाओं के दौरान उपयोग में लेना भाषा की कक्षा का आवश्यक हिस्सा होना चाहिए। साथ ही बच्चे एक–दूसरे के काम को भी पढ़ें ऐसे अवसर बनाए जाने चाहिए। इससे बच्चे पढ़ने–लिखने के विस्तार के साथ निम्नलिखित कौशलों और अवधारणाओं को समझ पाएँगे–

- अनेक तरह की लिखित सामग्री को पढ़ने और उनका अनुसरण करने से लिखित अभिव्यक्ति के कौशल में निखार हो सकेगा।
- भाषा को साधन और साध्य के रूप में इस्तेमाल करने का हुनर जानेंगे।
- भाषा को उसके पूरे संदर्भों में देख और समझ पाएँगे।

- शब्द भंडार बढ़ेगा और शब्दकोश को देखने की समझ विकसित होगी।
- भाषा की सृजनात्मकता और सौंदर्यबोध को समझेंगे।
- अनुमान लगाने और कल्पना करने की क्षमताओं में वृद्धि होगी।

बाल साहित्य विविधता भरा होना चाहिए। जानकारी परक पुस्तकें, गतिविधि आधारित पुस्तकें, कविता, पहेलियाँ, पत्र डायरियाँ कुछ भी हो सकता है, बशर्ते ज्ञान देने व उपदेश देने की नीयत न हो।

बाल साहित्य और अन्य पठनीय सामग्रियों का पढ़ने–लिखने की संस्कृति विकसित करने में योगदान

बाल साहित्य

बाल साहित्य की एक वृहद/विस्तृत परिभाषा में विशेष रूप से बच्चों को ध्यान में रखकर लिखी गई पाठ्यसामग्री होगी जिसमें कि बच्चे मुख्य भूमिकाओं में हों। इस परिधि में वर्णमाला और नंबर–बुक से लेकर किशोरों और छोटे बच्चों के लिए प्रकाशित उपन्यास और इनसाइक्लोपीडिया भी आ जाएंगे।

कक्षा में बाल साहित्य

बच्चों में पढ़ने की ललक नैसर्गिक रूप से होती है। रंग–बिरंगी किताब सामने देखते ही बच्चा उसे उठाता है, उसे उलटता–पलटता है, चित्रों से बातें करता है। यहीं से शुरूआत होती है उसके बाल साहित्य के संसार में कदम रखने की। लेकिन बच्चा जब स्कूली दुनिया में कदम रखता है तो पढ़ने की चाहत धीरे धीरे कम होने लगती है। इसके कई कारण हैं, जिनमें से एक बड़ा कारण यह भी है

बच्चों के बारे में लिखी गयी सभी किताबें बाल साहित्य नहीं होतीं। संभव है कि बच्चे की मुख्य भूमिका वाली किताबों की विषयवस्तु या उनमें उठाए गए मुद्दे बच्चों के लिए उपयुक्त न हो। अच्छा बाल साहित्य सरल होता है लेकिन उसे लिखना सरल नहीं होता। हम देखें तो बहुत सारा लोकप्रिय बाल साहित्य पर्याप्त जटिल है, लेकिन वो बच्चों की संज्ञानात्मक और भावनात्मक संवेदनशीलता को उद्दीपित करता है। एक अच्छी किताब बच्चों में सशक्त भावनाओं का संचार करती है।

ये बच्चों को एक ऐसा झरोखा प्रदान करती हैं जिससे कि बच्चे अपने स्वयं के जीवन और इससे जुड़ी चिंताओं का विश्लेषण कर सकें। अच्छी किताबें बच्चों को दूसरों के जीने के तरीकों को देखने–समझने और साथ ही साथ यह एहसास करने में सक्षम बनाती है कि दूसरों की चिंताएँ/परेशानियाँ शायद उनकी अपनी चिंताओं से बहुत अलग नहीं हैं। अच्छी किताबें कल्पना को सिर्फ पंख ही नहीं देती वरन आकार भी देती हैं।

कि विद्यालय में उसे पढ़ने के लिए पाठ्यपुस्तक के अलावा और कुछ भी नहीं मिलता।

पाठ्यपुस्तक में कोई कहानी या कविता कभी मुश्किल से पढ़ने वाले के बारे में होती है। हम पाते हैं कि लिखित सामग्री अपने आप में पूरा है, इसीलिए सारा ध्यान लिखित सामग्री पर ही होता है। शिक्षक के रूप में हम कहानी या कविता की 'व्याख्या' यह सोच कर करते हैं कि बच्चे 'सही' अर्थ समझ जाएँ। फिर हम इस तरह के सवाल पूछते हैं कि ''तीसरे पैराग्राफ या दूसरी पंक्ति में लेखक क्या कहने का प्रयास कर रहा है?'' यहाँ हम यह भूल जाते हैं कि अधिकतर मामलों में लेखक के आशय को जान पाना असंभव है। अधिक से अधिक हम उतना ही जान

सकते हैं जितना कि हमने एक पाठक के रूप में उस लिखित सामग्री को समझा हो।

पाठ्यपुस्तकों पर भाषा शिक्षण का पूरा दारोमदार मान लिए जाने के कारण बाल साहित्य के स्कूल में इस्तेमाल करने पर कम ध्यान दिया गया है। यही पढ़ने में आनंद की कमी होने का भी एक कारण रहा है। इसलिए हमारे विद्यालयों में बच्चों के लिए रोचक सामग्री मुहैया कराना जरूरी हो जाता है। पढ़ना सिखाने के लिए यह जरूरी है कि बच्चों को पढ़ने के अधिक से अधिक अवसर दिए जाएँ। इसके लिए विविध प्रकार की पठन सामग्री चाहिए। बच्चे के चारों ओर बिखरा भाषायी संसार ही, उन्हें भाषा सिखाने में बड़ी भूमिका अदा करता है। दरअसल पाठ्यपुस्तक के पन्नों पर छपी सामग्री को पढ़ना ही पढ़ना नहीं है। चारों ओर बिखरी लिखित और छपी हुई सामग्री को पढ़ पाना और उसमें से अर्थ निकालना और अपने लिए उसका उपयोग कर पाना ही सही मायनों में पढ़ना है।

हमारे अधिकांश प्राथमिक स्कूलों में पुस्तकालय नहीं है जबकि उन्हें अनिवार्य रूप से होना चाहिए था और साथ ही साथ बाल साहित्य से समृद्ध भी होना चाहिए था। यदि कहीं हैं भी तो उस तक बच्चों की पहुँच या बच्चों द्वारा उनका उपयोग बेहद सीमित है। अतः यह आवश्यक हो जाता है कि बच्चों के स्तर और रुचि को ध्यान में रखते हुए पुस्तकों का चयन किया जाय। हमें विद्यालयों और शिक्षकों को ऐसी सामग्रियों और पुस्तकों से परिचित कराना चाहिए जो कि बच्चों की आवश्यकताओं और रुचियों के अनुकूल हों और उन्हें और अधिक पढ़ने लिखने के लिए प्रेरित करें।

पुस्तकालय

सप्ताह में एक घंटा पुस्तकालय को दिया जा सकता है। इस समय के दौरान बच्चे पुस्तकालय में बैठें और शांति से पढ़ें। वे पिछले सप्ताह ली हुई किताबें लौटा दें और नयी किताबें ले जाएँ।

यदि पुस्तकालय नहीं है तो शिक्षक बच्चों की अवस्था के अनुसार किताबें ला सकते हैं और उन पुस्तक–समुच्चय में से बच्चों को पुस्तकों का चुनाव करने के लिए कह सकते हैं। यह आवश्यक है कि बच्चे स्वयं पुस्तकें चुनें न कि शिक्षक पुस्तक बाँटें।

भाषा की कक्षा में किताबें लाई जा सकती हैं। परियोजना कार्य के लिए बच्चों से पुस्तकालय से अन्य सामग्री पढ़ने के लिए कहा जा सकता है। बच्चों को कहा जा सकता है कि भाषा के दौरान पिछले सप्ताह पढ़ी गई किताबों के बारे में लिखें। बच्चों को पढ़ी हुई कहानी अन्य बच्चों को सुनाने के लिए कहा जा सकता है।

बाल साहित्य क्यों?

आइये एक उदाहरण देखते हैं जहाँ शिक्षिका ऐसी ही एक चित्रात्मक कहानी की किताब का उपयोग भाषा की कक्षा में करती नज़र आती है –

(कक्षा एक व दो में कुल 21 बच्चे हैं। शिक्षिका ने लालू और पीलू कहानी सुनाकर उस पर बातचीत की। लालू और पीलू एक मुर्गी व उसके दो चूज़ों की कहानी है जिसमें एक चूज़ा जिसका नाम लालू है, उसे लाल चीज़ें बहुत पसन्द है। एक दिन वह मिर्च के पौधे पर लगी लाल मिर्च खा लेता है। लालू रोने लगा। लालू की मुर्गी माँ दौड़ी आई। उसका भाई पीलू भी घर की ओर भागा और घर में से वह पीले–पीले गुड़ का दुकड़ा ले आया। लालू ने झट–से गुड़ खाया और उसकी जलन ठीक हो गई। अन्त में मुर्गी माँ ने लालू और पीलू को बहुत प्यार दिया।)

इस कहानी पर बातचीत के कुछ अंश इस प्रकार से हैं ....

शिक्षिका : कहानी कैसी लगी?

बच्चे : अच्छीईईई....

शिक्षिका : कहानी में कौन–कौन था?

बच्चे : लालू–पीलू और मुर्गी।

शिक्षिका : मुर्गी कितने लोगों ने देखी है?

8 बच्चों ने हाथ खड़े किए।

एक बच्चा : मेरे घर पर आठ मुर्गे हैं। जब कोई लेने आता है तो पापा उसे बेच देते हैं। एक लाल मुर्गा भी है। पापा ने उसे बेचने को मना किया है। जब उसे पकड़ने जाता हूँ तो वह कूँ–कूँ करके दौड़ता है। उसके साथ दौड़ने में मज़ा आता है।

शिक्षिका : लालू को खाने में क्या पसन्द था?

बच्चे : लाल चीज़ें।

शिक्षिका : लाल रंग की खाने की और क्या चीज़ें हो सकती है?

बच्चे : सेब, टमाटर, गाजर, अनार, तरबूज़, मिर्च, लीची, बालूशाही, मोतीचूर के लड्डू, कुल्फी, आइसक्रीम, जामुन, गुलाब जामुन, प्याज़, बेर, स्ट्रॉबेरी, जलेबी, इमरती, इमली।

शिक्षिका : पीले रंग की खाने की चीज़ों के नाम बताइए जो आपको पसन्द हैं।

बच्चे : सन्तरा, आम, केला, लड्डू, टॉफी, नमकीन, बिस्कुट, अंगूर, पपीता, पराठा।

शिक्षिका : क्या कभी आपको भी मिर्च खाने के बाद जलन हुई है? यदि हाँ, तो आपने क्या किया था?

कई बच्चों ने हाथ उठाए और अपने–अपने अनुभव सुनाने लगे। कई बच्चे बोले कि ''मेम, पानी पी लिया, चीनी खाई, मम्मी ने दो कौर और खाना खिला दिया और ठीक हो गया'' इत्यादि।

शिक्षिका बच्चों द्वारा बताए खाने की चीज़ों के उदाहरणों को सलीके से बोर्ड पर लिखती गई। शिक्षिका ने इन खाने वाली चीज़ों पर बाद में बात की। फिर कहानी से जुड़ा अपनी पसन्द का चित्र बनाने को कहा।

उपरोक्त उदाहरण स्पष्ट रूप से यह प्रदर्शित करता है कि किस प्रकार बाल साहित्य का उपयोग भाषा की कक्षा में सीखने–सिखाने की प्रक्रियाओं को रोचक बनाने में किया जाता है। भाषा के शिक्षक अक्सर यह अनुभव करते हैं कि बच्चे उनके विषय को उतनी गंभीरता से नहीं लेते जितनी कि गणित या विज्ञान को। इस परिस्थिति हेतु जिम्मेदार कई अन्य कारकों के अतिरिक्त एक महत्वपूर्ण कारक यह भी है कि साहित्य को हमेशा गंभीरता से नहीं लिया जाता। ऐसे प्रतीत होता है कि साहित्य का कोई 'व्यावहारिक' परिणाम नहीं नज़र

आता। बच्चों के साथ कहानियों पर या किसी पाठ पर काम करना हो तो फिर केवल किताबें स्वयं पढ़ना ही पर्याप्त नहीं होगा इनके साथ–साथ और भी गतिविधियाँ शामिल हो जाती है।

जो बच्चों में –

- पढ़ने के प्रति रुचि और इसे एक आदत के रूप में बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।
- बच्चे लिखित भाषा का व्यापक अनुभव लेते हैं जिसमें उन्हें अपने पढ़ने–लिखने के कौशलों को और अधिक निखारने में मदद मिलती है।
- बच्चों में भाषायी समझ और शब्दावली विकास को सकारात्मक गति देने में मदद करती है।

- किसी भी कहानी या पाठ पर गहराई से सोच पाने, विश्लेषण एवं तर्क कर पाने की क्षमता के विकास में मददगार है।
- पाठ या कहानी के मुख्य विचार को समझना और उस पर अपनी प्रतिक्रिया देने, निर्णय लेने एवं रचनात्मक कार्य करने के प्रति प्रेरणा देने में भी सहायक है।

पुस्तकालय में अलग–अलग प्रकार की गतिविधियों को शामिल किया जाना आवश्यक है –

1. कहानियों को शिक्षक द्वारा बच्चों को पढ़कर सुनाना।
2. बच्चे और शिक्षक द्वारा कहानियों को मिलकर पढ़ना।
3. अपने साथी के साथ कहानियाँ पढ़ना
4. स्वतंत्र रूप से कहानियाँ पढ़ना।
5. बच्चों के बीच पठन की मुख्य गतिविधियों के साथ–साथ उसी कहानी या पाठ पर विस्तारित मौखिक चर्चा एवं लिखित कार्य करवाने से ना केवल उनको कहानी या पाठ पर गहराई से सोचने और रचनात्मक कार्य करने का मौका मिलता है बल्कि उनकी सक्रिय भागीदारी भी इसमें सुनिश्चित होती है।

एक सक्रिय बालमित्र पुस्तकालय (Child Friendly) के लिए ये सभी घटक ज़रूरी है:

1. **किताबों तक पहुँच** : विद्यालय में केवल पुस्तकालय का होना ही पढ़ने की आदत को नहीं बढ़ा सकता बल्कि बच्चों को कक्षा में किताबें पढ़ने और घर ले जाकर पढ़ने की पूर्ण आज़ादी देना भी आवश्यक है।
2. **भाषा समृद्ध वातावरण एवं शैक्षिक परिवेश:** बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने में भाषा समृद्ध वातावरण की विशेष भूमिका होती है। भाषा समृद्ध वातावरण जीवन्त पुस्तकालय की संकल्पना को साकार रूप प्रदान करने में मदद करता है। पुस्तकालय में भाषा समृद्ध वातावरण निर्माण के लिए उपयुक्त बाल साहित्य, कविता के चार्ट/पोस्टर, बच्चों द्वारा किए गए कार्यों का प्रदर्शन किया जाता है।
3. **गुणवत्तापूर्ण बाल साहित्य की उपलब्धता:** एक सक्रिय पुस्तकालय के लिए उपयुक्त सामग्री का होना बहुत आवश्यक है, इसलिए पुस्तकालय में विकासात्मक रूप से उपयुक्त और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध होनी चाहिए। किताबें कठिनाई के स्तरानुसार छांटी हुई हों। बाल साहित्य विशेष रूप से बच्चों के लिए लिखा जाता है

और यह उनके जीवन, उनकी दुनिया और उनसे संबंधित मुद्दों पर लिखा जाता है। बाल साहित्य में कविता, लोककथाएँ कल्पनाएँ, गैर–कथाएँ, विज्ञान–कथाएँ आदि विविध विधाएँ होनी चाहिए।

4. **निर्धारित पठन कालांशः** पुस्तकालय को सक्रिय करने के लिए यह आवश्यक है कि हर विद्यालय की समय सारणी में प्रतिदिन या साप्ताहिक रूप से प्रत्येक कक्षा के लिए कम से कम एक पुस्तकालय घंटी/कालांश निर्धारित हो। इस कालांश में बच्चे पुस्तकालय में अपनी मनपसंद किताबें पढ़ पाएँ एवं शिक्षक बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करें।

5. **पठन गतिविधियाँः** बच्चों को पुस्तकालय से सक्रिय जुड़ाव बनाएँ रखना ज़रूरी है। इसके लिए बच्चों के साथ पठन गतिविधियाँ करना महत्वपूर्ण है ताकि बच्चे किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित हों और उनमें पढ़ने की आदत विकसित हो सके।

6. **किताबों को घर पर पढ़ने के लिए देनाः** पठन घंटी/कालांश में पठन गतिविधियों के बाद बच्चों को घर पर भी किताबें घर ले जाकर पढ़ने के लिए दी जाएँ जिससे समुदाय में भी पठन संस्कृति के विकास को बल मिले।

बालमित्र पुस्तकालय

(एक ऐसा पुस्तकालय जिसमें बच्चों की आयु, परिवेश, एवं पठन स्तर के अनुरूप बहुत सारी पठन सामग्री सुंदर तरीके से प्रदर्शित हो एवं बच्चे बिना रोक टोक के इनका प्रयोग करें)

विस्तारित चर्चाओं हेतु कुछ सुझाव

- कहानी में कौन–कौन है?
- पात्र 1 या 2 का नाम क्या है? इन पात्रों में एक जैसी या अलग–अलग बातें क्या हो सकती है?
- किसी पात्र के साथ कोई घटना क्यों घटी होगी? उसके पीछे के क्या कारण हो सकते हैं? आपको क्या लगता है?
- आज की कहानी में क्या पसंद आया और क्या नहीं? और उन्हें ऐसा क्यों लगता है?
- कहानी को फिर से दोहराएँ – सबसे पहले क्या हुआ, बीच में क्या हुआ और अंत में क्या हुआ?
- अगर इस कहानी को आगे बढ़ाना हो तो आगे की कहानी क्या होगी?
- कहानी का अगर कोई नया नाम रखना तो वह क्या हो सकता है? और क्यों?
- कहानी की घटना और पात्रों पर आधारित अभिनय या नाटक का मंचन करवाना।

10. बुनियादी भाषा और साक्षरता के लिए घटकवार कार्य–योजना एवं शिक्षण योजना का प्रारूप

10.1 दैनिक कार्य–योजना की रूपरेखा

एक कार्य योजना बनाते समय शिक्षक निम्नलिखित बातों का ध्यान रखें:

1. **सीखने के उद्देश्यों को प्रगतिवार योजना में शामिल करना:** सबसे पहले आवश्यक है कि शिक्षण अधिगम के उद्देश्य प्रत्येक कक्षा के अनुसार स्पष्ट हो और आरंभिक साक्षरता की योजना में मुख्य आयाम– जैसे मौखिक भाषा विकास (सुनने की समझ, मौखिक अभिव्यक्ति), प्रिंट जागरूकता, डिकोडिंग, पढ़ना और लिखना आदि निहित हों।

2. **जब स्थानीय भाषा और स्कूल की भाषा अलग–अलग हो:** शिक्षण योजना की रुपरेखा उस स्थिति में पूरी तरह बदल जानी चाहिए जब प्री–प्राइमरी और कक्षा–1 में शामिल होने वाले बच्चों को स्कूल की भाषा की समझ सीमित हो, यानि वहाँ स्थानीय भाषा को कक्षा में शुरुआती स्तर पर स्थान देना सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है साथ ही स्कूल की भाषा सीखने के लिए अपनाए गए दृष्टिकोण और रणनीतियों को भी शिक्षण प्रक्रिया में शामिल करने की आवश्यकता होगी।

3. **संतुलित पद्धति:** बुनियादी भाषा और साक्षरता हेतु शिक्षण प्रक्रिया की योजना में एक संतुलित पद्धति पर आधारित दृष्टिकोण का समावेश करना चाहिए। जैसे शिक्षण–अधिगम गतिविधियाँ प्रतिदिन की जाती हो, सभी आयामों पर प्रतिदिन एक साथ कार्य किया जाता हो, समग्र दृष्टिकोण के आधार पर शिक्षक की दैनिक शिक्षण योजना बनानी चाहिए जिसमें मौखिक भाषा विकास, शब्द भंडार, पढ़ना, लिखना और कहानी की पुस्तकों के साथ समय बिताने के लिए अलग से निश्चित समय और पर्याप्त अभ्यास को भी शामिल किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022 के अनुसार प्रारंभिक स्तर पर भाषा शिक्षण की प्रक्रिया चार खंडों में देखी जा सकती है। मौखिक भाषा विकास, शब्द पहचान, पठन और लेखन।

4. **मौखिक भाषा और आरंभिक साक्षरता:** जब प्रारंभिक कक्षाओं की शिक्षण योजना की बात हो तो ये जरूरी हो जाता है कि बच्चों के लिए उनके स्कूल–पूर्व अनुभवों को महत्त्व देते हुए कक्षा में स्थान मिले। शुरूआती वर्षों में बच्चों के साथ मौखिक भाषा विकास उनकी स्थानीय भाषा में होना चाहिए और धीरे–धीरे बच्चों को स्कूली भाषा से परिचित करवाना चाहिए। इसके लिए प्रतिदिन किसी एक बच्चे से उनकी दैनिक दिनचर्या पूछी जा सकती है।

5. **प्रतिदिन कम से कम 80–90 मिनट का भाषा समय:** हम जिस शिक्षण योजना की बात कर रहे हैं वह समय–सीमा पर आधारित होनी चाहिए, जिसमें दिन में कम से कम 80–90 मिनट तय होना चाहिए,

जिसमें सभी महत्त्वपूर्ण आयामों को योजना में समायोजित कर कार्य किया जा सकता है।

6. **नियमित आकलनः** आकलन को नियमित शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का हिस्सा बनाना चाहिए और प्रारंभिक कक्षाओं में शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से ही बच्चों के सीखने के स्तर को समझने और उनके सहयोग हेतु एक बेहतर योजना तैयार करने में आकलन प्रक्रिया आवश्यक है जिससे शिक्षकों को ये पहचान करने में मदद मिलती है कि किन बच्चों को अतिरिक्त समय और ध्यान देने की आवश्यकता है।

7. **सीखने के कौशल का नियमित अभ्यास और दोहराने का कार्यः** जब भी बच्चों को एक नया कौशल सिखाया जाता है तो ये आवश्यक हो जाता है कि नये सीखे गए कौशल के अभ्यास के तरीके बोझिल ना हो बल्कि ये रुचिकर हो, नवाचारी हो और रोचक गतिविधियों के माध्यम से हो। साथ ही जब बच्चे कभी लम्बी छुट्टियों से वापस स्कूल आते हैं तब ऐसा आमतौर पर होता ही है कि बच्चे सीखे हुए को भूल जाते हैं। अतः ये जरूरी हो जाता है कि उनके साथ दोहराने के कार्य किए जाएँ इसमें बच्चों के सीखने के स्तर के अनुसार अलग–अलग समूह बनाकर भी दोहराने के कार्य किए जा सकते हैं ताकि सभी पर ध्यान दिया जा सके और प्रत्येक बच्चे को ध्यान में रखकर शिक्षण योजना और शिक्षण कार्य किया जा सके।

8. **बहु–स्तरीय सीखने की स्थिति और बहु–कक्षा शिक्षणः** वर्तमान परिदृश्य में बहु–स्तरीय सीखने की स्थिति लगभग हर कक्षा में बनी रहती है और अधिकांश स्कूल में एक या अधिक कक्षाओं (कक्षा–1 से कक्षा–3) को एक साथ बैठाया और पढ़ाया जा रहा है जो कि एक बहु–कक्षा शिक्षण स्थिति है। ऐसे में बच्चों को कक्षा वार या सीखने के स्तरानुसार समूह निर्माण कर अलग–अलग शिक्षण गतिविधियों को शामिल किया जा सकता है। जहाँ विभिन्न सीखने के स्तर वाले बच्चे हो सकते हैं और कक्षाएँ भी हो सकती है उनके लिए अलग योजना होनी चाहिए और कक्षा प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए समूह अनुसार अलग या आवश्यकतानुसार बच्चों के लिए सीखने की सामग्री जैसे कार्यपुस्तिकाएँ, पठन कार्ड और कहानी की किताबें और निर्देशात्मक सामग्री, जैसे कार्ड, ग्रिड, खेल लेखन आदि शामिल किये जा सकते हैं।

9. **पाठ्यपुस्तक का उपयोगः** शिक्षण योजना कभी भी केवल पाठ्यपुस्तक पर सीमित और आधारित नहीं होनी चाहिए। पाठ्यपुस्तक विशिष्ट कौशल और क्षमता जैसे धाराप्रवाह पठन, डिकोडिंग, शब्द भंडार के विकास के लिए एक संसाधन के रूप में होनी चाहिए। पाठ्यपुस्तक के साथ–साथ अन्य सहायक सामग्रियों का भी समुचित उपयोग किया जाना चाहिए।

10. **बोझिल योजना से बचना चाहिएः** योजना शिक्षकों के लिए बहुत बोझिल नहीं होनी चाहिए। उन्हें ऐसी योजना से बचना चाहिए जिसमें बहुत सारी संख्या में शिक्षण–अधिगम सामग्री का उपयोग और प्रबंधन शामिल हो और कई तरह के रिकॉर्ड बनाने व रखने की आवश्यकता हो। बल्कि आवश्यक शिक्षण का समावेश होना चाहिए जैसे कहानी की किताबें, रीडिंग कार्ड, पोस्टर, वर्ण और अक्षर कार्ड हो सकते हैं। बच्चों के समूहों द्वारा उपयोग के लिए टिकाऊ टीएलएम (जैसे अक्षर कार्ड और ग्रिड) हो सकते हैं।

11. **शिक्षण योजना में विभिन्न स्तर की गतिविधियों की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिएः** शिक्षण योजना ऐसी होनी चाहिए जिसमें बच्चों के अलग–अलग सीखने के स्तर को ध्यान में रखकर रोचक गतिविधियों का समावेश हो। इस तरह की योजना में बड़े और छोटे समूह में कार्य, जोड़ों में और व्यक्तिगत स्तर पर कार्य नियमित रूप से शामिल किए जाने चाहिए।

12. **शिक्षण में सहयोगात्मक प्रक्रियाः** उपरोक्त शिक्षण योजना के आवश्यक सिद्धांतों के अनुसार हमें शिक्षण कार्य हेतु एक योजना बनाने की आवश्यकता होगी जिसके आधार पर बच्चों के साथ शिक्षण कार्य किया जा सकता है। अतः इसके लिए उदाहरण स्वरूप एक योजना नीचे दी जा रही है। इसके आधार पर आप कक्षा स्थिति और बच्चों के सीखने के स्तर अनुसार अपनी स्वयं की शिक्षण योजना बना सकते हैं।

अगले भाग में इस पाठ में वर्णित बुनियादी भाषा और साक्षरता सिद्धांतों के आधार पर प्रारंभिक भाषा कक्षा के लिए कौशल आधारित कुछ सैंपल पाठ योजना दिए जा रहे हैं।

कौशल आधारित दैनिक शिक्षण कार्य योजना का एक संभावित उदाहरण

कक्षा: सप्ताह : 1 दिवस: 2 कुल समयः ~90 मिनट

कौशल	गतिविधियाँ	गतिविधि का स्वरुप	सामग्री का उपयोग	आकलन	गतिविधि में लगने वाला अनुमानित समय
दोहराव कार्य:सबसे पहले बच्चों को कल किए गए कौशलों पर दोहराव कार्य दिया जा सकता है जिसके लिए 10 मिनट दे सकते हैं।					
मौखिक भाषा विकास	**चित्रों पर चर्चा** चित्रों पर चर्चा (चर्चा में ऐसे प्रश्न शामिल करना चाहिए जिसमें बच्चों को सोचने के अधिक अवसर मिलें-जैसे सोचने वाले प्रश्न, तार्किक प्रश्न, क्यों वाले प्रश्न की अधिकता) • स्थानीय भाषा के लिए शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों में स्थानीय भाषा का उपयोग कर सकते हैं-जैसे चित्रों को, किसी वस्तु को स्थानीय भाषा में क्या कहते हैं आदि।	सामूहिक	कहानी की पुस्तक, चित्र-कहानी, चित्र-चार्ट, आस-पास दिखने वाली कोई परिचित वस्तु जैसे-पंखा, कुर्सी, दीवार आदि, TLM किट सामग्री	बच्चों से सामूहिक चर्चा करने के बाद कुछ बच्चों से बदलते करण में व्यक्तिगत रूप से सवाल पर जवाब लें। यहाँ ये नहीं देखना है कि बच्चे ने सही या गलत जवाब दिया है बल्कि ये देखना है कि बच्चे ने क्या और किस तरह की प्रतिक्रिया दी है।	10 मिनट
ध्वनि जागरूकता	शब्द की प्रथम ध्वनि की पहचान करना (घर में 'घ' ध्वनि की पहचान) • जिस दिन शिक्षक जिस वर्ण/मात्रा पर कार्य करेंगे उससे सम्बंधित ध्वनि पर कार्य ध्वनि जागरूकता में किया जाना चाहिए जैसे-उपरोक्त में वर्ण 'घ' से सम्बंधित उदाहरण लिया गया है। • स्थानीय भाषा के लिए शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों में स्थानीय भाषा के शब्द लेकर गतिविधियाँ कर सकते हैं जैसे-'घ' के लिए घर या घड़ा शब्द ले सकते हैं।	सामूहिक एवं व्यक्तिगत	TLM किट सामग्री, पाठ्यपुस्तक	बच्चों को शब्द बताकर पूछें कि इस शब्द में पहली ध्वनि कौन सी है? पहली ध्वनि से नए शब्द बनवा सकते हैं। अलग-अलग ध्वनियों से नए शब्द बनवाना और शब्द देकर उसमें से ध्वनियों को अलग करना	5 से 7 मिनट

डिकोडिंग	• वर्ण/मात्रा की ध्वनि से प्रतीक चिह्नों का मिलान और वर्तनी लेखन • वर्ण से वर्ण मिलाकर शब्द बनाना (ब्लेंडिंग) • सीखे गए वर्णों में मात्रा जोड़कर उच्चारण करना (ग्रिड) • शब्द पठन और वाक्य पठन • गतिविधियों में स्थानीय भाषा के शब्द लेकर गतिविधियाँ कर सकते हैं जैसे-घर, घड़ा	• सामूहिक	• बोर्ड, पाठ्यपुस्तक, कहानी लेखन हेतु कॉपी, TLM किट सामग्री	• वर्ण की ध्वनि से प्रतीक का मिलान करवाना • आकृति दिखाकर ध्वनि का उच्चारण करवाना • शब्द व वाक्य पठन करवाना	10 मिनट
शब्द भण्डार	• कहानी, पाठ में से किन्हीं दो या अधिक मुख्य/कठिन शब्दों का चयन करना • शब्द का अर्थ बताना • शब्द का वाक्य में प्रयोग करना • स्थानीय भाषा के लिए शिक्षक, शब्द भंडार हेतु गतिविधियों में स्थानीय भाषा में उनके अर्थ बताकर गतिविधियाँ कर सकते हैं और कक्षा कक्ष में पाठ से सम्बंधित शब्दावली का चार्ट लगा सकते हैं जिसमें मानक भाषा और स्थानीय भाषा में शब्दों के अर्थ लिखे हों	•सामूहिक	• बोर्ड, पाठ्यपुस्तक, कहानी की किताब, अन्य सामग्री • TLM किट सामग्री	शब्द का अर्थ बताना और नए वाक्य बनवाना	10 मिनट
धाराप्रवाह पढ़ना व समझना	• कहानी/पाठ के मुख्य शब्दों पर कार्य करना (ऊपर दिए गए शब्द भंडार कौशल के अनुसार)	• सामूहिक और व्यक्तिगत	• पाठ्यपुस्तक, कहानी की किताब, अन्य पाठ्य सामग्री, TLM किट सामग्री	• कहानी को पढ़कर प्रश्नों के जवाब देना, लगाए गए अनुमानों पर अपनी प्रतिक्रिया देना, कहानी के किसी हिस्से को अपनी भाषा में सुनाना	• 15 मिनट

	• कहानी को शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना • कहानी को बच्चों के द्वारा जोड़े बनाकर पढ़ने का प्रयास करना और शिक्षक द्वारा मदद करना • बच्चों द्वारा कहानी को पढ़कर सुनाने का अभ्यास करना • कहानी पर प्रश्नात्मक चर्चा करना (जैसा मौखिक भाषा विकास में दिया गया है) • स्थानीय भाषा के लिए शिक्षक पाठ पर कार्य करते समय कहानी को समझाने के लिए स्थानीय भाषा का उपयोग कर सकते हैं और बच्चों से प्रश्नों का उत्तर और कहानी को उनकी भाषा में सुन सकते हैं।				
लेखन	• बच्चों के साथ वर्तनी लेखन पर कार्य के साथ स्वतंत्र लेखन हेतु अभ्यास कार्य के अवसर देना जिसमें कहानी में आए शब्दों पर कार्य, प्रश्नों के लिखित जवाब देना, कहानी को अपने शब्दों में लिखना आदि हो सकते हैं।	• व्यक्तिगत	• लेखन सामग्री, वर्कबुक, TLM किट सामग्री	• श्रुतिलेख करना, कहानी से सम्बंधित चित्र बनाना और उसके बारे में अपने विचार लिखना आदि।	• 15 मिनट
स्वतंत्र पठन	• बच्चों को स्वतंत्र पठन के अभ्यास हेतु कक्षा में या पुस्तकालय में स्वतंत्र रूप से अवसर।	• जोड़ों में, व्यक्तिगत	• पाठ्यपुस्तक, कहानी की किताब, अन्य सामग्री, TLM किट सामग्री	• शिक्षक अवलोकन करेंगे और आवश्यकतानुसार बच्चों की मदद करेंगे	• 15 मिनट

शिक्षक द्वारा प्रतिदिन सभी कौशलों पर बच्चों के साथ कार्य किया जाना चाहिए और इस दौरान लगने वाले समय में धीरे-धीरे कमी आएगी क्योंकि बच्चे भी इस प्रक्रिया से अभ्यस्त होने लगते हैं। अतः आगे चलकर बच्चों के साथ दोहराव कार्य और अवलोकन में समय बढ़ाया जा सकता है।

शिक्षक इस पूरी प्रक्रिया में स्कैफोल्डिंग (I DO, WE DO, YOU DO) का उपयोग कर सकते हैं जिससे बच्चों को सीखने में सरलता होगी और You Do के दौरान शिक्षक बच्चों का अवलोकन कर आवश्यकतानुसार मदद कर पाएँगे।

10.2 कक्षा 1: निपुण लक्ष्य और सीखने के प्रतिफल

कक्षा 1

मुख्य घटक	लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल	सीखने के उद्देश्य
मौखिक भाषा विकास	1. अपनी आवश्यकताओं, परिवेश के बारे में दोस्तों और शिक्षक के साथ बातचीत करना। 2. कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में बात करना। 3. हाव–भाव के साथ कविता/गीत सुनाना। 4. कहानी कहने के सत्र के दौरान और बाद में सवालों के जवाब देना, कठपुतलियों और अन्य सामग्री के साथ परिचित कहानी का अभिनय करना। 5. स्वयं बनाई हुई वर्तनी वाले शब्दों को लिखने के लिए ध्वनि–प्रतीक का उपयोग करना। 6. एक उम्र–सापेक्ष पहले ना पढ़े हुए पाठ/टेक्स्ट में कम से कम 4–5 सरल शब्दों से युक्त छोटे–छोटे वाक्य पढ़ना।	ECL1 4.1 अपनी अथवा विद्यालय की औपचारिक भाषा का प्रयोग करते हुए अपनी आवश्यकताएँ बताने के लिए बातचीत करते हैं और जानकारी हासिल करने के लिए प्रश्न पूछते हैं।	1. बच्चे परिचित परिस्थितियों में दिए गए मौखिक अनुरोधों एवं सरल आदेशों को समझ पाएँगे। 2. बच्चे अपने अनुभवों, वातावरण, घर–परिवार तथा अन्य विषयों से संबंधित वार्तालाप एवं संवाद कर पाएँगे। 3. बच्चे सुनी हुई कहानी/कविता के बारे में और विस्तार से जानने के लिए तरह–तरह (क्या, क्यों, कहाँ, कैसे) प्रश्न पूछ पाएँगे।
मौखिक भाषा विकास, शब्द भंडार		ECL1 4.3a अपने अनुभवों को पढ़ी/सुनी/परिचित कहानियों से जोड़ते हैं और उसके बारे में बातचीत करते हैं।	1. बच्चे कहानी सुनते वक्त सक्रिय रूप से भाग ले पाएँगे, सवाल जवाब कर पाएँगे। 2. बच्चे विभिन्न चित्रों, कठपुतलियों/पपेट के माध्यम से अथवा स्वयं पात्रों का अभिनय कर पाएँगे।
		ECL1 4.3b अपने प्रिय खेल से संबंधित नियम बनाते हैं।	1. बच्चे अपने प्रिय खेल से संबंधित दो–तीन नियम अन्य बच्चों/व्यक्तियों को समझा पाएँगे।
ध्वनि जागरूकता, शब्द भंडार		ECL1 4.4 परिचित कविताओं और गीतों में प्रयुक्त तुकांत शब्दों को पहचानते हैं और नए तुकांत शब्दों की रचना करते हैं।	1. बच्चे उपयुक्त हाव–भाव और उचित आरोह–अवरोह के साथ कविता/गीत सुना पाएँगे। 2. बच्चे कविता, गीत में प्रयुक्त तुकांत शब्दों को पहचान और समझ पाएँगे। उन शब्दों का प्रयोग करते हुए कविता में नए शब्द भी जोड़ पाएँगे। 3. बच्चे एक शब्द में प्रयुक्त विभिन्न ध्वनियों को जोड़–तोड़ पाएँगे।

कक्षा 1			
मुख्य घटक	**लक्ष्य**	**सीखने के प्रतिफल**	**सीखने के उद्देश्य**
	7. परिचित सन्दर्भों (कहानी / कविता / पर्यावरण प्रिंट आदि) में प्रयोग होने वाले शब्दों की मात्राओं से परिचित होना। 8. अपने कार्यपत्रक और बधाई संदेश पर नाम दर्शाने और अर्थ बताने के लिए कुछ लिखना और ड्राइंग करना। पहचानने योग्य और अन्य लोगों तथा वस्तुओं से मेल खाता हुआ चित्र बनाना।		4. बच्चे किसी भी शब्द में प्रयुक्त प्रथम, मध्य अथवा अंतिम ध्वनि को पहचान पाएँगे और उनका प्रयोग करके नए शब्द बना पाएँगे।
पढ़ने की संस्कृति, धारा प्रवाह पठन		ECL1 4.2 पढ़ने का कोना / पुस्तकालय से अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनते हैं और उसमें दिए हुए चित्रों के आधार पर कहानी के बारे में बातचीत करते हैं, उसे सुनाते हैं और पढ़ने की कोशिश भी करते हैं।	1. बच्चे पढ़ने का कोना / पुस्तकालय से किताबें अथवा प्रिंट सामग्री चुनने में सक्षम होंगे और उनके बारे में चर्चा, परिचर्चा, बातचीत कर पाएँगे।
			2. बच्चे किताब की अवधारणा से परिचित होंगे।
			3. चित्रों में दर्शायी गयी घटनाओं, वस्तुओं, इत्यादि को पहचान पाएँगे और उनके बारे में बातचीत कर पाएँगे।
प्रिंट अवधारणा की समझ, पढ़कर समझना		ECL1 4.5 पाठ्यपुस्तक अथवा बाल साहित्य के पृष्ठ उलट–पुलट कर देखते हैं, दिए गए पाठ का अर्थ ग्रहण करने का प्रयास करते हैं और उसके बारे में अनुमान लगाते हैं।	1. बच्चे पाठ्यपुस्तक की रूपरेखा से परिचित होंगे।
			2. बच्चे एक पुस्तक को देखकर उसके बारे में अनुमान लगा पाएँगे और उसकी विषयवस्तु के बारे में अपने शब्दों में बता पाएँगे।
		ECL1 4.6 चित्रों और टेक्स्ट के सह–संबंध को समझते हैं और उसके बारे में अनुमान लगाते हैं।	1. बच्चे कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में बातचीत कर पाएँगे और अपने रोजमर्रा के जीवन में जोड़ पाएँगे।
			2. बच्चे चित्रों के मध्य संबंध स्थापित कर पाएँगे। जैसे चित्रों के क्रम में सजाना।
डिकोडिंग		ECL1 4.8 कहानी कविता पढ़ते समय अक्षरों के बनावट की समझ रखते हैं और लिखते समय उसका प्रयोग भी करते हैं।	1. बच्चे परिचित अक्षरों के लिखित रूप को विभिन्न सन्दर्भों में पहचान पाएँगे।
			2. हिन्दी वर्णमाला के अक्षरों की ध्वनि और उनके चिन्हों (अक्षरों) के संबंध को जान पाएँगे।

कक्षा 1			
मुख्य घटक	**लक्ष्य**	**सीखने के प्रतिफल**	**सीखने के उद्देश्य**
			4. वे सारे अक्षर जिन्हें बच्चे पढ़ चुके हैं उनसे बने शब्दों को पढ़ और समझ पाएँगे।
			5. बच्चे जाने पहचाने शब्दों से बने सरल वाक्य पढ़ेंगे।
लेखन		ECL1 4.7 अपने आसपास (घर, परिवेश, स्कूल) पाए जाने वाले पशु–पक्षी के बारे में बात करते हैं और अपनी बनाई वर्तनी, इनवेंटेड (स्वनिर्मित) वर्तनी/पारंपरिक लेखन के द्वारा उनके बारे में कुछ लिखते हैं।	1. बच्चे अपने परिवेश में लिखने वाले पशु–पक्षियों के बारे में बात कर पाएँगे। जैसे – उनके नाम, विशेषताएँ आदि बता पाएँगे।
			2. बच्चे इनवेंटेड (स्वनिर्मित) वर्तनी के माध्यम से कुछ शब्द लिख पाएँगे और अपने भावों को अभिव्यक्त कर पाएँगे।
			3. बच्चे शब्द और सरल वाक्य लिख पाएँगे।
		ECL1 4.9 स्वयं बनाए या दिए हुए चित्र को लेबल (नामकरण) करते हैं।	1. बच्चे चित्र को लेबल (नामकरण) कर पाएँगे। जैसे– चित्र बनाकर उसका नाम लिख पाएँगे।
			2. बच्चे लेखन/ड्राइंग (चित्रांकन) कर पाएँगे। अपने कार्यपत्रक, बधाई संदेश, चित्रों आदि पर अपना नाम लिख पाएँगे और पहचानने योग्य चित्र बना पाएँगे।

पाठ योजना

कक्षा 1

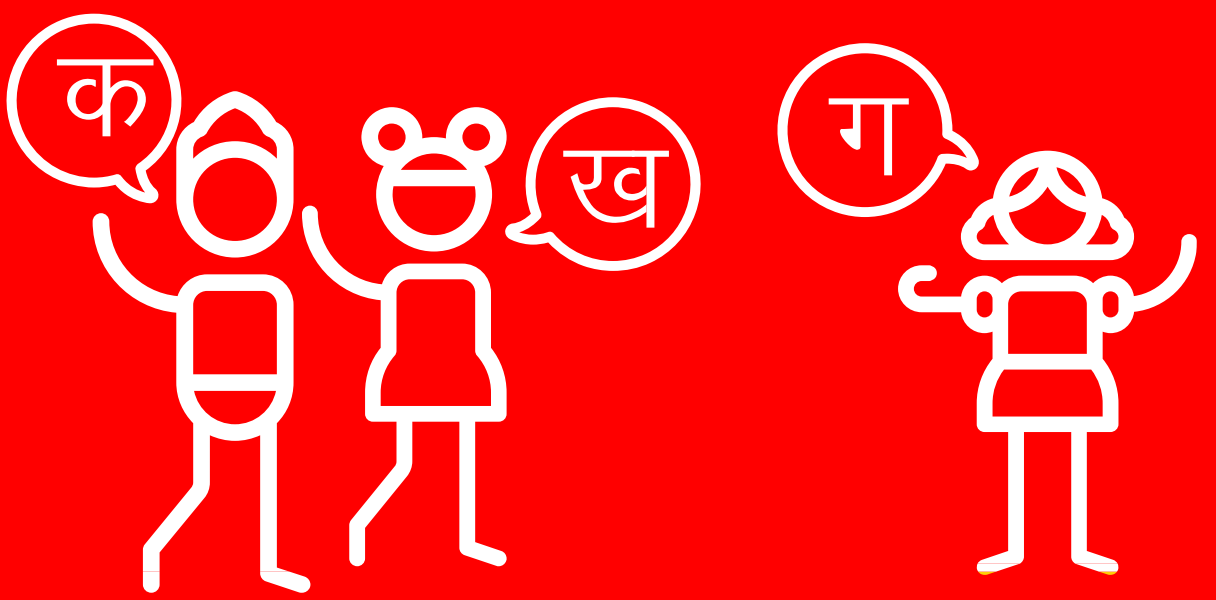

कक्षा 1 सैंपल पाठ योजना-1

लगभग 90 मिनट

मौखिक भाषा विकास

समयः 10 मिनट

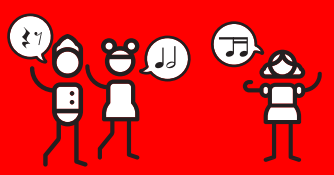

हाव–भाव से कविता गाना व चर्चा करना

ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- सामग्री 1- 'मन करता है', कक्षा -1, हिन्दी पाठ्यपुस्तक नव अंकुर

शिक्षक के लिए नोट:

- चित्र पर चर्चा[1] हेतु मानक व स्थानीय भाषा में प्रश्न बना लें।
- बच्चों को बोलने के लिए लगातार प्रोत्साहित करें। उनकी अपनी भाषा को भी कक्षा में स्वीकृति दें।
- यह गतिविधि इसी तरह के किसी भी चित्र के साथ कर सकते हैं।

पहले (सामूहिक)[2]

पुस्तक में दिए गए पाठ 'मन करता है' (पृ.सं. 39) से संबंधित चित्र का परिचय दें। बच्चों से कहें कि आज हम इस चित्र पर चर्चा करेंगे। इस चित्र को ध्यान से देखिए और बताइए चित्र में आपको क्या-क्या दिख रहा है?

दौरान (सामूहिक)

बच्चों को चित्र दिखाएँ एवं दिखाते हुए चर्चा करें। चर्चा को बच्चों के पूर्व ज्ञान से जोड़ते हुए आगे बढ़ाएँ। कुछ इस तरह के प्रश्न पूछ सकते हैं-

- आसमान में क्या-क्या दिखाई देता है?

बाद में (सामूहिक)

कविता वाचन करके बच्चों को सुनाएँ और उन्हें भी कविता दोहराने को कहें।

प्रश्नों के माध्यम से कविता पर चर्चा करें। कुछ प्रश्न पाठ में आए तथ्यों पर आधारित हो और कुछ सोचने के अवसर देनेवाले।

- मूँछें कौन बढ़ाता है?
- कौन किस पर अकड़ दिखाता है?
- आप सूरज बनकर क्या कर सकते हैं?
- चिड़ियाँ आपस में क्या बातें करती होंगी?
- बताओ सूरज आसमान में दौड़ क्यों लगाता होगा?
- आपका मन क्या-क्या करना चाहता है?

ध्वनि–जागरूकता

समयः 10 मिनट

सीखे हुए वर्ण की ध्वनि का अभ्यास

ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- अक्षर ध्वनि से शुरु होने वाले शब्दों की सूची बना लें।
- स्थानीय भाषा के संदर्भ में शिक्षक आवश्यकता के अनुरूप शिक्षण संदर्भ सामग्री के अंतर्गत विकसित चित्र शब्द कार्ड का प्रयोग करते हुए अभ्यास कराएँ।

शिक्षक के लिए नोट:

- अन्य सीखे हुए अक्षर ध्वनि के साथ भी इसी गतिविधि को दोहराएँ।

मैं करूँ

शिक्षक /स/ आवाज की पहचान कराएँगे। शिक्षक हाथ ऊपर और हाथ सामने करके बच्चों को दिखाएँ। बच्चों को बताएँ कि जिन शब्दों की पहली आवाज /स/ आएगी तो हाथ ऊपर करेंगे और अगर /स/ आवाज नहीं आएगी तो हाथ सामने करेंगे। शब्द- सड़क, साथ, नरम, सरोज, सात, सूरज।

हम करें

शिक्षक और बच्चे मिलकर हाथ ऊपर और हाथ सामने की गतिविधि करेंगे। शब्द- सितारा, नाम, सूरज, मूँछ।

आप करें

शिक्षक शब्द बोलेंगे और बच्चे हाथ ऊपर और हाथ सामने की गतिविधि करेंगे। बच्चों को /स/ आवाज से शुरू होने वाले और शब्द बताने के लिए कहेंगे।

[1]कक्षा में होनेवाली हर चर्चा एवं गतिविधि के दौरान यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चे (लड़का, लड़की, विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे आदि) को पूरी सहभागिता करने का अवसर मिले।

[2]प्रत्येक सामूहिक गतिविधि के लिए सुनिश्चित करें कि बच्चे गोले में बैठें ताकि उन्हें आपसी संवाद के बेहतर अवसर मिलें। यदि उपसमूह बनाने की आवश्यकता हो तो अधिक से अधिक चार बच्चों का ही उपसमूह बनाएँ।

डिकोडिंग कौशल

समयः 15 मिनट

वर्ण को लिखित रूप में पहचानना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- वर्ण कार्ड (इस गतिविधि को कराने से पहले जिस वर्ण को आज सिखाना है उसका वर्ण कार्ड बना लें)।

शिक्षक के लिए नोट:

- अक्षर और ध्वनि के परस्पर संबंध को सिखाने और समझाने के लिए ऐसी गतिविधियों को बार-बार दोहराना बहुत जरुरी है।
- जिन शब्दों में सीखे हुए अक्षर के साथ नए अक्षर है, उन्हें पढ़कर सुनाएँ और अर्थ समझाएँ।
- इस तरह बच्चे नए अक्षर जल्दी सीख जाते हैं।

वर्ण पहचान

मैं करूँ

बच्चों को 'स' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और पढ़कर बताएँ -यह है- 'स'

हम करें

'स' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और साथ-साथ पढ़ें।

आप करें:

'स' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और बच्चों को पढ़कर बताने को कहें। बच्चों के पास जाकर बोलने और पहचानने में मदद करें।

वर्ण लेखन

मैं करूँ

शिक्षक 'स' वर्ण को सही तरीके से बोर्ड पर लिखें तथा 'स' वर्ण पर क्रमानसुार उंगली फेरकर दिखाएँ।

हम करें

शिक्षक बोर्ड पर 'स' वर्ण सही तरीके से लिखें और बच्चों के साथ मिलकर 'स' वर्ण लिखने का अभ्यास करें।

आप करें:

बच्चों को स्वयं 'स' वर्ण लिखने और पढ़ने के लिए कहें।

शब्द भंडार

समयः 10 मिनट

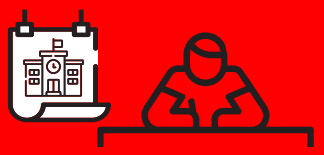

शब्दों के अर्थ को समझना और प्रयोग करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- शब्द कार्ड

शिक्षक के लिए नोट:

- शब्द चार्ट में दिए शब्दों के अर्थ पहले से नोट कर लें और उनसे कुछ वाक्य भी बनाकर रख लें। इन शब्दों को स्थानीय भाषा में क्या कहते हैं इसकी जानकारी भी कर लें। जिससे बच्चे यदि अपनी भाषा/स्थानीय भाषा में इन्हें बताएँ तो आप समझ पाएँ।

मैं करूँ

शब्द: आसमान, सूरज, चंदा, तारे

कविता में से चुने गए शब्दों के अर्थ पर चर्चा करें और वाक्य प्रयोग करके बताएँ।

हम करें

बच्चों के साथ मिलकर शब्द का वाक्य प्रयोग करके बताएँ और बच्चों के साथ बोलें।

आप करें:

बच्चों से दिए गए शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें। उनके द्वारा बनाए गए वाक्यों को बोर्ड पर अवश्य लिखें।

धाराप्रवाह पठन व समझ

समय: 15 मिनट

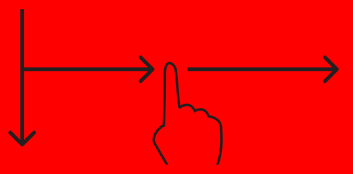

उंगली रखते हुए छपी सामग्री को पढ़ने की कोशिश करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- सामग्री 1- 'मन करता है', कक्षा -1, हिन्दी पाठ्यपुस्तक नव अंकुर

शिक्षक के लिए नोट:

- शीर्षक और कथानक पर चर्चा करने के लिए प्रश्न पहले से तैयार कर लें। बीच-बीच में बच्चों को भी प्रश्न पूछने का मौका दें।

पहले (सामूहिक)

कविता पढ़ने से पहले -कविता के शीर्षक पर चर्चा करें।

- कविता किसके बारे में है?
- कौन-कौन क्या क्या करना चाहता है? इत्यादि।

दौरान (सामूहिक)

कविता पढ़ने के दौरान उचित गति और हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन करें।

बाद में

प्रश्नों के माध्यम से कविता पर चर्चा करें।

- बच्चे को सूरज बनकर क्या करने का मन करता है?
- बच्चे को चरखी लेकर क्या करने का मन करता है?
- चिड़ियाँ शोर क्यों मचाती होंगी?
- चंदा तारों पर क्यों अकड़ता होगा?
- तुम्हारा मन कब-कब चिड़िया बन जाने को करता है?
- ऐसे ही बहुत से प्रश्न पूछ सकते हैं।

लेखन

समय: 15 मिनट

कविता में जो पसंद आया उसका चित्र बनाना व उसका नाम लिखने का प्रयास करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- अभ्यास पुस्तिका

शिक्षक के लिए नोट:

- शुरूआती स्तर पर बच्चों के किसी भी प्रकार के लेखन को प्रोत्साहित करें। चाहे वे आड़ी-तिरछी रेखाएँ ही क्यों ना हों। लेखन कौशल के विकास के लिए सबसे अधिक जरुरी है कि बच्चे पेंसिल/कलम ठीक से पकड़ना सीखें। इसके लिए रंग भरने, आकारों पर पेंसिल चलाने और वर्णों की आकृतियों पर पेंसिल चलाने जैसी गतिविधियाँ कराई जा सकती हैं।

कविता में जो पसंद आया उसका चित्र बनाने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें।

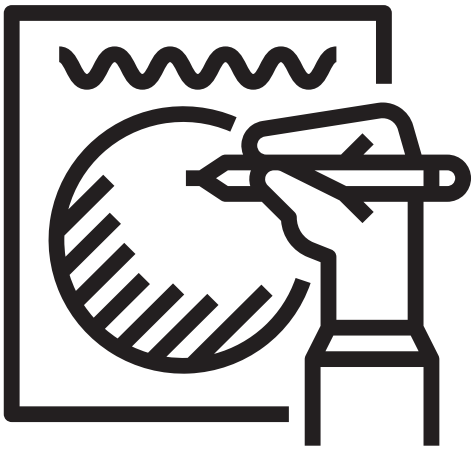

समयः 15 मिनट

पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- स्तरानुसार किताबें, चित्र कार्ड, चार्ट इत्यादि

✍ शिक्षक के लिए नोट:

- स्वतंत्र पठन के लिए समय देना आवश्यक है। जिन्हें पढ़ने आता है, उन्हें अपने पठन कौशलों को सुदृढ़ करने का अवसर मिलता है और जो अभी पढ़ना सीख रहे होते हैं उन्हें किताबों से दोस्ती करने का अवसर मिलता है।

बच्चों को स्वयं स्तरानुसार कहानी, कहानी कार्ड, पोस्टर, चार्ट से चित्र देखने और पढ़ने के लिए कहें। 'शिक्षक भी किताब पढ़ें और बच्चों की मदद करें।

बच्चे यदि जोड़ों में या समूह में बैठना चाहते हैं तो उन्हें बैठने दें।

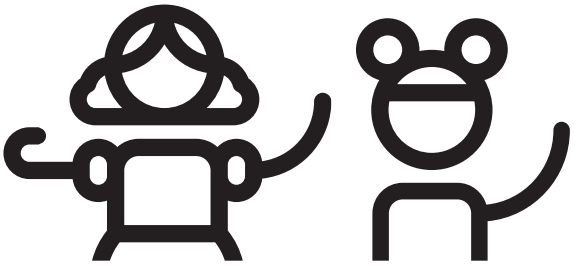

कक्षा 1 सैंपल पाठ योजना-2

लगभग 90 मिनट

मौखिक भाषा विकास

समयः 10 मिनट

हाव भाव से कविता गाना व चर्चा करना

ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- सामग्री 1- 'पतंग', कक्षा -1, हिन्दी पाठ्यपुस्तक नव अंकुर

शिक्षक के लिए नोट:

- चित्र पर चर्चा[1] हेतु मानक व स्थानीय भाषा में प्रश्न बना लें।
- बच्चों को बोलने के लिए लगातार प्रोत्साहित करें। उनकी अपनी भाषा को भी कक्षा में स्वीकृति दें।
- यह गतिविधि इसी तरह के किसी भी चित्र के साथ कर सकते हैं।

पहले (सामूहिक)[2]

पुस्तक में दिए गए पाठ 'पतंग' (पृ. सं. 43) से संबंधित चित्र का परिचय दें। बच्चों को बताएँ कि आज हम इस चित्र पर चर्चा करेंगे। इस चित्र को ध्यान से देखिए और बताइए कि इस चित्र में आपको क्या-क्या दिख रहा है।

दौरान (सामूहिक)

चित्र को बच्चों को दिखाएँ एवं दिखाते हुए चर्चा करें।

- पतंग की तरह आसमान में और क्या-क्या दिखते हैं ?
- क्या आपने कभी पतंग उड़ाई है?
- पतंग कटकर कहाँ गिरेगी?

बाद में (सामूहिक)

कविता का पूरे हाव-भाव के साथ वाचन करें। बच्चों से भी कविता दोहराने के लिए कहें। प्रश्नों के माध्यम से कविता पर चर्चा करें। कुछ प्रश्न तथ्य आधारित हों और कुछ ऐसे जो बच्चों को सोचने के अवसर दें। जैसे-

- सर-सर क्या -क्या उड़ते हैं?
- कविता में किसको किसने काटा?
- आप सैर-सपाटा करने के लिए कहाँ जाएँगे?

ध्वनि–जागरूकता

समयः 10 मिनट

सीखे हुए वर्ण की ध्वनि का अभ्यास

ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- कार्य-पत्रक
- अक्षर ध्वनि से शुरु होने वाले शब्दों की सूची बना लें।
- स्थानीय भाषा के संदर्भ में शिक्षक आवश्यकता के अनुरूप शिक्षण संदर्भ सामग्री के अंतर्गत विकसित चित्र शब्द कार्ड का प्रयोग करते हुए अभ्यास कराएँ।

शिक्षक के लिए नोट:

- अन्य सीखे हुए अक्षर ध्वनि के साथ भी इसी गतिविधि को दोहराएँ। (त, फ)

मैं करूँ

शिक्षक / ट/ आवाज की पहचान कराएँगे। शिक्षक हाथ ऊपर और हाथ सामने करके बच्चों को दिखाएँ। बच्चों को बताएँ कि जिन शब्दों की पहली आवाज / ट/ आएगी तो हाथ ऊपर करेंगे और अगर / ट/ आवाज नहीं आएगी तो हाथ सामने करेंगे। शब्द- टमटम, टपकना, तबला, तराजू, टहनी आदि।

हम करें

शिक्षक और बच्चे मिलकर हाथ ऊपर और हाथ सामने की गतिविधि करेंगे। शब्द- फसल, फूल, टपक, टमाटर।

आप करें

शिक्षक शब्द बोलेंगे और बच्चे हाथ ऊपर और हाथ सामने की गतिविधि करेंगे। बच्चों को /ट/ आवाज से शुरू होने वाले और शब्द बताने के लिए कहेंगे।

[1]कक्षा में होनेवाली हर चर्चा एवं गतिविधि के दौरान यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चे (लड़का,लड़की, विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे आदि) को पूरी सहभागिता करने का अवसर मिले।

[2]प्रत्येक सामूहिक गतिविधि के लिए सुनिश्चित करें कि बच्चे गोले में बैठें ताकि उन्हें आपसी संवाद के बेहतर अवसर मिलें। यदि उपसमूह बनाने की आवश्यकता हो तो अधिक से अधिक चार बच्चों का ही उपसमूह बनाएँ।

डिकोडिंग कौशल

समयः 15 मिनट

वर्ण को लिखित रूप में पहचानना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- वर्ण कार्ड

शिक्षक के लिए नोट:

- अक्षर और ध्वनि के परस्पर संबंध को सिखाने और समझाने के लिए ऐसी गतिविधियों को बार-बार दोहराना बहुत जरुरी है।
- जिन शब्दों में सीखे हुए अक्षर के साथ नए अक्षर हैं, उन्हें पढ़कर सुनाएँ और अर्थ समझाएँ।
- इस तरह बच्चे नए अक्षर जल्दी सीख जाते हैं।

वर्ण पहचान

मैं करूँ

बच्चों को 'ट' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और पढ़कर बताएँ -यह है- 'ट'

हम करें

'ट' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और साथ-साथ पढ़ें।

आप करें

'ट' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और बच्चों को पढ़कर बताने को कहें। बच्चों के पास जाकर बोलने और पहचानने में मदद करें।

वर्ण लेखन

मैं करूँ

शिक्षक 'ट' वर्ण को सही तरीके से बोर्ड पर लिखें तथा 'ट' वर्ण पर क्रमानसुार उंगली फेरकर दिखाएँ।

हम करें

शिक्षक बोर्ड पर 'ट' वर्ण सही तरीके से लिखें और बच्चों के साथ मिलकर 'ट' वर्ण लिखने का अभ्यास करें।

आप करें

बच्चों को स्वयं 'ट' वर्ण लिखने और पढ़ने के लिए कहें।

शब्द भंडार

समयः 10 मिनट

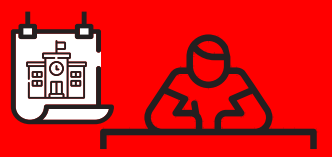

शब्दों के अर्थ को समझना और प्रयोग करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- शब्द कार्ड

शिक्षक के लिए नोट:

- शब्द चार्ट में दिए शब्दों के अर्थ पहले से नोट कर लें और उनसे कुछ वाक्य भी बनाकर रख लें।
- इन शब्दों को स्थानीय भाषा में क्या कहते हैं इसकी जानकारी भी कर लें। जिससे बच्चे यदि अपनी भाषा/स्थानीय भाषा में इन्हें बताएं तो आप समझ पाएँ।

मैं करूँ

शब्द: पतंग, सैर-सपाटा, लड़ना

कविता में से चुने गए शब्दों के अर्थ पर चर्चा करें और वाक्य प्रयोग करके बताएँ।

हम करें

बच्चों के साथ मिलकर शब्द का वाक्य प्रयोग करके बताएँ और बच्चों के साथ बोलें।

आप करें

बच्चों से दिए गए शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें। उनके द्वारा बनाए हुए वाक्यों को बोर्ड पर अवश्य लिखें।

धाराप्रवाह पठन व समझ

समयः 15 मिनट

पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- सामग्री 1- 'पतंग' , कक्षा -1, हिन्दी पाठ्यपुस्तक नव अंकुर

शिक्षक के लिए नोट:

- शीर्षक और कथानक पर चर्चा करने के लिए प्रश्न पहले से तैयार कर लें। बीच बीच में बच्चों को भी प्रश्न पूछने का मौका दें।

पहले (सामूहिक)

कविता पढ़ने से पहले- कविता के शीर्षक और चित्र पर चर्चा कर कविता के बारे में अनुमान लगवाएँ। 'चित्र में क्या-क्या दिख रहा है/क्या हो रहा है कौन-कौन हैं?' कविता किसके बारे में होगी?

दौरान (सामूहिक)

- कविता पढ़ने के दौरान- उचित गति और हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन करें।

बाद में

प्रश्नों के माध्यम से कविता पर चर्चा करें। प्रश्न कुछ ऐसे हों-

- यह कविता किसके बारे में है?
- सर-सर क्या-क्या उड़ते हैं?
- कविता में किसको किसने काटा?
- तुम पतंग के साथ सैर-सपाटे पर गई। वहाँ तुमने क्या-क्या देखा?

लेखन

समयः 10 मिनट

कविता में जो पसंद आया उसका चित्र बनाना व उसका नाम लिखने का प्रयास करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- कलर पेंसिल, कॉपी, चॉक

शिक्षक के लिए नोट:

- शुरूआती स्तर पर बच्चों के किसी भी प्रकार के लेखन को प्रोत्साहित करें। चाहे वे आड़ी-तिरछी रेखाएँ ही क्यों ना हों। लेखन कौशल के विकास के लिए सबसे अधिक जरुरी है कि बच्चे पेंसिल/कलम ठीक से पकड़ना सीखें। इसके लिए रंग भरने, आकारों पर पेंसिल चलाने और वर्णों की आकृतियों पर पेंसिल चलाने जैसी गतिविधियाँ कराई जा सकती हैं।

बच्चों को पाठ्यपुस्तक में दिए गए चित्रों के नाम लिखने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों के स्तर को ध्यान में रखते हुए, उनसे रंग भरवाने, पेंसिल चलवाने और चित्रों की लेबलिंग जैसी गतिविधियाँ करवाएँ।

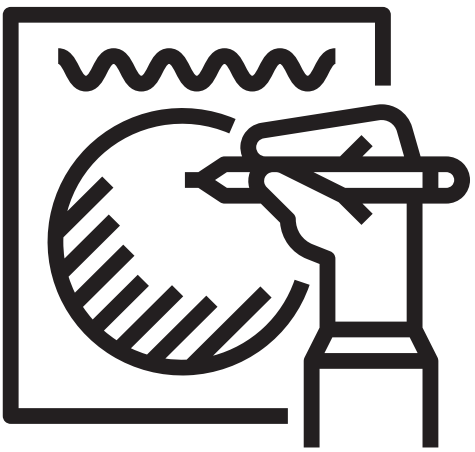

समयः 10 मिनट

पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना

बच्चों को स्वयं स्तरानुसार कहानी, कहानी कार्ड, पोस्टर, चार्ट से चित्र देखने और पढ़ने के लिए कहें। 'शिक्षक भी पढ़ें और बच्चों की मदद करें। बच्चे यदि जोड़ों में या समूह में बैठना चाहते हो तो उन्हें बैठने दें।

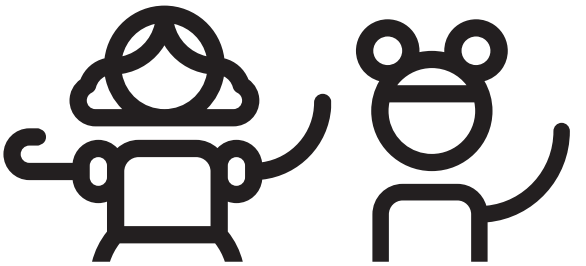

शिक्षक के लिए नोट:

- स्वतंत्र पठन के लिए समय देना आवश्यक है। जिन्हें पढ़ने आता है, उन्हें अपने पठन कौशलों को सुदृढ़ करने का अवसर मिलता है और जो अभी पढ़ना सीख रहे होते हैं उन्हें किताबों से दोस्ती करने का अवसर मिलता है।

10.3 कक्षा 2: निपुण लक्ष्य और सीखने के प्रतिफल

कक्षा 2

मुख्य घटक	लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल	सीखने के उद्देश्य
मौखिक भाषा विकास, लेखन	1. कक्षा में उपलब्ध प्रिंट के बारे में बातचीत करना। 2. बातचीत में सक्रिय रूप से शामिल रहना, दूसरों को ध्यानपूर्वक सुनना और प्रश्न पूछना। 3. गीत/कविता सुनाना। 4. कहानियों/कविताओं/प्रिंट आदि में आने वाले परिचित शब्दों को दोहराना। 5. बाल–साहित्य/पाठ्यपुस्तक से कहानियों को सुनाना/वर्णन करना और अपने शब्दों में फिर से बताना। 6. दिए गए शब्द के अक्षरों से नए शब्द बनाना।	ECL1 5.1 अपनी और विद्यालय की भाषा में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं और विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिये प्रश्न पूछते हैं।	1. बच्चे अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए भाषा का प्रयोग करने में सक्षम होंगे, जैसे – कोई वस्तु मांगने के लिए, कोई अनुरोध करने के लिए इत्यादि।
			2. बच्चे अपनी भावनाएँ और अहसास मौखिक रूप से दूसरों के साथ साझा कर पाएँगे।
			3. बच्चे किसी भी विषय अथवा संदर्भ पर अपने विचार, अभिव्यक्त कर पाएँगे और उसके बारे में क्या, कब, कहाँ, कैसे इत्यादि हर तरह के प्रश्न पूछ पाएँगे।
		ECL1 5.2 जानी–सुनी कहानी के पात्रों के बारे में बातचीत करते हैं। चित्र बनाते हैं और अपने प्रिय पात्र का नाम लिखते हैं।	1. बच्चे कहानी के पात्रों की विशेषताओं को पहचान पाएँगे और अपने शब्दों में उनका वर्णन कर पाएँगे।
			2. बच्चे अपने प्रिय पात्रों का चित्र बना पाएँगे और उनका नाम भी लिख पाएँगे।
		ECL1 5.3 a अपनी भाषा और शैली में कहानी सुनाते हैं और कविता पाठ करते हैं।	1. बच्चे कहानी के घटनाक्रम को बता पाएँगे।
			2. बच्चे कहानी अपने शब्दों और शैली में सुना पाएँगे।

कक्षा 2			
मुख्य घटक	लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल	सीखने के उद्देश्य
	7. आयु अनुरूप सरल शब्दों से बनी 8–10 वाक्यों वाले अपरिचित पाठ को स्पष्टता, उचित गति (लगभग 45 से 60 शब्द प्रति मिनट और समझ के साथ पढ़ना। 8. स्वयं को अभिव्यक्त करने के लिए छोटे/सरल वाक्यों को सही ढंग से लिखना। 9. नाम वाले शब्द, काम वाले शब्द और विराम चिह्नों को पहचानना।	ECL1 5.3 b स्कूल, कक्षा में होनेवाली गतिविधियों, आयोजनों में भाग लेते हैं।	1. बच्चे स्कूल में होनेवाली विभिन्न प्रतियोगिताएँ, आयोजनों में भाग लेने में सक्षम हो पाएँगे, जैसे कि – फैंसी ड्रेस, गायन, नृत्य प्रतियोगिताएँ जानी–सुनी कहानी या कविता सुना पाएँगे।
			2. बच्चे प्रार्थना सभा/बाल सभा अथवा अपनी कक्षा में अपनी प्रिय कहानी सुना पाएँगे और उचित आरोह–अवरोह के साथ कविता का वाचन कर पाएँगे
		ECL1 5.3 c अपनी पसंद की कविता/कहानी का वाचन करते हैं।	1. बच्चे उचित भाव – अभिव्यक्ति और हाव–भाव के साथ कविता/कहानी सुनाने में सक्षम होंगे।
		ECL1 5.5 b बच्चे प्रतिक्रियाएँ देते हैं, अपनी पसंद–नापसंद बताते हैं, और तरह–तरह के प्रश्न पूछते हैं।	1. बच्चे कहानी, कविता, पोस्टर, चित्र आदि टेक्स्ट से अपने रोजमर्रा के जीवन से संबंध स्थापित कर पाएँगे और अपने विचार, मत अन्य व्यक्तियों के साथ साझा कर पाएँगे।
			2. बच्चे सुनी–पढ़ी कहानी/कविता के बारे में प्रश्न पूछ पाएँगे।
ध्वनि – जागरूकता, शब्द भंडार		ECL1 5.4 परिचित कविता एवं गीतों में प्रयुक्त तुकांत शब्दों से मिलते–जुलते शब्दों की मौखिक एवं लिखित रूप में रचना करते हैं।	1. बच्चे पाठ में दिए शब्दों को पहचान पाएँगे और उनसे मिलते–जुलते अन्य तुकांत शब्दों की रचना कर पाएँगे। जैसे–आना–जाना, गाना–बजाना इत्यादि।

कक्षा 2			
मुख्य घटक	लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल	सीखने के उद्देश्य
प्रिंट अवधारणा की समझ		ECL1 5.5 c परिचित –अपरिचित पाठ पढ़ने का प्रयास करते हैं। छपे हुए चित्र इत्यादि के आधार पर विषयवस्तु का अनुमान लगाने का प्रयास करते हैं। जैसे चित्रों और शब्दों के माध्यम से अनुमान लगाते हैं, ध्वनि–अक्षर में संबंध स्थापित करते हुए, चित्र और टेक्स्ट में संबंध स्थापित करते हुए, और पूर्वज्ञान की सहायता लेते हुए पाठ पढ़ने का प्रयास करते हैं।	1. अक्षर–ध्वनि के संबंधों को समझते हुए सरल शब्दों को डिकोड कर पाएँगे। 2. बच्चे चित्र की सहायता से सुनी हुई कविता/कहानी को पढ़ पाएँगे। 3. बच्चे जाने–पहचाने शब्दों को विभिन्न संदर्भों में पढ़ पाएँगे, जैसे–अखबार में, स्कूल के परिसर में इत्यादि। 4. बच्चे उन शब्दों को पहचान पाएँगे जिन्हें उन्होंने बार–बार पाठ यानि कि टेक्स्ट में देखा है और उन्हें आसानी से वाक्यों में पढ़ पाएँगे।
मौखिक भाषा का विकास, शब्द भंडार		ECL1 5.7 कहानी, कविता अथवा किसी भी पाठ/टेक्स्ट के पात्रों, घटनाक्रम इत्यादि के बारे में बातचीत करते हैं।	1. बच्चे कहानी के किसी पात्र, घटना अथवा कथावस्तु से संबंधित बातों के बारे में विस्तार से चर्चा कर पाएँगे और उसके बारे में अपने पसंद, नापसंद, इत्यादि अभिव्यक्त कर पाएँगे। 2. बच्चे किसी कहानी, कविता अथवा टेक्स्ट के विषय वस्तु को अपने भाषा और शब्दों में संक्षेप में बता पाएँगे।

कक्षा 2			
मुख्य घटक	लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल	सीखने के उद्देश्य
पढ़कर समझना, पढ़ने की संस्कृति, धारा प्रवाह पठन		ECL1 5.5 a पाठ्यपुस्तक और बाल–साहित्य पढ़ते हैं, उनके बारे में अनुमान लगाते हैं।	1. बच्चे चित्र को देखकर उसके संदर्भ के बारे में अनुमान लगाने में सक्षम हो पाएँगे।
			2. बच्चे चित्रों में दर्शाएँ घटनाक्रम को समझ पाएँगे और अपने शब्दों में उसका वर्णन कर पाएँगे।
			3. बच्चे कहानी के पात्रों के चित्र देखकर उन के मनोभावों को समझ लेंगे और आने वाले घटनाक्रम का अनुमान लगा पाएँगे।
लेखन		ECL1 5.6 कहानी के घटनाक्रम, पात्र, विषयवस्तु को समझते हैं और उनके बारे में लिखते हैं।	1. बच्चे अपने प्रिय पात्र की पहचान कर पाएंगे और उनके बारे में लिख पाएँगे।
			2. बच्चे अपने प्रिय घटनाक्रम को पहचानेंगे और उनके बारे में लिख पाएँगे।
		ECL1 5. 8 उचित शब्दों, वाक्यों (पारंपरिक लेखन) और विभिन्न शैलियों, अभिव्यक्ति के माध्यमों का प्रयोग करते हुए लिखते हैं।	1. बच्चे सिखाए गए वर्णों को लिख पाएँगे और अमात्रिक/मात्रिक शब्द लिख पाएँगे।
			2 बच्चे सुनकर सरल शब्द/वाक्य स्वयं बनाएँगे और संक्षेप में बता पाएँगे।
			3. बच्चे सुनी हुई कहानी/कविता पर चित्र बना कर अपने मन की बातों को लिख पाएँगे।
			4. बच्चे सुनी या पढ़ी हुई कहानी/कविता/अपने अनुभवों को अपनी भाषा में लिख पाएँगे।

कक्षा 2			
मुख्य घटक	लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल	सीखने के उद्देश्य
		ECL1 5.9 अपनी कल्पनाशक्ति और सृजनात्मकता का उपयोग करते हुए, लिख कर कहानी को विस्तार देते हैं। अनुमान लगाते हैं।	1. बच्चे अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करते हुए कोई जानी–सुनी कहानी सुना पाएँगे और उसे आगे भी बढ़ा पाएँगे। 2. बच्चे सुनी हुई कहानी को लिख कर आगे बढ़ा पाएँगे। अनुमान लगा पाएँगे।

पाठ योजना

कक्षा 2

कक्षा 2 सैंपल पाठ योजना-1

लगभग 90 मिनट

मौखिक भाषा विकास

समय: 10 मिनट

कहानी सुनाकर, उस पर चर्चा करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- सामग्री 1: हिंदी पाठ्यपुस्तक नव अंकुर कक्षा 2
- शिक्षक कहानी के चित्र और शीर्षक आधारित प्रश्न तैयार रखें

शिक्षक के लिए नोट:

- चित्र पर चर्चा[1] हेतु मानक और स्थानीय भाषा में प्रश्न बना लें। यह गतिविधि इसी तरह किसी भी चित्र के साथ की जा सकती है।
- बच्चों को बोलने के लिए लगातार प्रोत्साहित करें। उनकी अपनी भाषा को भी कक्षा में स्वीकृति दें।

पहले (सामूहिक)[2]

शिक्षक नव अंकुर पाठ्यपुस्तक के पाठ 5 "हाथी और कुत्ता" (पृ. सं.18) कहानी से संबंधित चित्र का परिचय दें। बच्चों से कहें कि आज हम इस चित्र पर चर्चा करेंगे। उनसे पूछें कि चित्र में क्या-क्या दिख रहा है?

- जब वे जानवरों के नाम बताएँ तो उनसे पूछें कि क्या उन्होंने हाथी देखा है?
- कौन सा जानवर उन्हें अच्छा लगता है और क्यों?
- ऐसे ही बातचीत के दौरान आनेवाले उत्तर के आधार पर चर्चा को आगे बढ़ाएँ ।

दौरान (सामूहिक)

अब शिक्षक चर्चा को विस्तार देते हुए बच्चों के पूर्वज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछें। जैसे-

- आप कितने जानवरों के नाम बता सकते हैं?
- क्या आपने हाथी देखा है?
- प्रश्न ऐसे हों जिनसे बच्चों को अनुमान लगाने के अवसर मिलें।

बाद में (सामूहिक)

पूरे हाव भाव के साथ कहानी पढ़कर सुनाएँ। तत्पश्चात प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। प्रश्न कुछ ऐसे हों।

- बताइए कि हाथी और कुत्ते की दोस्ती कैसे हुई?
- किसके पास हाथी था?
- महावत के पास क्या-क्या था?
- आपके दोस्त का नाम क्या है? आपकी दोस्ती की शुरुआत कैसे हुई? आदि।

ध्वनि–जागरूकता

समय: 10 मिनट

सीखे हुए वर्ण की ध्वनि का अभ्यास

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- पाठ में आए शब्द और कुछ और शब्दों की सूची: महावत, महल, मेला, हाथी, हाथ, हजार, रईस, सज़ा, दोस्त
- कार्य पत्रक

शिक्षक के लिए नोट:

- अक्षर और ध्वनि के परस्पर संबंध को सिखाने और समझाने के लिए ऐसी गतिविधियों को बार-बार दोहराना बहुत जरुरी है।

मैं करूँ

शिक्षक हाथ ऊपर हाथ सामने करके बच्चों को बताएँ। शिक्षक बच्चों को बताएँ कि जिन शब्दों की पहली आवाज़ 'म' आएगी तो वे हाथ ऊपर करेंगे और नहीं आएगी तो हाथ सामने करेंगे। शब्द: महावत, महल, मेला, हाथी, हजार, रईस, सज़ा, दोस्त।

हम करें

शिक्षक और बच्चे मिलकर उपरोक्त गतिविधि को करेंगे। शब्द: महावत, महल, मेला, हाथी, हाथ, हज़ार, रईस, सज़ा, दोस्त।

आप करें

शिक्षक शब्द बोलेंगे और बच्चे हाथ ऊपर हाथ सामने की गतिविधि करेंगे। यही गतिविधि 'ह' ध्वनि अथवा किसी भी ध्वनि पहचान के लिए कराई जा सकती है।

'म' और 'ह' की ध्वनि की पहचान कराने के लिए तीन-तीन शब्द दोनों ध्वनियों की चुन लेंगे।

[1]कक्षा में होनेवाली हर चर्चा एवं गतिविधि के दौरान यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चे (लड़का,लड़की, विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे आदि) को पूरी सहभागिता करने का अवसर मिले।

[2]प्रत्येक सामूहिक गतिविधि के लिए सुनिश्चित करें कि बच्चे गोले में बैठें ताकि उन्हें आपसी संवाद के बेहतर अवसर मिलें। यदि उपसमूह बनाने की आवश्यकता हो तो अधिक से अधिक चार बच्चों का ही उपसमूह बनाएँ।

डिकोडिंग कौशल

समयः 15 मिनट

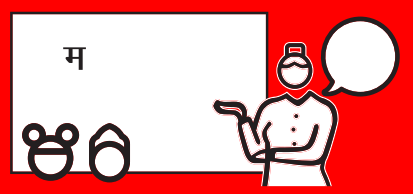

अक्षरों व ध्वनि प्रतीकों से शब्द बनवाना

☑ **ज़रूरी तैयारी और सामग्री:**

- वर्ण कार्ड

शिक्षक के लिए नोट:

- अक्षरों की पुनरावृत्ति करने के लिए इस गतिविधि को बार-बार दोहराना जरुरी है।

वर्ण पहचान

मैं करूँ

बच्चों को 'म' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और पढ़कर बताएँ ये है 'म'

हम करें

'म' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और बच्चों के साथ-साथ पढ़ें।

आप करें

बच्चों को 'म' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और पढ़कर बताने को कहें। पाठ में आए शब्दों को बोर्ड पर लिखकर भी उनसे 'म' वर्ण की पहचान करने के लिए कहा जा सकता है। यही गतिविधि ह वर्ण के साथ भी दोहराएँ। पहले से जिन वर्णों से बच्चे परिचित हैं उन वर्णों और शब्दों के साथ भी ये गतिविधियाँ करते/दोहराते रहें।

वर्ण लेखन

मैं करूँ

शिक्षक 'म' वर्ण को सही तरीके से बोर्ड पर लिखें और उसपर लिखने के क्रमानुसार उंगली फेरकर दिखाएँ।

हम करें

शिक्षक बोर्ड पर 'म' वर्ण सही तरीके से लिखें और बच्चों के साथ मिलकर 'म' वर्ण लिखने का अभ्यास करें।

आप करें

बच्चों को स्वयं 'म' वर्ण लिखने और पढ़ने के लिए कहें।

शब्द भंडार

समयः 10 मिनट

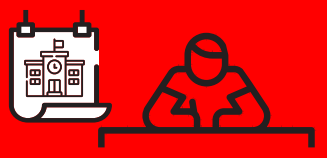

शब्दों के अर्थ को समझना और प्रयोग करना

☑ **ज़रूरी तैयारी और सामग्री:**

- पाठ में आए नए शब्द जैसे महावत, रईस, हाथी, सज़ा दोस्त की शब्द चार्ट बना लें अथवा ब्लैक बोर्ड पर इन्हें लिख दें।

शिक्षक के लिए नोट:

- शब्द चार्ट में दिए शब्दों के अर्थ पहले से नोट कर लें और उनसे कुछ वाक्य भी बनाकर रख लें। इन शब्दों को स्थानीय भाषा में क्या कहते हैं इसकी जानकारी भी कर लें। जिससे बच्चे यदि अपनी भाषा/स्थानीय भाषा में इन्हें बताएं तो आप समझ पाएँ।

मैं करूँ

कहानी में से चुने गए इन शब्दों- महावत, रईस, हाथी, सज़ा दोस्त, के अर्थ बताएँ और उनके वाक्य प्रयोग करके भी बताएँ।

हम करें

बच्चों के साथ मिलकर शब्दों का वाक्य प्रयोग करके बताएँ और बच्चों के साथ बोलें।

आप करें

बच्चों से दिए गए शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें। ध्यान रखें कि वाक्यों में विविधता हो ना कि वे एक जैसे वाक्य बोलते जाएँ। उनके द्वारा बनाए गए वाक्यों को बोर्ड पर अवश्य लिखें।

धाराप्रवाह पठन व समझ

समयः 15 मिनट

पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना

☑ **ज़रूरी तैयारी और सामग्री:**

- सामग्री 1- 'हाथी और कुत्ता' , कक्षा -1, हिन्दी पाठ्यपुस्तक नव अंकुर

शिक्षक के लिए नोट:

- शीर्षक और कथानक पर चर्चा करने के लिए प्रश्न पहले से तैयार कर लें। बीच बीच में बच्चों को भी प्रश्न पूछने का मौका दें।

पहले (सामूहिक)

कहानी के शीर्षक और चित्र पर चर्चा कर कहानी के बारे में अनुमान लगवाएँ।

दौरान (सामूहिक)

अब शिक्षक पूरे हाव-भाव के साथ कहानी का आदर्श पठन करें। बीच-बीच में कहानी से संबंधित प्रश्न पूछते रहें। प्रश्न ऐसे हों जिनसे बच्चों को अनुमान लगाने के अवसर मिलें।

बाद में

पूरे हाव भाव के साथ कहानी का वाचन करें। प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। कुछ प्रश्न तथ्य आधारित हों और कुछ ऐसे जो बच्चों को सोचने के अवसर दें। जैसे-

- महावत के पास क्या-क्या था?
- महावत ने कुत्ता क्यों पाल रखा था?
- हाथी और कुत्ते के दुबारा मिलने पर उन्होंने किस तरह अपनी ख़ुशी ज़ाहिर की?
- अगर कुत्ता वापस नहीं आता तो क्या होता?
- आपकी नज़र में हाथी की उदासी का क्या कारण हो सकता है?

लेखन

समयः 10 मिनट

कविता में जो पसंद आया उसका चित्र बनाना व उसका नाम लिखने का प्रयास करना

☑ **ज़रूरी तैयारी और सामग्री:**

- कलर पेंसिल, कॉपी, चॉक

शिक्षक के लिए नोट:

- बच्चों के लेखन को सराहें और उनके द्वारा लिखे नाम को देखें। वर्तनी की अशुद्धि को ना बताते हुए उसके बगल में सही वर्तनी में नाम लिख दें। जैसे: यदि किसी बच्चे ने हाथी को हाथ लिखा है तब भी उसकी गलती की तरफ उसका ध्यान अभी ना दिलाएँ और उसके नीचे आप स्वयं शुद्ध वर्तनी लिख दें।

बच्चों से उनके पसंदीदा जानवरों के चित्र बनाने के लिए कहें और उनका नाम लिखने के लिए प्रोत्साहित करें।

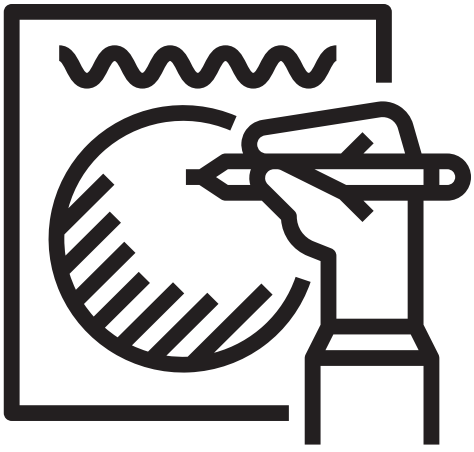

समयः 10 मिनट

पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- पाठ्यपुस्तक नव अंकुर पाठ-5 'हाथी और कुत्ता' अथवा पुस्तकालय से बच्चों के पसंद की कोई भी कहानी अथवा चित्र की किताब।

✍ शिक्षक के लिए नोट:

- स्वतंत्र पठन के लिए समय देना आवश्यक है। जिन्हें पढ़ने आता है, उन्हें अपने पठन कौशलों को सुदृढ़ करने का अवसर मिलता है और जो अभी पढ़ना सीख रहे होते हैं उन्हें किताबों से दोस्ती करने का अवसर मिलता है।

बच्चों को स्वयं किताब पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें चाहें तो जोड़ों में भी बिठा सकते हैं और उनके साथ शिक्षक भी किताब पढ़ सकते हैं।

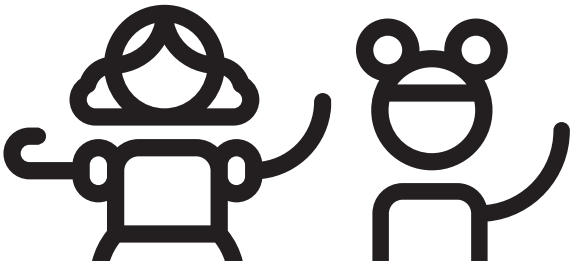

कक्षा 2 सैंपल पाठ योजना-2

लगभग 90 मिनट

मौखिक भाषा विकास

समयः 10 मिनट

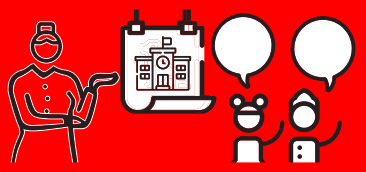

ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- सामग्री 1: हिंदी पाठ्यपुस्तक नव अंकुर कक्षा 2. पाठ 8 'भालू ने खेली फुटबॉल'।
- शिक्षक कहानी के चित्र और शीर्षक आधारित प्रश्न तैयार रखें।

शिक्षक के लिए नोट:

- चित्र पर चर्चा हेतु मानक और स्थानीय भाषा में प्रश्न बना लें। यह गतिविधि इसी तरह के किसी भी चित्र के साथ की जा सकती है।
- बच्चों को बोलने के लिए लगातार प्रोत्साहित करें। उनकी अपनी भाषा को भी कक्षा में स्वीकृति दें।

पहले (सामूहिक)

शिक्षक नव अंकुर पाठ्यपुस्तक के पाठ 8 'भालू ने खेली फुटबॉल' (पृ. सं. 32) से संबंधित चित्र का परिचय दें। बच्चों से कहें कि आज हम इस चित्र पर चर्चा करेंगे।

- उनसे पूछें कि चित्र में क्या-क्या दिख रहा है?
- क्या उन्होंने भालू देखा है?
- भालू क्या कर रहा है?
- यदि उन्हें भालू के साथ फुटबॉल खेलने का मौका मिले तो वे क्या करेंगे?

दौरान (सामूहिक)

ऐसे ही बातचीत के दौरान आनेवाले उत्तर के आधार पर चर्चा को आगे बढ़ाएँ।

कहानी वाचन के दौरान पाठ (text) को लेकर बीच-बीच में प्रश्न पूछते रहें। चर्चा के दौरान आए कुछ मुख्य शब्दों को बोर्ड पर अवश्य लिखें।

बाद में (सामूहिक)

पूरे हाव भाव से कहानी का वाचन करें। प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें।

प्रश्न कुछ ऐसे हों-

- शेर का बच्चा सुबह-सुबह गोलमटोल हुआ क्यों बैठा होगा?
- भालू साहब सैर पर निकलकर क्यों पछता रहे थे?
- भालू का उछलकर नीचे आते शेर के बच्चे को पकड़ना ठीक था या नहीं? आप क्या सोचते हैं?

ध्वनि–जागरूकता

समयः 10 मिनट

सीखे हुए वर्णों की ध्वनि का अभ्यास

ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- पाठ में आए शब्द और कुछ और शब्दों की सूची: भालू, फुटबॉल, जामुन, कोहरा, दहाड़ा, भात, भवन

शिक्षक के लिए नोट:

- अक्षर और उनके ध्वनि के बीच के जुड़ाव को बार-बार दोहराना बहुत जरुरी है।

मैं करूँ

शिक्षक हाथ ऊपर हाथ सामने करके बच्चों को बताएँ। शिक्षक बच्चों को बताएँ कि जिन शब्दों की पहली आवाज़ 'भ' आएगी तो वे हाथ ऊपर करेंगे और नहीं आएगी तो हाथ सामने करेंगे। शब्द: भालू, भात, भवन

हम करें

शिक्षक और बच्चे मिलकर उपरोक्त गतिविधि को करेंगे। शब्द: भालू, भात, भवन।

आप करें

शिक्षक शब्द बोलेंगे और बच्चे हाथ ऊपर हाथ सामने की गतिविधि करेंगे।

यह गतिविधि किसी भी ध्वनि पहचान के लिए कराई जा सकती है।

डिकोडिंग कौशल

समयः 15 मिनट

वर्ण को लिखित रूप में पहचानना

☑ **ज़रूरी तैयारी और सामग्री:**

- वर्ण कार्ड और अभ्यास पुस्तिका

शिक्षक के लिए नोट:

- अक्षरों की पुनरावृत्ति करने के लिए इस गतिविधि को बार-बार दोहराना जरुरी है।

वर्ण पहचान

मैं करूँ

बच्चों को 'भ' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और पढ़कर बताएँ ये है 'भ'

हम करें

'भ' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और बच्चों के साथ-साथ पढ़ें।

आप करें

बच्चों को 'भ' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और पढ़कर बताने को कहें। पाठ में आए शब्दों को बोर्ड पर लिखकर भी उनसे 'भ' वर्ण की पहचान करने के लिए कहा जा सकता है। बच्चों से कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री और पाठ्यपुस्तक से 'भ' वर्ण की पहचान करने के लिए भी कह सकते हैं।

यही गतिविधि अन्य वर्ण के साथ भी दोहराएँ। पहले से जिन वर्णों से बच्चे परिचित हैं उन वर्णों और शब्दों के साथ भी ये गतिविधियाँ करते/दोहराते रहें।

वर्ण लेखन

मैं करूँ

शिक्षक 'भ' वर्ण को सही तरीके से बोर्ड पर लिखें और उस पर लिखने के क्रमानुसार ऊँगली फेरकर दिखाएँ।

हम करें

शिक्षक बोर्ड पर 'भ' वर्ण सही तरीके से लिखें और बच्चों के साथ मिलकर 'भ' वर्ण लिखने का अभ्यास करें।

आप करें

बच्चों को स्वयं 'भ' वर्ण लिखने और पढ़ने के लिए कहें।

शब्द भंडार

समयः 10 मिनट

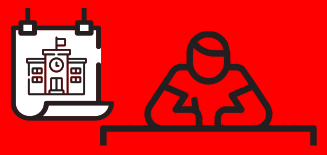

शब्दों के अर्थ को समझना और प्रयोग करना

☑ **ज़रूरी तैयारी और सामग्री:**

- पाठ में आए नए शब्द जैसे भालू, फुटबॉल, जामुन, कोहरा, दहाड़ा, भात, भवन

शिक्षक के लिए नोट:

- शब्द चार्ट में दिए शब्दों के अर्थ पहले से नोट कर लें और उनसे कुछ वाक्य भी बनाकर रख लें। इन शब्दों को स्थानीय भाषा में क्या कहते हैं इसकी जानकारी भी कर लें। जिससे बच्चे यदि अपनी भाषा/स्थानीय भाषा में इन्हें बताएँ तो आप समझ पाएँ।

मैं करूँ

कहानी में से चुने गए इन शब्दों के अर्थ बताएँ और उनका वाक्य प्रयोग करके भी बताएँ।

हम करें

बच्चों के साथ मिलकर शब्दों का वाक्य प्रयोग करके बताएँ और बच्चों के साथ बोलें।

आप करें

बच्चों से दिए गए शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें। ध्यान रखें कि वाक्यों में विविधता हो ना कि वे एक जैसे वाक्य बोलते जाएँ।

धाराप्रवाह पठन व समझ

समयः 15 मिनट

पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- नव अंकुर पाठ्यपुस्तक से पाठ 8 'भालू ने खेली फुटबॉल'

शिक्षक के लिए नोट:

- शीर्षक और कथानक पर चर्चा करने के लिए प्रश्न पहले से तैयार कर लें। बीच-बीच में बच्चों को भी प्रश्न पूछने का मौका दें।

पहले (सामूहिक)

कहानी के शीर्षक और चित्र पर चर्चा कर कहानी के बारे में अनुमान लगवाएँ।

दौरान (सामूहिक)

अब शिक्षक पूरे हाव भाव के साथ कहानी का आदर्श पठन करें। बीच-बीच में कहानी से संबंधित प्रश्न पूछते रहें। प्रश्न ऐसे हों जिनसे बच्चों को अनुमान लगाने के अवसर मिलें।

बाद में

प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। कुछ प्रश्न तथ्य आधारित हों और कुछ ऐसे जो बच्चों को सोचने के अवसर दें। जैसे-

- शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल क्यों पकड़ी?
- क्या होता अगर भालू शेर के बच्चे को ना पकड़ता?
- अगर शेर का बच्चा नौ दो ग्यारह ना होता?
- भालू ने क्यों कहा-ओह! किस आफत में आ फँसा?
- आपको कौन-कौन से खेल खेलने में मज़ा आता है?

लेखन

समयः 10 मिनट

कविता में जो पसंद आया उसका चित्र बनाना व उसका नाम लिखने का प्रयास करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- अभ्यास पुस्तिका

शिक्षक के लिए नोट:

- बच्चों के लेखन को सराहें और उनके द्वारा लिखे नाम को देखें। वर्तनी की अशुद्धि को ना बताते हुए उसके बगल में सही वर्तनी में नाम लिख दें। जैसे: यदि किसी बच्चे ने हाथी को हाथ लिखा है तब भी उसकी गलती की तरफ उसका ध्यान अभी ना दिलाएँ और उसके नीचे आप स्वयं शुद्ध वर्तनी लिख दें।

बच्चों से उनके पसंदीदा जानवरों के चित्र बनाने के लिए कहें और उनका नाम लिखने के लिए प्रोत्साहित करें।

बच्चों से कहानी के बारे में कुछ लिखने के लिए कहें। वे अपनी बातें भी लिख सकते हैं। लेखन के दौरान वे स्व-वर्तनी, चित्र इत्यादि किसी भी प्रकार से लिख सकते हैं। लेखन के बाद उनसे उनके लिखे हुए पर चर्चा करें।

स्वतंत्र पठन

समयः 10 मिनट

पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना

बच्चों को स्वयं किताब पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें चाहें तो जोड़ों में भी बिठा सकते हैं और उनके साथ शिक्षक भी किताब पढ़ सकते हैं।

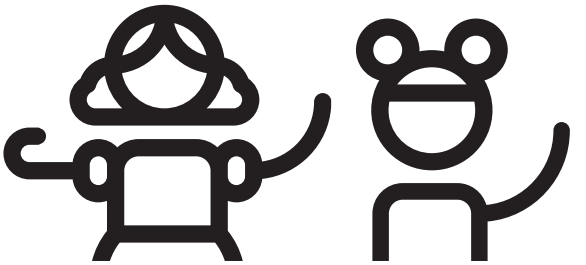

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- पाठ्यपुस्तक नव अंकुर पाठ 'हाथी और कुत्ता' अथवा पुस्तकालय से बच्चों के पसंद की कोई भी कहानी अथवा चित्र की किताब।

शिक्षक के लिए नोट:

- स्वतंत्र पठन के लिए समय देना आवश्यक है। जिन्हें पढ़ने आता है, उन्हें अपने पठन कौशलों को सुदृढ़ करने का अवसर मिलता है और जो अभी पढ़ना सीख रहे होते हैं उन्हें किताबों से दोस्ती करने का अवसर मिलता है।

10.4 कक्षा 3: निपुण लक्ष्य और सीखने के प्रतिफल

कक्षा 3

मुख्य कौशल	निपुण लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल	सीखने के उद्देश्य
मौखिक भाषा विकास	1. घर/स्कूल की भाषा में उपयुक्त शब्दावली का प्रयोग करते हुए स्पष्टता के साथ बातचीत करना। 2. कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में बातचीत करना। 3. सवाल पूछने, दूसरों को सुनने और जवाब देने के लिए बातचीत में हिस्सा लेना। 4. परिचित पुस्तकों/पाठ्यपुस्तकों से जानकारियाँ प्राप्त करना। 5. एक आयु उपयुक्त अपरिचित पाठ को प्रति मिनट 60 शब्द (यह भाषा पर निर्भर करता है) की गति, उचित उच्चारण और समझ के साथ पढ़ना। 6. पाठ में दिए निर्देशों को पढ़ना और उनका पालन करना। 7. एक आयु–अनुरूप 8–10 पंक्तियों वाले नए पाठ/अनुच्छेद के आधार पर 4 में से कम से कम 3 प्रश्नों के उत्तर देना। 8. विभिन्न उद्देश्यों के लिए छोटे संदेश लिखना। 9. लिखने के लिए नाम वाले शब्द, काम वाले शब्द और विराम चिह्नों का उपयोग करें।	ECL1 6.1 स्कूल/अपनी भाषा का प्रयोग करते हुए अपनी पसंद–नापसंद को अभिव्यक्त करते हैं और परिचित घटनाओं, रेडियो और टेलीविजन के कार्यक्रमों पर अपने विचार/प्रतिक्रियाएँ देते हैं।	बच्चे दिए हुए संदर्भ के बारे में अपने विचार/प्रतिक्रियाएँ साझा कर पाएँगे, उनका वर्णन कर पाएँगे और उनके बारे में चर्चा कर पाएँगे। जैसे कि–किसी टेलीविजन या रेडियो कार्यक्रम, घटना अथवा किसी कार्यक्रम के चरित्र के बारे में।
		ECL1 6.2 कहानी/कविता सुनाते समय उसका विस्तार करते हैं।	बच्चे सुनी/पढ़ी कहानी/कविता का विभिन्न संकेतों जैसे तुकांत शब्दों, घटनाक्रम, कारण और प्रभाव, समय तथा चित्र आदि का इस्तेमाल करते हुए मौखिक रूप से विस्तार कर पाएँगे (शिक्षक के सहयोग अथवा सहयोग के बिना)
प्रिंट अवधारणा की समझ		ECL1 6.3 a अपने परिवेश में उपलब्ध विभिन्न सामग्री जैसे कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन इत्यादि को बातचीत के दौरान अपने अनुभवों से जोड़ते हैं।	बच्चे विभिन्न सुने/पढ़े टेक्स्ट (कविता, कहानी अख़बार, होर्डिंग, विज्ञापन इत्यादि) को अपने व्यक्तिगत अनुभवों से जोड़ पाएँगे।
		ECL1 6.3 b परिचित पाठों जैसे कहानी/कविता इत्यादि से संबंधित चित्रों के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं और चरित्रों, विषयवस्तु के बारे में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।	1. बच्चे तार्किक रूप से सुन–समझ पाएँगे और बहस, चर्चा–परिचर्चा करने में भी सक्षम होंगे। 2. कविता/कहानी में आये प्रमुख विचार और चरित्रों के बारे में प्रासंगिक प्रश्न पूछ पाएँगे।
		ECL1 6.7 a प्रातः कालीन संदेश जैसी गतिविधियों में भाग लेते हैं।	1. बच्चे प्रातः कालीन सभा में भाग ले पाएँगे और कविता/कहानी भी सुना पाएँगे।

कक्षा 3			
मुख्य कौशल	निपुण लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल	सीखने के उद्देश्य
			2 बच्चे स्कूल/कक्षा में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों जैसे नृत्य, संगीत, फेंसी ड्रेस इत्यादि में भाग ले पाएँगे।
ध्वनि जागरूकता		ECL1 6.4 a मनोरंजक और हास्यपूर्ण कविता अथवा कहानी शैली अनुरूप उचित आरोह–अवरोह, आवाज़, गति, एवं प्रवाह में सुनाते हैं।	1. बच्चे उपयुक्त भाव–अभिव्यक्ति और आरोह–अवरोह के साथ कविता वाचन कर पाएँगे।
			2. बच्चे औरों के समक्ष उचित आरोह और भावाभिव्यक्ति का प्रयोग करते हुए रोल प्ले और कहानी के अभिनय में भाग ले पाएँगे।
शब्द भंडार		ECL1 6.4 b पहेलियों को हल करते हैं, लय को समझते हुए भाषा के खेल और गीतों में रूचि लेते हैं।	1. बच्चे समझ पाएँगे कि कुछ शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं और किस प्रकार उनमें फेरबदल करके नए शब्द बनाए जा सकते हैं।
ध्वनि जागरूकता			2. बच्चे स्वयं कविताओं में नई तुकांत पंक्तियाँ, ध्वनियाँ, संदर्भ आदि जोड़कर उनका विस्तार कर पाएँगे।
			3. बच्चे अक्षर–ज्ञान आधारित विभिन्न खेलों में भाग लेंगे, अक्षरों को जोड़–तोड़ कर नए शब्द बनाएँगे, मौखिक रूप से प्रस्तुत किए गए शब्दों में आदि–मध्य–अंत अक्षरों एवं ध्वनियों में फेरबदल करके अथवा जोड़–तोड़ कर नए/निरर्थक शब्द बनाएंगे जैसे कि–पान में/ई/ध्वनि जोड़कर पानी बनाना।
समझ कर पढ़ना, डिकोडिंग		ECL 1 6.5 a कहानी को पढ़ने और समझने के दौरान अपरिचित शब्दों को विभिन्न टेक्स्ट से जोड़ते हैं।	बच्चे परिचित और अपरिचित शब्दों वाले एक सरल पाठ को जिसमें कुछ शब्द संयुक्ताक्षर वाले होंगे आवश्यकतानुसार दुबारा पढ़ते और स्वयं सुधार करते हुए समझेंगे।

कक्षा 3			
मुख्य कौशल	**निपुण लक्ष्य**	**सीखने के प्रतिफल**	**सीखने के उद्देश्य**
धाराप्रवाह पठन			बच्चे कक्षा–स्तर के 80–100 शब्द के कुछ जुड़े हुए वाक्य वाले पाठ सटीक और धाराप्रवाह रूप से पढ़ पाएँगे।
पढ़कर समझना		ECL1 6.5 b पुस्तकों पर अंकित पृष्ठ संख्या पढ़ते और बताते हैं।	बच्चे पाठ टेक्सट और संख्याओं के बीच के अंतर को पहचान पाएँगे।
			बच्चे पाठ्यपुस्तक की संरचना के प्रति जो समझ विकसित कर पाए हैं उसे दर्शा पाएँगे (इसमें विषय सूची एवं पृष्ठ संख्या का ज्ञान भी शामिल है)
पढ़कर समझना		ECL1 6.5 c विभिन्न विधाओं के पाठ (अखबार, बाल–पत्रिका इत्यादि) समझ के साथ पढ़ते हैं और उनके बारे में संक्षेप में लिखते हैं।	1. बच्चे विभिन्न प्रकार के पाठ (texts) पढ़ पाएँगे, उनके अंतर एवं उपयोग को समझ पाएँगे। जैसे की अखबार के लेख एवं कहानी में अंतर।
पढ़ने की संस्कृति			2. बच्चे विभिन्न प्रकार के पाठ (texts) पढ़ेंगे, समझेंगे और उसका सारांश लिखेंगे।
शब्द भंडार		ECL1 6.5 a बच्चे विभिन्न कहानी, कविता में भाषा की विशेषताओं को पहचानते हैं (नाम वाले शब्द, काम वाले शब्द, दुहराव, विराम चिह्न)	1. बच्चे भाषा की बुनियादी संरचना अर्थात संज्ञा, सर्वनाम, काम वाले शब्द इत्यादि के उचित प्रयोग को पहचानेंगे।
डिकोडिंग			2. बच्चे पढ़ने और लिखने की प्रक्रिया में बुनियादी विराम चिह्नों, के कार्य और उपयोग को समझेंगे। जैसे –अल्प–विराम, प्रश्न चिह्नों, संवाद दर्शाने के लिए उद्धरण चिह्नों।
पढ़ने की संस्कृति		ECL1 6.6 c परिचित टेक्स्ट को उचित गति, आरोह के साथ पढ़ते हैं। जैसे मध्याह्न भोजन की तालिका, कक्षा का नाम, प्रिय पुस्तक का शीर्षक इत्यादि।	1. बच्चे अपने परिवेश में सहज उपलब्ध टेक्स्ट को समझ के साथ पढ़ने की क्षमता का प्रदर्शन कर पाएंगे।
			2. बच्चे पाठ में दी गई महत्वपूर्ण जानकारी को पढ़ पाएँगे।

कक्षा 3			
मुख्य कौशल	निपुण लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल	सीखने के उद्देश्य
		ECL1 6.7 a विभिन्न गतिविधियों के बारे में होने वाली चर्चा में भाग लेते हैं और उसके बारे में बातचीत करते हैं।	1. बच्चे अपने घर व स्कूल में की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों को पहचान पाएँगे।
			2. बच्चे विशिष्ट गतिविधि और उससे जुड़े अपने अनुभवों का रेखांकन करने या चित्र बनाने में सक्षम होंगे।
			3. बच्चे अपने प्रिय गतिविधि के बारे में अपने विचार लिखकर औरों से साझा कर पाएँगे।
		ECL1 6.7 b कॉपी, बोर्ड, डिस्प्ले बोर्ड (हरी पट्टी) इत्यादि पर अपने प्रिय गतिविधि का रेखांकन करते हैं और उनके बारे में बातचीत करते हैं।	बच्चे कल्पनाशील लेखन, स्क्रिबलिंग, चित्रांकन और अन्य माध्यमों के द्वारा अपनी प्रिय गतिविधि के बारे में अपने विचार अभिव्यक्त कर पाएँगे।
		ECL1 6.6 b बच्चे लिखते समय नाम वाले शब्द, काम वाले शब्द, दुहराव, और विराम चिह्नों का प्रयोग करते हैं।	1. बच्चे लिखते समय भाषायी संरचना का उपयोग कर पाएँगे। जैसे–संज्ञा, सर्वनाम, काम वाले शब्द।
			2. बच्चे लिखते समय उचित विराम चिह्न का प्रयोग कर पाएँगे। जैसे अल्प विराम, पूर्ण विराम, प्रश्न चिह्न इत्यादि।
		ECL1 6.8 परिचित टेक्स्ट के विषयवस्तु, शीर्षक, घटनाक्रम, चरित्र इत्यादि के बारे में अभिव्यक्ति के विविध रूपों का प्रयोग करते हुए लिखते हैं।	1. बच्चे कहानी के विषयवस्तु, घटनाक्रम, चरित्र, के बारे में अपने विचारों को रेखांकन, चित्रांकन इत्यादि के माध्यम से अभिव्यक्त कर पाएँगे।
			2. बच्चे सुनी/पढ़ी हुई कहानी के बारे में उपयुक्त शब्दावली (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण) वाक्य संरचना, विचारों के व्यवस्थीकरण, और बुनियादी विराम चिह्न (इनवेंटेड वर्तनी के साथ) का प्रयोग करते हुए दो, तीन अर्थपूर्ण वाक्य लिख पाएँगे।

कक्षा 3			
मुख्य कौशल	निपुण लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल	सीखने के उद्देश्य
		ECL1 6.9 छोटे संदेश लिखते हैं। जैसे–मैंने अपनी नीली साइकिल खो दी है अगर किसी ने उसे देखा/पाया है तो मुझे बताएँ।	1. बच्चे छोटे संदेश की संरचना और उसे लिखने की आवश्यकता समझ पाएँगे। 2. बच्चे व्याकरण के दृष्टिकोण से सटीक वाक्यों द्वारा संदेश दे पाएँगे।

पाठ योजना

कक्षा 3

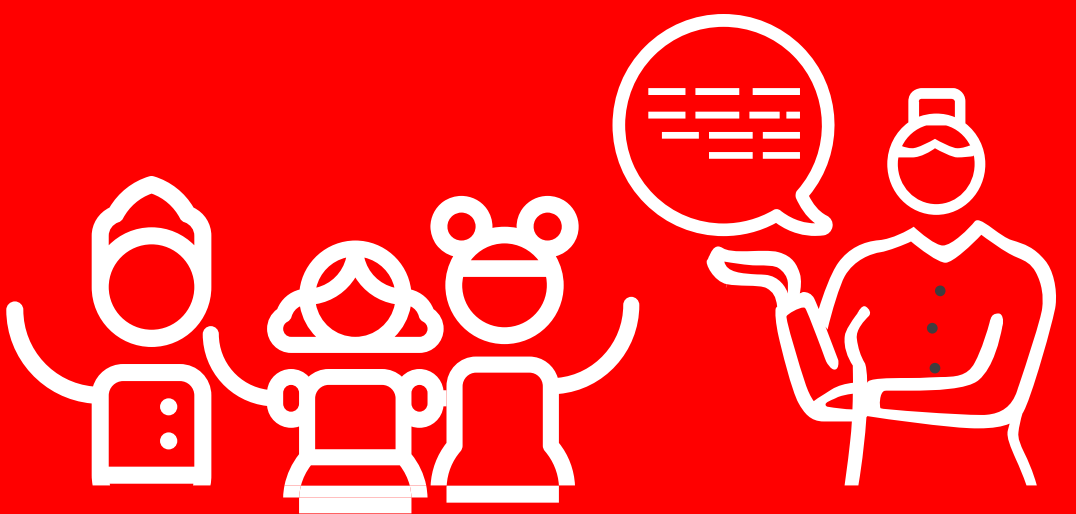

कक्षा 3 सैंपल पाठ योजना-1

लगभग 90 मिनट

मौखिक भाषा विकास

समयः 10 मिनट

कहानी सुनाकर, उस पर चर्चा करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- सामग्री 1- 'खूब मजे हैं मौसम के', कक्षा -3, हिन्दी पाठ्यपुस्तक

शिक्षक के लिए नोट:

- चित्र पर चर्चा[1] हेतु मानक व स्थानीय भाषा में प्रश्न बना लें।
- यह गतिविधि इसी तरह के कोई दूसरे चित्र के साथ भी करें।
- बच्चों को बोलने के लिए लगातार प्रोत्साहित करें। उनकी अपनी भाषा को भी कक्षा में स्वीकृति दें।

पहले (सामूहिक)[2]

पुस्तक में दिए गए पाठ 5 'खूब मजे हैं मौसम के' (पृ. सं. 18) से संबंधित चित्र का परिचय दें। बच्चों से बोलें कि आज हम इस चित्र पर चर्चा करेंगे। इस चित्र को ध्यान से देखिए और बताइए चित्र में आपको क्या-क्या दिख रहा है।

दौरान (सामूहिक)

चित्र को बच्चों को दिखाएँ एवं दिखाते हुए चर्चा करें।

चित्र में लोग क्या कर रहे हैं?

बाद में (सामूहिक)

पूरे हाव भाव के साथ कविता का वाचन करें। प्रश्नों के माध्यम से कविता पर चर्चा करें। कुछ प्रश्न तथ्य आधारित हों और कुछ ऐसे जो बच्चों को सोचने के अवसर दें। जैसे-

- मौसम अपनी मर्जी से क्या-क्या कर सकता है?
- आपको कौन सा मौसम अच्छा लगता है और क्यों?
- आप अपनी मर्जी से क्या-क्या करना चाहते हैं लेकिन कर नहीं सकते?

ध्वनि–जागरूकता

समयः 10 मिनट

सीखे हुए वर्ण की ध्वनि का अभ्यास

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- कार्य-पत्रक
- अक्षर ध्वनि से शुरु होने वाले शब्दों की सूची बना लें।
- स्थानीय भाषा के संदर्भ में शिक्षक आवश्यकता के अनुरूप शिक्षण संदर्भ सामग्री के अंतर्गत विकसित चित्र शब्द कार्ड का प्रयोग करते हुए अभ्यास कराएँ।

शिक्षक के लिए नोट:

- अन्य सीखे हुए अक्षर ध्वनि के साथ भी इसी गतिविधि को दोहराएँ।

मैं करूँ

शिक्षक मात्रा 'ौ' (औ)' की पहचान। शिक्षक हाथ ऊपर और हाथ सामने करके बच्चों को दिखाएँ। बच्चों को बताएँ कि जिन शब्दों में ' ौ, औ' आवाज आएगी तो हाथ ऊपर करेंगे और अगर ' ौ, औ' आवाज नहीं आएगी तो हाथ सामने करेंगे।
शब्द- मौसम, आम, पहले, कौन

हम करें

शिक्षक और बच्चे मिलकर हाथ ऊपर और हाथ सामने की गतिविधि करेंगे।
शब्द-धरती, पौधा, फूल

आप करें

शिक्षक शब्द बोलेंगे और बच्चे हाथ ऊपर और हाथ सामने की गतिविधि करेंगे। बच्चों से ' ौ, औ' ध्वनि वाले अन्य शब्द बताने के लिए कहेंगे।

[1]कक्षा में होनेवाली हर चर्चा एवं गतिविधि के दौरान यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चे (लड़का,लड़की, विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे आदि) को पूरी सहभागिता करने का अवसर मिले।

[2]प्रत्येक सामूहिक गतिविधि के लिए सुनिश्चित करें कि बच्चे गोले में बैठें ताकि उन्हें आपसी संवाद के बेहतर अवसर मिलें। यदि उपसमूह बनाने की आवश्यकता हो तो अधिक से अधिक चार बच्चों का ही उपसमूह बनाएँ।

शब्द भंडार

समयः 15 मिनट

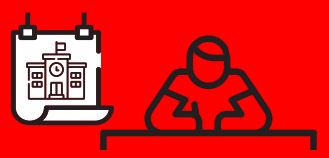

शब्दों के अर्थ को समझना और प्रयोग करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- शब्द कार्ड

शिक्षक के लिए नोट:

- शब्द चार्ट में दिए शब्दों के अर्थ पहले से नोट कर लें और उनसे कुछ वाक्य भी बनाकर रख लें। इन शब्दों को स्थानीय भाषा में क्या कहते हैं इसकी जानकारी भी कर लें। जिससे बच्चे यदि अपनी भाषा/स्थानीय भाषा में इन्हें बताएँ तो आप समझ पाएँ।

मैं करूँ

शब्द: मौसम, कुल्फी, पतझड़, गरमी, वर्षा, खूब

कविता में से चुने गए शब्दों के अर्थ पर चर्चा करें और वाक्य प्रयोग करके बताएँ।

हम करें

बच्चों के साथ मिलकर शब्द का वाक्य प्रयोग करके बताएँ और बच्चों के साथ में बोलें।

आप करें

बच्चों से दिए गए शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें। उनके द्वारा बनाए गए वाक्यों को बोर्ड पर अवश्य लिखें। बच्चों से उन वाक्यों को पढ़ने और लिखने के लिए कहें।

धाराप्रवाह पठन व समझ

समयः 10 मिनट

पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- सामग्री 1- 'खूब मजे हैं मौसम के', कक्षा -3, हिन्दी पाठ्यपुस्तक

शिक्षक के लिए नोट:

- शीर्षक और कथानक पर चर्चा करने के लिए प्रश्न पहले से तैयार कर लें। बीच बीच में बच्चों को भी प्रश्न पूछने का मौका दें।

पहले (सामूहिक)

कविता पढ़ने से पहले- कविता के शीर्षक और कथानक पर चर्चा कर कविता के बारे में अनुमान लगवाएँ।

- चित्र में क्या-क्या दिख रहा है/क्या हो रहा है?
- चित्र में कौन-कौन हैं?
- कविता किसके बारे में होगी?

दौरान (सामूहिक)

- कविता पढ़ने के दौरान- उचित गति और हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन करें।

बाद में

प्रश्नों के माध्यम से कविता पर चर्चा करें।

- किस मौसम में सबसे अधिक दिनों तक लगातार छुट्टी होती है।
- किस मौसम में फसलें खूब उगती हैं और पेड़- पौधों पर हरियाली छा जाती है?
- अभी कौन सा मौसम है? इससे पहले कौन-सा मौसम था और आगे कौन-सा मौसम आनेवाला है?

लेखन

समयः 15 मिनट

कविता में जो पसंद आया उसका चित्र बनाना व उसका नाम लिखने का प्रयास करना

बच्चों से किस मौसम में क्या अच्छा लगता है और क्या अच्छा नहीं लगता, इसकी लिखित रूप में तालिका बनाने को कहें। जिन्हें अभी लेखन कौशल में अधिक अभ्यास करने की जरुरत है, वे मौखिक रूप से बताएँ और आप उसे बोर्ड पर लिख दें। इससे बच्चों को उचित लेखन का उदाहरण भी मिलेगा और वे विभिन्न लेखन कौशलों से परिचित भी होंगे।

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- बोर्ड और कॉपी

शिक्षक के लिए नोट:

- बच्चों के लेखन को सराहें और उनके द्वारा लिखे नाम को देखें। वर्तनी की अशुद्धि को ना बताते हुए उसके बगल में सही वर्तनी में नाम लिख दें।

स्वतंत्र पठन

समयः 15 मिनट

पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना

बच्चों को स्वयं स्तरानुसार कहानी, कहानी कार्ड, पोस्टर, चार्ट से चित्र देखने और पढ़ने के लिए कहें। शिक्षक भी पढ़ें और बच्चों की मदद करें। बच्चे यदि जोड़ों में या समूह में बैठना चाहते हों तो उन्हें बैठने दें।

शिक्षक के लिए नोट:

- स्वतंत्र पठन के लिए समय देनाआवश्यक है। जिन्हें पढ़ने आता है, उन्हें अपने पठन कौशलों को सुदृढ़ करने का अवसर मिलता है और जो अभी पढ़ना सीख रहे होते हैं उन्हें किताबों से दोस्ती करने का अवसर मिलता है।

कक्षा 3 सैंपल पाठ योजना-2

लगभग 90 मिनट

मौखिक भाषा विकास

समयः 10 मिनट

कहानी सुनाकर, उस पर चर्चा करना

ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- सामग्री 1- 'बैलगाड़ी का दाम',कक्षा -3, हिन्दी पाठ्यपुस्तक नव अंकुर
- कार्य-पत्रक

शिक्षक के लिए नोट:

- चित्र पर चर्चा[1] हेतु मानक व स्थानीय भाषा में प्रश्न बना लें।
- यह गतिविधि इसी तरह के कोई दूसरे चित्र के साथ भी करें।
- बच्चों को बोलने के लिए लगातार प्रोत्साहित करें। उनकी अपनी भाषा को भी कक्षा में स्वीकृति दें।

पहले (सामूहिक)[2]

पुस्तक में दिए गए पाठ 17 'बैलगाड़ी का दाम' (पृ. सं. 74) से सबंधित चित्र का परिचय दें। बच्चों से कहें कि आज हम इस चित्र पर चर्चा करेंगे। इस चित्र को ध्यान से देखिए और बताइए चित्र में आपको क्या-क्या दिख रहा है।

दौरान (सामूहिक)

चित्र को बच्चों को दिखाएँ एवं दिखाते हुए चर्चा करें।

- आपने कहाँ-कहाँ बैलगाड़ी देखी है?

बाद में (सामूहिक)

पूरे हाव-भाव के साथ कहानी का वाचन करें। प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। कुछ प्रश्न तथ्य आधारित हों और कुछ ऐसे जो बच्चों को सोचने के अवसर दें। जैसे-

- भोलाराम कौन था?
- व्यापारी का नाम क्या था?
- आपने मंडी में क्या-क्या देखा?
- किसान बैलगाड़ी का उपयोग क्यों करते हैं?
- मंडी का मतलब बाज़ार होता है। आपकी भाषा में मंडी को क्या कहते हैं?

ध्वनि–जागरूकता

समयः 10 मिनट

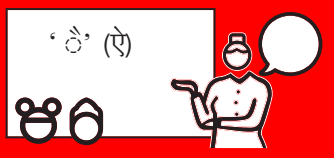

सीखे हुए वर्ण की ध्वनि का अभ्यास

ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- अक्षर ध्वनि से शुरु होने वाले शब्दों की सूची बना लें।
- स्थानीय भाषा के संदर्भ में शिक्षक आवश्यकता के अनुरूप शिक्षण संदर्भ सामग्री के अंतर्गत विकसित चित्र शब्द कार्ड का प्रयोग करते हुए अभ्यास कराएँ।

शिक्षक के लिए नोट:

- अन्य सीखे हुए अक्षर ध्वनि के साथ भी इसी गतिविधि को दोहराएँ।

मैं करूँ

शिक्षक मात्रा ' ै' (ऐ) की पहचान कराएँ। शिक्षक हाथ ऊपर और हाथ सामने करके बच्चों को दिखाएँ। बच्चों को बताएँ कि जिन शब्दों में ' ै' (ऐ) आवाज आएगी तो हाथ ऊपर करेंगे और अगर ' ै '(ऐ) आवाज नहीं आएगी तो हाथ सामने करेंगे। शब्द- बैलगाड़ी, उसका, वैसा, आवाज।

हम करें

शिक्षक और बच्चे मिलकर हाथ ऊपर और हाथ सामने की गतिविधि करेंगे। शब्द- गाड़ी, मैं, बैल जैसे

आप करें

शिक्षक शब्द बोलेंगे और बच्चे हाथ ऊपर और हाथ सामने की गतिविधि करेंगे। बच्चों को 'ै' (ऐ) आवाज से शुरू होने वाले और शब्द बताने के लिए कहेंगे।

[1]कक्षा में होनेवाली हर चर्चा एवं गतिविधि के दौरान यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चे (लड़का,लड़की, विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे आदि) को पूरी सहभागिता करने का अवसर मिले।

[2]प्रत्येक सामूहिक गतिविधि के लिए सुनिश्चित करें कि बच्चे गोले में बैठें ताकि उन्हें आपसी संवाद के बेहतर अवसर मिलें। यदि उपसमूह बनाने की आवश्यकता हो तो अधिक से अधिक चार बच्चों का ही उपसमूह बनाएँ।

शब्द भंडार

समयः 15 मिनट

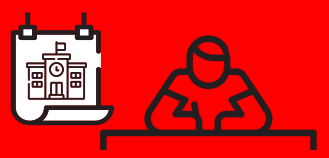

शब्दों के अर्थ को
समझना और प्रयोग करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- शब्द कार्ड

शिक्षक के लिए नोट:

- शब्द चार्ट में दिए शब्दों के अर्थ पहले से नोट कर लें और उनसे कुछ वाक्य भी बनाकर रख लें। इन शब्दों को स्थानीय भाषा में क्या कहते हैं इसकी जानकारी भी कर लें। जिससे बच्चे यदि अपनी भाषा/स्थानीय भाषा में इन्हें बताएँ तो आप समझ पाएँ।

मैं करूँ

शब्द: बैलगाड़ी, भूसा, फसल, विश्वास, मंडी

कविता में से चुने गए शब्दों के अर्थ पर चर्चा करें और वाक्य प्रयोग करके बताएँ।

हम करें

बच्चों के साथ मिलकर शब्द का वाक्य प्रयोग करके बताएँ और बच्चों के साथ में बोलें।

आप करें

बच्चों से दिए गए शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें। उनके द्वारा बनाए गए वाक्यों को बोर्ड पर अवश्य लिखें बच्चों से उन वाक्यों को पढ़ने और लिखने के लिए कहें।

धाराप्रवाह पठन व समझ

समयः 15 मिनट

पढ़ने की संस्कृति को
प्रोत्साहित करना

☑ ज़रूरी तैयारी और सामग्री:

- सामग्री 1- 'बैलगाड़ी का दाम', कक्षा -3, हिन्दी पाठ्यपुस्तक 'नव अंकुर'

शिक्षक के लिए नोट:

- शीर्षक और कथानक पर चर्चा करने के लिए प्रश्न पहले से तैयार कर लें। बीच-बीच में बच्चों को भी प्रश्न पूछने का मौका दें।

पहले (सामूहिक)

कहानी पढ़ने से पहले- कहानी के शीर्षक और कथानक पर चर्चा कर कहानी के बारे में अनुमान लगवाएँ।

- चित्र में क्या-क्या दिख रहा है/क्या हो रहा है।
- कौन-कौन हैं?
- कहानी किसके बारे में होगी?

दौरान (सामूहिक)

- कहानी पढ़ने के दौरान-उचित गति और हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन करे।

बाद में

प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें।

- भोलाराम मंडी क्यों जा रहा था?
- भोलाराम के होश क्यों उड़ गए?
- चतुरसेन ने भूसा का दाम कितना बताया?
- "आखिर मेरा भी नाम चतुरसेन है।" चतुरसेन ने ऐसा क्यों कहा होगा?

लेखन

समयः 15 मिनट

कविता में जो पसंद आया उसका चित्र बनाना व उसका नाम लिखने का प्रयास करना

बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे और इसका उत्तर लिखने के लिए प्रोत्साहित करें।

आपको इस कहानी में सबसे अच्छा पात्र कौन लगा और क्यों?

☑ **ज़रूरी तैयारी और सामग्री:**

- अभ्यास पुस्तिका

शिक्षक के लिए नोट:

- बच्चों के लेखन को सराहें और उनके द्वारा लिखे वाक्यों को देखें। वर्तनी की अशुद्धि को ना बताते हुए उसके बगल में सही वर्तनी और वाक्य संरचना अभ्यास पुस्तिका अथवा बोर्ड पर लिख दें। बच्चों से उनके द्वारा लिखे विचारों/वाक्यों पर चर्चा करें और लेखन के उचित तरीकों की तरफ उनका ध्यान अवश्य खींचे।

स्वतंत्र पठन

समयः 15 मिनट

पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना

बच्चों को स्वयं स्तरानुसार कहानी, कहानी कार्ड, पोस्टर, चार्ट से चित्र देखने और पढ़ने के लिए कहें। 'शिक्षक भी पढ़ें और बच्चों की मदद करें।

बच्चे यदि जोड़ों में या समूह में बैठना चाहते हों तो उन्हें बैठने दें।

शिक्षक के लिए नोट:

- स्वतंत्र पठन के लिए समय देना आवश्यक है। जिन्हें पढ़ना आता है, उन्हें अपने पठन कौशलों को सुदृढ़ करने का अवसर मिलता है और जो अभी पढ़ना सीख रहे होते हैं उन्हें किताबों से दोस्ती करने का अवसर मिलता है।

10.5 साप्ताहिक कार्य योजना–बुनियादी साक्षरता

घटक	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवा दिन	छठा दिन
मौखिक भाषा विकास	चित्र पर चर्चा करना	किसी विषय पर चर्चा	खेल गतिविधि (पहेली, शब्द अन्त्याक्षरी)	अनुभव साझा करना	कहानी आधारित चर्चा	कल्पनात्मक चर्चा करना
ध्वनि जागरूकता	वर्ण मात्रा ध्वनि जागरूकता	आवाजों को जोड़ना	वर्ण मात्रा की पहचान करना	आवाजों को जोड़ना	तुकांत शब्द के खेल (जैसे–रेल–जेल–खेल)	शब्दों की अन्त्याक्षरी (जिसमें शुरूआती वर्ण या अंतिम वर्ण से संबंधित हो सकता है
डिकोडिंग	वर्ण मात्रा की पहचान करना (आगामी सप्ताहों में शब्द पठन)	वर्ण मात्रा पर ग्रिड कार्य	वर्ण मात्रा फ्लैश कार्ड पर कार्य	वर्णों को मिलाकर शब्द पठन जैसे – क+म+ल=कमल	दिवस 1 और 2 की पुनरावृति	दिवस 3 और 4 की पुनरावृति
शब्द भंडार	बच्चों को कहानी सुनाना एवं कठिन व अज्ञात शब्दों को स्थानीय भाषा में अर्थ समझाना	कहानी में आए शब्दों की मदद से वाक्य बनवाना	शब्द अन्त्याक्षरी खेलवाना	फ्लैश कार्ड की मदद से नए–नए शब्दों को अर्थ के साथ पहचान करवाना	समूह या उप समूह में एक शब्द के समान अर्थ वाले शब्दों की पहचान से संबंधित गतिविधि करवाना (समानार्थी शब्द)	समूह या उप समूह में एक शब्द के उल्टे अर्थ वाले शब्दों की पहचान से संबंधित गतिविधि करवाना (विलोम शब्द)
धारा प्रवाह पठन	कहानी का आदर्श वाचन (शिक्षक और बच्चों दोनों के द्वारा)	कविता का आदर्श गायन (शिक्षक और बच्चों दोनों के द्वारा)	साझा पठन करवाना (जिसमें शिक्षक कहानी के वाक्यों पर ऊँगली रखकर पढ़ेंगे और बच्चे उनका अनुसरण करेंगे)	मार्ग दर्शित पठन करवाना (जिसमें बच्चे अपने स्तर के अनुसार किताबों को पढ़ेंगे और शिक्षक आवश्यकतानुसार मदद करेंगे)	बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन करवाना	पठन प्रतियोगिता करवाना (जिसमें बच्चों को धाराप्रवाह कहानी को पढ़ना होगा)
समझ कर पढ़ना	कहानी आधारित विविध प्रकार के प्रश्न पूछना	कहानी के सार को अपने स्थानीय भाषा में सुनने के लिए प्रेरित करना	कहानी को तर्क पूर्ण से बता पाना (जैसे – यह घटना क्यों घटा होगा ?)	कहानी के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना	कहानी के मुख्य पात्रों को अपने अनुभवों से जोड़ पाना	कहानी पर चर्चा करना एवं उस चर्चा में भाग लेना
स्वतंत्र पठन	बच्चों को स्वतंत्र पठन का मौका देना	बच्चों को स्वतंत्र पठन का मौका देना	बच्चों को स्वतंत्र पठन का मौका देना	बच्चों को स्वतंत्र पठन का मौका देना	बच्चों को स्वतंत्र पठन का मौका देना	बच्चों को स्वतंत्र पठन का मौका देना[1]
लेखन	वर्णों के शुरूआती और अंतिम वर्ण को ध्वनियों के पहचान के साथ लिख पाना	शब्दों को लिखना एवं वर्ण मात्रा को चिन्हित कर पाना, सुनी हुई कहानी को अपने समझ के अनुसार लिखना, चित्र के बारे में अपने शब्दों में लिखना	आदर्श लेखन (जिसमें शिक्षक किसी विषय पर लिखने के विधा से बच्चों को परिचित करवाएँगे)	साझा लेखन करवाना (जिसमें शिक्षक और बच्चे संयुक्त रूप से किसी विषय पर लिखते हैं)	मार्गदर्शित लेखन करवाना (जिसमें शिक्षक बच्चों को लिखने के लिए ढाँचा देते हैं और आवश्यकता पड़ने पर मदद भी करते हैं)	स्वतंत्र लेखन करवाना (जिसमें बच्चे किसी भी बिंदु पर अपने भावों, समझ, अनुभवों को लिखित रूप से अभिव्यक्त करते हैं

[1]प्रतिदिन स्वतंत्र पठन का समय अवश्य सुनिश्चित करें। यह पठन संस्कृति के विकास का आधार है।

11. बैगलेस सुरक्षित शनिवार

Bagless Safe Saturday

" हर शनिवार एक रोचक नवाचार "

'बैगलेस सुरक्षित शनिवार' वैगन व्हील : (समय: 10:00am-12:00pm)

विद्यालयों में बच्चों की दिनचर्या आमतौर पर स्कूल बैग अथवा बस्ते के साथ ही आकार लेती हुई दिखती है, जिसके बारे में आम धारणा है कि उनमें पुस्तकें हैं और उन पुस्तकों में ज्ञान है जो बच्चों को प्राप्त करना है। पर पुस्तक का वह ज्ञान बच्चों के आस–पास की दुनिया से कैसे जुड़ता है, उन्हें कुछ नया अनुभव कैसे देता है, उनकी रुचियों को महत्व कैसे दिया जा सकता है, उनके चाहत का विस्तार कैसे करता है, उनके जिज्ञासाओं को बढ़ाता कैसे है? इन सभी को बैगलेस सुरक्षित शनिवार की गतिविक्षियों में होते हुए देखा जा सकेगा।

विद्यालय का परिसर और वर्ग–कक्ष जीवंत रहे, इसकी चिंता राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 में स्पष्ट रूप से दिखती है। इस दस्तावेज ने विद्यालयों के लिए 'बैगलेस डे' का सुझाव दिया है जो वस्तुतः महात्मा गाँधी की 'नई तालीम' और प्रो. यशपाल के 'बोझ रहित शिक्षा' (Learning without Burden) के विचारों को आगे बढ़ाते दिख रहा है। बच्चों के लिए विद्यालय का यह विशेष दिवस हर सप्ताह का शनिवार होगा, जिस दिन बच्चे तो स्कूल में होंगे, लेकिन उनके कंधे पर बस्ता नहीं होगा। यह दिन 'बैगलेस सुरक्षित शनिवार' के नाम से जाना जाएगा। इस दिन सुरक्षित शनिवार में आपदाओं से बचने के उपाय एवं जानकारियों के साथ–साथ पूरी तरह से बच्चों के लिए रोचक गतिविधियों का दिन होगा जो जिज्ञासा, सृजन, नवाचार, तर्क–चिंतन, कला एवं सौंदर्य, खेल–कूद, देश की सांस्कृतिक विरासत एवं धरोहर, योग एवं स्वच्छता आदि को समर्पित होगा।

बैगलेस शनिवार के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए
नीचे दिए गए QR Code को अपने Andriod या Smart Phone से Scan कर पढ़ सकते हैं।

12. पारिभाषिक शब्दावली

1. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 – National Education Policy (NEP)** यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 स्वतंत्र भारत के इतिहास में विद्यालयी शिक्षा के लिए तीसरा नीतिगत दस्तावेज है।

2. **निपुण भारत मिशन – National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy (NIPUN) –** इसे राष्ट्रीय साक्षरता एवं संख्याज्ञान दक्षता पहल मिशन के नाम से जानते हैं।

3. **निपुण बिहार मिशन –** बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान दक्षता पहल मिशन के लक्ष्यों को 2026–27 तक प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय साक्षरता एवं संख्याज्ञान दक्षता पहल मिशन के तहत बिहार सरकार शिक्षा विभाग द्वारा राज्य में बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान के गुणवत्ता शिक्षा को सुनिश्चित करने के लिए माननीय शिक्षा मंत्री, बिहार सरकार द्वारा गत 5 सितम्बर 2022 को निपुण बिहार मिशन की शुरूआत की गई।

4. **राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, (SCERT) –** राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, राज्य सरकार की शिक्षा विभाग की एक संस्था है। इसकी जिम्मेदारी में राज्य के विद्यालयों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करना, पाठ्य एवं शिक्षण सामग्री बनाना और शिक्षकों को प्रशिक्षण देना आदि शामिल है।

5. **बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान Foundational Literacy and Numeracy (FLN) –** इसका संबंध बच्चों की लिखित सामग्री को समझकर पढ़ने, लिखने और संख्याज्ञान एवं बुनियादी गणितीय समस्याओं जैसे, जोड़, घटाव आदि की समस्याओं को हल करने की क्षमता से है।

6. **दक्षता (Competencies) –** ये सीखने की अवलोकन करने योग्य उपलब्धि है, जिनका व्यवस्थित रूप से एक निश्चित समयोपरान्त सत्र के अंत में आकलन किया जा सकता है।

7. **अधिगम प्रतिफल (Learning outcome, LO) –** अधिगम प्रतिफल बच्चों में ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण एवं मूल्यों की उपलब्धि के सारांश कथन हैं। जो क्रमानुगत सीखने के अनुभवों के आधार पर सभी बच्चों में होनी चाहिए।

8. **अधिगम उपलब्धि –** यह सीखने के किसी भी क्षेत्र की क्षमताओं से जुड़ी एवं अधिगम प्रतिफलों को प्राप्त करने में हुई प्रगति का हासिल किया गया स्तर है।

9. **अनुभवजन्य अधिगम (Experiential learning) –** जीवन की वास्तविक घटनाओं का गतिविधि आधारित शिक्षण प्रक्रिया के माध्यम से अनुभवों के आधार पर अनुमान लगाना ही अनुभवजन्य अधिगम है।

10. **उभरती साक्षरता (Emergent Literacy) –** उभरती साक्षरता वह चरण है जिस दौरान बच्चे पढ़ना और लिखना सीखने के पूर्व महत्वपूर्ण कौशलों को सीखते हैं।

11. **विद्यालय तत्परता (School Readiness) –** बच्चों का कक्षा 1 में औपचारिक नामांकन के पूर्व या कक्षा 1 में नामांकन के शुरुआती माह में विद्यालय के लिए तैयार किया जाता है। बच्चों में उसे उपयुक्त रचनात्मक, शारीरिक, संज्ञानात्मक, पूर्व–साक्षरता और पूर्व–संख्यात्मक कौशल के साथ तैयार किया जा सके। बच्चों का स्कूल के माहौल में अनुकूलन के लिए ये कौशल महत्वपूर्ण हैं। जिससे बच्चे विद्यालय आने के लिए तत्पर रहें।

12. **ध्वनि जागरूकता (Phonological awareness) –** ध्वनि जागरूकता वाक्यों और शब्दों के बोले गए ध्वनि अंशों को पहचानने और उनमें हेरफेर करने की क्षमता है। उदाहरणार्थः तुकबंदी वाले शब्दों की पहचान करने में सक्षम होना, वाक्य को शब्दों में विभाजित करना, शब्दांशों की पहचान करना शामिल है।

13. **2 D (द्वि–विमीय आकृतियाँ) –** ज्यामिति में द्वि–विमीय आकृति एक समतल आकृति होती है, जिसमें लम्बाई और चौड़ाई के दो आयाम होते हैं। द्वि–विमीय को 2D आकृति भी कहा जाता है।

14. **3 D (त्रि–विमीय आकृतियाँ) –** त्रि–विमीय आकृति के तीन आयाम होते हैं, जैसे लंबाई, चौड़ाई और मोटाई। इसके आयतन, वक्र पृष्ठीय क्षेत्रफल, और कुल पृष्ठीय क्षेत्रफल की गणना की जा सकती हैं। जैसे, घन, घनाभ, गोला, बेलन, शंकु आदि।

15. **शिक्षण–अधिगम सामग्री TLM (Teaching Learning Material) –** शिक्षण–अधिगम सामग्री का उपयोग शिक्षक कक्षा में विशिष्ट सीखने के उद्देश्यों को हासिल करने के लिए करते हैं, जैसा कि पाठ योजनाओं में निर्धारित किया गया है। जैसे, वर्ण, अक्षर, संख्या कार्ड, तिल्ली, कंकड़, गिनती माला इत्यादि।

16. **विकासात्मक लक्ष्य –** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बच्चों के समग्र विकास के लिए विभिन्न विकास के क्षेत्रों को तीन विकासात्मक लक्ष्यों में रखा गया है।

    i **बच्चे अच्छा स्वास्थ्य और स्वच्छता बनाए रखें (Health and Well being) –** इससे जुड़े अधिगम प्रतिफल के संदर्भ के लिए HW code का इस्तेमाल किया गया है। कक्षा 1, 2 और 3 के लिए क्रमशः HW_1, HW_2 और HW_3 का प्रयोग किया गया है।

    ii **प्रभावी संप्रेषक (Effective Communicator) –** बच्चों का सम्प्रेषण प्रभावी हो (भाषा विकास)। इससे जुड़े अधिगम प्रतिफल के संदर्भ के लिए EC code का इस्तेमाल किया गया है। कक्षा 1, 2 और 3 के लिए क्रमशः EC_1, EC_2 और EC_3 का प्रयोग किया गया है।

        a. **ECL: Effective Communicator Language (प्रभावी संप्रेषक भाषा) –** उपर्युक्त विकासात्मक लक्ष्य में भाषा के लिए इस कोड (ECL) का इस्तेमाल किया गया है।

    iii **बच्चे काम से जुड़े रहने वाले शिक्षार्थी बनें और निकटतम परिवेश से जुड़े रहें (Involved Learner) –** बच्चे काम से जुड़े रहने वाले विद्यार्थी बनें और आस–पास के परिवेश से जुड़े रहें (गणितीय एवं पर्यावरणीय

जागरूकता)। इससे जुड़े अधिगम प्रतिफल के संदर्भ के लिए IL code का इस्तेमाल किया गया है। कक्षा 1, 2 और 3 के लिए क्रमशः IL1, IL2 और IL3 का प्रयोग किया गया है।

a. **ILM: Involved Learner Mathematics –** उपर्युक्त विकासात्मक लक्ष्य में गणित के लिए इस कोड (ILM) का इस्तेमाल किया गया है।

17. **संपूर्ण भाषा दृष्टिकोण (Whole language approach) –** संपूर्ण भाषा सीखने के दृष्टिकोण में भाषा को एक संपूर्ण इकाई के रूप में देखते हैं, और भाषा सीखने में सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना एकीकृत रूप से लिया जाता है।

18. **संतुलित दृष्टिकोण (Balanced approach) –** इसका संबंध भाषा शिक्षण में संपूर्ण भाषा दृष्टिकोण एवं फोनिक्स (ध्वनि–विज्ञान) के संतुलित उपयोग से है। इसमें संपूर्ण भाषा को उपयोग में लाते हुए लिखित प्रतीकों का संबंधित ध्वनियों से संबंधों का व्यवस्थित अभ्यास करवाया जाता है।

19. **डिकोडिंग (Decoding) –** डिकोडिंग अक्षर–ध्वनि संबंधों के ज्ञान को लागू करने की क्षमता है, जिसमें लिखित शब्दों का सही उच्चारण करने के लिए अक्षर ध्वनि का ज्ञान भी शामिल है। इन संबंधों को समझने से बच्चों को जाने–पहचाने शब्दों को जल्दी से पहचानने और उन्हें शब्दों का पता लगाने की क्षमता मिलती है जिन्हें उन्होंने पहले नहीं देखा है।

20. **समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card) –** यह एक प्रगति की बहुआयामी रिर्पोट है जो प्रगति के साथ–साथ संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनो–गत्यात्मक में प्रत्येक बच्चे की विशिष्टता को व्यापक रूप से दर्शाता है।

21. **मनो–गत्यात्मक कौशल (Psychomotor) –** मनो–गत्यात्मक कौशल, वह कौशल होता है, जिसमें शारीरिक हलचल, समन्वय और गत्यात्मक (मोटर) कार्य शामिल है। इन कौशलों के विकास के लिए अभ्यास की आवश्यकता होती है। जैसे, बच्चों द्वारा अनुमान लगाकर गेंद से किसी लक्ष्य पर निशाना लगाना।

22. **विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC/VSS) –** विद्यालय प्रबंधन समिति या विद्यालय शिक्षा समिति (VSS) विद्यालय के शिक्षकों एवं अभिभावकों का एक साझा मंच है। जिसमें विद्यालय और समुदाय की भागीदारी से बच्चों को उचित साधन, सुविधा एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाई जा सके।

23. **अभिभावक–शिक्षक बैठक PTM (Parent Teacher Meeting) –** (PTM) विद्यालय में बच्चों की प्रगति पर चर्चा करने और शैक्षणिक या व्यवहार संबंधी समस्याओं के समाधान खोजने के लिए बच्चों के माता–पिता और शिक्षकों के साथ एक नियमित अन्तराल पर की जाने वाली बैठक है।

24. **सूचना, शिक्षा एवं संचार IEC (Information, Education and Communication) –** सूचना, शिक्षा एवं संचार का उद्देश्य शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना है। इसके माध्यम से सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों के तहत उपलब्ध लाभों के बारे में जानकारी का प्रसार करना और नागरिकों को उन तक पहुँचने के तरीके के बारे में बताना है।

परिशिष्ट-1

टेक्सटबुक मैपिंग–हिन्दी (कक्षा 1, 2, 3)

कक्षा 1									
पाठ संख्या	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
1	स्कूल का पहला दिन	(चित्र पाठ)	चित्र से सम्बंधित चर्चा करें।	यहाँ दो टोलियाँ हैं एक ऐसी टोली जिसके नामों में 'म' आता है दूसरी ऐसी टोली जिसके नामों में 'न' आता है। बच्चों को सही टोलियों तक पहुँचाएँ।				उन चीज़ों के चित्र बनाएं जो आपकी कक्षा में हैं। अपने अँगूठे की छाप से कुछ और बनाएं।	
2	बगीचा (चित्र पाठ)	(चित्र पाठ)	शिक्षक बच्चों से चित्र पर चर्चा के लिए प्रश्न पूछें। शुरुआत में चित्र में दी गई चीजों, घटनाओं के बारे में तथ्यात्मक प्रश्नों से चर्चा शुरू कीजिए। बच्चों को छोटे समूहों में बिठाकर अलग -अलग विषयों पर और प्रश्न 1-6 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।	इन चीज़ों की पहली आवाज़ कौन सी है? 'क' और 'म' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।	क' और 'म' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।	प्रश्न 6 शब्द और चित्र का मिलान कीजिए।		चित्र में रंग भरिए।	

कक्षा 1									
पाठ संख्या	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
3	चौराहा (चित्र पाठ)	(चित्र पाठ)	शिक्षक बच्चों से चित्र पर चर्चा के लिए प्रश्न पूछें शुरुआत में चित्र में दी गई चीज़ों, घटनाओं के बारें में तथ्यात्मक प्रश्नों से चर्चा शुरू कीजिए। बच्चों को छोटे समूहों में बिठाकर अलग अलग विषयों पर और प्रश्न 1-6 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।					चित्र में रंग भरिए।	शिक्षण संकेत: शिक्षक बच्चों से चित्र पर चर्चा के लिए प्रश्न पूछें। शुरुआत में चित्र में दी गई चीज़ों, घटनाओं के बारें में तथ्यात्मक प्रश्नों से चर्चा शुरू कीजिए। जैसेः-सिग्नल पर किस रंग की बत्ती जलने पर रुकना चाहिए? चित्र में देखिए, पैदल चलने वाले जहाँ से सड़क पार करते हैं, उस ज़गह सड़क पर कैसे निशान बने हैं? इस निशान को क्या कहते हैं? चित्र में देखिए, चौराहा पार करके किस तरफ जाने वाले को लाल बत्ती पर नहीं रुकना पड़ता? शिक्षक इसी क्रम में खुले प्रश्न पूछते हुए चर्चा को आगे बढ़ाएँ, जैसे- महिला पुलिस बाइक सवार लड़के को किस बात पर डाँट रही होगी? सिर पर गठरी उठाए वृद्ध लड़की से क्या बात कर रहे होंगे? गुब्बारे कौन बेच रहा होगा?

कक्षा 1									
पाठ संख्या	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
4	मेला (चित्र पाठ)	(चित्र पाठ)	शिक्षक बच्चों से चित्र पर चर्चा के लिए प्रश्न पूछें शुरुआत में चित्र में दी गई चीज़ों, घटनाओं के बारें में तथ्यात्मक प्रश्नों से चर्चा शुरू कीजिए। बच्चों को छोटे समूहों में बिठाकर अलग अलग विषयों पर और प्रश्न 1-7 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।	प्रश्न 7. इन चीज़ों की पहली आवाज़ कौन सी है? 'झ' और 'ल' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।	झ' और 'ल' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।	प्रश्न 6 शब्द और चित्र का मिलान कीजिए।		चित्र में रंग भरिए।	बच्चों से चित्र पर चर्चा के लिए प्रश्न पूछिए। शुरुआत में चित्र में दी गई चीज़ों, घटनाओं के बारे में तथ्यात्मक प्रश्नों से चर्चा शुरू कीजिए। जैसे- यह कहाँ का चित्र हो सकता है? आपने इसका अनुमान कैसे लगाया? आपने शिक्षण संकेत: किस-किस मेले के बारे में सुना है? उनके नाम बताइए? मेले में क्या-क्या हो रहा है? इसी क्रम में खुले प्रश्न पूछते हुए चर्चा को आगे बढ़ाइए, जैसे-आप मेले से क्या खरीदना चाहेंगे? क्यों?लाउडस्पीकर में कौन-सा गाना बज रहा होगा? आपने सामान बेचने के लिए दुकानदार को आवाज़ लगाते हुए सुना होगा। वह क्या बेच रहा था? क्या आवाज़ लगा रहा था? आप भी किसी मेले में गए होंगे। वहाँ आपने क्या क्या किया?

कक्षा 1									
पाठ संख्या	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
5	आम की कहानी (चित्र कहानी)	(चित्र कहानी)	बच्चों को कहानी के चित्र दिखाते हुए कहानी सुनाइए। बड़े समूह में बच्चों को चित्र- शृंखला के चित्रों को क्रमशः दिखाते हुए उनसे निम्नलिखित प्रश्न 1-14 पूछे जा सकते हैं-	इन चीज़ों की पहली आवाज़ कौन सी है? 'अ', 'आ' 'ख' और 'ग' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।	अ', 'आ' 'ख' और 'ग' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।			आम/ पेड़/ कौआ/ लड़की/ लड़का/ आदमी का चित्र बनाए और इनके नाम लिखिए।	शिक्षण संकेत: बच्चों को चित्र दिखाकर चित्र दृश्य सुनाइए।
6	चिड़ियाघर की सैर (चित्र कहानी)	(चित्र कहानी)	बच्चों को कहानी के चित्र दिखाते हुए कहानी सुनाइए। बड़े समूह में बच्चों को चित्र- शृंखला के चित्रों को क्रमशः दिखाते हुए उनसे निम्नलिखित प्रश्न 1-10 पूछे जा सकते हैं-	इन चीज़ों की पहली आवाज़ कौन सी है? 'च' 'घ' और 'र' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।	'च' 'घ' और 'र' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।	शब्द चित्र मिलान		आपको सबसे ज्यादा कौन-सा जानवर पसंद है? उसकी तस्वीर बनाइए और रंग भरिए। चित्र में रंग भरिए।	शिक्षण संकेत:बच्चों को यह कविता गाकर सुनाइए। फिर बच्चों के साथ हाव-भाव सहित कविता गाइए।
7	धम्मक-धम्मक	कविता	बच्चों को हाथों का चित्र दिखाते हुए कविता सुना है बड़े समूह में बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न 1- 7 पूछे जा सकते हैं। हाथी धम्मक-धम्मक आता है, ये कैसे आते हैं?			नीचे दिए गए चित्रों के नाम लिखिए। शब्द और चित्र का मिलान कीजिए।	लिखी है और पहेली का हल बताइए।	हाथी के कान सूप जैसे हैं ये अंग किसके जैसे हैं? आपको अगर हाथी का रंग बदलना हो तो उसे किस रंग का बनाएंगे हाथी का चित्र बनाकर उसमें अपनी पसंद का रंग भरिए।	शिक्षण संकेत: बच्चों को यह कविता गाकर सुनाइए। फिर बच्चों के साथ हाव-भाव सहित कविता गाइए।

कक्षा 1									
पाठ संख्या	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
8	मन करता है	कविता	बच्चों को गोले में बिठाकर अलग अलग विषयों पर और कहानी/ कविता से आधारित प्रश्न 1-9 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।	इन चित्रों की पहली आवाज़ कौन सी है? 'स' और ' न' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए। समान लय वाले शब्द बोलिए।	स' और ' न' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए। सही वर्ण भरिए।	शब्द और चित्र का मिलान कीजिए।		अपने मन से चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए।	
9	पतंग	कविता	बच्चों को गोले में बिठाकर अलग अलग विषयों पर और कहानी/ कविता से आधारित प्रश्न 1-9 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।	मिलते जुलते शब्द बोलिए 'ट' 'त' और ' फ' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।	ट' 'त' और ' फ' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।	इनके नाम लिखिए।		पतंग का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए।	0
10	चार चने	कविता	बच्चों को गोले में बिठाकर अलग अलग विषयों पर और कहानी/ कविता से आधारित प्रश्न 1-9 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।	समान ध्वनि वाले शब्द बताएँ। 'छ' 'ज' 'ठ' और 'द' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।	छ' 'ज' 'ठ' और 'द' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।	इनके नाम लिखिए। चित्र में आपको क्या क्या दिखाई दे रहे हैं इनका आप क्या उपयोग करते हैं?	प्रश्न 8,9, 10 को पढ़कर उनके उत्तर दें।	इनके नाम लिखिए।	
11	हरे पेड़	कविता	बच्चों को गोले में बिठाकर अलग अलग विषयों पर और कहानी/ कविता से आधारित प्रश्न 1-7 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।	ड' 'ढ' 'भ' 'व' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।	ड' 'ढ' 'भ' 'व' आवाज़ से शुरू होने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछिए और उन्हें बोर्ड पर लिखिए।		प्रश्न 9- 14 को पढ़कर उनके उत्तर दें।	प्रश्न 9- 14 को पढ़कर उनके उत्तर दें।	

कक्षा 1									
पाठ संख्या	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
12	नानी, तेरी मोरनी...	कविता	बच्चों को गोले में बिठाकर अलग अलग विषयों पर और कहानी/ कविता से आधारित प्रश्न 1-8 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।	मिलते -जुलते शब्द बोलिए।		माँ की माँ को नानी कहते हैं । इनको क्या कहा जाता है? प्रश्न 10 का उत्तर दें।	कविता पढ़कर बताइए।	अपनी अपनी नानी का चित्र बनाकर उनका नाम लिखिए।	
13	हलीम चला चाँद पर (कहानी)	कहानी	बच्चों को गोले में बिठाकर अलग अलग विषयों पर और कहानी/ कविता से आधारित प्रश्न 1-5 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।			शब्द और चित्र का मिलान कीजिए। उलटा शब्द बताइए।	दिए गए शब्दों से ख़ाली स्थान भरिए। प्रश्न 8 का उत्तर दीजिए।	दिए गए शब्दों से ख़ाली स्थान भरिए। प्रश्न 8 का उत्तर दीजिए। चाँद/ सूरज का चित्र बनाइए।	सृजनात्मक गतिविधि प्रश्न 10, 11
14	दो दोस्त (चित्र कथा)	कहानी	बच्चों को गोले में बिठाकर अलग अलग विषयों पर और कहानी/ कविता से आधारित प्रश्न 1-8 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।	मिलते -जुलते शब्द।			अपने मित्र के बारे में बताइए एक शब्द लिखकर वाक्य पूरा कीजिए।	अपने मित्र के बारे में बताइए। दोस्तों के नामों की रेल बनाइए। अपने दोस्त की तस्वीर बनाकर उनका नाम देखिए।	
15	बंदर और गिलहरी (कहानी)	कहानी	बच्चों को गोले में बिठाकर अलग अलग विषयों पर और कहानी/ कविता से आधारित प्रश्न 1-7 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।	मिलते -जुलते शब्द।			प्रश्न 8- 12 को पढ़कर उनके उत्तर दें।	प्रश्न 8- 12 को पढ़कर उनके उत्तर दें	

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
1	सी - सॉ पर हाथी	चित्र-कथा	बच्चों को चित्र कथा पढने का क्रम सिखाएं। फिर उनसे कहें कि चित्र -कथा को ध्यान से देखें। उनको 10 मिनट तक चित्र देखने दें। पूछें कि इसमें क्या हो रहा है। पहले क्या हुआ, उसके बाद क्या हुआ, पूछते हुए बच्चों से इस चित्र कथा को बनवाकर सुनें। जब पूरी कहानी बन जाए तो उसे एक बार दोहरा दें। फिर इस मुख्य कहानी के अंदर के प्रश्न पूछें। जैसे- पार्क में किस-किस तरह के झूले है? कौन-कौन से जानवर झूलने आए हैं? आदि ।	• बच्चों से बातचीत- 1. पार्क में कौन-कौन-से जानवर झूला झूलने आए हैं? 2. चित्र में दिख रहे झूलों में से आप किस-किस झूले पर झूले हैं? 3. क्या आप चित्र में दिख रहे झूलों के अलावा भी किसी झूले को जानते हैं? उसके बारे में बताइए। 4. क्या आपको किसी झूले से डर लगता है ? किस झूले से? 5. सी-सॉ पर एक तरफ हाथी हो, तब झूला झूलने के लिए दूसरी तरफ कितनी बकरियों को बिठाना पड़ेगा? 6. क्या बन्दर को भी किसी झूले की जरूरत पड़ती होगी? 7. खरगोश सी-सॉ को देखकर क्या सोच रहा होगा? 8. अनुमान लगाएँ, एक हाथी का वजन कितनी गिलहरियों के बराबर होता होगा? 9. हाथी के बैठने से कौन-कौन से झूले टूट जाएँगे?		13. दिए गए चित्र से 10 (दस) शब्द बनाइए - 14. नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए और बोलते हुए लिखिए -	13. नीचे दिए ग्रिड से 10 शब्द बनाइए-	14. नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए और बोलते हुए लिखिए -	10. अपनी पसंद के झूले का चित्र बनाइए। 11. चित्र कथा में आए जानवरों को निम्नलिखित आधार पर दो समूहों में रखें - क. घास/पत्ते खाने वाले जानवर। ख. घास/पत्ते नहीं खाने वाले जानवर। 14. नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए और बोलते हुए लिखिए - 15.अपनी कक्षा की दीवारों पर क्या - क्या लिखा है? कोई दो लाइन पढ़ कर नीचे लिखिए।	

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
2	दोस्त मुसीबत में	चित्र -कथा	बच्चों को चित्रकथा पढ़ने का क्रम सिखाइए। फिर उनसे कहें कि वे चित्र कथा को ध्यान से देखें। उनको 10 मिनट तक चित्र देखने दें। पूछें कि इसमें क्या हो रहा है। पहले क्या हुआ ? उसके बाद क्या हुआ? पूछते हुए बच्चों से इस चित्र कथा को बनवाकर सुनें। जब पूरी कहानी बन जाए तो उसे एक बार दोहरा दें। फिर इस मुख्य कहानी के आधार पर प्रश्न पूछें। जैसे- खरगोश और चूहा कहाँ जा रहे होंगे? बिल्ली खरगोश को क्यों नहीं पकड़ सकी ?	बच्चों से बातचीत 1. चूहा और खरगोश कहाँ जा रहे होंगे? 2. खरगोश और बिल्ली दोस्त क्यों नहीं हो सकते? 3. क्या आपके किसी दोस्त ने मुसीबत के समय आपकी मदद की है? उस बारे में बताइए? 4. आपके पास गुलेल हो तो आप उससे क्या-क्या खेल खेलेंगे ? क्या नहीं करेंगे ? 5. खरगोश के पास अगर गुलेल नहीं होती तो वह चूहे को बचाने के लिए क्या करता? 6. बिल्ली किनका शिकार करती है? 7. बिल्ली चूहे खाना बन्द कर दे तो क्या होगा?		14. नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए और बोलते हुए लिखिए-	9. बिल्ली से मिलते-जुलते शब्द बताइए। 13. दिए ग्रिड से 10 खाने वाली चीजों के नाम बनाईए। शब्द बनाइए-		8. मिलकर जानवरों की एक सूची बनाइए। सूची में इन दो समूहों के अनुसार जानवरों के नाम लिखिए- क) बिल्ली से डरने वाले। ख) बिल्ली को डराने वाले। 10. अपने दो दोस्तों का नाम लिखिए। 11. बिल्ली, दिल्ली या इल्ली लिखकर वाक्य पूरा कीजिए- 15. अपनी कक्षा में पढने वाले दो दोस्तों से पता करके बताए - उन्हें क्या खाना अच्छा लगता है?	

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
3	तितली और कली	कविता	बच्चों को यह कविता गाकर सुनाए। फिर बच्चों के साथ हाव - भाव के साथ यह कविता गाएँ।	बच्चों से बातचीत 1. तितली कली से कहाँ मिली होगी ? 2 तितली और कली में क्या बातें हो रही है ? 3. तितली की बात सुनकर कली ने क्या किया ? 4. अगर आप के पास तितली आकर खेलने के लिए कहती तो आप क्या करते ? 5. आप तितली और कली से क्या कहना चाहेंगे ? कोई ऐसी बात बताइए कि तितली और कली खुश हो जाएँ। 6. क्या आप भी लुका-छिपी, कबड्डी जैसा कोई खेल खेलते हैं ? वह खेल कैसे खेला जाता है ? प्र. सं 11 से 13 तक भी देखे।	17. कविता का गायन करें और शुरुआती दो लाइनें लिखें।	प्र. सं 15: नीचे की चीजों को सही रंग से मिलाएं|	7. "आँखें खोलो का मतलब है जागो। आँख से जुड़े नीचे लिखे वाक्यों का क्या मतलब होगा ? 14. रंगीली जैसा ही एक शब्द है सजीली। इसी के अन्य शब्द क्या हो सकते हैं ? 15: नीचे की चीजों को सही रंग से मिलाएं। प्र. सं 16 को भी देखें।	प्र. सं 15 नीचे की चीजों को सही रंग से मिलाएं।	17. कविता का गायन करें और शुरुआती दो लाइनें लिखें।	

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
4	अगर पेड़ भी चलते होते	कविता	बच्चों को यह कविता गाकर सुनाए। फिर बच्चों के साथ हाव - भाव के साथ यह कविता गाएँ।	बच्चों से बातचीत 1. कविता पर चर्चा करके बताइए कि अगर पेड़ चलते होते तो क्या-क्या हो सकता था? 2 अगर पेड़ चलते होते तो आप कैसी जगह पर जाकर रहना पसन्द करते? क्यों ? 3. अगर पेड़ चलते होते तो पक्षी उन पर अपना घोंसला बनाते या नहीं ? क्यों ? 4. किसान पेड़ों का चलना पसन्द करेंगे अथवा पेड़ों का न चलना ? क्यों ? 5. आपस में बात कीजिए, अगर पेड़ चलते होते तो इनके लिए क्या-क्या बदल जाता ? 6. पता कीजिए- क) क्या सारे बड़े पेड़ों के पत्ते छोटे होते हैं? ख) क्या सभी बड़े पते कटे-फटे होते हैं ? ग) क्या कोई पेड़ सचमुच चलता है ? 7. अपने घर जा कर अपने परिवार के लोगों के साथ चर्चा कीजिये कि पेड़ को भूख लगती है या नहीं? उनके खाने के लिए क्या - क्या चाहिए ?			5. आपस में बात कीजिए, अगर पेड़ चलते होते तो इनके लिए क्या - क्या बदल जाता ? 8. दिए गए शब्दों के जैसे ही मिलते जुलते शब्द बनाइए 9. दिए गए चित्रों को उनके नाम से मिलाइए।		10. खाली जगहों को पाठ में देख कर भरिए। 11. आस - पास के पेड़ - पौधों का चित्र बनाए और उसमे रंग भरिए -	

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
5	हाथी और कुत्ता	कहानी	बच्चों को यह कहानी हाव - भाव के साथ सुनाइए। फिर बच्चों को कहानी सुनाने का अवसर दीजिये।	बच्चों से बातचीत - 1. महावत के पास क्या - क्या था ? 2. महावत ने कुत्ता क्यों पाल रखा था? आप में से किसी ने कुत्ता पाला है ? 3. बताइए कि हाथी और कुत्ते की दोस्ती कैसे हुई ? 4. आपकी नज़र में हाथी की उदासी का क्या कारण हो सकता है? 5. हाथी और कुत्ते के दोबारा मिलने पर उन्होंने किस तरह अपनी खुशी जाहिर की ? 6. आपने बहुत से लोगों को हाथी की सवारी करते देखा होगा। आपका मन भी हाथी की सवारी करने को करता होगा। कल्पना करें, आपने हाथी की सवारी की। अपने उन अनुभवों को अपने सहपाठियों से साझा करें। 8. हाथी और कुत्ते की कोई और कहानी अपने साथियों को सुनाइए। प्र. सं. 9, 10 और 12 भी देखें।			7. पाठ में हाथी की देखभाल करने वाले को महावत कहा गया है। आप इन्हें क्या कहते है? 11. आपके आसपास कौन-कौन बोझ उठाते हैं - 13. खाली स्थान में सही शब्द लिखिए- 14. समान लग वाले शब्द लिखिए- 15. निचे दिए गए शब्दों के उलटे अर्थ वाले शब्द लिखिए -		12. हाथी और कुत्ते की कहानी मिलकर पढ़िए और बताइए / लिखिये कि किसने कहा- 16. दिए गए वाक्य को बहुवचन के अनुसार लिखिए- 17. आपने अपने आस - पास बहुत सारे जानवरों को देखा होगा। उनमे से कुछ जानवर आकार में बहुत बड़े होंगे तो कुछ बहुत छोटे। आइए, उनकी एक सूची बनाएं- प्र. सं. 13 भी देखें।	

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
6	बस के नीचे बाघ	कहानी	विद्यार्थियों को हाव - भाव के साथ कहानी सुनाइए एवं विद्यार्थियों को भी कहानी सुनाने का अवसर दें। साथ ही साथ कहानी के आधार पर बात करें।	बच्चों से बातचीत: 1. बाघ के बच्चे को बस में झाँकने पर क्या-क्या दिखा होगा? देखकर उसने क्या सोचा होगा ? 2. बच्चों से तो शायद ही कोई डरता होगा? बाघ का बच्चा भी बच्चा ही था, फिर उससे सवारियाँ को डर क्यों लगा होगा? 3. बस के नीचे पहुँचकर छोटे बाघ को अच्छा क्यों नहीं लगा? 4. बस के भीतर आगे की तरफ से आ रही घर-घर की आवाज किस चीज़ की होगी? 5. बाघ का बच्चा नीचे लिखे काम कैसे करेगा? 6. आपको किन-किन चीजों से डर लगता है? प्र. सं. 7 और 12 भी देखें।	11. ऐसे मिलते-जुलते शब्द बताइए - जैसेः खेलते-खेलते		6. आपको किन-किन चीजों से डर लगता है ? 9. पाठ के आधार पर खाली स्थानों में सही शब्द भरिए - 10. शब्दों का खेल		8 आपके घर या स्कूल के आसपास कौन-कौन-से जानवर या पक्षी नजर आते हैं ? पता कीजिए। 9. पाठ के आधार पर खाली स्थानों में सही शब्द भरिए - 12. नीचे लिखी बात को पढ़कर एक चित्र बनाइए - “जंगल में एक छोटा बाघ खेल रहा है। जंगल में एक हाथी खेल रहा है। जंगल में एक बंदर खेल रहा है। जंगल में सड़क पर एक बस खड़ी है। बस का दरवाजा खुला है।”	

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
7	हाँ जी हाँ, ना जी ना	कविता	बच्चों को यह कहानी गाकर सुनाइए। फिर बच्चों के साथ हाव - भाव सहित कविता गाइए।	शिक्षक - बच्चों से बातचीत : 1. कविता में तुम खाना खाते हो, तुम सफाई करते हो, तुम कपड़े धोते हो, किससे पूछा जा रहा रह है? कविता में और क्या-क्या पूछा गया है ? 2. आपके घर खाना कौन-कौन खाते हैं ? आपके यहाँ खाना कौन-कौन पकाते हैं? 3. आपके घर को गंदा कौन-कौन करते हैं ? आपके यहाँ सफाई कौन-कौन करते हैं ? 4. कविता में ऐसे कैसे चले जहाँ ? का क्या मतलब है ? 5. कविता में तुम खाना खाते हो, किससे पूछा जा रहा है ? 6. कविता में तुम सफाई करते हो, किससे पूछा जा रहा है ? 7. कविता में तुम कपड़े धोते हो, किससे पूछा जा रहा है ? प्र. 9 और 10 देखें।			8. "पापा खाना पकाते हैं।" पकाने शब्द का उपयोग और किस-किस बात के लिए होता है ? 12. मिलते - जुलते शब्द लिखिए -	11. कविता को आगे बढाइए -	13. इन कामों की सूची बनाइए - 13(क). माँ का काम - 13(ख). पिता का काम - 14. आपको किन - किन कामों के लिए मना किया जाता है? क्या कह कर मन करते है? 14(क). काम जिसके लिए मना करते है- 14(ख). मना करने के लिए क्या कहते है-	

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
8	भालू ने खेली फुटबाल	कहानी	बच्चों को हाव - भाव के साथ कहानी सुनाइए एवं विद्यार्थियों को भी कहानी सुनाने का अवसर दीजिए। साथ - ही, कहानी के आधार पर बात करें।	शिक्षक - बच्चों से बातचीत : 1. शेर का बच्चा सुबह-सुबह गोलमटोल हुआ क्यों बैठा होगा ? 2. भालू साहब सैर पर निकलकर पछता रहे थे, क्यों ? 3. भालू ने क्यों कहा- ओह किरा आफत में आ फैसा ? 4. शेर के बच्चे ने दहाड़कर किसको पुकारा होगा ? उसने क्या कहा होगा? 5. भालू का उछलकर नीचे आते शेर के बच्चे को पकड़ना ठीक था या नहीं ? आप क्या सोचते हैं? 6. शेर के बच्चे ने घर जाकर अपने माता-पिता को अपनी कहानी सुनाई। उसने क्या-क्या सुनाया होगा? अपने शब्दों में बताइए। 7. आपको कौन-कौन-से खेल खेलने में मजा आता है? खेल छोड़कर आपको कब भागना पड़ा और क्यों?		8. जब भालू ने शेर के बच्चे को उछाला तो वह दहाड़ा। इनकी आवाज़ को क्या कहते हैं? जैसे : घोड़ा, गाय।				

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
9	बादल भैया, बहुत हुआ	कविता	बच्चों को यह कहानी गाकर सुनाइए। फिर बच्चों के साथ हाव - भाव सहित कविता गाइए।	शिक्षक - बच्चों से बातचीत : 3. जब बरसात आती है तो आपके आसपास क्या-क्या बदलाव आते हैं? 4. बरसात के मौसम में आपको कौन-से खेल खेलने में दिक्कतें होती हैं ? 5. बरसात के मौसम में आप कौन-कौन-से नए खेल खेलते हैं? 6. आपको कौन-सा मौसम सबसे अच्छा लगता है? यह मौसम आपको ज्यादा अच्छा क्यों लगता है? 7. आप किससे कहना चाहेंगे बहुत हुआ! कारण भी बताइए? 8. जब लगातार पानी गिरता रहता है तो क्या-क्या परेशानियाँ होती हैं? 9. क्या आपने बाद देखी है? आपने इसके बारे में जो भी देखा या सुना है, उसे अपने समुह बताइए।			1. बादल भैया बहुत हुआ में बहुत हुआ का मतलब है (क) बहुत सारे बादल (ख) बहुत सारी बरसात (ग) अब रुक जाओ 2 कविता में 'याद सभी को आई नानी का क्या मतलब है?			

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
10	पक्की दोस्ती	कहानी	बच्चों को हाव - भाव के साथ कहानी सुनाइए एवं उन्हें को भी कहानी सुनाने का अवसर दीजिए। साथ - ही, कहानी के आधार पर बात करें।	शिक्षक - बच्चों से बातचीत: * पेड़ पर किस रंग की चिड़िया आकर बैठी? चिड़िया और पेड़ की दोस्ती क्यों हो गई होगी ? * चिड़िया के वापस जाने पर पेड़ को रोना क्यों आया होगा? * रोते-रोते पेड़ के आसपास क्या बन गया ? अगर पेड़ फिर भी रोता रहता तो कहानी में क्या हो सकता था ? * किसी को रोना कब-कब आ सकता है? उन्हें चुप कराने के लिए आप क्या-क्या कर सकते हैं ? और प्र. सं : 1 से 4	5. मिलते - जुलते शब्द ढूंढे - क). पेड़ -ख. अकेला - ग. मोर - घ. बात - 8. तुकांत वाले शब्द बोलिए और लिखिए -		7. दिए गए चित्रों से सही मिलान कीजिए -		6. पाठ के आधार पर दिए गए वाक्य को पूरा कीजिए-	
11	पहेलियाँ	पहेली	बच्चों को पहेलियाँ पढ़ कर सुनाइए और बच्चों को उनके उत्तर खोजने का अवसर दीजिए। सही उतर तक पहुचने में बच्चों की मदद कीजिए। बच्चों को नई पहेलिय खोजने और आपस में पूछने के लिए प्रेरित करें।	1. बच्चों से कुछ नई पहेलियाँ पूछिए और बच्चों को उनके उत्तर खोजने का अवसर दीजिए। 2. आप अपने समुह में बच्चों से नई पहेलियाँ पूछिए। शिक्षक बच्चों को नई पहेलियाँ पूछने के लिए प्रेरित करें। 3. पहेली के सही उतर पर सही का निशान लगाए। पहेली 1 पहेली 2	8. शब्द - लड़ी बनाए - 9. पहेली में आए एक सामान लय वाले शब्द लिखिए -		7. दिए गए शब्द का एक समान अर्थ वाला शब्द लिखिए और वाक्य बनाइए -	4. पढ़ कर चित्र बनाएं -	4. पढ़ कर चित्र बनाएं - 5. वाक्य बनाएं - 6. आपने कोई नई पहेली सुनी है तो लिखिए - 7. दिए गए शब्द का एक समान अर्थ वाला शब्द लिखिए और वाक्य बनाइए - 10. चित्र देखिए और इनके बारे में पहेलियाँ याद करके लिखिए - 11. चित्र के नाम से पहेलियाँ बनाइए -	

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
12	म्याऊं - म्याऊं	कविता	कविता लय के साथ पढ़कर सुनाइए। फिर बच्चों के साथ मिलकर गाइए सोई-सोई एक रात में, एक रात में सोई-सोई बात को इस तरह से कहने के तरीके पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। एक ही बात को अक्सर बार-बार अलग तरह से इसलिए भी कहा जाता है, क्योंकि कहने वाला बात की सच्चाई पर विश्वास दिलाना चाहता है या उस पर जोर देना चाहता है। गूगल (इंटरनेट की मदद से कविता खोजकर बहुत जुकाम हुआ नन्दू को भी सुनाइए।	शिक्षक: बच्चों से बातचीत - 1. आपको किस-किस तरह के सपने आते हैं? 2. आप भी कभी सपने में डरे होंगे। उस सपने को सुनाइए। 3. सपने में डर जाने पर आप क्या करते हैं ? 4. आपको किसके साथ होने पर बिलकुल भी डर नहीं लगता ? बोलो, बात बदलकर बोलो- 5. नीचे कुछ वाक्य दिए गये हैं। दो-दो बच्चे मिलकर कविता के अनुसार इन बोलिए - 6. बिल्ली डरकर काँपने लगी। डरकर और क्या-क्या होता है ? 7. आपके अब तक देखे सपनों में सबसे अच्छा सपना क्या था, उसे सुनाइए ।	8. इनसे मिलते-जुलते और शब्द लिखिए-				9. दर की लाइन बनाइए - 10. कहानी के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए - प्र. सं. 11 और 12	

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
13	आम वाली चिड़िया	कहानी	बच्चों को हाव - भाव के साथ कहानी सुनाइए एवं उन्हें भी कहानी सुनाने का अवसर दीजिए। साथ - ही, कहानी के आधार पर बात करें।	2 आपके आसपास वे कौन-कौन सी चीजें हैं जिनका कोई मालिक नहीं होना चाहिए? आम के पेड़ की तरह वे सबकी होनी चाहिए? 3. महिला के पोते ने अजनबी को आम नहीं दिया होता तो अजनबी क्या करता? 4. अजनबी ने पूछा, “इस पेड़ का मालिक कौन है ?” अगर इस सवाल के उत्तर में पेड़ के मालिकों के नाम बताने हों तो आप किस-किस के नाम बताएँगे? 6. अजनबी आदमी को आप पसंद करते हैं या नापसंद? उस अजनबी आदमी की जगह आप होते तो क्या करते? 10. अजनबी प्यासा था। इसको ऐसे भि कह सकते है - अजनबी को प्यास लगी थी। अब निचे दिए वाक्यों को भी इसी तरह बदल कर कहिए - जैसे - बन्दर प्यासा था। कौवा सोया था।	12. रसदार फल रसीले कहलाते हैं। ऐसे ही कांटेदार फल को क्या कहेंगे?		1. आम का पेड़ सबका था। आपके आसपास ऐसा क्या-क्या है, जो सबका है, सबके लिए है ? 2 आपके आसपास वे कौन-कौन सी चीजें हैं जिनका कोई मालिक नहीं होना चाहिए? आम के पेड़ की तरह वे सबकी होनी चाहिए? 5. आम के फलों को पंख लग गये थे और वे उड़ने लगे थे। आपने किन-किन चीजों को उड़ते हुए देखा है? 8. छोटे से बड़े होकर पकने तक आम का स्वाद अलग - अलग लगता है। उन अलग - अलग स्वादों के नाम बताइए? 9. आम ढलान पर लुढ़कने लगे। चीजें एक दूसरी जगह लुढ़क भी जाती है। ये कैसे आते है - मेढक, सांप, खरगोश, बन्दर..... 13. क्या आम के सभी फल मीठे कहलाते हैं?आपने जो आम खाया था उसका स्वाद कैसा लगा ? 14. ‘आमवाली चिड़िया’ कहानी में कौन - कौन से पशु - पक्षी शामिल हैं ? उनके नाम लिखिए -		7. आम के फल मीठे होते हैं। इनका स्वाद कैसा होता है ? क. इमली..... 11. कहानी पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 15. कहानी पढ़ कर खाली जगह को भरिए - 16. नीचे अलग- अलग पशु - पक्षियों के नाम दिए गए है। इन्हें अलग - अलग करके लिखिए -	

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
14	किसान, भालू और आलू	कहानी	बच्चों को हाव - भाव के साथ कहानी सुनाइए एवं उन्हें भी कहानी सुनाने का अवसर दीजिए। साथ - ही, कहानी के आधार पर बात करें।	बच्चों को गोले में बिठाकर कहानी से आधारित प्रश्न 1-7 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।					मिलते-जुलते तीन-तीन शब्द लिखिए। नीचे दी गई वस्तुओं के उपयोग के बारे में एक-एक वाक्य लिखिए।	
15	कितने कौए?	कहानी		बच्चों को गोले में बिठाकर कहानी से आधारित प्रश्न 1-7 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।			उलटे अर्थ वाले शब्दों की जोड़ी मिलाइए	कहानी पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए बीरबल की टोपी का चित्र बनाइए	प्रश्न 9 का उत्तर दें कहानी पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। बीरबल की टोपी का चित्र बनाइए।	
16	बंदर और टोपी	कहानी	शिक्षण संकेत: इस पाठ से पहले बंदर और टोपी वाली मूल कहानी बच्चों को सुनाइए। उसमें व्यापारी को टोपी ज़मीन पर पटकते देख सारे बंदर भी अपनी अपनी टोपी उतारकर ज़मीन पर पटक देते हैं। और व्यापारी टोपियाँ बटोरकर अपनी राह चला जाता है।	बच्चों को गोले में बिठाकर कहानी से आधारित प्रश्न 1-7, 10, 11 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।	ऐसे शब्द सोचिए जिनको पलटकर लिखने से एक नया शब्द बनता है?		कुछ देर बाद उसकी आँखें खुलीं। बात करें कि हम 'आँख खुलना' कब-कब कहते हैं? टोपी बेचने वाला कैसा था?	कहानी पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।	चित्र में रंग भरिए।	

कक्षा 2										
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक									
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	शिक्षण निर्देश	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धाराप्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
17	सूरज जल्दी आना जी!	कविता	शिक्षण संकेत: कविता लय के साथ पढ़कर सुनाइए। फिर बच्चों के साथ मिलकर गाइए। बच्चों को बताइए कि कविता ठंड के मौसम के बारे में है। बच्चों से पूछिए कि ठंड के मौसम में क्या-क्या होता है।	बच्चों को गोले में बिठाकर कविता से आधारित प्रश्न 1-9 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।	इसमें मिलते जुलते और शब्द बनाइए।		नीचे के शब्दों में एक शब्द अलग है। उसे पहचानिए। बताइए, वह क्यों अलग है?	कविता के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।	बरसात को बुलाने के लिए एक कविता बनाइए।	
18	गोनू झा	कहानी	शिक्षण संकेत: बच्चों को बताइए कि गोनू झा को बिहार का बीरबल भी कहा जाता है। वे 13 वीं शताब्दी में हुए थे। मिथिला के राजा हरि सिंह के जमाने में उनकी वही हैसियत थी, जो अकबर के जमाने में बीरबल की थी। बिहार के लोक में प्रचलित गोनू झा की अन्य कहानियाँ भी बच्चों को बताइए।	बच्चों को गोले में बिठाकर कविता से आधारित प्रश्न 1-10 पर चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।	इसमें मिलते-जुलते और शब्द बनाइए।			कहानी के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए- किसने किससे कहा?	ख़ाली स्थान भरिए चित्र देखकर कोई पाँच वाक्य लिखिए।	

कक्षा 3									
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
1	प्रार्थना	कविता	आइए बातचीत करें आपके गाँव की मिट्टी का रंग कैसा है? आपके यहाँ कौन-कौन सी फ़सलें उगाई जाती हैं? आपके घर में मिट्टी से बनी कौन - कौन सी चीज़ें काम में लाई जाती हैं? प्रभु से किन किन चीज़ों को सरल बनाने की प्रार्थना की गई है?	कविता में आए एक जैसी ध्वनियों/ शब्दों की जोड़ी बनाएं|		शब्दार्थ		आपके विद्यालय या घर में कई प्रार्थनाएँ की जाती होंगी उन में से जो आपको याद है उसकी 4 पंक्तियाँ लिखें|	बच्चों से इस प्रार्थना का अभ्यास कराएं|

कक्षा 3									
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
2	प्रतीक्षा	कहानी	आइए बातचीत करें। क्या आपने किसी साधु संत को देखा है? अगर हाँ तो उनके बारे में बताइए कोई ऐसी घटना जिसके जिससे आप को सीख मिली हो बताएं। इस पाठ में बैलगाड़ी की चर्चा है आप और किन-किन सवारियों के नाम जानते हैं? इस कहानी का शीर्षक 'प्रतीक्षा' है। सोचिए इसके और क्या-क्या शीर्षक हो सकते हैं? आपको प्रतीक्षा करना कैसा लगता है? दैनिक जीवन में आप किसकी प्रतीक्षा करते हैं आनंद कहाँ गया था और क्यों? झरने का पानी गरम कैसे हो गया?	पाठ में आए शब्दों के अर्थ		शब्दार्थ			अन्य महापुरुषों के भी प्रेरक प्रसंग बच्चों को सुनाएं।

कक्षा 3									
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
3	मेरा गाँव		आइए बातचीत करें। आपके गाँव का क्या नाम है?, आपको अपने गाँव में क्या अच्छा लगता ह? अपने गाँव या शहर के आसपास की नदी तालाब या झरने के नाम बताइए। अपने दोस्तों के नाम बताइए। कौन से पेड़ आपको अच्छे लगते हैं और क्यों? अपने शिक्षक एवं बड़े बुजुर्गों से पूछकर पता करें कि गांवों में पहले के समय में किसी काम के लिए क्या क्या-क्या साधन थे और अभी के समय में क्या- क्या साधन हैं? खेती के काम के लिए/ पानी निकालने के लिए/ आने जाने के लिए/ रहने के लिए	शब्दों के आगे समान ध्वनि वाले शब्द लिखें		शब्दार्थ, एक जैसे अर्थ वाले शब्द,	वर्णित गाँव के बारे में नीचे कुछ बातें लिखी हैं उसमें कुछ सही है और कुछ ग़लत उन्हें पढ़कर सामने दिए गए कोष्ठक में सही या ग़लत लिखें।		

कक्षा 3									
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
4	बब्बन बंदर	कहानी	बातचीत करें जंगल में कौन कौन सी चीज़ें होती हैं यदि आपको अवसर मिलें तो आप जंगल देखना क्यूँ जाएंगे यदि आप का छोटा भाई है छोटी बहन विद्यालय नहीं जाना चाहें तो आप क्या करेंगे जंगल का राजा कौन लल्ली बच्चों को कैसे बढ़ा दी थी, दोस्तों के साथ मिलकर आप विद्यालय में क्या क्या करते हैं जानवर किसी काम को कैसे सीख पाते हैं उनके बारे में अपने माता पिता या अन्य लोगों से जानकारी प्राप्त करें।			शब्दार्थ, शब्दों के सामने उनके सामान बनी वाले शब्दों को नीचे दिए गए शब्दों के सामने उनके उलटे अर्थ वाला शब्द लिखी है।	पाठ के आधार पर सही बात के सामने टिक प्राचीन तथा ग़लत बात है कि सामने क्रॉस चीन लगाएंगे आप कौन कौन सब्ज़ी के नाम जानते हैं उनके नामउनके उनके नाम नीचे दिये गये खानों में लिखी है।	नियमित रूप से स्कूल जाने के बाद बब्बन को भागे और क्या क्या लाभ हुआ कोई 5 लाख बताइए कहाँ कविता पढ़ी है और उसे कहानियां कहानी की तरह लिखें।	

कक्षा 3									
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
5	ख़ूब मज़े हैं		मौसम के बारे में बात चीत करें। आप अपनी मर्ज़ी से क्या क्या करना चाहते हैं लेकिन कर नहीं पाते हैं? आपको कौन सा मौसम अच्छा लगता है और क्यों? अपने घर को सजाने के लिए आप क्या करते हैं? मौसम अपनी मर्ज़ी से क्या क्या कर सकता है? वर्षा लाकर मौसम क्या-क्या काम कर सकता है? आदि।			शब्दार्थ, मिलते जुलते अर्थो वाली शब्दों के मिलान		किस मौसम में क्या क्या उगता है? किस मौसम में कौनसा रोग फैलता है? समझकर लिखिए।	
6	जंगल में सभा	कहानी	अपने बारे में बताइए। आप अपनी साफ़-सफ़ाई के लिए किन किन बातों का ध्यान रखते हैं? आप अपने घर की साफ़-सफ़ाई में क्या सहयोग करते हैं? खरगोश जंगल छोड़कर जाने की बात क्यों कर रहा है? सभाओं का सभापति कौन था? आदि।			दिए गए शब्दों के समान मिलते-जुलते शब्द लिखें। समूह वाचक शब्द लिखें।	अधूरे वाक्यों को मिलाकर सही एवं पूरा-पूरा वाक्य बनाएं।	सात जंगली और सात पालतू जानवर के नाम लिखें, साफ़-सफ़ाई पर चार पंक्तियों की एक कविता बनाकर या ढूंढकर लिखें।	बच्चों को चर्चा के लिए प्रेरित करें। जिससे उसमें भाषाई सृजनशीलता के साथ साथ पाठ के उद्देश्य को समझने की क्षमता का विकास हो

कक्षा 3									
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
7	फुलवारी	कविता	आइए बातचीत करें। फुलवारी का क्या अर्थ है? आपने कभी फुलवारी देखी है? आपने स्कूल और तितली के अलावा और क्या क्या देखा है? बताएं फुलवारी किस कारण इतनी सुगंधित है? आदि।			यहाँ समान अर्थ वाले शब्दों को मिलाएँ	यहाँ कविता की जिन पंक्तियों का अर्थ/भाव दिया जा रहा है उन्हें कविता से ढूंढकर लिखें। पहेली में कई सारे फूलों के नाम छिपे हैं उन्हें ढूंढ कर घेरा लगाइए और उनके नाम लिखिए। वाक्य पढ़िए और लिखिए कि ये कौन हैं?	पहेली में कई सारे फूलों के नाम छिपे हैं उन्हें ढूंढ कर घेरा लगाइए और उनके नाम लिखिए। वाक्य पढ़िए और लिखिए कि ये कौन हैं?	छोटे छोटे प्रश्न पहुंचकर कविता की पंक्तियां स्पष्ट कीजिए सभी बच्चों से एक साथ और अलग अलग भी कविता पढ़वाए, आपने कौन कौन सी फूल देखे हैं उनके नाम रंग रंग बताएँ।
8	रक्षाबंधन	कविता	अपने बारे में बताएं। आप कितने भाई बहन हैं? आपने राखी का त्योहार मनाया तो क्या क्या किया था? अपनी समझ से बताएं। रक्षा बंधन के अवसर पर बहनें अपने भाई के लिए क्या-क्या ख़रीदती हैं? आदि।			उलटे अर्थ वाले शब्दों से मिलाइए। कुछ त्योहारों के दो-दो नाम होते हैं उन्हें ढूंढकर बताइए।	सजाकर सही शब्द बनाइए। दिए गए शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए		

कक्षा 3									
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
9	तिरंगा	कविता	राष्ट्रीय ध्वज का महत्व समझाएं। देश की आज़ादी की घटनाएं सुनाएं।			शब्दार्थ मुझे मेरे साथी से मिलाइए। शब्द बनाइए।	समझ से बताएँ। शब्दों को मिलाकर वाक्य पूरा करें।	वाक्य से प्रयोग करें। गीत को लिखिए। कविता की पंक्तियाँ पूरी करें। रंगों के नाम लिखिए। विद्यालय में झंडा फहराने के साथ क्या कोई गीत भी गाए जाते है। उस गीत को लिखिए।	राष्ट्रीय ध्वज का महत्व समझाएँ। देश की आज़ादी की घटनाएँ सुनाएँ।
10	कौआ और सांप	कहानी	गहना एवं उसका प्रयोग कौन कहाँ रहता हैं?			शब्दार्थ	कहानी पठन अपनी समझ से बताएँ। पाठ से बताएँ कहानी यह वाक्य किसने कहा और किससे कहा? रेखांकित शब्द के बारे में बातचीत करना।	वाक्यों को क्रम में सजाएं। शब्दों को वाक्य में प्रयोग करें।	सर्वनाम की समझ जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए उसे विशेषण कहते हैं। बड़ा, काला, कई, बूढ़ा, चतुर, अच्छा, ये सब विशेषण के उदाहरण हैं।
11	उल्टा-पुल्टा	कविता	बातचीत करें।	समान ध्वनि वाले दो-दो शब्द लिखिए।	अन्त्याक्षरी के आधार पर शब्द लड़ी बनाना।	शब्दों के समान अर्थ लिखिए।	कविता से बताएँ। पढ़कर समझिए और दूसरी तरह से लिखना सीखिए। उदहारण- बन्दर-बंदर	कविता के आधार पर नीचे दिए गए वाक्यों को पूरा कीजिए। कविता के वाक्यों को सामान्य वाक्यों में लिखिए। शब्दों से वाक्य बनाइए। कविता में जीव-जंतुओं के नाम ढूंढ़कर लिखिए।	

कक्षा 3									
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
12	गाँधी जी कि कहानी-चित्रों की जुबानी	सभी चित्रों को ध्यान से देखने और उसपर प्रश्न पूछने हेतु बच्चों को प्रोत्साहित करें।							सभी चित्रों को ध्यन से देखने और उसपर प्रश्न पूछने हेतु बच्चों को प्रोतसाहित करें। साथ ही बच्चों को बताने को कहें। उदहारण- (क) चित्र में उन्हें क्या-क्या दिख रहा है?
13	राजगीर	कहानी	आइए बातचीत करें।	समान ध्वनि वाले (मिलते-जुलते शब्द लिखें)		शब्दार्थ इसके विलोम शब्द लिखें।	पाठ से बताइए। सही कथन के आगे (टिक) चिह्न तथा गलत कथन के आगे (क्रॉस) चिह्न लगाएँ।	दीपावली के दिन कौन-कौन मिठाईयां तथा पकवान खाये जाते हैं। उनके नाम, रंग-रूप या स्वाद के साथ लिखिए। दीपावली के अलावा अन्य त्योहारों के नाम लिखिए। शिक्षक की सहायता से बिहार राज्य के दर्शनीय स्थानों की सूची बनाइए।	

कक्षा 3									
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
14	दीप जले	कविता	अपने बारे में बताइए।	समान ध्वनि वाले (मिलते-जुलते) शब्द लिखें।		विलोम शब्द लिखें समान ध्वनि वाले (मिलते-जुलते) शब्द लिखें।	पाठ से बताइए। दीपावली के दिन के लिए सही वाक्य के आगे (टिक) चिह्न तथा गलत वाक्य के आगे (क्रॉस) चिह्न लगाएँ।	दीपावली के दिन कौन-कौन सी मिठाईयां तथा पकवान खाये जाते हैं? उनके नाम रंग, रूप या स्वाद के साथ लिखिए। जैसे- मीठी खीर दीपावली दीपावली के पर्व के दिन आपके पिता जी, माँ, भाई और बहन क्या-क्या करते हैं? सूची बनाइए। दीपावली के दिन पटाखे छोड़ते समय आप किन-किन बातों पर ध्यान रखते हैं?	सभी मिठाईयां तथा पकवान के नाम संज्ञा के उदहारण हैं, किन्तु उनके रंग, रूप या स्वाद बताने वाले शब्द विश्लेषण के उदाहरण होंगे। जैसे- मीठी खीर, में खीर, 'संज्ञा' तथा मीठी, 'विश्लेषण' के उदहारण हैं।
15	साहसी इंदिरा	कहानी	आइए बातचीत करें।			गुण के सामने उन पंक्तियों को लिखें जिनसे वह गुण प्रकट होता है। पढ़िए, समझिए और बनाइए। विलोम शब्द लिखें।	पाठ से बताएँ। सही (टिक) गलत (क्रॉस) का निशान लगाएँ। पढ़िए, समझिए और बनाइए। इनसे क्या समझे। अपने से बड़ों से पूछकर लिखें।	गुण के सामने उन पंक्तियों को लिखें जिनसे वह गुण प्रकट होता है।	बच्चों को अन्य स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित बातें भी बताएँ।

कक्षा 3									
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
16	गंगा नदी	कविता	अपने बारे में बताइए।	मुझे सजाकर सही शब्द बनाइए।			अपनी समझ से बताइए। पाठ से बताइए। मुझसे क्या समझे। अधूरे वाक्यों को मिलाकर सही एवं पूरा वाक्य बनाइए।	और भी कई नदियां हैं, बताइए जिनके नाम आप जानते हैं। 'गंगा' से कई व्यक्ति या स्थान के नाम बने हैं, लिखें जिन्हें आप जानते हैं। मुझे वाक्य में प्रयोग करें। उदाहरण- उजला	
17	बैलगाड़ी	कहानी	अपने बारे में बताइए।			शब्दार्थ उल्टे अर्थ वाले शब्द बताएँ।	अपनी समझ से बताएँ। पाठ से बताएँ । खाली स्थानों को भरें। सही वाक्यों के आगे (टिक) चिन्ह तथा गलत वाक्य के आगे (क्रॉस) चिन्ह लगाएँ।	शब्दों को वाक्य में प्रयोग करें।	
18	हम सब	कविता	आइए बातचीत करें।			शब्दार्थ अर्थ/भाव से मिलती हुई पंक्ति कविता में से ढूंढकर लिखिए। दिए गए शब्दों के अर्थ लिखें। दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करें।	पाठ से बताएँ। दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करें। अधूरे वाक्यों को मिलाकार सही एवं पूरा वाक्य बनाएँ।	अर्थ/भाव से मिलती हुई पंक्ति कविता में से ढूंढकर लिखिए। दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करें। आपस में मिलजुल कर रहने से क्या-क्या लाभ हैं?	

कक्षा 3									
	पाठ्यपुस्तक में साक्षरता के घटक								
पाठ संख्या	पाठ का नाम	मुख्य गतिविधि/ प्रश्न का नाम जैसे कहानी, चित्र, कविता इत्यादि	मौखिक भाषा विकास	ध्वनि जागरूकता	डिकोडिंग	शब्द भंडार	धारा प्रवाह पठन एवं समझ	लेखन	अन्य
19	कुत्ते की कहानी	कहानी	आइए बातचीत करें।			शब्दार्थ खाली स्थानों को भरें। कुत्ते में क्या-क्या विशेष गुण होते हैं? इस कारण उनका उपयोग कहाँ-कहाँ होता है? कौन है? उदहारण- (क) कुत्ता, गाय, बकरी, हाथी, हिरण- जानवर है।	अपनी समझ से बताइए। पाठ से बताइए। खाली स्थानों को भरें। दिए गए वाक्यों को सही क्रम में सजाकर लिखना। कौन है ? उदहारण- (क) कुत्ता, गाय, बकरी, हाथी, हिरण- जानवर है।	खाली स्थानों को भरें।	यदि किसी संज्ञा शब्द से एक वस्तु का बोध होता है तो उसे 'एकवचन' और यदि एक से अधिक का बोध होता है तो उसे 'बहुवचन' कहते हैं।
20	खेल-खेल में	एकांकी	आइए बातचीत करें।			शब्दार्थ नीचे दिए गए शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्द बताइए। खेल एवं खिलाडियों के नाम से संबंधित गतिविधि।	अपनी समझ से बताइए। पाठ से बताइए।	आप परिवार में किसके साथ खेल खेलते हैं?	खेलों के नाम जातिवाचक संज्ञा तथा खिलाडियों के नाम व्यक्तिवाचक के उदहारण है।

परिशिष्ट–2

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा

दृष्टिकोण

बच्चों के सर्वांगीण विकास में बाल्यावस्था के दौरान उनकी उचित देखभाल, लालन–पालन व शिक्षा भारतीय परंपराओं का अभिन्न अंग रहा है। भारत के विविध सांस्कृतिक परिदृश्य में एक बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों का महत्त्वपूर्ण स्थान है और इसको लेकर विविध संस्कारों की व्यवस्था की गई है, जैसे नामकरण संस्कार, अन्नप्राशन संस्कार व विद्यारम्भ संस्कार इत्यादि।

भारत में सर्वांगीण विकास के लिए परंपराओं की एक समृद्ध श्रृंखला है, इसमें छोटे बच्चों के संज्ञानात्मक, सांस्कृतिक और भावनात्मक विकास शामिल है। इस तरीके का देखभाल और परवरिश संयुक्त परिवार के भीतर होती थी, जहाँ उनके सामाजिक–भावनात्मक कौशलों के विकास हेतु अभिभावकों और माता–पिता का स्नेह प्राप्त होता था।

भारत शिक्षा की दृष्टि व्यापक और गहरी है, जिसमें यह विचार शामिल था कि बच्चों में छुपी आंतरिक गुणों को निखारने का मौका देता है। ताकि वे आध्यात्मिक विकास भी कर सकें और उनका स्वास्थ्य, सकारात्मक दृष्टिकोण और सामाजिक–भावनात्मक विकास तर्कसंगत निर्णय लेने में मदद करता रहे।

क्षमता विकास करने हेतु विभिन्न प्रकार के प्रयास शिक्षा के जरिए एक एकीकृत और समग्र रूप से होना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और बुनियादी स्तर पर बच्चों की शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022 भी बच्चों के जीवन में प्रथम आठ वर्षों को बहुत महत्त्वपूर्ण मानता है। इन दस्तावेजों के अनुसार इन आठ वर्षों के आगे के जीवन के लिए उनके स्वास्थ्य, सामाजिक और भावनात्मक विकास, सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण, तंत्रों के विकास इत्यादि। पाँच अलग–अलग क्षेत्रों में विकास की व्यवस्था की बात करता है। प्रस्तावित पाठ्यचर्या में भाषा और अंकीय ज्ञान को साथ–साथ देने की चर्चा भी की गई है। और सक्षरता विकास के साथ सीखने के प्रति सकारात्मक सोच की बात भी की गई है।

भारतीय शास्त्रीय ग्रंथों एवं उपनिषदों में वर्णित योग की धारणा के अनुसार मानव का अस्तित्व पाँच भागों में बँटा है, जिसे पंचकोश कहते हैं। बच्चा पंचकोश वाला एक सम्पूर्ण प्राणी है। जिसके पाँच कोश का अभिप्राय इस प्रकार हैः–

i. अन्नमय कोश– जिसका संबंध शरीर से है,
ii. प्राणमय कोश (जीवन शक्ति ऊर्जा स्तर)– जिसका संबंध उसके शारीरिक–तंत्रों से है।
iii. मनोमय कोश – उसकी इच्छा उसके स्वतंत्र वातावरण, उसके काम करने की प्रवृति, दूसरों की बातों को सुनना, अपनी बातों को समझाना, सक्रिय रूप से भाग लेना।
iv. विज्ञानमय कोश – जिसमें उसके तर्क शक्ति का विकास होता है।
v. आंतरिक–सह–आनंदमय कोश– जिसमें वह सही और गलत का निर्णय लेने लगता है।

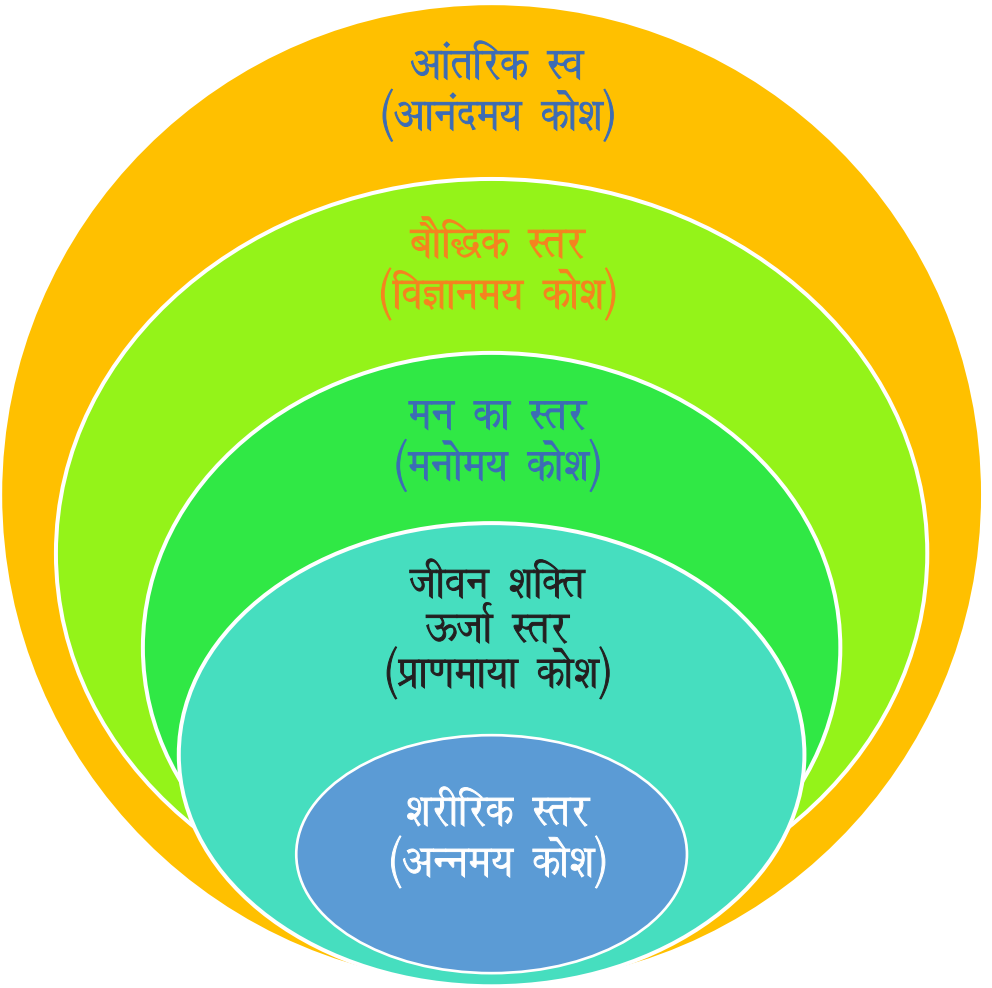

इन पाँच कोशों के अनुरूप ही आज की विज्ञान भी छः डोमेन पर बच्चों के विकास की बात करता है। यह छः डोमेन है– शारीरिक विकास, सामाजिक–भावनात्मक और नैतिक विकास, संज्ञानात्मक विकास, सांस्कृतिक और सौन्दर्यबोध का विकास, भाषा और साक्षरता का विकास और सीखने के प्रति एक सकारात्मक नजरिया (Learning to Learn)। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है कि शिक्षक इन सभी अलग–अलग क्षेत्रों में बच्चों के होने वाले विकास के क्रम को जाने, समझे और उन्हें पर्याप्त कौशल प्रदान करें, चूँकि ये सभी डोमेन एक–दूसरे से संबंधित हैं, एक–दूसरे पर निर्भर हैं। यदि किसी एक क्षेत्र में बच्चों का विकास रूकता है तो उससे अन्य क्षेत्र भी प्रभावित होते हैं। यदि बच्चे का विकास किसी एक क्षेत्र में रूक रहा है या उनकी गति कम हो रही है तो हमें अविलम्ब उस अवरोध को दूर करने के लिए शिक्षकों को धैर्यपूर्वक एवं सावधानीपूर्वक देखभाल करनी है। ताकि अपने आठ वर्ष की अवस्था प्राप्त होते–होते उसके सभी तंत्रों का, शारीरिक विकास, उसके कार्य करने की इच्छा, उसकी सामाजिक एवं संवेगात्मक भावनाओं का समुचित विकास हो सके।

शारीरिक विकास	सामाजिक–भावनात्मक एवं नैतिक विकास	संज्ञानात्मक विकास
सांस्कृतिक व सौन्दर्यबोध का विकास	भाषा व साक्षरता का विकास	सीखने के प्रति सकारात्मकता

सीखने–सिखाने के क्रम में आकलन की बहुत बड़ी भूमिका है। शिक्षक जब सिखाना शुरू करते हैं तो प्रथम प्रतिक्रिया के साथ ही शिक्षक का यह आकलन प्रारंभ हो जाता है कि उन्हें क्या सीखना है? क्या सिखाना है? क्यों सिखाना है? कब सिखाना है? किस माध्यम से सिखाना है? किस समय सिखाना है? कितने देर तक सिखाना है? उसके सीखने लिए परिवेश का निर्माण कैसे करना है? इत्यादि अनेकों प्रश्नों का जवाब ढूँढ़ने के बाद ही एक शिक्षक सिखाने की योजना बना पाते हैं। यह जरूरी है कि शिक्षक इन छः डोमेन/क्षेत्रों के लिए जो भी लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं ताकि बच्चे का विकास और बच्चे के माध्यम से समाज का भी सतत विकास हो सके और सतत विकास के लक्ष्यों को हम प्राप्त कर सकें।

आकलन मुख्यतः तीन नजरिए से किया जाता है – सिखाने के लिए आकलन, सीखी हुई बातों के अवधारणाओं का आकलन और सिखाने का आकलन (Assessment of Learning, Assessment as Learning and Assessment for Learning)। शिक्षा के प्रोफेशनल विकास/पेशेवर कौशल के लिए यह जरूरी है कि वो इन तीनों बातों को ध्यान रखते हुए आकलन के लिए टूल विकसित करें और उस टूल के आधार पर वे अपने नित्य–प्रतिदिन के शिक्षण प्रक्रिया को सीखने–सिखाने की गतिविधियों की योजना बनाएँ।

परिशिष्ट–3

समग्र प्रगति पत्रक (Holistic Progress Card)

समग्र प्रगति पत्रक (HPC) – समग्र प्रगति पत्रक, एक 360 डिग्री की बहुआयामी रिपोर्ट है, जो बच्चों की अकादमिक प्रगति के साथ–साथ संज्ञानात्मक, सामाजिक–भावनात्मक और मनो–गत्यात्मक विकास (Psycho-motor Development) के डोमेन में भी प्रत्येक बच्चे की विशिष्टताओं को विस्तार से दर्शाता है। यानि समग्र प्रगति पत्रक के माध्यम से बच्चों के पारिस्थितिकी (Eco System) के अनुसार उनके सभी आयामों में होने वाली प्रगति का लेखा–जोखा रखना है। उक्त उपकरण का सावधिक अद्यतन के लिए बच्चों के माता–पिता के नजर में, दोस्तों के नजर में, स्व–आकलन एवं शिक्षकों के द्वारा उनकी प्रगति का आकलन किया जाना है। जिससे उनकी आवश्यकता वाले क्षेत्र की पहचान करते हुए उन बिन्दुओं पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रयास किया जा सके। लक्ष्य है कि बच्चों में आत्मविश्वास विकसित हो और वे अपने सीखे हुए कौशलों को बेझिझक प्रदर्शन कर पाएँ साथ ही खुद के अलावे अपने हमउम्र सहपाठियों का भी सहयोग करें व प्रोत्साहित करें। यह प्रगति पत्रक बच्चों द्वारा प्राप्त विभिन्न कौशलों और दक्षताओं के आकलन पर आधारित है।

समग्र प्रगति पत्रक की विशेषताएँ:

- सहभागी, समावेशी और बाल केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित
- HPC कक्षा के लिए परिभाषित दक्षताओं और कौशल के अनुसार बच्चे की क्षमता का आकलन करने का एक उपकरण है।
- HPC शिक्षक, बच्चे और माता–पिता के बीच भागीदारी और चर्चा के साथ बच्चों की ताकत और सुधार के क्षेत्रों का बताता है।
- HPC में बच्चों के सीखने में सुधार के लिए भविष्य में लक्ष्यों को निर्धारित करने में शिक्षक तथा विद्यार्थी के लिए दिशा प्रदान करता है।
- पेंटिंग, ड्राइंग, क्ले–वर्क, प्रोजेक्ट, पूछताछ, विद्यार्थी पोर्टफोलियो, क्विज, ग्रुप वर्क, आदि का उपयोग कर विद्यार्थी का आकलन किया जा सकता है।

इन सभी बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए समग्र प्रगति पत्रक (Holistic Progress Card) का निर्माण किया गया है जिसके निम्नलिखित वर्ग हैं–

- मेरे और मेरे परिवार के बारे में संक्षिप्त जानकारी
- विकासात्मक लक्ष्यों की चेकलिस्ट
- स्व–आकलन, सहयोगी आकलन तथा अभिभावक द्वारा आकलन
- अभिभावक और शिक्षक की प्रतिक्रिया
- शिक्षक बच्चों को चार विभिन्न स्तरों के अनुसार उनकी दक्षता का आकलन करेंगे, जैसे,

  i. बच्चे कक्षा में उदासीन रहते हैं और बिना शिक्षक के सहयोग के कुछ नहीं कर पाते हैं।
  ii. बच्चे शिक्षकों की मदद से कर पाते हैं।
  iii. बच्चे खुद से सीखते हुए प्रदर्शन कर पाते हैं।
  iv. खुद से सीखने के साथ–साथ अपने साथियों का भी मदद करता है।

इससे संबंधित प्रगति के आंकड़े को त्रैमासिक स्तर पर एकत्र करना है। बच्चों के दक्षता के स्तर को चार स्तर पर वर्गीकृत किया जाएगा।

HPC में जानकारी भरने का तरीकाः–

HPC में जानकारी साल में 4 बार एकत्रित की जाएगी जो कि तिमाही के आधार पर होगी।

पहली और तीसरी तिमाही के लिए बच्चों की उपलब्धि का स्तर रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) से लिया जाएगा।

दूसरे और 4 तिमाही के लिए छात्रों की उपलब्धि स्तर संकलनात्मक आकलन (Summative Assessment) लिया जाएगा।

रचनात्मक आकलन की मदद से HPC कैसे भरेंगे–

1. शिक्षक, शिक्षक संदर्शिका में दर्शाए गए भाषा और संख्या ज्ञान के पाठ योजना के अनुसार कक्षा कार्य करेंगे। यह पाठ योजना सीखने के उद्देश्य के आधार पर बने हुए हैं।
2. हर पाठ याजना के आखिर में दी गई वर्कशीट की मदद से बच्चों के सीखने के उद्देश्य के सापेक्ष में उपलब्धि स्तर जान सकता है। प्राप्त स्तर के अनुसार शिक्षक या तो अधिक प्रयास या उपचार प्रदान कर सकते हैं।
3. इसी प्रकार हफ्ते के चौथे दिवस पर शिक्षक हफ्ते भर में पढाए गए उद्देश्यों पर बच्चों का उपलब्धि स्तर जान सकते हैं।
4. हफ्ते भर में बच्चों का जो भी उपलब्धि स्तर होगा उसके अनुसार 'सितारे' रचनात्मक आकलन ट्रैकिंग फॉर्मेट (आकलन के पाठ में एक नमूना दिया गया है) में भर देंगे।
5. इसी प्रकार बचे हुए तीन हफ्तों के लिए शिक्षक विद्यार्थियों की उपलब्धि को ट्रैकिंग फॉर्मेट में भरते चले जायेंगे।
6. इसी प्रकार किसी भी तिमाही के बाकी बचे महीनो में भी सीखने के उद्देश्य के सापेक्ष में बच्चों की उपलब्धि को दर्शाया जा सकता है इसी प्रकार यह मासिक ट्रैकिंग फॉर्मेट शिक्षक द्वारा भरा जाएगा।

संकलनात्मक आकलन की मदद से HPC कैसे भरेंगे–

1. संकलनात्मक आकलन अर्धवार्षिक और वार्षिक परीक्षा हैं जो BEPC द्वारा करवाया जाता है।
2. जिसके लिए विषयवार सभी बच्चों को कुछ निर्धारित अंक दिए जाते हैं।

शिक्षक HPC से प्राप्त जानकारी को कक्षा में कैसे उपयोग कर सकते हैं?

HPC के माध्यम से एक शिक्षक विभिन्न लक्ष्यों के लिए छात्रों के उपलब्धि स्तर का पता लगा सकता है। पूरे महीने विभिन्न उपलब्धि स्तर के अनुसार शिक्षक कक्षा को बच्चों के विभिन्न समूहों में विभाजित कर सकते हैं। विभिन्न समूहों के आवश्यकताओं के आधार पर शिक्षक छात्रों को उपचार प्रदान करने का निर्णय ले सकते हैं।

HPC के फीडबैक को अभिभावक के साथ कैसे साझा करें?

पी. टी. एम. बैठकों में **HPC** को माता–पिता के साथ साझा किया जा सकता है। यह प्रथम तिमाही के अंत में दिया जाना चाहिए। माता–पिता इसे फिर सत्र 1, सत्र 2 के अंत में और फिर सत्र 3 के अंत में भर सकते हैं। स्कूल प्रत्येक सत्र के बाद प्रतिपुष्टि प्राप्त करने का प्रयास कर सकते हैं। प्रत्येक प्रतिपुष्टि के लिए तिथि का उल्लेख किया जाना चाहिए। तीन तिमाही में से प्रत्येक के लिए प्रतिपुष्टि की सिफारिश की जा सकती है, कम से कम दो तिमाही के लिए प्रतिपुष्टि बनाई जा सकती है। बच्चों के लिए बनाए गए पोर्टफोलियो, जहाँ सभी कलाकृतियों को रखा जाता है, उसे पी. टी. एम. के दौरान माता–पिता के साथ भी साझा किया जा सकता है, जिससे माता–पिता को बच्चों की प्रगति को समझने में मदद मिलेगी।

परिशिष्ट–4

शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम)

शुरुआती स्तर पर बच्चे सीखने – सिखाने की प्रक्रियाओं में तब ज्यादा शामिल तभी होते हैं जब उसमें उनकी एक से अधिक इंद्रियों व अपने हाथों का उपयोग होता है। साधारण खिलौनों से लेकर गिनती और संख्या ज्ञान से संबंधित चुनिंदा सामग्रियों तक, विभिन्न प्रकार के शिक्षण–अधिगम सामग्री (टी. एल. एम.) इस स्तर पर अत्यावश्यक होते हैं। सामान्यतः किताबें विशेषकर बाल साहित्य, बाल्यावस्था में प्रिन्ट समृद्ध वातावरण को बनाने के लिए और पढ़ने के प्रति उत्सुकता जगाने के लिए महत्त्वपूर्ण होते हैं इसलिए अनिवार्य है। जैसे–जैसे बच्चे बड़े होते जाते हैं, वर्कबुक व वर्कशीट भी उपयुक्त होती है।

किसी भी प्रकार की शिक्षण सहायक सामग्री के चुनाव हेतु निम्नलिखित बातें सैद्धांतिक तौर पर देखी जा सकती हैं:

1. चुनी गई सामग्री बहुत ही आकर्षक होने के साथ–साथ बच्चों के उपयोग के लिए सुरक्षित भी होनी चाहिए। चूँकि, 3 साल के बच्चे वस्तुओं को अपने मुँह में डाल लेते हैं, अतः सामग्री किस वस्तु से बनी हैं और उसमें किस प्रकार के रंगों का प्रयोग किया गया है, इस बात का ध्यान रखना महत्वपूर्ण हो जाता है।
2. चुनी गई सामग्री बच्चों को खोजने और प्रयोग करने के लिए पर्याप्त जिज्ञासा जगाने के अवसर प्रदान करने वाली होनी चाहिए। टिकाऊ और अच्छी तरह से बनाई गई सामग्री भरपूर उपयोग करने के साथ ही भविष्य में उपयोग के लिए उपलब्ध रह पाती है।
3. चुनी गई सामग्री स्थानीय वस्तुओं से निर्मित या स्थानीय रूप से उपलब्ध होनी चाहिए ताकि टूटने/फटने या खराब होने पर पुनः आसानी से बनाई या प्राप्त की जा सके।
4. टी. एल. एम. के संग्रह में खरीदी गई सामग्री, स्थानीय रूप से बनाई गई सामग्री, शिक्षकों द्वारा बनाई गई सामग्री और यहाँ तक कि बच्चों द्वारा बनाई गई सामग्री भी शामिल होनी चाहिए।

बच्चों के साहित्य का एक छोटा लेकिन अच्छा संग्रह होने से बुनियादी स्तर के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री (टी. एल. एम.) सेट पूरा हो जाता है।

शिक्षकों द्वारा तैयार की जा सकने वाली सामग्री

शुरुआती स्तर के लिए अधिकांश टी. एल. एम. स्थानीय रूप से उपलब्ध और कम लागत वाली सामग्री का उपयोग करके बनाए जाने चाहिए जैसे कि कार्डबोर्ड, स्ट्रॉ, पैकेजिंग सामग्री, पुराने कपड़े, बोतल के ढक्कन/बीज/कंकड़ (गिनने के लिए), माचिस की तीली (तीली पर से मसाला हटाकर), पुराने टायर, प्लास्टिक की बोतलें, और कंटेनर (मापने के लिए), नारियल के गोले, रद्दी कागज, अंडे की ट्रे (छँटाई के लिए) आदि सभी शिक्षण अधिगम सामग्री (टी. एल. एम.) विकसित करने हेतु बेहतर सामग्री हो सकते हैं।

बच्चों द्वारा तैयार की जा सकने वाली सामग्री

बच्चे साधारण टी. एल. एम. अपनी कला और शिल्प के कार्य में बना सकते हैं। शिक्षक उपयोग किये गए कपड़े ला सकते हैं, जिन्हें गेंद, कठपुतलियाँ और खेलने के लिए खिलौने बनाने के लिए उपयोग किया जा सकता है। साधारण खिलौने, पहेलियाँ और बोर्ड गेम बनाना छोटे बच्चों के लिए बहुत ही आकर्षक और उन्हें जूझने के लिए प्रेरित करने वाली गतिविधियाँ हो सकती है। इन सामग्रियों को डिजाइन करने और बनाने में बच्चों को शामिल करने से उनके चहुँमुखी विकास के अवसर भी खुलते हैं।

बाजार से खरीदी जा सकने वाली सामग्री

बहुत से टी. एल. एम. ना तो स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो पाते हैं और ना ही उनका कम खर्चे के सामान से निर्माण किया जा सकता है। उनको बनाने के लिए अत्याधुनिक उपकरण चाहिए होते हैं। इस प्रकार के टीएलएम को बाजार से खरीदा जा सकता है।

सामग्री का इस्तेमाल

विभिन्न प्रकार की सामग्रियों के संग्रहण करने के साथ–साथ उनका व्यवस्थित तरीके से रख–रखाव, मरम्मत व प्रयोग की संस्कृति का विकास करना भी महत्वपूर्ण होता है। शिक्षकों को इसे सीखने सिखाने के सिद्धांत के तौर पर

देखना चाहिए। स्कूलों में सामग्रियों को अलमारी में लॉक करके रखना और उसके प्रयोग में लापरवाही बरतना, दोनों ही स्थितियों में बच्चे बिना सामग्री के रह जाते हैं, परिणामस्वरूप उनके प्रतिफलों की प्राप्ति नहीं हो पाती है। सामग्रियों की उचित देखभाल व प्रयोग शुरुआती स्तर पर सीखने के प्रतिफल के तौर पर देखा जाना चाहिए जिससे यह बच्चों की आदत का हिस्सा बनें और आने वाले समय के लिए उनको तैयार भी करें।

सामग्रियों से संबंधित कुछ सांस्कृतिक बदलाव स्कूली स्तर पर निम्नवत हो सकते हैं:

- पढ़ने की घंटी का विद्यालय की समय सारिणी का हिस्सा होना जिसमें प्रत्येक कक्षा के सभी बच्चों को पाठ्यपुस्तक के इतर विभिन्न प्रकार की किताबों को देखने, पलटने, पढ़ने व उनपर बातचीत करने का अवसर प्राप्त हो।
- विद्यालय की लाइब्रेरी से किताबों को घर के लिए लेना, समय पर वापस करना और पढ़ी गई किताब पर बातचीत करना।
- कक्षा–कक्ष में बच्चों के छोटे–छोटे समूहों को टी. एल. एम. बनाने, उनसे खेलने व उसपर बातचीत करने के अवसर प्राप्त हो।
- बच्चों द्वारा अपनी समझ को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न माध्यमों जैसे दीवार पत्रिका या बाल पत्रिका आदि बनाना।
- शिक्षकों एवं बच्चों द्वारा स्वयं से नवाचारी टी. एल. एम. बनाने व प्रयोग किये जाने को सभी तक पहुँचाने हेतु समय–समय पर मेलों का आयोजन करना।
- शिक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि बच्चे खुद से टी. एल. एम. से कार्य करने में झिझके नहीं। बच्चों के साथ टी. एल. एम. से किए गए कार्यों पर चर्चा करें और उनसे पुनः करवायें।
- उनके कौशल विकास के लिए शिक्षक पहले खुद करें और फिर बच्चों से करवायें जिससे बच्चों में कौशल विकास हो पाए।
- शिक्षक, कक्षा में करवाने वाले शिक्षण विधि के अनुसार ही टी. एल. एम. का उपयोग करवायेंगे।

आई. सी. टी. आधारित टी. एल. एम.

कैसे उपयोग में लाएँ?

- विभिन्न प्रकार की सामग्रियों की पहुँच को बच्चे के सीखने के अनुसार, आयु उपयुक्त, समावेशिता और भाषाओं की विविधता को संज्ञान में रखते हुए एक श्रृंखला में सभी के लिए सुलभ हो यह सुनिश्चित करना।
- सामग्री का मुख्य फोकस सीखने वाले के लिए सीखना सरल व रुचिकर बनें यह सुनिश्चित करना।
- सामग्री की सुलभता और उपयोग के लिए शिक्षकों, माता–पिता और समुदाय की क्षमता संवर्धन की ठोस योजनाओं को बनाना व उनको सही तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।

विभिन्न प्रकार के आई. सी. टी. आधारित टी.एल.एम. की सुलभता निम्न माध्यमों से की जा सकती है :

1. **विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का कोशः** बच्चों की आयु के अनुरूप व विश्वसनीयता पर खरे उतरने वाले ऑडियो–विडियो सामग्री बच्चों के साथ–साथ माता–पिता और समुदाय के लिए भी उपयोगी हो सकती है। नई एवं अपरिचित अवधारणाओं को समझाने में प्रयोग की जा सकती हैं। कहानी, कविता, कार्टून, खेल, पजल आदि को एक जगह पर व वर्गानुसार सभी के लिए उपलब्ध किया जाना चाहिए तथा उनके उपयोग हेतु निर्देश भी साफ तौर पर दिए जाने चाहियें। जैसे डिजिटल रूप से कहानी की पुस्तकों की श्रृंखला तक पहुँच रखने वाले माता–पिता, विशेषकर जो स्कूली भाषा से अपरिचित हैं या पढ़ने में धाराप्रवाह नहीं हैं, वे अपने बच्चों को जोर से पढ़ने (Read Aloud) के लिए बोल सकते हैं।

1. **सामग्री की सोर्सिंग:** शुरुआती स्तर के बच्चों के लिए सामग्री निर्माण करने वाले रचनाकारों को बच्चों, शिक्षकों, माता–पिता के लिए सामग्री का योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है तथा एनडीईएआर (ndear-gov-in) और दीक्षा पोर्टल (vdn-diksha-gov) का उपयोग करके सभी की पहुँच में लाया जा सकता है। बहुभाषी स्थितियों में भाषिणी यूएलसीए (https://bhashini-gov-in/ulca) कार्यक्रमों का लाभ उठाया जा सकता है।

1. **क्यू.आर. कोड (QR Code) का उपयोग:** पाठ्यक्रम से जुड़ी सामग्री की पहुँच में आसानी के लिए क्यू. आर. कोड का उपयोग किया जा सकता है। शिक्षक और छात्र द्वारा इस कोड का लाभ उठाना भी सुनिश्चित कर सकता है। QR कोड से लिंक की गई सामग्री को किसी भी समय अपडेट/संशोधित किया जा सकता है।

बच्चों के डिजिटल अधिकार

समानता के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक बच्चे की पहुँच और अधिकार में, प्रौद्योगिकी में भागीदारी और उसका उपयोग हो। सुरक्षा और भागीदारी के बीच एक संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बच्चों को सूचना, स्वतंत्रता और गोपनीयता का अधिकार है, और साथ ही उन्हें दुरुपयोग और नुकसान से बचाने का अधिकार भी है। बच्चों को किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाने के लिए जरूरी है कि वे शिक्षक के निर्देशन में कार्य करें। साथ ही बच्चों में स्वतंत्रता की परिसीमा की समझ विकसित करने हेतु उसपर ध्यान रखें। बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (UN Commission) ने 2021 में बच्चों के डिजिटल अधिकारों पर सामान्य टिप्पणी 25 (General Comment 25) को अपनाया और निम्नलिखित मार्गदर्शन जारी किया। बच्चों के अधिकारों के लिए चार सिद्धांत हैः

1. **गैर–भेदभावः** बच्चों को भेदभाव से बचाया जाना चाहिए और उनके साथ उचित व्यवहार किया जाना चाहिए।
2. **जीवन रक्षा और विकासः** बच्चों को जिस दिशा में वे बढ़ना चाहते हैं उन्हें बिना किसी हानिकारक हस्तक्षेप बढ़ने में सहयोग दिया जाना चाहिए। इस संदर्भ में, बच्चों से संबंधित डेटा व उसके उपयोग को गोपनीयता से संभाला जाना चाहिए।
3. **बच्चे का सर्वोत्तम हितः** कोई भी निर्णय लेते समय, वयस्क (सरकार और व्यवसायी सहित) को वही करना चाहिए जो खुद के बजाय बच्चों के लिए सबसे अच्छा है।
4. **बच्चों के विचारों का सम्मानः** बच्चों की राय, उन सभी चीजों में जिनकी वे परवाह करते हैं, को ध्यान में रखा जाना चाहिए ।

परिशिष्ट–5

सतत विकास लक्ष्य (SDGs)

सन् 2015 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वैश्विक स्तर पर सन् 2030 तक गरीबी उन्मूलन, सम्पूर्ण ग्रह की रक्षा एवं सभी लोगों की शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए एक सार्वभौमिक आह्वान के रूप में सतत विकास लक्ष्य को अपनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 2030 तक तय किए गए 17 लक्ष्यों में चौथा लक्ष्य वैश्विक स्तर पर सभी बच्चों को अबाध रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने पर है। यह लक्ष्य ऐसे इको–सिस्टम विकसित करने की बात करता है जिसमें सभी लड़कियों और लड़कों को सन् 2030 तक मुफ्त प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा उपलब्ध करवाया जा सके तथा बिना किसी जाति, लिंग एवं वर्ग भेद के उनकी गुणवत्तापूर्ण दक्षता एवं कौशल विकास हो सके।

प्रतिफल लक्ष्य:

- 2030 तक सभी लड़कियों और लड़कों के पास गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास, देखभाल और पूर्व–प्राथमिक शिक्षा तक पहुँच हो ताकि आगे की शिक्षा एवं विकास हेतु बुनियाद पक्की हो सके।
- 2030 तक शिक्षा में लैगिंक असमानताओं को खत्म करना और कमजोर लोगों के लिए शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के सभी स्तरों तक समान पहुँच सुनिश्चित करना।
- ऐसी शिक्षा सुविधाओं का निर्माण और उन्नयन करना जो विशेष आवश्यकता वाले बच्चों एवं प्रतिभाशाली बच्चों के प्रति संवेदनशील हों और सभी के लिए सुरक्षित, अहिंसक, समावेशी और प्रभावी शिक्षण वातावरण प्रदान करता हो।
- 2030 तक यह सुनिश्चित करना कि सभी बच्चे सतत विकास के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्राप्त कर सकें और उनमें सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो सके।
- 2030 तक सभी लड़कियाँ और लड़के मुफ्त, समान और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक और माध्यमिक प्राप्त कर लें। उनके सभी क्षेत्रों का विकास हो ताकि वे जिम्मेदार और हुनरमंद नागरिक बन सकें।

India Partnership For Early Learning (IPEL)